विदेह VIDEHA

UPSC मैथिली (वैकल्पिक)

UPSC Maithili Optional

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड १४ / १६ · Volume 14 of 16

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. कीचकवध — तंत्रनाथ झा | विदेह क्विज ५०० प्रश्न

२. समकालीन मैथिली कविता — विदेह क्विज १००० प्रश्न

३. दत्त-वती — सुरेन्द्र झा ‘सुमन’ | विदेह क्विज १००० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

s6

१. अमित्राक्षरक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) केवल लोक-धुन
(B) केवल दोहा
(C) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान
(D) केवल सोरठा

२. कीचकवधक अध्ययनमे अमित्राक्षर सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल दोहा
(B) केवल सोरठा
(C) केवल लोक-धुन
(D) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान

३. अमित्राक्षर सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) केवल सोरठा
(B) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान
(C) केवल लोक-धुन
(D) केवल दोहा

४. अमित्राक्षरकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान
(B) केवल सोरठा
(C) केवल लोक-धुन
(D) केवल दोहा

५. परीक्षा-उत्तरमे अमित्राक्षरक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) केवल सोरठा
(B) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान
(C) केवल दोहा
(D) केवल लोक-धुन

६. अमित्राक्षरक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) केवल दोहा
(B) केवल लोक-धुन
(C) केवल सोरठा
(D) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान

७. अमित्राक्षरक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) केवल लोक-धुन
(B) केवल दोहा
(C) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान
(D) केवल सोरठा

८. अमित्राक्षर पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) केवल दोहा
(B) केवल सोरठा
(C) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान
(D) केवल लोक-धुन

९. अमित्राक्षरक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) केवल सोरठा

(B) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान

(C) केवल दोहा

(D) केवल लोक-धुन

१०. अमित्राक्षरक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) केवल लोक-धुन

(B) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान

(C) केवल दोहा

(D) केवल सोरठा

११. दीर्घ पंक्ति-विन्यासक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह

(B) पत्र-सूची

(C) मुहावरा मात्र

(D) एकाक्षरी सूत्र

१२. कीचकवधक अध्ययनमे दीर्घ पंक्ति-विन्यास सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) एकाक्षरी सूत्र

(B) मुहावरा मात्र

(C) पत्र-सूची

(D) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह

१३. दीर्घ पंक्ति-विन्यास सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह

(B) एकाक्षरी सूत्र

(C) पत्र-सूची

(D) मुहावरा मात्र

१४. दीर्घ पंक्ति-विन्यासकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) मुहावरा मात्र

(B) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह

(C) पत्र-सूची

(D) एकाक्षरी सूत्र

१५. परीक्षा-उत्तरमे दीर्घ पंक्ति-विन्यासक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) मुहावरा मात्र

(B) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह

(C) पत्र-सूची

(D) एकाक्षरी सूत्र

१६. दीर्घ पंक्ति-विन्यासक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह

(B) पत्र-सूची

(C) एकाक्षरी सूत्र

(D) मुहावरा मात्र

१७. दीर्घ पंक्ति-विन्यासक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) एकाक्षरी सूत्र

(B) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह

(C) मुहावरा मात्र

(D) पत्र-सूची

१८. दीर्घ पंक्ति-विन्यास पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) पत्र-सूची

(B) एकाक्षरी सूत्र

(C) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह

(D) मुहावरा मात्र

१९. दीर्घ पंक्ति-विन्यासक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह

(B) पत्र-सूची

(C) मुहावरा मात्र

(D) एकाक्षरी सूत्र

२०. दीर्घ पंक्ति-विन्यासक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) पत्र-सूची

(B) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह

(C) एकाक्षरी सूत्र

(D) मुहावरा मात्र

२१. चतुर्दशपदी प्रयोगक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) पुराणक श्लोक मात्र

(B) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति

(C) नाटकक पात्र-सूची

(D) फसलक नामावली

२२. कीचकवधक अध्ययनमे चतुर्दशपदी प्रयोग सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) फसलक नामावली

(B) पुराणक श्लोक मात्र

(C) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति

(D) नाटकक पात्र-सूची

२३. चतुर्दशपदी प्रयोग सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) पुराणक श्लोक मात्र

(B) नाटकक पात्र-सूची

(C) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति

(D) फसलक नामावली

२४. चतुर्दशपदी प्रयोगकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) पुराणक श्लोक मात्र

(B) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति

(C) फसलक नामावली

(D) नाटकक पात्र-सूची

२५. परीक्षा-उत्तरमे चतुर्दशपदी प्रयोगक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) फसलक नामावली

(B) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति

(C) नाटकक पात्र-सूची

(D) पुराणक श्लोक मात्र

२६. चतुर्दशपदी प्रयोगक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) फसलक नामावली

(B) पुराणक श्लोक मात्र

(C) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति

(D) नाटकक पात्र-सूची

२७. चतुर्दशपदी प्रयोगक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति

(B) फसलक नामावली

(C) नाटकक पात्र-सूची

(D) पुराणक श्लोक मात्र

२८. चतुर्दशपदी प्रयोग पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) फसलक नामावली

(B) पुराणक श्लोक मात्र

(C) नाटकक पात्र-सूची

(D) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति

२९. चतुर्दशपदी प्रयोगक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति

(B) फसलक नामावली

(C) पुराणक श्लोक मात्र

(D) नाटकक पात्र-सूची

३०. चतुर्दशपदी प्रयोगक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) फसलक नामावली

(B) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति

(C) नाटकक पात्र-सूची

(D) पुराणक श्लोक मात्र

३१. संस्कृतनिष्ठ शब्दावलीक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) बाजारू विज्ञापन

(B) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता

(C) केवल बाल-भाषा

(D) दरबारी हिसाब-किताब

३२. कीचकवधक अध्ययनमे संस्कृतनिष्ठ शब्दावली सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) बाजारू विज्ञापन

(B) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता

(C) दरबारी हिसाब-किताब

(D) केवल बाल-भाषा

३३. संस्कृतनिष्ठ शब्दावली सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता

(B) दरबारी हिसाब-किताब

(C) बाजारू विज्ञापन

(D) केवल बाल-भाषा

३४. संस्कृतनिष्ठ शब्दावलीकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) बाजारू विज्ञापन

(B) केवल बाल-भाषा

(C) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता

(D) दरबारी हिसाब-किताब

३५. परीक्षा-उत्तरमे संस्कृतनिष्ठ शब्दावलीक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) दरबारी हिसाब-किताब

(B) केवल बाल-भाषा

(C) बाजारू विज्ञापन

(D) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता

३६. संस्कृतनिष्ठ शब्दावलीक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता

(B) बाजारू विज्ञापन

(C) दरबारी हिसाब-किताब

(D) केवल बाल-भाषा

३७. संस्कृतनिष्ठ शब्दावलीक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) केवल बाल-भाषा

(B) बाजारू विज्ञापन

(C) दरबारी हिसाब-किताब

(D) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता

३८. संस्कृतनिष्ठ शब्दावली पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) बाजारू विज्ञापन

(B) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता

(C) केवल बाल-भाषा

(D) दरबारी हिसाब-किताब

३९. संस्कृतनिष्ठ शब्दावलीक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) केवल बाल-भाषा

(B) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता

(C) बाजारू विज्ञापन

(D) दरबारी हिसाब-किताब

४०. संस्कृतनिष्ठ शब्दावलीक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) दरबारी हिसाब-किताब

(B) केवल बाल-भाषा

(C) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता

(D) बाजारू विज्ञापन

४१. मैथिली काव्य-स्वरक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) केवल चित्रकला

(B) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा

(C) मौन अभिनय

(D) विदेशी भाषा-त्याग मात्र

४२. कीचकवधक अध्ययनमे मैथिली काव्य-स्वर सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा

(B) केवल चित्रकला

(C) मौन अभिनय

(D) विदेशी भाषा-त्याग मात्र

४३. मैथिली काव्य-स्वर सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) केवल चित्रकला

(B) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा

(C) विदेशी भाषा-त्याग मात्र

(D) मौन अभिनय

४४. मैथिली काव्य-स्वरकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) केवल चित्रकला

(B) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा

(C) विदेशी भाषा-त्याग मात्र

(D) मौन अभिनय

४५. परीक्षा-उत्तरमे मैथिली काव्य-स्वरक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा

(B) विदेशी भाषा-त्याग मात्र

(C) मौन अभिनय

(D) केवल चित्रकला

४६. मैथिली काव्य-स्वरक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) मौन अभिनय

(B) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा

(C) विदेशी भाषा-त्याग मात्र

(D) केवल चित्रकला

४७. मैथिली काव्य-स्वरक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) केवल चित्रकला

(B) विदेशी भाषा-त्याग मात्र

(C) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा

(D) मौन अभिनय

४८. मैथिली काव्य-स्वर पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) मौन अभिनय

(B) विदेशी भाषा-त्याग मात्र

(C) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा

(D) केवल चित्रकला

४९. मैथिली काव्य-स्वरक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा

(B) मौन अभिनय

(C) विदेशी भाषा-त्याग मात्र

(D) केवल चित्रकला

५०. मैथिली काव्य-स्वरक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) विदेशी भाषा-त्याग मात्र

(B) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा

(C) केवल चित्रकला

(D) मौन अभिनय

५१. संवाद-गतिक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) गणितीय सारणी

(B) नामावली-लेखन

(C) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन

(D) मौसम-रिपोर्ट

५२. कीचकवधक अध्ययनमे संवाद-गति सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) नामावली-लेखन

(B) मौसम-रिपोर्ट

(C) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन

(D) गणितीय सारणी

५३. संवाद-गति सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) गणितीय सारणी

(B) नामावली-लेखन

(C) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन

(D) मौसम-रिपोर्ट

५४. संवाद-गतिकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) नामावली-लेखन

(B) गणितीय सारणी

(C) मौसम-रिपोर्ट

(D) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन

५५. परीक्षा-उत्तरमे संवाद-गतिक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) मौसम-रिपोर्ट

(B) गणितीय सारणी

(C) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन

(D) नामावली-लेखन

५६. संवाद-गतिक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) नामावली-लेखन

(B) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन

(C) गणितीय सारणी

(D) मौसम-रिपोर्ट

५७. संवाद-गतिक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) गणितीय सारणी

(B) मौसम-रिपोर्ट

(C) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन

(D) नामावली-लेखन

५८. संवाद-गति पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) मौसम-रिपोर्ट

(B) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन

(C) नामावली-लेखन

(D) गणितीय सारणी

५९. संवाद-गतिक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) मौसम-रिपोर्ट

(B) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन

(C) गणितीय सारणी

(D) नामावली-लेखन

६०. संवाद-गतिक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) गणितीय सारणी

(B) नामावली-लेखन

(C) मौसम-रिपोर्ट

(D) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन

६१. नाटकीयताक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) संगीत-सिद्धान्त मात्र

(B) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास

(C) राजस्व लेखा

(D) कथा-विहीन सूची

६२. कीचकवधक अध्ययनमे नाटकीयता सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) राजस्व लेखा

(B) कथा-विहीन सूची

(C) संगीत-सिद्धान्त मात्र

(D) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास

६३. नाटकीयता सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) कथा-विहीन सूची

(B) राजस्व लेखा

(C) संगीत-सिद्धान्त मात्र

(D) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास

६४. नाटकीयताकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) राजस्व लेखा

(B) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास

(C) कथा-विहीन सूची

(D) संगीत-सिद्धान्त मात्र

६५. परीक्षा-उत्तरमे नाटकीयताक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास

(B) संगीत-सिद्धान्त मात्र

(C) राजस्व लेखा

(D) कथा-विहीन सूची

६६. नाटकीयताक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) राजस्व लेखा

(B) संगीत-सिद्धान्त मात्र

(C) कथा-विहीन सूची

(D) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास

६७. नाटकीयताक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास

(B) राजस्व लेखा

(C) संगीत-सिद्धान्त मात्र

(D) कथा-विहीन सूची

६८. नाटकीयता पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) संगीत-सिद्धान्त मात्र

(B) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास

(C) राजस्व लेखा

(D) कथा-विहीन सूची

६९. नाटकीयताक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) संगीत-सिद्धान्त मात्र

(B) कथा-विहीन सूची

(C) राजस्व लेखा

(D) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास

७०. नाटकीयताक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास

(B) कथा-विहीन सूची

(C) संगीत-सिद्धान्त मात्र

(D) राजस्व लेखा

७१. रस-संयोजनक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन

(B) रसहीन गद्य

(C) केवल हास्य रस

(D) केवल अद्भुत दृश्य

७२. कीचकवधक अध्ययनमे रस-संयोजन सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल अद्भुत दृश्य

(B) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन

(C) केवल हास्य रस

(D) रसहीन गद्य

७३. रस-संयोजन सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन

(B) रसहीन गद्य

(C) केवल अद्भुत दृश्य

(D) केवल हास्य रस

७४. रस-संयोजनकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) केवल हास्य रस

(B) केवल अद्भुत दृश्य

(C) रसहीन गद्य

(D) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन

७५. परीक्षा-उत्तरमे रस-संयोजनक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) रसहीन गद्य

(B) केवल हास्य रस

(C) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन

(D) केवल अद्भुत दृश्य

७६. रस-संयोजनक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) केवल हास्य रस

(B) केवल अद्भुत दृश्य

(C) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन

(D) रसहीन गद्य

७७. रस-संयोजनक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन

(B) रसहीन गद्य

(C) केवल अद्भुत दृश्य

(D) केवल हास्य रस

७८. रस-संयोजन पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) केवल अद्भुत दृश्य

(B) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन

(C) रसहीन गद्य

(D) केवल हास्य रस

७९. रस-संयोजनक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन

(B) रसहीन गद्य

(C) केवल हास्य रस

(D) केवल अद्भुत दृश्य

८०. रस-संयोजनक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन

(B) केवल अद्भुत दृश्य

(C) रसहीन गद्य

(D) केवल हास्य रस

८१. पाश्चात्य शैलीक संस्पर्शक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश

(B) साहित्य छोड़ब

(C) मूल कथा हटब

(D) देवनागरी त्यागब

८२. कीचकवधक अध्ययनमे पाश्चात्य शैलीक संस्पर्श सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) साहित्य छोड़ब

(B) देवनागरी त्यागब

(C) मूल कथा हटब

(D) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश

८३. पाश्चात्य शैलीक संस्पर्श सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश

(B) साहित्य छोड़ब

(C) मूल कथा हटब

(D) देवनागरी त्यागब

८४. पाश्चात्य शैलीक संस्पर्शकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश

(B) मूल कथा हटब

(C) साहित्य छोड़ब

(D) देवनागरी त्यागब

८५. परीक्षा-उत्तरमे पाश्चात्य शैलीक संस्पर्शक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) साहित्य छोड़ब

(B) मूल कथा हटब

(C) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश

(D) देवनागरी त्यागब

८६. पाश्चात्य शैलीक संस्पर्शक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) देवनागरी त्यागब

(B) साहित्य छोड़ब

(C) मूल कथा हटब

(D) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश

८७. पाश्चात्य शैलीक संस्पर्शक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश

(B) मूल कथा हटब

(C) साहित्य छोड़ब

(D) देवनागरी त्यागब

८८. पाश्चात्य शैलीक संस्पर्श पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) साहित्य छोड़ब

(B) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश

(C) देवनागरी त्यागब

(D) मूल कथा हटब

८९. पाश्चात्य शैलीक संस्पर्शक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) साहित्य छोड़ब

(B) देवनागरी त्यागब

(C) मूल कथा हटब

(D) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश

९०. पाश्चात्य शैलीक संस्पर्शक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) साहित्य छोड़ब

(B) देवनागरी त्यागब

(C) मूल कथा हटब

(D) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश

९१. शिल्प आ कथ्यक संतुलनक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) केवल तथ्य-संकलन

(B) केवल पात्र-गणना

(C) केवल शीर्षक-विस्तार

(D) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण

९२. कीचकवधक अध्ययनमे शिल्प आ कथ्यक संतुलन सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल पात्र-गणना

(B) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण

(C) केवल शीर्षक-विस्तार

(D) केवल तथ्य-संकलन

९३. शिल्प आ कथ्यक संतुलन सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) केवल तथ्य-संकलन

(B) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण

(C) केवल पात्र-गणना

(D) केवल शीर्षक-विस्तार

९४. शिल्प आ कथ्यक संतुलनकैँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) केवल तथ्य-संकलन

(B) केवल पात्र-गणना

(C) केवल शीर्षक-विस्तार

(D) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण

९५. परीक्षा-उत्तरमे शिल्प आ कथ्यक संतुलनक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) केवल तथ्य-संकलन

(B) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण

(C) केवल पात्र-गणना

(D) केवल शीर्षक-विस्तार

९६. शिल्प आ कथ्यक संतुलनक प्रसंग पाठककैँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) केवल तथ्य-संकलन

(B) केवल शीर्षक-विस्तार

(C) केवल पात्र-गणना

(D) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण

९७. शिल्प आ कथ्यक संतुलनक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) केवल पात्र-गणना

(B) केवल शीर्षक-विस्तार

(C) केवल तथ्य-संकलन

(D) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण

९८. शिल्प आ कथ्यक संतुलन पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) केवल पात्र-गणना

(B) केवल शीर्षक-विस्तार

(C) केवल तथ्य-संकलन

(D) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण

९९. शिल्प आ कथ्यक संतुलनक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण

(B) केवल तथ्य-संकलन

(C) केवल शीर्षक-विस्तार

(D) केवल पात्र-गणना

१००. शिल्प आ कथ्यक संतुलनक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) केवल शीर्षक-विस्तार

(B) केवल तथ्य-संकलन

(C) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण

(D) केवल पात्र-गणना

s7

१०१. वीर रसक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) दरबारक लेखा

(B) मौसमक सूचना

(C) कीचकक कायरता

(D) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव

१०२. कीचकवधक अध्ययनमे वीर रस सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) कीचकक कायरता

(B) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव

(C) दरबारक लेखा

(D) मौसमक सूचना

१०३. वीर रस सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) कीचकक कायरता

(B) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव

(C) दरबारक लेखा

(D) मौसमक सूचना

१०४. वीर रसकैँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) मौसमक सूचना

(B) दरबारक लेखा

(C) कीचकक कायरता

(D) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव

१०५. परीक्षा-उत्तरमे वीर रसक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) कीचकक कायरता

(B) दरबारक लेखा

(C) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव

(D) मौसमक सूचना

१०६. वीर रसक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) कीचकक कायरता

(B) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव

(C) दरबारक लेखा

(D) मौसमक सूचना

१०७. वीर रसक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) दरबारक लेखा

(B) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव

(C) कीचकक कायरता

(D) मौसमक सूचना

१०८. वीर रस पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) मौसमक सूचना

(B) कीचकक कायरता

(C) दरबारक लेखा

(D) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव

१०९. वीर रसक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) मौसमक सूचना

(B) दरबारक लेखा

(C) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव

(D) कीचकक कायरता

११०. वीर रसक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) कीचकक कायरता

(B) दरबारक लेखा

(C) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव

(D) मौसमक सूचना

१११. रौद्र रसक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) विवाहक कोमलता

(B) बाल-क्रीड़ा

(C) कृषि-वर्णन

(D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता

११२. कीचकवधक अध्ययनमे रौद्र रस सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) बाल-क्रीड़ा

(B) विवाहक कोमलता

(C) कृषि-वर्णन

(D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता

११३. रौद्र रस सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) बाल-क्रीड़ा

(B) कृषि-वर्णन

(C) विवाहक कोमलता

(D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता

११४. रौद्र रसकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) विवाहक कोमलता

(B) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता

(C) बाल-क्रीड़ा

(D) कृषि-वर्णन

११५. परीक्षा-उत्तरमे रौद्र रसक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) बाल-क्रीड़ा

(B) कृषि-वर्णन

(C) विवाहक कोमलता

(D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता

११६. रौद्र रसक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) कृषि-वर्णन

(B) बाल-क्रीड़ा

(C) विवाहक कोमलता

(D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता

११७. रौद्र रसक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता

(B) विवाहक कोमलता

(C) बाल-क्रीड़ा

(D) कृषि-वर्णन

११८. रौद्र रस पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) विवाहक कोमलता

(B) कृषि-वर्णन

(C) बाल-क्रीड़ा

(D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता

११९. रौद्र रसक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) विवाहक कोमलता

(B) बाल-क्रीड़ा

(C) कृषि-वर्णन

(D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता

१२०. रौद्र रसक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) कृषि-वर्णन

(B) बाल-क्रीड़ा

(C) विवाहक कोमलता

(D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता

१२१. करुण भावक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) कीचकक उत्सव

(B) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण

(C) हास्य विनोद

(D) विराटक विजय-गीत

१२२. कीचकवधक अध्ययनमे करुण भाव सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) कीचकक उत्सव

(B) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण

(C) विराटक विजय-गीत

(D) हास्य विनोद

१२३. करुण भाव सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण

(B) हास्य विनोद

(C) कीचकक उत्सव

(D) विराटक विजय-गीत

१२४. करुण भावकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) कीचकक उत्सव

(B) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण

(C) विराटक विजय-गीत

(D) हास्य विनोद

१२५. परीक्षा-उत्तरमे करुण भावक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) विराटक विजय-गीत

(B) हास्य विनोद

(C) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण

(D) कीचकक उत्सव

१२६. करुण भावक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण

(B) हास्य विनोद

(C) विराटक विजय-गीत

(D) कीचकक उत्सव

१२७. करुण भावक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण

(B) विराटक विजय-गीत

(C) कीचकक उत्सव

(D) हास्य विनोद

१२८. करुण भाव पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण

(B) कीचकक उत्सव

(C) हास्य विनोद

(D) विराटक विजय-गीत

१२९. करुण भावक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) हास्य विनोद

(B) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण

(C) कीचकक उत्सव

(D) विराटक विजय-गीत

१३०. करुण भावक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) कीचकक उत्सव

(B) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण

(C) हास्य विनोद

(D) विराटक विजय-गीत

१३१. बीभत्स संकेतक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध

(B) भक्ति-गीत मात्र

(C) प्रकृति-प्रेम

(D) शान्त साधना

१३२. कीचकवधक अध्ययनमे बीभत्स संकेत सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) प्रकृति-प्रेम

(B) शान्त साधना

(C) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध

(D) भक्ति-गीत मात्र

१३३. बीभत्स संकेत सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध

(B) शान्त साधना

(C) प्रकृति-प्रेम

(D) भक्ति-गीत मात्र

१३४. बीभत्स संकेतकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध

(B) प्रकृति-प्रेम

(C) भक्ति-गीत मात्र

(D) शान्त साधना

१३५. परीक्षा-उत्तरमे बीभत्स संकेतक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) भक्ति-गीत मात्र

(B) प्रकृति-प्रेम

(C) शान्त साधना

(D) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध

१३६. बीभत्स संकेतक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) भक्ति-गीत मात्र

(B) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध

(C) शान्त साधना

(D) प्रकृति-प्रेम

१३७. बीभत्स संकेतक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) प्रकृति-प्रेम

(B) भक्ति-गीत मात्र

(C) शान्त साधना

(D) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध

१३८. बीभत्स संकेत पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध

(B) प्रकृति-प्रेम

(C) भक्ति-गीत मात्र

(D) शान्त साधना

१३९. बीभत्स संकेतक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) शान्त साधना

(B) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध

(C) भक्ति-गीत मात्र

(D) प्रकृति-प्रेम

१४०. बीभत्स संकेतक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) प्रकृति-प्रेम

(B) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध

(C) शान्त साधना

(D) भक्ति-गीत मात्र

१४१. नैतिक उत्कर्षक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) मौन समर्पण

(B) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब

(C) दरबारक चापलूसी

(D) अन्यायक समर्थन

१४२. कीचकवधक अध्ययनमे नैतिक उत्कर्ष सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) मौन समर्पण

(B) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब

(C) अन्यायक समर्थन

(D) दरबारक चापलूसी

१४३. नैतिक उत्कर्ष सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) अन्यायक समर्थन

(B) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब

(C) दरबारक चापलूसी

(D) मौन समर्पण

१४४. नैतिक उत्कर्षकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) मौन समर्पण

(B) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब

(C) अन्यायक समर्थन

(D) दरबारक चापलूसी

१४५. परीक्षा-उत्तरमे नैतिक उत्कर्षक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) अन्यायक समर्थन

(B) दरबारक चापलूसी

(C) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब

(D) मौन समर्पण

१४६. नैतिक उत्कर्षक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब

(B) अन्यायक समर्थन

(C) मौन समर्पण

(D) दरबारक चापलूसी

१४७. नैतिक उत्कर्षक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) दरबारक चापलूसी

(B) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब

(C) अन्यायक समर्थन

(D) मौन समर्पण

१४८. नैतिक उत्कर्ष पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) दरबारक चापलूसी

(B) मौन समर्पण

(C) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब

(D) अन्यायक समर्थन

१४९. नैतिक उत्कर्षक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) मौन समर्पण

(B) अन्यायक समर्थन

(C) दरबारक चापलूसी

(D) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब

१५०. नैतिक उत्कर्षक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब

(B) अन्यायक समर्थन

(C) दरबारक चापलूसी

(D) मौन समर्पण

१५१. मान-गरिमाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) नाम-परिवर्तन मात्र

(B) द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान

(C) सैनिक गणना

(D) राजकोष

१५२. कीचकवधक अध्ययनमे मान-गरिमा सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) सैनिक गणना

(B) राजकोष

(C) द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान

(D) नाम-परिवर्तन मात्र

१५३. मान-गरिमा सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) राजकोष

(B) नाम-परिवर्तन मात्र

(C) द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान

(D) सैनिक गणना

१५४. मान-गरिमाकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) नाम-परिवर्तन मात्र

(B) सैनिक गणना

(C) द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान

(D) राजकोष

१५५. परीक्षा-उत्तरमे मान-गरिमाक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) नाम-परिवर्तन मात्र

(B) द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान

(C) राजकोष

(D) सैनिक गणना

१५६. मान-गरिमाक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) राजकोष

(B) द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान

(C) नाम-परिवर्तन मात्र

(D) सैनिक गणना

१५७. मान-गरिमाक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) नाम-परिवर्तन मात्र

(B) सैनिक गणना

(C) राजकोष

(D) द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान

१५८. मान-गरिमा पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) नाम-परिवर्तन मात्र

(B) द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान

(C) सैनिक गणना

(D) राजकोष

१५९. मान-गरिमाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान

(B) राजकोष

(C) नाम-परिवर्तन मात्र

(D) सैनिक गणना

१६०. मान-गरिमाक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) सैनिक गणना

(B) राजकोष

(C) नाम-परिवर्तन मात्र

(D) द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान

१६१. भय आ साहसक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) दोहा-गणना

(B) मेघ-वर्णन

(C) दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव

(D) गीतक तान

१६२. कीचकवधक अध्ययनमे भय आ साहस सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) गीतक तान

(B) दोहा-गणना

(C) दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव

(D) मेघ-वर्णन

१६३. भय आ साहस सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) मेघ-वर्णन

(B) गीतक तान

(C) दोहा-गणना

(D) दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव

१६४. भय आ साहसकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) दोहा-गणना

(B) मेघ-वर्णन

(C) गीतक तान

(D) दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव

१६५. परीक्षा-उत्तरमे भय आ साहसक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) गीतक तान

(B) दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव

(C) मेघ-वर्णन

(D) दोहा-गणना

१६६. भय आ साहसक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) मेघ-वर्णन

(B) गीतक तान

(C) दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव

(D) दोहा-गणना

१६७. भय आ साहसक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) दोहा-गणना

(B) दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव

(C) मेघ-वर्णन

(D) गीतक तान

१६८. भय आ साहस पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) दोहा-गणना

(B) मेघ-वर्णन

(C) गीतक तान

(D) दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव

१६९. भय आ साहसक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) गीतक तान

(B) दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव

(C) दोहा-गणना

(D) मेघ-वर्णन

१७०. भय आ साहसक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) मेघ-वर्णन

(B) दोहा-गणना

(C) दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव

(D) गीतक तान

१७१. मर्यादा-बोधक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) विलासक महिमा

(B) कपट-सम्मान

(C) सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह

(D) अनियंत्रित बलक प्रशंसा

१७२. कीचकवधक अध्ययनमे मर्यादा-बोध सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) अनियंत्रित बलक प्रशंसा

(B) कपट-सम्मान

(C) सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह

(D) विलासक महिमा

१७३. मर्यादा-बोध सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) कपट-सम्मान

(B) विलासक महिमा

(C) अनियंत्रित बलक प्रशंसा

(D) सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह

१७४. मर्यादा-बोधकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) अनियंत्रित बलक प्रशंसा

(B) विलासक महिमा

(C) कपट-सम्मान

(D) सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह

१७५. परीक्षा-उत्तरमे मर्यादा-बोधक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) अनियंत्रित बलक प्रशंसा

(B) कपट-सम्मान

(C) सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह

(D) विलासक महिमा

१७६. मर्यादा-बोधक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह

(B) अनियंत्रित बलक प्रशंसा

(C) कपट-सम्मान

(D) विलासक महिमा

१७७. मर्यादा-बोधक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) कपट-सम्मान

(B) विलासक महिमा

(C) अनियंत्रित बलक प्रशंसा

(D) सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह

१७८. मर्यादा-बोध पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह

(B) कपट-सम्मान

(C) अनियंत्रित बलक प्रशंसा

(D) विलासक महिमा

१७९. मर्यादा-बोधक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) कपट-सम्मान

(B) विलासक महिमा

(C) अनियंत्रित बलक प्रशंसा

(D) सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह

१८०. मर्यादा-बोधक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) विलासक महिमा

(B) अनियंत्रित बलक प्रशंसा

(C) सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह

(D) कपट-सम्मान

१८१. काव्यात्मक तनावक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) केवल हास्य कथा

(B) निर्विवाद वर्णन

(C) गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता

(D) शांत सूची

१८२. कीचकवधक अध्ययनमे काव्यात्मक तनाव सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) शांत सूची

(B) गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता

(C) निर्विवाद वर्णन

(D) केवल हास्य कथा

१८३. काव्यात्मक तनाव सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) शांत सूची

(B) निर्विवाद वर्णन

(C) केवल हास्य कथा

(D) गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता

१८४. काव्यात्मक तनावकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) केवल हास्य कथा

(B) शांत सूची

(C) निर्विवाद वर्णन

(D) गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता

१८५. परीक्षा-उत्तरमे काव्यात्मक तनावक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) निर्विवाद वर्णन

(B) गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता

(C) केवल हास्य कथा

(D) शांत सूची

१८६. काव्यात्मक तनावक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) शांत सूची

(B) निर्विवाद वर्णन

(C) गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता

(D) केवल हास्य कथा

१८७. काव्यात्मक तनावक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता

(B) निर्विवाद वर्णन

(C) शांत सूची

(D) केवल हास्य कथा

१८८. काव्यात्मक तनाव पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) निर्विवाद वर्णन

(B) गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता

(C) केवल हास्य कथा

(D) शांत सूची

१८९. काव्यात्मक तनावक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) केवल हास्य कथा

(B) शांत सूची

(C) गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता

(D) निर्विवाद वर्णन

१९०. काव्यात्मक तनावक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) केवल हास्य कथा

(B) गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता

(C) निर्विवाद वर्णन

(D) शांत सूची

१९१. न्यायानुभूतिक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति

(B) काव्यक विघटन

(C) विवश मौन

(D) अत्याचारक विजय

१९२. कीचकवधक अध्ययनमे न्यायानुभूति सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) विवश मौन

(B) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति

(C) काव्यक विघटन

(D) अत्याचारक विजय

१९३. न्यायानुभूति सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति

(B) काव्यक विघटन

(C) अत्याचारक विजय

(D) विवश मौन

१९४. न्यायानुभूतिकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) काव्यक विघटन

(B) विवश मौन

(C) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति

(D) अत्याचारक विजय

१९५. परीक्षा-उत्तरमे न्यायानुभूतिक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति

(B) अत्याचारक विजय

(C) काव्यक विघटन

(D) विवश मौन

१९६. न्यायानुभूतिक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) काव्यक विघटन

(B) अत्याचारक विजय

(C) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति

(D) विवश मौन

१९७. न्यायानुभूतिक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) विवश मौन

(B) अत्याचारक विजय

(C) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति

(D) काव्यक विघटन

१९८. न्यायानुभूति पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) विवश मौन

(B) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति

(C) अत्याचारक विजय

(D) काव्यक विघटन

१९९. न्यायानुभूतिक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) काव्यक विघटन

(B) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति

(C) विवश मौन

(D) अत्याचारक विजय

२००. न्यायानुभूतिक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति

(B) काव्यक विघटन

(C) विवश मौन

(D) अत्याचारक विजय

s8

२०१. सत्ता-दुरुपयोगक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) कृषि-उत्सव

(B) विद्या-साधना

(C) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति

(D) लोक-कल्याण

२०२. कीचकवधक अध्ययनमे सत्ता-दुरुपयोग सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति

(B) लोक-कल्याण

(C) कृषि-उत्सव

(D) विद्या-साधना

२०३. सत्ता-दुरुपयोग सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) विद्या-साधना

(B) कृषि-उत्सव

(C) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति

(D) लोक-कल्याण

२०४. सत्ता-दुरुपयोगकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) कृषि-उत्सव

(B) लोक-कल्याण

(C) विद्या-साधना

(D) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति

२०५. परीक्षा-उत्तरमे सत्ता-दुरुपयोगक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) विद्या-साधना

(B) लोक-कल्याण

(C) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति

(D) कृषि-उत्सव

२०६. सत्ता-दुरुपयोगक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) विद्या-साधना

(B) कृषि-उत्सव

(C) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति

(D) लोक-कल्याण

२०७. सत्ता-दुरुपयोगक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति

(B) विद्या-साधना

(C) लोक-कल्याण

(D) कृषि-उत्सव

२०८. सत्ता-दुरुपयोग पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) लोक-कल्याण

(B) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति

(C) कृषि-उत्सव

(D) विद्या-साधना

२०९. सत्ता-दुरुपयोगक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) कृषि-उत्सव

(B) विद्या-साधना

(C) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति

(D) लोक-कल्याण

२१०. सत्ता-दुरुपयोगक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) लोक-कल्याण

(B) विद्या-साधना

(C) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति

(D) कृषि-उत्सव

२११. स्त्री-गरिमाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) शस्त्र-संग्रह

(B) द्रौपदीक सम्मान कैँ कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य

(C) घोड़ा-पालन

(D) राजस्व-वृद्धि

२१२. कीचकवधक अध्ययनमे स्त्री-गरिमा सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) घोड़ा-पालन

(B) शस्त्र-संग्रह

(C) द्रौपदीक सम्मान कैँ कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य

(D) राजस्व-वृद्धि

२१३. स्त्री-गरिमा सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) घोड़ा-पालन

(B) शस्त्र-संग्रह

(C) द्रौपदीक सम्मान कैँ कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य

(D) राजस्व-वृद्धि

२१४. स्त्री-गरिमाकैँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) घोड़ा-पालन

(B) राजस्व-वृद्धि

(C) शस्त्र-संग्रह

(D) द्रौपदीक सम्मान कैँ कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य

२१५. परीक्षा-उत्तरमे स्त्री-गरिमाक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) राजस्व-वृद्धि

(B) घोड़ा-पालन

(C) द्रौपदीक सम्मान कैँ कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य

(D) शस्त्र-संग्रह

२१६. स्त्री-गरिमाक प्रसंग पाठककैँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) घोड़ा-पालन

(B) द्रौपदीक सम्मान कैँ कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य

(C) शस्त्र-संग्रह

(D) राजस्व-वृद्धि

२१७. स्त्री-गरिमाक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) राजस्व-वृद्धि

(B) घोड़ा-पालन

(C) द्रौपदीक सम्मान कैँ कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य

(D) शस्त्र-संग्रह

२१८. स्त्री-गरिमा पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) घोड़ा-पालन

(B) राजस्व-वृद्धि

(C) शस्त्र-संग्रह

(D) द्रौपदीक सम्मान कैँ कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य

२१९. स्त्री-गरिमाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) घोड़ा-पालन

(B) राजस्व-वृद्धि

(C) शस्त्र-संग्रह

(D) द्रौपदीक सम्मान कैँ कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य

२२०. स्त्री-गरिमाक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) द्रौपदीक सम्मान कैँ कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य

(B) घोड़ा-पालन

(C) राजस्व-वृद्धि

(D) शस्त्र-संग्रह

२२१. दरबारक निष्क्रियताक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) ज्ञान-उत्सव

(B) पूर्ण लोकशासन

(C) ग्राम-क्रीड़ा

(D) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना

२२२. कीचकवधक अध्ययनमे दरबारक निष्क्रियता सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) ज्ञान-उत्सव

(B) पूर्ण लोकशासन

(C) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना

(D) ग्राम-क्रीड़ा

२२३. दरबारक निष्क्रियता सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) ज्ञान-उत्सव

(B) ग्राम-क्रीड़ा

(C) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना

(D) पूर्ण लोकशासन

२२४. दरबारक निष्क्रियताकैँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) ज्ञान-उत्सव

(B) पूर्ण लोकशासन

(C) ग्राम-क्रीड़ा

(D) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना

२२५. परीक्षा-उत्तरमे दरबारक निष्क्रियताक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) ग्राम-क्रीड़ा

(B) ज्ञान-उत्सव

(C) पूर्ण लोकशासन

(D) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना

२२६. दरबारक निष्क्रियताक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) ज्ञान-उत्सव

(B) पूर्ण लोकशासन

(C) ग्राम-क्रीड़ा

(D) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना

२२७. दरबारक निष्क्रियताक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना

(B) ज्ञान-उत्सव

(C) ग्राम-क्रीड़ा

(D) पूर्ण लोकशासन

२२८. दरबारक निष्क्रियता पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) ज्ञान-उत्सव

(B) ग्राम-क्रीड़ा

(C) पूर्ण लोकशासन

(D) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना

२२९. दरबारक निष्क्रियताक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) ज्ञान-उत्सव

(B) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना

(C) पूर्ण लोकशासन

(D) ग्राम-क्रीड़ा

२३०. दरबारक निष्क्रियताक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) ग्राम-क्रीड़ा

(B) ज्ञान-उत्सव

(C) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना

(D) पूर्ण लोकशासन

२३१. प्रतिरोधक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) भाग्यवादक स्वीकृति

(B) घटना भूलि जाएब

(C) अन्यायक पूजा

(D) अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम

२३२. कीचकवधक अध्ययनमे प्रतिरोध सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) घटना भूलि जाएब

(B) अन्यायक पूजा

(C) अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम

(D) भाग्यवादक स्वीकृति

२३३. प्रतिरोध सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) भाग्यवादक स्वीकृति

(B) अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम

(C) अन्यायक पूजा

(D) घटना भूलि जाएब

२३४. प्रतिरोधकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) भाग्यवादक स्वीकृति

(B) घटना भूलि जाएब

(C) अन्यायक पूजा

(D) अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम

२३५. परीक्षा-उत्तरमे प्रतिरोधक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) अन्यायक पूजा

(B) भाग्यवादक स्वीकृति

(C) अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम

(D) घटना भूलि जाएब

२३६. प्रतिरोधक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम

(B) अन्यायक पूजा

(C) घटना भूलि जाएब

(D) भाग्यवादक स्वीकृति

२३७. प्रतिरोधक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) घटना भूलि जाएब

(B) अन्यायक पूजा

(C) भाग्यवादक स्वीकृति

(D) अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम

२३८. प्रतिरोध पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) घटना भूलि जाएब

(B) अन्यायक पूजा

(C) अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम

(D) भाग्यवादक स्वीकृति

२३९. प्रतिरोधक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) अन्यायक पूजा

(B) घटना भूलि जाएब

(C) भाग्यवादक स्वीकृति

(D) अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम

२४०. प्रतिरोधक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) भाग्यवादक स्वीकृति

(B) अन्यायक पूजा

(C) अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम

(D) घटना भूलि जाएब

२४१. न्याय बनाम प्रतिशोधक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) युद्धक व्यापार

(B) अनर्थक वाद-विवाद

(C) कीचकक मनोरंजन

(D) व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न

२४२. कीचकवधक अध्ययनमे न्याय बनाम प्रतिशोध सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) अनर्थक वाद-विवाद

(B) युद्धक व्यापार

(C) व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न

(D) कीचकक मनोरंजन

२४३. न्याय बनाम प्रतिशोध सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न

(B) कीचकक मनोरंजन

(C) युद्धक व्यापार

(D) अनर्थक वाद-विवाद

२४४. न्याय बनाम प्रतिशोधकैँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) युद्धक व्यापार

(B) अनर्थक वाद-विवाद

(C) व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न

(D) कीचकक मनोरंजन

२४५. परीक्षा-उत्तरमे न्याय बनाम प्रतिशोधक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) कीचकक मनोरंजन

(B) व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न

(C) युद्धक व्यापार

(D) अनर्थक वाद-विवाद

२४६. न्याय बनाम प्रतिशोधक प्रसंग पाठककैँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) युद्धक व्यापार

(B) कीचकक मनोरंजन

(C) व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न

(D) अनर्थक वाद-विवाद

२४७. न्याय बनाम प्रतिशोधक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) अनर्थक वाद-विवाद

(B) व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न

(C) कीचकक मनोरंजन

(D) युद्धक व्यापार

२४८. न्याय बनाम प्रतिशोध पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न

(B) कीचकक मनोरंजन

(C) अनर्थक वाद-विवाद

(D) युद्धक व्यापार

२४९. न्याय बनाम प्रतिशोधक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) अनर्थक वाद-विवाद

(B) व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न

(C) कीचकक मनोरंजन

(D) युद्धक व्यापार

२५०. न्याय बनाम प्रतिशोधक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) कीचकक मनोरंजन

(B) व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न

(C) अनर्थक वाद-विवाद

(D) युद्धक व्यापार

२५१. गोपनीयताक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) गीत-प्रतियोगिता

(B) राज्य-प्रचार

(C) अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व

(D) खुला उत्सव

२५२. कीचकवधक अध्ययनमे गोपनीयता सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) खुला उत्सव

(B) गीत-प्रतियोगिता

(C) राज्य-प्रचार

(D) अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व

२५३. गोपनीयता सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) खुला उत्सव

(B) गीत-प्रतियोगिता

(C) अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व

(D) राज्य-प्रचार

२५४. गोपनीयताकैँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) राज्य-प्रचार

(B) खुला उत्सव

(C) अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व

(D) गीत-प्रतियोगिता

२५५. परीक्षा-उत्तरमे गोपनीयताक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) खुला उत्सव

(B) गीत-प्रतियोगिता

(C) अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व

(D) राज्य-प्रचार

२५६. गोपनीयताक प्रसंग पाठककैँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) खुला उत्सव

(B) अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व

(C) राज्य-प्रचार

(D) गीत-प्रतियोगिता

२५७. गोपनीयताक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) खुला उत्सव

(B) राज्य-प्रचार

(C) गीत-प्रतियोगिता

(D) अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व

२५८. गोपनीयता पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) राज्य-प्रचार

(B) अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व

(C) गीत-प्रतियोगिता

(D) खुला उत्सव

२५९. गोपनीयताक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) खुला उत्सव

(B) गीत-प्रतियोगिता

(C) राज्य-प्रचार

(D) अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व

२६०. गोपनीयताक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) खुला उत्सव

(B) गीत-प्रतियोगिता

(C) राज्य-प्रचार

(D) अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व

२६१. समूह-अत्याचारक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) बाल-उत्सव

(B) कवि-गोष्ठी

(C) विद्वत-सभा

(D) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा

२६२. कीचकवधक अध्ययनमे समूह-अत्याचार सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) कवि-गोष्ठी

(B) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा

(C) विद्वत-सभा

(D) बाल-उत्सव

२६३. समूह-अत्याचार सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) बाल-उत्सव

(B) विद्वत-सभा

(C) कवि-गोष्ठी

(D) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा

२६४. समूह-अत्याचारकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) बाल-उत्सव

(B) कवि-गोष्ठी

(C) विद्वत-सभा

(D) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा

२६५. परीक्षा-उत्तरमे समूह-अत्याचारक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) विद्वत-सभा

(B) बाल-उत्सव

(C) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा

(D) कवि-गोष्ठी

२६६. समूह-अत्याचारक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा

(B) कवि-गोष्ठी

(C) विद्वत-सभा

(D) बाल-उत्सव

२६७. समूह-अत्याचारक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) विद्वत-सभा

(B) कवि-गोष्ठी

(C) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा

(D) बाल-उत्सव

२६८. समूह-अत्याचार पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) कवि-गोष्ठी

(B) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा

(C) विद्वत-सभा

(D) बाल-उत्सव

२६९. समूह-अत्याचारक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) बाल-उत्सव

(B) विद्वत-सभा

(C) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा

(D) कवि-गोष्ठी

२७०. समूह-अत्याचारक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा

(B) विद्वत-सभा

(C) बाल-उत्सव

(D) कवि-गोष्ठी

२७१. नारी स्वरक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति

(B) केवल शृंगारिक सजावट

(C) पूर्ण मौनक आदर्श

(D) कीचकक आज्ञा-पालन

२७२. कीचकवधक अध्ययनमे नारी स्वर सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल शृंगारिक सजावट

(B) पूर्ण मौनक आदर्श

(C) कीचकक आज्ञा-पालन

(D) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति

२७३. नारी स्वर सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) केवल शृंगारिक सजावट

(B) कीचकक आज्ञा-पालन

(C) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति

(D) पूर्ण मौनक आदर्श

२७४. नारी स्वरकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) केवल शृंगारिक सजावट

(B) पूर्ण मौनक आदर्श

(C) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति

(D) कीचकक आज्ञा-पालन

२७५. परीक्षा-उत्तरमे नारी स्वरक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) केवल शृंगारिक सजावट

(B) कीचकक आज्ञा-पालन

(C) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति

(D) पूर्ण मौनक आदर्श

२७६. नारी स्वरक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति

(B) कीचकक आज्ञा-पालन

(C) पूर्ण मौनक आदर्श

(D) केवल शृंगारिक सजावट

२७७. नारी स्वरक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) कीचकक आज्ञा-पालन

(B) पूर्ण मौनक आदर्श

(C) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति

(D) केवल शृंगारिक सजावट

२७८. नारी स्वर पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) पूर्ण मौनक आदर्श

(B) केवल शृंगारिक सजावट

(C) कीचकक आज्ञा-पालन

(D) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति

२७९. नारी स्वरक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) कीचकक आज्ञा-पालन

(B) पूर्ण मौनक आदर्श

(C) केवल शृंगारिक सजावट

(D) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति

२८०. नारी स्वरक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) पूर्ण मौनक आदर्श

(B) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति

(C) केवल शृंगारिक सजावट

(D) कीचकक आज्ञा-पालन

२८१. बलक धर्मी उपयोगक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श

(B) निर्बल पर प्रहार

(C) बलक दुरुपयोग

(D) कीचकक रक्षा

२८२. कीचकवधक अध्ययनमे बलक धर्मी उपयोग सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) बलक दुरुपयोग

(B) कीचकक रक्षा

(C) निर्बल पर प्रहार

(D) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श

२८३. बलक धर्मी उपयोग सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श

(B) निर्बल पर प्रहार

(C) कीचकक रक्षा

(D) बलक दुरुपयोग

२८४. बलक धर्मी उपयोगकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) बलक दुरुपयोग

(B) कीचकक रक्षा

(C) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श

(D) निर्बल पर प्रहार

२८५. परीक्षा-उत्तरमे बलक धर्मी उपयोगक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) बलक दुरुपयोग

(B) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श

(C) कीचकक रक्षा

(D) निर्बल पर प्रहार

२८६. बलक धर्मी उपयोगक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) निर्बल पर प्रहार

(B) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श

(C) बलक दुरुपयोग

(D) कीचकक रक्षा

२८७. बलक धर्मी उपयोगक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) बलक दुरुपयोग

(B) निर्बल पर प्रहार

(C) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श

(D) कीचकक रक्षा

२८८. बलक धर्मी उपयोग पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) बलक दुरुपयोग

(B) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श

(C) निर्बल पर प्रहार

(D) कीचकक रक्षा

२८९. बलक धर्मी उपयोगक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) निर्बल पर प्रहार

(B) भीमक शक्ति केँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श

(C) बलक दुरुपयोग

(D) कीचकक रक्षा

२९०. बलक धर्मी उपयोगक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) निर्बल पर प्रहार

(B) भीमक शक्ति केँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श

(C) बलक दुरुपयोग

(D) कीचकक रक्षा

२९१. लोक-न्याय बोधक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष

(B) केवल दरबारी चुटकुला

(C) अनैतिक सत्ता-प्रशंसा

(D) इतिहास-विहीन गणना

२९२. कीचकवधक अध्ययनमे लोक-न्याय बोध सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष

(B) अनैतिक सत्ता-प्रशंसा

(C) इतिहास-विहीन गणना

(D) केवल दरबारी चुटकुला

२९३. लोक-न्याय बोध सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष

(B) इतिहास-विहीन गणना

(C) अनैतिक सत्ता-प्रशंसा

(D) केवल दरबारी चुटकुला

२९४. लोक-न्याय बोधकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष

(B) अनैतिक सत्ता-प्रशंसा

(C) केवल दरबारी चुटकुला

(D) इतिहास-विहीन गणना

२९५. परीक्षा-उत्तरमे लोक-न्याय बोधक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) इतिहास-विहीन गणना

(B) अनैतिक सत्ता-प्रशंसा

(C) केवल दरबारी चुटकुला

(D) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष

२९६. लोक-न्याय बोधक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष

(B) केवल दरबारी चुटकुला

(C) अनैतिक सत्ता-प्रशंसा

(D) इतिहास-विहीन गणना

२९७. लोक-न्याय बोधक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष

(B) इतिहास-विहीन गणना

(C) केवल दरबारी चुटकुला

(D) अनैतिक सत्ता-प्रशंसा

२९८. लोक-न्याय बोध पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष

(B) केवल दरबारी चुटकुला

(C) इतिहास-विहीन गणना

(D) अनैतिक सत्ता-प्रशंसा

२९९. लोक-न्याय बोधक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) केवल दरबारी चुटकुला

(B) इतिहास-विहीन गणना

(C) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष

(D) अनैतिक सत्ता-प्रशंसा

३००. लोक-न्याय बोधक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) अनैतिक सत्ता-प्रशंसा

(B) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष

(C) इतिहास-विहीन गणना

(D) केवल दरबारी चुटकुला

s9

३०१. गंभीर काव्य-भाषाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) बच्चाक खेल

(B) चिट्ठी-पत्री मात्र

(C) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली

(D) हाट-बाजारक हिसाब

३०२. कीचकवधक अध्ययनमे गंभीर काव्य-भाषा सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) चिट्ठी-पत्री मात्र

(B) हाट-बाजारक हिसाब

(C) बच्चाक खेल

(D) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली

३०३. गंभीर काव्य-भाषा सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली

(B) चिट्ठी-पत्री मात्र

(C) बच्चाक खेल

(D) हाट-बाजारक हिसाब

३०४. गंभीर काव्य-भाषाकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली

(B) चिट्ठी-पत्री मात्र

(C) बच्चाक खेल

(D) हाट-बाजारक हिसाब

३०५. परीक्षा-उत्तरमे गंभीर काव्य-भाषाक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली

(B) चिट्ठी-पत्री मात्र

(C) हाट-बाजारक हिसाब

(D) बच्चाक खेल

३०६. गंभीर काव्य-भाषाक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली

(B) हाट-बाजारक हिसाब

(C) चिट्ठी-पत्री मात्र

(D) बच्चाक खेल

३०७. गंभीर काव्य-भाषाक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) बच्चाक खेल

(B) चिट्ठी-पत्री मात्र

(C) हाट-बाजारक हिसाब

(D) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली

३०८. गंभीर काव्य-भाषा पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) चिट्ठी-पत्री मात्र

(B) हाट-बाजारक हिसाब

(C) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली

(D) बच्चाक खेल

३०९. गंभीर काव्य-भाषाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) हाट-बाजारक हिसाब

(B) बच्चाक खेल

(C) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली

(D) चिट्ठी-पत्री मात्र

३१०. गंभीर काव्य-भाषाक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली

(B) चिट्ठी-पत्री मात्र

(C) बच्चाक खेल

(D) हाट-बाजारक हिसाब

३११. ओजगुणक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) सूखा विवरण

(B) शिथिल उदासी

(C) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति

(D) मन्द हास्य मात्र

३१२. कीचकवधक अध्ययनमे ओजगुण सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति

(B) सूखा विवरण

(C) मन्द हास्य मात्र

(D) शिथिल उदासी

३१३. ओजगुण सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) मन्द हास्य मात्र

(B) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति

(C) शिथिल उदासी

(D) सूखा विवरण

३१४. ओजगुणकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति

(B) सूखा विवरण

(C) शिथिल उदासी

(D) मन्द हास्य मात्र

३१५. परीक्षा-उत्तरमे ओजगुणक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) शिथिल उदासी

(B) मन्द हास्य मात्र

(C) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति

(D) सूखा विवरण

३१६. ओजगुणक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) सूखा विवरण

(B) शिथिल उदासी

(C) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति

(D) मन्द हास्य मात्र

३१७. ओजगुणक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति

(B) मन्द हास्य मात्र

(C) शिथिल उदासी

(D) सूखा विवरण

३१८. ओजगुण पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति

(B) शिथिल उदासी

(C) सूखा विवरण

(D) मन्द हास्य मात्र

३१९. ओजगुणक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) शिथिल उदासी

(B) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति

(C) सूखा विवरण

(D) मन्द हास्य मात्र

३२०. ओजगुणक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) मन्द हास्य मात्र

(B) सूखा विवरण

(C) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति

(D) शिथिल उदासी

३२१. करुण संवेदनाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) शस्त्र-नामावली

(B) वित्त-विवरण

(C) कीचकक प्रशंसा

(D) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली

३२२. कीचकवधक अध्ययनमे करुण संवेदना सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) कीचकक प्रशंसा

(B) शस्त्र-नामावली

(C) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली

(D) वित्त-विवरण

३२३. करुण संवेदना सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) कीचकक प्रशंसा

(B) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली

(C) वित्त-विवरण

(D) शस्त्र-नामावली

३२४. करुण संवेदनाकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) वित्त-विवरण

(B) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली

(C) कीचकक प्रशंसा

(D) शस्त्र-नामावली

३२५. परीक्षा-उत्तरमे करुण संवेदनाक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) कीचकक प्रशंसा

(B) वित्त-विवरण

(C) शस्त्र-नामावली

(D) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली

३२६. करुण संवेदनाक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) शस्त्र-नामावली

(B) वित्त-विवरण

(C) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली

(D) कीचकक प्रशंसा

३२७. करुण संवेदनाक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) कीचकक प्रशंसा

(B) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली

(C) वित्त-विवरण

(D) शस्त्र-नामावली

३२८. करुण संवेदना पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) शस्त्र-नामावली

(B) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली

(C) वित्त-विवरण

(D) कीचकक प्रशंसा

३२९. करुण संवेदनाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) वित्त-विवरण

(B) शस्त्र-नामावली

(C) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली

(D) कीचकक प्रशंसा

३३०. करुण संवेदनाक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) कीचकक प्रशंसा

(B) शस्त्र-नामावली

(C) वित्त-विवरण

(D) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली

३३१. चित्रात्मकताक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण

(B) सूखा कानून

(C) सूचीपत्र मात्र

(D) अदृश्य सूत्र

३३२. कीचकवधक अध्ययनमे चित्रात्मकता सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण

(B) अदृश्य सूत्र

(C) सूचीपत्र मात्र

(D) सूखा कानून

३३३. चित्रात्मकता सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) अदृश्य सूत्र

(B) सूखा कानून

(C) सूचीपत्र मात्र

(D) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण

३३४. चित्रात्मकताकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) अदृश्य सूत्र

(B) सूखा कानून

(C) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण

(D) सूचीपत्र मात्र

३३५. परीक्षा-उत्तरमे चित्रात्मकताक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) सूखा कानून

(B) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण

(C) अदृश्य सूत्र

(D) सूचीपत्र मात्र

३३६. चित्रात्मकताक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) सूचीपत्र मात्र

(B) सूखा कानून

(C) अदृश्य सूत्र

(D) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण

३३७. चित्रात्मकताक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) सूचीपत्र मात्र

(B) सूखा कानून

(C) अदृश्य सूत्र

(D) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा कैँ आँखि समक्ष अनबाक गुण

३३८. चित्रात्मकता पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा कैँ आँखि समक्ष अनबाक गुण

(B) अदृश्य सूत्र

(C) सूचीपत्र मात्र

(D) सूखा कानून

३३९. चित्रात्मकताक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) अदृश्य सूत्र

(B) सूचीपत्र मात्र

(C) सूखा कानून

(D) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा कैँ आँखि समक्ष अनबाक गुण

३४०. चित्रात्मकताक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) अदृश्य सूत्र

(B) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा कैँ आँखि समक्ष अनबाक गुण

(C) सूचीपत्र मात्र

(D) सूखा कानून

३४१. संक्षिप्त संवादक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) अतिरिक्त सजावट

(B) पूर्ण मौन

(C) तनावक क्षणमे कथ्य कैँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन

(D) विषयसँ भागब

३४२. कीचकवधक अध्ययनमे संक्षिप्त संवाद सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) विषयसँ भागब

(B) पूर्ण मौन

(C) तनावक क्षणमे कथ्य कैँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन

(D) अतिरिक्त सजावट

३४३. संक्षिप्त संवाद सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) विषयसँ भागब

(B) तनावक क्षणमे कथ्य कैँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन

(C) पूर्ण मौन

(D) अतिरिक्त सजावट

३४४. संक्षिप्त संवादकैँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) विषयसँ भागब

(B) अतिरिक्त सजावट

(C) तनावक क्षणमे कथ्य कैँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन

(D) पूर्ण मौन

३४५. परीक्षा-उत्तरमे संक्षिप्त संवादक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) तनावक क्षणमे कथ्य कैँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन

(B) विषयसँ भागब

(C) अतिरिक्त सजावट

(D) पूर्ण मौन

३४६. संक्षिप्त संवादक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) अतिरिक्त सजावट

(B) पूर्ण मौन

(C) तनावक क्षणमे कथ्य कैँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन

(D) विषयसँ भागब

३४७. संक्षिप्त संवादक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) अतिरिक्त सजावट

(B) तनावक क्षणमे कथ्य कैँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन

(C) पूर्ण मौन

(D) विषयसँ भागब

३४८. संक्षिप्त संवाद पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) तनावक क्षणमे कथ्य कैँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन

(B) पूर्ण मौन

(C) अतिरिक्त सजावट

(D) विषयसँ भागब

३४९. संक्षिप्त संवादक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) अतिरिक्त सजावट

(B) पूर्ण मौन

(C) तनावक क्षणमे कथ्य कैँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन

(D) विषयसँ भागब

३५०. संक्षिप्त संवादक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) अतिरिक्त सजावट

(B) पूर्ण मौन

(C) विषयसँ भागब

(D) तनावक क्षणमे कथ्य कैँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन

३५१. उपमा-रूपकक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) राजनीतिक घोषणा मात्र

(B) बल, भय आ पतनक अनुभूति कैँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन

(C) फसल-सूची

(D) पत्रिका-सूचना

३५२. कीचकवधक अध्ययनमे उपमा-रूपक सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) राजनीतिक घोषणा मात्र

(B) पत्रिका-सूचना

(C) फसल-सूची

(D) बल, भय आ पतनक अनुभूति कैँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन

३५३. उपमा-रूपक सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) राजनीतिक घोषणा मात्र

(B) फसल-सूची

(C) बल, भय आ पतनक अनुभूति कैँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन

(D) पत्रिका-सूचना

३५४. उपमा-रूपककेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) बल, भय आ पतनक अनुभूति कैँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन

(B) पत्रिका-सूचना

(C) फसल-सूची

(D) राजनीतिक घोषणा मात्र

३५५. परीक्षा-उत्तरमे उपमा-रूपकक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) पत्रिका-सूचना

(B) फसल-सूची

(C) राजनीतिक घोषणा मात्र

(D) बल, भय आ पतनक अनुभूति कैँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन

३५६. उपमा-रूपकक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) फसल-सूची

(B) बल, भय आ पतनक अनुभूति कैँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन

(C) राजनीतिक घोषणा मात्र

(D) पत्रिका-सूचना

३५७. उपमा-रूपकक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) पत्रिका-सूचना

(B) फसल-सूची

(C) बल, भय आ पतनक अनुभूति कैँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन

(D) राजनीतिक घोषणा मात्र

३५८. उपमा-रूपक पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) राजनीतिक घोषणा मात्र

(B) बल, भय आ पतनक अनुभूति कैँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन

(C) फसल-सूची

(D) पत्रिका-सूचना

३५९. उपमा-रूपकक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) पत्रिका-सूचना

(B) फसल-सूची

(C) बल, भय आ पतनक अनुभूति कैँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन

(D) राजनीतिक घोषणा मात्र

३६०. उपमा-रूपकक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) पत्रिका-सूचना

(B) राजनीतिक घोषणा मात्र

(C) फसल-सूची

(D) बल, भय आ पतनक अनुभूति कैँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन

३६१. संस्कृत-समासक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) विराम चिह्न मात्र

(B) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत

(C) केवल बोलचालक गलती

(D) अर्थहीन ध्वनि

३६२. कीचकवधक अध्ययनमे संस्कृत-समास सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल बोलचालक गलती

(B) अर्थहीन ध्वनि

(C) विराम चिह्न मात्र

(D) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत

३६३. संस्कृत-समास सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत

(B) विराम चिह्न मात्र

(C) केवल बोलचालक गलती

(D) अर्थहीन ध्वनि

३६४. संस्कृत-समासकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) अर्थहीन ध्वनि

(B) केवल बोलचालक गलती

(C) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत

(D) विराम चिह्न मात्र

३६५. परीक्षा-उत्तरमे संस्कृत-समासक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) विराम चिह्न मात्र

(B) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत

(C) अर्थहीन ध्वनि

(D) केवल बोलचालक गलती

३६६. संस्कृत-समासक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) केवल बोलचालक गलती

(B) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत

(C) अर्थहीन ध्वनि

(D) विराम चिह्न मात्र

३६७. संस्कृत-समासक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) विराम चिह्न मात्र

(B) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत

(C) अर्थहीन ध्वनि

(D) केवल बोलचालक गलती

३६८. संस्कृत-समास पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) केवल बोलचालक गलती

(B) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत

(C) विराम चिह्न मात्र

(D) अर्थहीन ध्वनि

३६९. संस्कृत-समासक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत

(B) अर्थहीन ध्वनि

(C) विराम चिह्न मात्र

(D) केवल बोलचालक गलती

३७०. संस्कृत-समासक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) अर्थहीन ध्वनि

(B) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत

(C) विराम चिह्न मात्र

(D) केवल बोलचालक गलती

३७१. मैथिली मुहावराक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) भाषा-विच्छेद

(B) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार

(C) मौन चित्र

(D) गणितीय सूत्र

३७२. कीचकवधक अध्ययनमे मैथिली मुहावरा सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) गणितीय सूत्र

(B) मौन चित्र

(C) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार

(D) भाषा-विच्छेद

३७३. मैथिली मुहावरा सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार

(B) भाषा-विच्छेद

(C) गणितीय सूत्र

(D) मौन चित्र

३७४. मैथिली मुहावराकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) भाषा-विच्छेद

(B) गणितीय सूत्र

(C) मौन चित्र

(D) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार

३७५. परीक्षा-उत्तरमे मैथिली मुहावराक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) गणितीय सूत्र

(B) भाषा-विच्छेद

(C) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार

(D) मौन चित्र

३७६. मैथिली मुहावराक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) भाषा-विच्छेद

(B) गणितीय सूत्र

(C) मौन चित्र

(D) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार

३७७. मैथिली मुहावराक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) मौन चित्र

(B) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार

(C) गणितीय सूत्र

(D) भाषा-विच्छेद

३७८. मैथिली मुहावरा पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) मौन चित्र

(B) भाषा-विच्छेद

(C) गणितीय सूत्र

(D) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार

३७९. मैथिली मुहावराक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) भाषा-विच्छेद

(B) गणितीय सूत्र

(C) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार

(D) मौन चित्र

३८०. मैथिली मुहावराक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) भाषा-विच्छेद

(B) गणितीय सूत्र

(C) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार

(D) मौन चित्र

३८१. वर्णन आ क्रियाक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) केवल उपदेश

(B) केवल तिथि-सूची

(C) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन

(D) केवल नाम-पत्र

३८२. कीचकवधक अध्ययनमे वर्णन आ क्रिया सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन

(B) केवल उपदेश

(C) केवल तिथि-सूची

(D) केवल नाम-पत्र

३८३. वर्णन आ क्रिया सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) केवल तिथि-सूची

(B) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन

(C) केवल नाम-पत्र

(D) केवल उपदेश

३८४. वर्णन आ क्रियाकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) केवल तिथि-सूची

(B) केवल उपदेश

(C) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन

(D) केवल नाम-पत्र

३८५. परीक्षा-उत्तरमे वर्णन आ क्रियाक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन

(B) केवल तिथि-सूची

(C) केवल उपदेश

(D) केवल नाम-पत्र

३८६. वर्णन आ क्रियाक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) केवल नाम-पत्र

(B) केवल तिथि-सूची

(C) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन

(D) केवल उपदेश

३८७. वर्णन आ क्रियाक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन

(B) केवल नाम-पत्र

(C) केवल उपदेश

(D) केवल तिथि-सूची

३८८. वर्णन आ क्रिया पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) केवल नाम-पत्र

(B) केवल तिथि-सूची

(C) केवल उपदेश

(D) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन

३८९. वर्णन आ क्रियाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) केवल नाम-पत्र

(B) केवल उपदेश

(C) केवल तिथि-सूची

(D) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन

३९०. वर्णन आ क्रियाक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) केवल नाम-पत्र

(B) केवल उपदेश

(C) केवल तिथि-सूची

(D) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन

३९१. आलोचनात्मक भाषा-पाठक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) केवल नाम याद

(B) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन

(C) केवल पृष्ठ-गणना

(D) केवल वर्तनी-जाँच

३९२. कीचकवधक अध्ययनमे आलोचनात्मक भाषा-पाठ सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) केवल पृष्ठ-गणना

(B) केवल वर्तनी-जाँच

(C) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन

(D) केवल नाम याद

३९३. आलोचनात्मक भाषा-पाठ सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) केवल पृष्ठ-गणना

(B) केवल वर्तनी-जाँच

(C) केवल नाम याद

(D) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन

३९४. आलोचनात्मक भाषा-पाठकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) केवल पृष्ठ-गणना

(B) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन

(C) केवल नाम याद

(D) केवल वर्तनी-जाँच

३९५. परीक्षा-उत्तरमे आलोचनात्मक भाषा-पाठक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन

(B) केवल वर्तनी-जाँच

(C) केवल नाम याद

(D) केवल पृष्ठ-गणना

३९६. आलोचनात्मक भाषा-पाठक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन

(B) केवल वर्तनी-जाँच

(C) केवल नाम याद

(D) केवल पृष्ठ-गणना

३९७. आलोचनात्मक भाषा-पाठक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) केवल नाम याद

(B) केवल वर्तनी-जाँच

(C) केवल पृष्ठ-गणना

(D) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन

३९८. आलोचनात्मक भाषा-पाठ पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) केवल वर्तनी-जाँच

(B) केवल पृष्ठ-गणना

(C) केवल नाम याद

(D) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन

३९९. आलोचनात्मक भाषा-पाठक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) केवल पृष्ठ-गणना

(B) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन

(C) केवल नाम याद

(D) केवल वर्तनी-जाँच

४००. आलोचनात्मक भाषा-पाठक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) केवल नाम याद

(B) केवल पृष्ठ-गणना

(C) केवल वर्तनी-जाँच

(D) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन

s10

४०१. कीचकवधक निबंध-उत्तरक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) केवल शीर्षक लिखब

(B) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन

(C) केवल कीचकक प्रशंसा

(D) केवल लेखकक नाम

४०२. कीचकवधक अध्ययनमे कीचकवधक निबंध-उत्तर सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन

(B) केवल शीर्षक लिखब

(C) केवल लेखकक नाम

(D) केवल कीचकक प्रशंसा

४०३. कीचकवधक निबंध-उत्तर सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) केवल लेखकक नाम

(B) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन

(C) केवल कीचकक प्रशंसा

(D) केवल शीर्षक लिखब

४०४. कीचकवधक निबंध-उत्तरकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन

(B) केवल कीचकक प्रशंसा

(C) केवल शीर्षक लिखब

(D) केवल लेखकक नाम

४०५. परीक्षा-उत्तरमे कीचकवधक निबंध-उत्तरक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन

(B) केवल शीर्षक लिखब

(C) केवल कीचकक प्रशंसा

(D) केवल लेखकक नाम

४०६. कीचकवधक निबंध-उत्तरक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) केवल शीर्षक लिखब

(B) केवल कीचकक प्रशंसा

(C) केवल लेखकक नाम

(D) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन

४०७. कीचकवधक निबंध-उत्तरक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) केवल शीर्षक लिखब

(B) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन

(C) केवल लेखकक नाम

(D) केवल कीचकक प्रशंसा

४०८. कीचकवधक निबंध-उत्तर पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) केवल शीर्षक लिखब

(B) केवल लेखकक नाम

(C) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन

(D) केवल कीचकक प्रशंसा

४०९. कीचकवधक निबंध-उत्तरक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) केवल शीर्षक लिखब

(B) केवल कीचकक प्रशंसा

(C) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन

(D) केवल लेखकक नाम

४१०. कीचकवधक निबंध-उत्तरक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन

(B) केवल कीचकक प्रशंसा

(C) केवल लेखकक नाम

(D) केवल शीर्षक लिखब

४११. तुलनात्मक अध्ययनक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) शिल्पक चर्चा छोड़ब

(B) कथा हटाब

(C) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब

(D) दुनूकेँ एके वाक्य मानब

४१२. कीचकवधक अध्ययनमे तुलनात्मक अध्ययन सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब

(B) शिल्पक चर्चा छोड़ब

(C) दुनूकेँ एके वाक्य मानब

(D) कथा हटाब

४१३. तुलनात्मक अध्ययन सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) कथा हटाब

(B) दुनूकेँ एके वाक्य मानब

(C) शिल्पक चर्चा छोड़ब

(D) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब

४१४. तुलनात्मक अध्ययनकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) कथा हटाब

(B) शिल्पक चर्चा छोड़ब

(C) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब

(D) दुनूकेँ एके वाक्य मानब

४१५. परीक्षा-उत्तरमे तुलनात्मक अध्ययनक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) दुनूकेँ एके वाक्य मानब

(B) कथा हटाब

(C) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब

(D) शिल्पक चर्चा छोड़ब

४१६. तुलनात्मक अध्ययनक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) शिल्पक चर्चा छोड़ब

(B) दुनूकेँ एके वाक्य मानब

(C) कथा हटाब

(D) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब

४१७. तुलनात्मक अध्ययनक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब

(B) शिल्पक चर्चा छोड़ब

(C) कथा हटाब

(D) दुनूकेँ एके वाक्य मानब

४१८. तुलनात्मक अध्ययन पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) दुनूकेँ एके वाक्य मानब

(B) शिल्पक चर्चा छोड़ब

(C) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब

(D) कथा हटाब

४१९. तुलनात्मक अध्ययनक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) कथा हटाब

(B) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब

(C) शिल्पक चर्चा छोड़ब

(D) दुनूकेँ एके वाक्य मानब

४२०. तुलनात्मक अध्ययनक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) दुनूकेँ एके वाक्य मानब

(B) कथा हटाब

(C) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब

(D) शिल्पक चर्चा छोड़ब

४२१. चरित्र-विश्लेषणक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) केवल एक नाम गिनब

(B) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब

(C) सभ पात्रकेँ एक करब

(D) प्रसंगसँ बचब

४२२. कीचकवधक अध्ययनमे चरित्र-विश्लेषण सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) प्रसंगसँ बचब

(B) सभ पात्रकेँ एक करब

(C) केवल एक नाम गिनब

(D) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब

४२३. चरित्र-विश्लेषण सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) प्रसंगसँ बचब

(B) केवल एक नाम गिनब

(C) सभ पात्रकेँ एक करब

(D) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब

४२४. चरित्र-विश्लेषणकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) प्रसंगसँ बचब

(B) केवल एक नाम गिनब

(C) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब

(D) सभ पात्रकेँ एक करब

४२५. परीक्षा-उत्तरमे चरित्र-विश्लेषणक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) प्रसंगसँ बचब

(B) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब

(C) सभ पात्रकेँ एक करब

(D) केवल एक नाम गिनब

४२६. चरित्र-विश्लेषणक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) प्रसंगसँ बचब

(B) सभ पात्रकेँ एक करब

(C) केवल एक नाम गिनब

(D) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब

४२७. चरित्र-विश्लेषणक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) सभ पात्रकेँ एक करब

(B) केवल एक नाम गिनब

(C) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब

(D) प्रसंगसँ बचब

४२८. चरित्र-विश्लेषण पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब

(B) प्रसंगसँ बचब

(C) सभ पात्रकेँ एक करब

(D) केवल एक नाम गिनब

४२९. चरित्र-विश्लेषणक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) प्रसंगसँ बचब

(B) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब

(C) सभ पात्रकेँ एक करब

(D) केवल एक नाम गिनब

४३०. चरित्र-विश्लेषणक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) सभ पात्रकेँ एक करब

(B) केवल एक नाम गिनब

(C) प्रसंगसँ बचब

(D) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब

४३१. शिल्प-विश्लेषणक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) केवल पुरस्कार-सूची

(B) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या

(C) केवल जन्म-वर्ष

(D) केवल बाहरी आवरण

४३२. कीचकवधक अध्ययनमे शिल्प-विश्लेषण सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या

(B) केवल जन्म-वर्ष

(C) केवल बाहरी आवरण

(D) केवल पुरस्कार-सूची

४३३. शिल्प-विश्लेषण सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) केवल बाहरी आवरण

(B) केवल जन्म-वर्ष

(C) केवल पुरस्कार-सूची

(D) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या

४३४. शिल्प-विश्लेषणकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) केवल पुरस्कार-सूची

(B) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या

(C) केवल जन्म-वर्ष

(D) केवल बाहरी आवरण

४३५. परीक्षा-उत्तरमे शिल्प-विश्लेषणक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) केवल बाहरी आवरण

(B) केवल जन्म-वर्ष

(C) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या

(D) केवल पुरस्कार-सूची

४३६. शिल्प-विश्लेषणक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) केवल बाहरी आवरण

(B) केवल जन्म-वर्ष

(C) केवल पुरस्कार-सूची

(D) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या

४३७. शिल्प-विश्लेषणक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) केवल जन्म-वर्ष

(B) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या

(C) केवल बाहरी आवरण

(D) केवल पुरस्कार-सूची

४३८. शिल्प-विश्लेषण पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) केवल जन्म-वर्ष

(B) केवल पुरस्कार-सूची

(C) केवल बाहरी आवरण

(D) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या

४३९. शिल्प-विश्लेषणक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) केवल पुरस्कार-सूची

(B) केवल बाहरी आवरण

(C) केवल जन्म-वर्ष

(D) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या

४४०. शिल्प-विश्लेषणक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) केवल बाहरी आवरण

(B) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या

(C) केवल जन्म-वर्ष

(D) केवल पुरस्कार-सूची

४४१. सामाजिक व्याख्याक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) अन्यायक समर्थन

(B) कथा निर्थक कहब

(C) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब

(D) समाजक प्रश्न नकारब

४४२. कीचकवधक अध्ययनमे सामाजिक व्याख्या सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) कथा निर्थक कहब

(B) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब

(C) समाजक प्रश्न नकारब

(D) अन्यायक समर्थन

४४३. सामाजिक व्याख्या सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) कथा निर्थक कहब

(B) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब

(C) समाजक प्रश्न नकारब

(D) अन्यायक समर्थन

४४४. सामाजिक व्याख्याकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) कथा निर्थक कहब

(B) समाजक प्रश्न नकारब

(C) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब

(D) अन्यायक समर्थन

४४५. परीक्षा-उत्तरमे सामाजिक व्याख्याक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) समाजक प्रश्न नकारब

(B) कथा निर्थक कहब

(C) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब

(D) अन्यायक समर्थन

४४६. सामाजिक व्याख्याक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) अन्यायक समर्थन

(B) समाजक प्रश्न नकारब

(C) कथा निर्थक कहब

(D) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब

४४७. सामाजिक व्याख्याक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) अन्यायक समर्थन

(B) समाजक प्रश्न नकारब

(C) कथा निर्थक कहब

(D) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब

४४८. सामाजिक व्याख्या पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) अन्यायक समर्थन

(B) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब

(C) समाजक प्रश्न नकारब

(D) कथा निर्थक कहब

४४९. सामाजिक व्याख्याक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) समाजक प्रश्न नकारब

(B) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब

(C) कथा निर्थक कहब

(D) अन्यायक समर्थन

४५०. सामाजिक व्याख्याक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) कथा निर्थक कहब

(B) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब

(C) अन्यायक समर्थन

(D) समाजक प्रश्न नकारब

४५१. छन्द-प्रश्नक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) छन्द-अस्तित्व नकारब

(B) गीतिका मात्र कहब

(C) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब

(D) दोहा-चौपाइ मात्र मानब

४५२. कीचकवधक अध्ययनमे छन्द-प्रश्न सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) दोहा-चौपाइ मात्र मानब

(B) छन्द-अस्तित्व नकारब

(C) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब

(D) गीतिका मात्र कहब

४५३. छन्द-प्रश्न सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) छन्द-अस्तित्व नकारब

(B) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब

(C) दोहा-चौपाइ मात्र मानब

(D) गीतिका मात्र कहब

४५४. छन्द-प्रश्नकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब

(B) गीतिका मात्र कहब

(C) छन्द-अस्तित्व नकारब

(D) दोहा-चौपाइ मात्र मानब

४५५. परीक्षा-उत्तरमे छन्द-प्रश्नक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) छन्द-अस्तित्व नकारब

(B) दोहा-चौपाइ मात्र मानब

(C) गीतिका मात्र कहब

(D) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब

४५६. छन्द-प्रश्नक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) छन्द-अस्तित्व नकारब

(B) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब

(C) गीतिका मात्र कहब

(D) दोहा-चौपाइ मात्र मानब

४५७. छन्द-प्रश्नक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) गीतिका मात्र कहब

(B) दोहा-चौपाइ मात्र मानब

(C) छन्द-अस्तित्व नकारब

(D) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब

४५८. छन्द-प्रश्न पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) गीतिका मात्र कहब

(B) दोहा-चौपाइ मात्र मानब

(C) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब

(D) छन्द-अस्तित्व नकारब

४५९. छन्द-प्रश्नक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) दोहा-चौपाइ मात्र मानब

(B) गीतिका मात्र कहब

(C) छन्द-अस्तित्व नकारब

(D) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब

४६०. छन्द-प्रश्नक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब

(B) छन्द-अस्तित्व नकारब

(C) गीतिका मात्र कहब

(D) दोहा-चौपाइ मात्र मानब

४६१. लेखक-प्रसंगक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) हुनका पात्र मानब

(B) हुनका केवल कथावाचक मानब

(C) हुनका मूल संस्कृतकार मानब

(D) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन

४६२. कीचकवधक अध्ययनमे लेखक-प्रसंग सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) हुनका केवल कथावाचक मानब

(B) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन

(C) हुनका पात्र मानब

(D) हुनका मूल संस्कृतकार मानब

४६३. लेखक-प्रसंग सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन

(B) हुनका मूल संस्कृतकार मानब

(C) हुनका पात्र मानब

(D) हुनका केवल कथावाचक मानब

४६४. लेखक-प्रसंगकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) हुनका मूल संस्कृतकार मानब

(B) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन

(C) हुनका केवल कथावाचक मानब

(D) हुनका पात्र मानब

४६५. परीक्षा-उत्तरमे लेखक-प्रसंगक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) हुनका मूल संस्कृतकार मानब

(B) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन

(C) हुनका केवल कथावाचक मानब

(D) हुनका पात्र मानब

४६६. लेखक-प्रसंगक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) हुनका पात्र मानब

(B) हुनका मूल संस्कृतकार मानब

(C) हुनका केवल कथावाचक मानब

(D) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन

४६७. लेखक-प्रसंगक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन

(B) हुनका मूल संस्कृतकार मानब

(C) हुनका पात्र मानब

(D) हुनका केवल कथावाचक मानब

४६८. लेखक-प्रसंग पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) हुनका पात्र मानब

(B) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन

(C) हुनका मूल संस्कृतकार मानब

(D) हुनका केवल कथावाचक मानब

४६९. लेखक-प्रसंगक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) हुनका पात्र मानब

(B) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन

(C) हुनका मूल संस्कृतकार मानब

(D) हुनका केवल कथावाचक मानब

४७०. लेखक-प्रसंगक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) हुनका केवल कथावाचक मानब

(B) हुनका पात्र मानब

(C) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन

(D) हुनका मूल संस्कृतकार मानब

४७१. कथानक-सारक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) कृष्ण-लीलाक क्रम

(B) राम-वनवासक क्रम

(C) जनकपुर-विवाहक क्रम

(D) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम

४७२. कीचकवधक अध्ययनमे कथानक-सार सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) कृष्ण-लीलाक क्रम

(B) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम

(C) राम-वनवासक क्रम

(D) जनकपुर-विवाहक क्रम

४७३. कथानक-सार सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम

(B) कृष्ण-लीलाक क्रम

(C) राम-वनवासक क्रम

(D) जनकपुर-विवाहक क्रम

४७४. कथानक-सारकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) राम-वनवासक क्रम

(B) कृष्ण-लीलाक क्रम

(C) जनकपुर-विवाहक क्रम

(D) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम

४७५. परीक्षा-उत्तरमे कथानक-सारक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) जनकपुर-विवाहक क्रम

(B) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम

(C) कृष्ण-लीलाक क्रम

(D) राम-वनवासक क्रम

४७६. कथानक-सारक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) कृष्ण-लीलाक क्रम

(B) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम

(C) जनकपुर-विवाहक क्रम

(D) राम-वनवासक क्रम

४७७. कथानक-सारक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम

(B) जनकपुर-विवाहक क्रम

(C) कृष्ण-लीलाक क्रम

(D) राम-वनवासक क्रम

४७८. कथानक-सार पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) कृष्ण-लीलाक क्रम

(B) राम-वनवासक क्रम

(C) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम

(D) जनकपुर-विवाहक क्रम

४७९. कथानक-सारक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) जनकपुर-विवाहक क्रम

(B) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम

(C) कृष्ण-लीलाक क्रम

(D) राम-वनवासक क्रम

४८०. कथानक-सारक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) कृष्ण-लीलाक क्रम

(B) जनकपुर-विवाहक क्रम

(C) राम-वनवासक क्रम

(D) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम

४८१. शीर्षकक सार्थकताक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) द्रौपदी-विवाह मात्र

(B) विराटक राज्याभिषेक

(C) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना

(D) कृष्णक जन्म

४८२. कीचकवधक अध्ययनमे शीर्षकक सार्थकता सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) कृष्णक जन्म

(B) विराटक राज्याभिषेक

(C) द्रौपदी-विवाह मात्र

(D) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना

४८३. शीर्षकक सार्थकता सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) विराटक राज्याभिषेक

(B) कृष्णक जन्म

(C) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना

(D) द्रौपदी-विवाह मात्र

४८४. शीर्षकक सार्थकताकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) विराटक राज्याभिषेक

(B) द्रौपदी-विवाह मात्र

(C) कृष्णक जन्म

(D) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना

४८५. परीक्षा-उत्तरमे शीर्षकक सार्थकताक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) विराटक राज्याभिषेक

(B) कृष्णक जन्म

(C) द्रौपदी-विवाह मात्र

(D) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना

४८६. शीर्षकक सार्थकताक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) विराटक राज्याभिषेक

(B) कृष्णक जन्म

(C) द्रौपदी-विवाह मात्र

(D) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना

४८७. शीर्षकक सार्थकताक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) द्रौपदी-विवाह मात्र

(B) कृष्णक जन्म

(C) विराटक राज्याभिषेक

(D) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना

४८८. शीर्षकक सार्थकता पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) विराटक राज्याभिषेक

(B) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना

(C) द्रौपदी-विवाह मात्र

(D) कृष्णक जन्म

४८९. शीर्षकक सार्थकताक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) विराटक राज्याभिषेक

(B) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना

(C) कृष्णक जन्म

(D) द्रौपदी-विवाह मात्र

४९०. शीर्षकक सार्थकताक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) कृष्णक जन्म

(B) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना

(C) विराटक राज्याभिषेक

(D) द्रौपदी-विवाह मात्र

४९१. समग्र मूल्यांकनक मुख्य साहित्यिक अर्थ की अछि?

(A) अध्ययन छोड़बाक सुझाव

(B) कृतिसँ असम्बद्ध निष्कर्ष

(C) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व

(D) केवल पृष्ठ-संख्या

४९२. कीचकवधक अध्ययनमे समग्र मूल्यांकन सँ कोन पक्ष स्पष्ट होइत अछि?

(A) कृतिसँ असम्बद्ध निष्कर्ष

(B) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व

(C) अध्ययन छोड़बाक सुझाव

(D) केवल पृष्ठ-संख्या

४९३. समग्र मूल्यांकन सम्बन्धी सही कथन कोन अछि?

(A) कृतिसँ असम्बद्ध निष्कर्ष

(B) अध्ययन छोड़बाक सुझाव

(C) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व

(D) केवल पृष्ठ-संख्या

४९४. समग्र मूल्यांकनकेँ कृतिक भीतर कोन रूपमे बुझबाक चाही?

(A) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व

(B) कृतिसँ असम्बद्ध निष्कर्ष

(C) अध्ययन छोड़बाक सुझाव

(D) केवल पृष्ठ-संख्या

४९५. परीक्षा-उत्तरमे समग्र मूल्यांकनक चर्चा ककरा लेल उपयोगी होयत?

(A) केवल पृष्ठ-संख्या

(B) कृतिसँ असम्बद्ध निष्कर्ष

(C) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व

(D) अध्ययन छोड़बाक सुझाव

४९६. समग्र मूल्यांकनक प्रसंग पाठककेँ कोन बात स्मरण करबैत अछि?

(A) अध्ययन छोड़बाक सुझाव

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) कृतिसँ असम्बद्ध निष्कर्ष

(D) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व

४९७. समग्र मूल्यांकनक आधार पर कीचकवधक कोन विशेषता सामने अबैत अछि?

(A) कृतिसँ असम्बद्ध निष्कर्ष

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) अध्ययन छोड़बाक सुझाव

(D) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व

४९८. समग्र मूल्यांकन पर केन्द्रित प्रश्नमे सभसँ नीक उत्तर कोन?

(A) अध्ययन छोड़बाक सुझाव

(B) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व

(C) कृतिसँ असम्बद्ध निष्कर्ष

(D) केवल पृष्ठ-संख्या

४९९. समग्र मूल्यांकनक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि?

(A) केवल पृष्ठ-संख्या

(B) कृतिसँ असम्बद्ध निष्कर्ष

(C) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व

(D) अध्ययन छोड़बाक सुझाव

५००. समग्र मूल्यांकनक सही व्याख्या कोन अछि?

(A) केवल पृष्ठ-संख्या

(B) कृतिसँ असम्बद्ध निष्कर्ष

(C) अध्ययन छोड़बाक सुझाव

(D) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. **(C) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान** — अमित्राक्षर छन्दमे अनिवार्य अन्त्यानुप्रास नहि, मुदा काव्यात्मक लय रहैत अछि।

२. **(D) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान** — अमित्राक्षर छन्दमे अनिवार्य अन्त्यानुप्रास नहि, मुदा काव्यात्मक लय रहैत अछि।

३. **(B) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान** — अमित्राक्षर छन्दमे अनिवार्य अन्त्यानुप्रास नहि, मुदा काव्यात्मक लय रहैत अछि।

४. **(A) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान** — अमित्राक्षर छन्दमे अनिवार्य अन्त्यानुप्रास नहि, मुदा काव्यात्मक लय रहैत अछि।

५. **(B) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान** — अमित्राक्षर छन्दमे अनिवार्य अन्त्यानुप्रास नहि, मुदा काव्यात्मक लय रहैत अछि।

६. **(D) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान** — अमित्राक्षर छन्दमे अनिवार्य अन्त्यानुप्रास नहि, मुदा काव्यात्मक लय रहैत अछि।

७. **(C) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान** — अमित्राक्षर छन्दमे अनिवार्य अन्त्यानुप्रास नहि, मुदा काव्यात्मक लय रहैत अछि।

८. **(C) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान** — अमित्राक्षर छन्दमे अनिवार्य अन्त्यानुप्रास नहि, मुदा काव्यात्मक लय रहैत अछि।

९. **(B) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान** — अमित्राक्षर छन्दमे अनिवार्य अन्त्यानुप्रास नहि, मुदा काव्यात्मक लय रहैत अछि।

१०. **(B) तुक-बंधनसँ मुक्त मुदा लययुक्त छन्द-विधान** — अमित्राक्षर छन्दमे अनिवार्य अन्त्यानुप्रास नहि, मुदा काव्यात्मक लय रहैत अछि।

११. **(A) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह** — अमित्राक्षरक सहारे विस्तृत भाव आ कथन स्वाभाविक रूपेँ बढ़ैत अछि।

१२. **(D) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह** — अमित्राक्षरक सहारे विस्तृत भाव आ कथन स्वाभाविक रूपेँ बढ़ैत अछि।

१३. **(A) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह** — अमित्राक्षरक सहारे विस्तृत भाव आ कथन स्वाभाविक रूपेँ बढ़ैत अछि।

१४. **(B) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह** — अमित्राक्षरक सहारे विस्तृत भाव आ कथन स्वाभाविक रूपेँ बढ़ैत अछि।

१५. **(B) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह** — अमित्राक्षरक सहारे विस्तृत भाव आ कथन स्वाभाविक रूपेँ बढ़ैत अछि।

१६. **(A) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह** — अमित्राक्षरक सहारे विस्तृत भाव आ कथन स्वाभाविक रूपेँ बढ़ैत अछि।

१७. **(B) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह** — अमित्राक्षरक सहारे विस्तृत भाव आ कथन स्वाभाविक रूपेँ बढ़ैत अछि।

१८. (C) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह — अमित्राक्षरक सहारे विस्तृत भाव आ कथन स्वाभाविक रूपेँ बढ़ैत अछि।

१९. (A) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह — अमित्राक्षरक सहारे विस्तृत भाव आ कथन स्वाभाविक रूपेँ बढ़ैत अछि।

२०. (B) महाकाव्यात्मक विस्तार आ संवादक स्वाभाविक प्रवाह — अमित्राक्षरक सहारे विस्तृत भाव आ कथन स्वाभाविक रूपेँ बढ़ैत अछि।

२१. (B) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति — तंत्रनाथ झा नव छन्दरूपक प्रयोग लेल चर्चित छथि; चतुर्दशपदी सेहो ओहि नवता सँ जुड़ैत अछि।

२२. (C) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति — तंत्रनाथ झा नव छन्दरूपक प्रयोग लेल चर्चित छथि; चतुर्दशपदी सेहो ओहि नवता सँ जुड़ैत अछि।

२३. (C) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति — तंत्रनाथ झा नव छन्दरूपक प्रयोग लेल चर्चित छथि; चतुर्दशपदी सेहो ओहि नवता सँ जुड़ैत अछि।

२४. (B) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति — तंत्रनाथ झा नव छन्दरूपक प्रयोग लेल चर्चित छथि; चतुर्दशपदी सेहो ओहि नवता सँ जुड़ैत अछि।

२५. (B) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति — तंत्रनाथ झा नव छन्दरूपक प्रयोग लेल चर्चित छथि; चतुर्दशपदी सेहो ओहि नवता सँ जुड़ैत अछि।

२६. (C) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति — तंत्रनाथ झा नव छन्दरूपक प्रयोग लेल चर्चित छथि; चतुर्दशपदी सेहो ओहि नवता सँ जुड़ैत अछि।

२७. (A) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति — तंत्रनाथ झा नव छन्दरूपक प्रयोग लेल चर्चित छथि; चतुर्दशपदी सेहो ओहि नवता सँ जुड़ैत अछि।

२८. (D) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति — तंत्रनाथ झा नव छन्दरूपक प्रयोग लेल चर्चित छथि; चतुर्दशपदी सेहो ओहि नवता सँ जुड़ैत अछि।

२९. (A) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति — तंत्रनाथ झा नव छन्दरूपक प्रयोग लेल चर्चित छथि; चतुर्दशपदी सेहो ओहि नवता सँ जुड़ैत अछि।

३०. (B) आधुनिक काव्य-रूप ग्रहण करबाक लेखकक प्रवृत्ति — तंत्रनाथ झा नव छन्दरूपक प्रयोग लेल चर्चित छथि; चतुर्दशपदी सेहो ओहि नवता सँ जुड़ैत अछि।

३१. (B) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता — संस्कृतनिष्ठ पदावली कृतिमे गाम्भीर्य आ परम्पराक संस्पर्श देइत अछि।

३२. (B) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता — संस्कृतनिष्ठ पदावली कृतिमे गाम्भीर्य आ परम्पराक संस्पर्श देइत अछि।

३३. (A) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता — संस्कृतनिष्ठ पदावली कृतिमे गाम्भीर्य आ परम्पराक संस्पर्श देइत अछि।

३४. (C) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता — संस्कृतनिष्ठ पदावली कृतिमे गाम्भीर्य आ परम्पराक संस्पर्श देइत अछि।

३५. (D) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता — संस्कृतनिष्ठ पदावली कृतिमे गाम्भीर्य आ परम्पराक संस्पर्श देइत अछि।

३६. (A) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता — संस्कृतनिष्ठ पदावली कृतिमे गाम्भीर्य आ परम्पराक संस्पर्श देइत अछि।

३७. (D) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता — संस्कृतनिष्ठ पदावली कृतिमे गाम्भीर्य आ परम्पराक संस्पर्श देइत अछि।

३८. (B) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता — संस्कृतनिष्ठ पदावली कृतिमे गाम्भीर्य आ परम्पराक संस्पर्श देइत अछि।

३९. (B) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता — संस्कृतनिष्ठ पदावली कृतिमे गाम्भीर्य आ परम्पराक संस्पर्श देइत अछि।

४०. (C) परम्परागत काव्य-गौरव आ महाकाव्यक गंभीरता — संस्कृतनिष्ठ पदावली कृतिमे गाम्भीर्य आ परम्पराक संस्पर्श देइत अछि।

४१. (B) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा — कीचकवध मैथिलीमे महाकाव्य रचबाक क्षमता केँ पुष्ट करैत अछि।

४२. (A) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा — कीचकवध मैथिलीमे महाकाव्य रचबाक क्षमता केँ पुष्ट करैत अछि।

४३. (B) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा — कीचकवध मैथिलीमे महाकाव्य रचबाक क्षमता केँ पुष्ट करैत अछि।

४४. (B) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा — कीचकवध मैथिलीमे महाकाव्य रचबाक क्षमता केँ पुष्ट करैत अछि।

४५. (A) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा — कीचकवध मैथिलीमे महाकाव्य रचबाक क्षमता केँ पुष्ट करैत अछि।

४६. **(B) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा** — कीचकवध मैथिलीमे महाकाव्य रचबाक क्षमता कैँ पुष्ट करैत अछि।

४७. **(C) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा** — कीचकवध मैथिलीमे महाकाव्य रचबाक क्षमता कैँ पुष्ट करैत अछि।

४८. **(C) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा** — कीचकवध मैथिलीमे महाकाव्य रचबाक क्षमता कैँ पुष्ट करैत अछि।

४९. **(A) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा** — कीचकवध मैथिलीमे महाकाव्य रचबाक क्षमता कैँ पुष्ट करैत अछि।

५०. **(B) स्थानीय भाषा मे महाकाव्यात्मक विषयक प्रतिष्ठा** — कीचकवध मैथिलीमे महाकाव्य रचबाक क्षमता कैँ पुष्ट करैत अछि।

५१. **(C) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन** — संवाद कथा कैँ गतिशील बनबैत अछि आ चरित्रक अंत:स्थिति खोलैत अछि।

५२. **(C) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन** — संवाद कथा कैँ गतिशील बनबैत अछि आ चरित्रक अंत:स्थिति खोलैत अछि।

५३. **(C) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन** — संवाद कथा कैँ गतिशील बनबैत अछि आ चरित्रक अंत:स्थिति खोलैत अछि।

५४. **(D) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन** — संवाद कथा कैँ गतिशील बनबैत अछि आ चरित्रक अंत:स्थिति खोलैत अछि।

५५. **(C) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन** — संवाद कथा कैँ गतिशील बनबैत अछि आ चरित्रक अंत:स्थिति खोलैत अछि।

५६. **(B) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन** — संवाद कथा कैँ गतिशील बनबैत अछि आ चरित्रक अंत:स्थिति खोलैत अछि।

५७. **(C) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन** — संवाद कथा कैँ गतिशील बनबैत अछि आ चरित्रक अंत:स्थिति खोलैत अछि।

५८. **(B) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन** — संवाद कथा कैँ गतिशील बनबैत अछि आ चरित्रक अंत:स्थिति खोलैत अछि।

५९. **(B) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन** — संवाद कथा कैँ गतिशील बनबैत अछि आ चरित्रक अंत:स्थिति खोलैत अछि।

६०. **(D) पात्रक तनाव आ मनोभावकेँ काव्यात्मक रूप देबाक साधन** — संवाद कथा कैँ गतिशील बनबैत अछि आ चरित्रक अंत:स्थिति खोलैत अछि।

६१. **(B) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास** — कीचकवधमे नृत्यशाला, भेष, सामना आ वध प्रसंग नाटकीय ऊर्जा दैत अछि।

६२. **(D) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास** — कीचकवधमे नृत्यशाला, भेष, सामना आ वध प्रसंग नाटकीय ऊर्जा दैत अछि।

६३. **(D) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास** — कीचकवधमे नृत्यशाला, भेष, सामना आ वध प्रसंग नाटकीय ऊर्जा दैत अछि।

६४. **(B) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास** — कीचकवधमे नृत्यशाला, भेष, सामना आ वध प्रसंग नाटकीय ऊर्जा दैत अछि।

६५. **(A) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास** — कीचकवधमे नृत्यशाला, भेष, सामना आ वध प्रसंग नाटकीय ऊर्जा दैत अछि।

६६. **(D) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास** — कीचकवधमे नृत्यशाला, भेष, सामना आ वध प्रसंग नाटकीय ऊर्जा दैत अछि।

६७. **(A) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास** — कीचकवधमे नृत्यशाला, भेष, सामना आ वध प्रसंग नाटकीय ऊर्जा दैत अछि।

६८. **(B) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास** — कीचकवधमे नृत्यशाला, भेष, सामना आ वध प्रसंग नाटकीय ऊर्जा दैत अछि।

६९. **(D) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास** — कीचकवधमे नृत्यशाला, भेष, सामना आ वध प्रसंग नाटकीय ऊर्जा दैत अछि।

७०. **(A) दृश्य, तनाव, प्रवेश आ वधक प्रभावी विन्यास** — कीचकवधमे नृत्यशाला, भेष, सामना आ वध प्रसंग नाटकीय ऊर्जा दैत अछि।

७१. **(A) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन** — कृति एकमात्र भाव पर नहि टिकैत; विविध रसक संयोजन सँ प्रभाव बढ़ैत अछि।

७२. **(B) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन** — कृति एकमात्र भाव पर नहि टिकैत; विविध रसक संयोजन सँ प्रभाव बढ़ैत अछि।

७३. **(A) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन** — कृति एकमात्र भाव पर नहि टिकैत; विविध रसक संयोजन सँ प्रभाव बढ़ैत अछि।

७४. **(D) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन** — कृति एकमात्र भाव पर नहि टिकैत; विविध रसक संयोजन सँ प्रभाव बढ़ैत अछि।

७५. **(C) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन** — कृति एकमात्र भाव पर नहि टिकैत; विविध रसक संयोजन सँ प्रभाव बढ़ैत अछि।

७६. **(C) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन** — कृति एकमात्र भाव पर नहि टिकैत; विविध रसक संयोजन सँ प्रभाव बढ़ैत अछि।

७७. **(A) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन** — कृति एकमात्र भाव पर नहि टिकैत; विविध रसक संयोजन सँ प्रभाव बढ़ैत अछि।

७८. **(B) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन** — कृति एकमात्र भाव पर नहि टिकैत; विविध रसक संयोजन सँ प्रभाव बढ़ैत अछि।

७९. **(A) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन** — कृति एकमात्र भाव पर नहि टिकैत; विविध रसक संयोजन सँ प्रभाव बढ़ैत अछि।

८०. **(A) रौद्र, वीर, करुण आ नैतिक भावक समेकन** — कृति एकमात्र भाव पर नहि टिकैत; विविध रसक संयोजन सँ प्रभाव बढ़ैत अछि।

८१. **(A) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश** — नव शैली अपनाओलासँ मैथिली काव्यक अभिव्यक्ति-क्षेत्र विस्तार पबैत अछि।

८२. **(D) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश** — नव शैली अपनाओलासँ मैथिली काव्यक अभिव्यक्ति-क्षेत्र विस्तार पबैत अछि।

८३. **(A) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश** — नव शैली अपनाओलासँ मैथिली काव्यक अभिव्यक्ति-क्षेत्र विस्तार पबैत अछि।

८४. **(A) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश** — नव शैली अपनाओलासँ मैथिली काव्यक अभिव्यक्ति-क्षेत्र विस्तार पबैत अछि।

८५. **(C) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश** — नव शैली अपनाओलासँ मैथिली काव्यक अभिव्यक्ति-क्षेत्र विस्तार पबैत अछि।

८६. **(D) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश** — नव शैली अपनाओलासँ मैथिली काव्यक अभिव्यक्ति-क्षेत्र विस्तार पबैत अछि।

८७. **(A) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश** — नव शैली अपनाओलासँ मैथिली काव्यक अभिव्यक्ति-क्षेत्र विस्तार पबैत अछि।

८८. **(B) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश** — नव शैली अपनाओलासँ मैथिली काव्यक अभिव्यक्ति-क्षेत्र विस्तार पबैत अछि।

८९. **(D) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश** — नव शैली अपनाओलासँ मैथिली काव्यक अभिव्यक्ति-क्षेत्र विस्तार पबैत अछि।

९०. **(D) मैथिली परम्परामे नव छन्द-बोध आ आधुनिक विन्यासक प्रवेश** — नव शैली अपनाओलासँ मैथिली काव्यक अभिव्यक्ति-क्षेत्र विस्तार पबैत अछि।

९१. **(D) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण** — कीचकवधक अध्ययनमे शिल्प आ कथ्य दुनूकेँ साथे पढ़ल आवश्यक अछि।

९२. **(B) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण** — कीचकवधक अध्ययनमे शिल्प आ कथ्य दुनूकेँ साथे पढ़ल आवश्यक अछि।

९३. **(B) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण** — कीचकवधक अध्ययनमे शिल्प आ कथ्य दुनूकेँ साथे पढ़ल आवश्यक अछि।

९४. **(D) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण** — कीचकवधक अध्ययनमे शिल्प आ कथ्य दुनूकेँ साथे पढ़ल आवश्यक अछि।

९५. **(B) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण** — कीचकवधक अध्ययनमे शिल्प आ कथ्य दुनूकेँ साथे पढ़ल आवश्यक अछि।

९६. **(D) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण** — कीचकवधक अध्ययनमे शिल्प आ कथ्य दुनूकेँ साथे पढ़ल आवश्यक अछि।

९७. **(D) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण** — कीचकवधक अध्ययनमे शिल्प आ कथ्य दुनूकेँ साथे पढ़ल आवश्यक अछि।

९८. **(D) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण** — कीचकवधक अध्ययनमे शिल्प आ कथ्य दुनूकेँ साथे पढ़ल आवश्यक अछि।

९९. **(A) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण** — कीचकवधक अध्ययनमे शिल्प आ कथ्य दुनूकेँ साथे पढ़ल आवश्यक अछि।

१००. **(C) कथा-घटना कैँ भाषा, लय आ भावसँ समृद्ध करबाक गुण** — कीचकवधक अध्ययनमे शिल्प आ कथ्य दुनूकेँ साथे पढ़ल आवश्यक अछि।

१०१. **(D) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव** — भीमक प्रतिकार आ संघर्ष वीर रसक ऊर्जा देइत अछि।

१०२. **(B) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव** — भीमक प्रतिकार आ संघर्ष वीर रसक ऊर्जा देइत अछि।

१०३. **(B) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव** — भीमक प्रतिकार आ संघर्ष वीर रसक ऊर्जा देइत अछि।

१०४. **(D) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव** — भीमक प्रतिकार आ संघर्ष वीर रसक ऊर्जा देइत अछि।

१०५. **(C) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव** — भीमक प्रतिकार आ संघर्ष वीर रसक ऊर्जा देइत अछि।

१०६. **(B) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव** — भीमक प्रतिकार आ संघर्ष वीर रसक ऊर्जा देइत अछि।

१०७. **(B) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव** — भीमक प्रतिकार आ संघर्ष वीर रसक ऊर्जा देइत अछि।

१०८. **(D) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव** — भीमक प्रतिकार आ संघर्ष वीर रसक ऊर्जा देइत अछि।

१०९. **(C) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव** — भीमक प्रतिकार आ संघर्ष वीर रसक ऊर्जा देइत अछि।

११०. **(C) भीमक न्यायकारी पराक्रमक काव्यात्मक भाव** — भीमक प्रतिकार आ संघर्ष वीर रसक ऊर्जा देइत अछि।

१११. **(D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता** — कीचकक दुराचार पर उठल क्रोध रौद्र भावक केन्द्र अछि।

११२. **(D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता** — कीचकक दुराचार पर उठल क्रोध रौद्र भावक केन्द्र अछि।

११३. **(D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता** — कीचकक दुराचार पर उठल क्रोध रौद्र भावक केन्द्र अछि।

११४. **(B) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता** — कीचकक दुराचार पर उठल क्रोध रौद्र भावक केन्द्र अछि।

११५. **(D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता** — कीचकक दुराचार पर उठल क्रोध रौद्र भावक केन्द्र अछि।

११६. **(D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता** — कीचकक दुराचार पर उठल क्रोध रौद्र भावक केन्द्र अछि।

११७. **(A) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता** — कीचकक दुराचार पर उठल क्रोध रौद्र भावक केन्द्र अछि।

११८. (D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता — कीचकक दुराचार पर उठल क्रोध रौद्र भावक केन्द्र अछि।

११९. (D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता — कीचकक दुराचार पर उठल क्रोध रौद्र भावक केन्द्र अछि।

१२०. (D) अन्याय-विरोधी क्रोध आ दण्डक तीव्रता — कीचकक दुराचार पर उठल क्रोध रौद्र भावक केन्द्र अछि।

१२१. (B) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण — द्रौपदीक पीड़ा पाठकमे करुणा आ न्याय-बोध जगबैत अछि।

१२२. (B) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण — द्रौपदीक पीड़ा पाठकमे करुणा आ न्याय-बोध जगबैत अछि।

१२३. (A) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण — द्रौपदीक पीड़ा पाठकमे करुणा आ न्याय-बोध जगबैत अछि।

१२४. (B) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण — द्रौपदीक पीड़ा पाठकमे करुणा आ न्याय-बोध जगबैत अछि।

१२५. (C) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण — द्रौपदीक पीड़ा पाठकमे करुणा आ न्याय-बोध जगबैत अछि।

१२६. (A) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण — द्रौपदीक पीड़ा पाठकमे करुणा आ न्याय-बोध जगबैत अछि।

१२७. (A) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण — द्रौपदीक पीड़ा पाठकमे करुणा आ न्याय-बोध जगबैत अछि।

१२८. (A) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण — द्रौपदीक पीड़ा पाठकमे करुणा आ न्याय-बोध जगबैत अछि।

१२९. (B) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण — द्रौपदीक पीड़ा पाठकमे करुणा आ न्याय-बोध जगबैत अछि।

१३०. (B) द्रौपदीक अपमान आ पीड़ाक संवेदनशील चित्रण — द्रौपदीक पीड़ा पाठकमे करुणा आ न्याय-बोध जगबैत अछि।

१३१. (A) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध — दुराचार आ पतन बीभत्स भावक संकेत देइत अछि।

१३२. (C) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध — दुराचार आ पतन बीभत्स भावक संकेत देइत अछि।

१३३. (A) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध — दुराचार आ पतन बीभत्स भावक संकेत देइत अछि।

१३४. (A) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध — दुराचार आ पतन बीभत्स भावक संकेत देइत अछि।

१३५. (D) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध — दुराचार आ पतन बीभत्स भावक संकेत देइत अछि।

१३६. (B) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध — दुराचार आ पतन बीभत्स भावक संकेत देइत अछि।

१३७. (D) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध — दुराचार आ पतन बीभत्स भावक संकेत देइत अछि।

१३८. (A) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध — दुराचार आ पतन बीभत्स भावक संकेत देइत अछि।

१३९. (B) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध — दुराचार आ पतन बीभत्स भावक संकेत देइत अछि।

१४०. (B) कीचकक वासना आ हिंसक पतनक घृणा-बोध — दुराचार आ पतन बीभत्स भावक संकेत देइत अछि।

१४१. (B) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब — काव्य बलकेँ केवल शक्ति नहि, मर्यादा-रक्षणक साधन बनबैत अछि।

१४२. (B) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब — काव्य बलकेँ केवल शक्ति नहि, मर्यादा-रक्षणक साधन बनबैत अछि।

१४३. (B) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब — काव्य बलकेँ केवल शक्ति नहि, मर्यादा-रक्षणक साधन बनबैत अछि।

१४४. (B) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब — काव्य बलकेँ केवल शक्ति नहि, मर्यादा-रक्षणक साधन बनबैत अछि।

१४५. (C) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब — काव्य बलकेँ केवल शक्ति नहि, मर्यादा-रक्षणक साधन बनबैत अछि।

१४६. (A) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब — काव्य बलकेँ केवल शक्ति नहि, मर्यादा-रक्षणक साधन बनबैत अछि।

१४७. (B) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब — काव्य बलकेँ केवल शक्ति नहि, मर्यादा-रक्षणक साधन बनबैत अछि।

१४८. (C) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब — काव्य बलकेँ केवल शक्ति नहि, मर्यादा-रक्षणक साधन बनबैत अछि।

१४९. (D) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब — काव्य बलकेँ केवल शक्ति नहि, मर्यादा-रक्षणक साधन बनबैत अछि।

१५०. (A) बलक प्रयोगकेँ धर्म आ मर्यादा सँ जोड़ब — काव्य बलकेँ केवल शक्ति नहि, मर्यादा-रक्षणक साधन बनबैत अछि।

१५१. (B) द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान — सैरन्ध्री रूपमे रहितहुँ द्रौपदीक गरिमा कथा केर नैतिक केन्द्र अछि।

१५२. (C) द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान — सैरन्ध्री रूपमे रहितहुँ द्रौपदीक गरिमा कथा केर नैतिक केन्द्र अछि।

१५३. (C) द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान — सैरन्ध्री रूपमे रहितहुँ द्रौपदीक गरिमा कथा केर नैतिक केन्द्र अछि।

१५४. (C) **द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान** — सैरन्ध्री रूपमे रहितहुँ द्रौपदीक गरिमा कथा केर नैतिक केन्द्र अछि।

१५५. (B) **द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान** — सैरन्ध्री रूपमे रहितहुँ द्रौपदीक गरिमा कथा केर नैतिक केन्द्र अछि।

१५६. (B) **द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान** — सैरन्ध्री रूपमे रहितहुँ द्रौपदीक गरिमा कथा केर नैतिक केन्द्र अछि।

१५७. (D) **द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान** — सैरन्ध्री रूपमे रहितहुँ द्रौपदीक गरिमा कथा केर नैतिक केन्द्र अछि।

१५८. (B) **द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान** — सैरन्ध्री रूपमे रहितहुँ द्रौपदीक गरिमा कथा केर नैतिक केन्द्र अछि।

१५९. (A) **द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान** — सैरन्ध्री रूपमे रहितहुँ द्रौपदीक गरिमा कथा केर नैतिक केन्द्र अछि।

१६०. (D) **द्रौपदीक व्यक्तित्वक अक्षुण्ण आत्मसम्मान** — सैरन्ध्री रूपमे रहितहुँ द्रौपदीक गरिमा कथा केर नैतिक केन्द्र अछि।

१६१. (C) **दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव** — कीचकक प्रभाव भय उपजाबैत अछि, मुदा द्रौपदी-भीमक साहस ओहि भयकेँ तोड़ैत अछि।

१६२. (C) **दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव** — कीचकक प्रभाव भय उपजाबैत अछि, मुदा द्रौपदी-भीमक साहस ओहि भयकेँ तोड़ैत अछि।

१६३. (D) **दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव** — कीचकक प्रभाव भय उपजाबैत अछि, मुदा द्रौपदी-भीमक साहस ओहि भयकेँ तोड़ैत अछि।

१६४. (D) **दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव** — कीचकक प्रभाव भय उपजाबैत अछि, मुदा द्रौपदी-भीमक साहस ओहि भयकेँ तोड़ैत अछि।

१६५. (B) **दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव** — कीचकक प्रभाव भय उपजाबैत अछि, मुदा द्रौपदी-भीमक साहस ओहि भयकेँ तोड़ैत अछि।

१६६. (C) **दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव** — कीचकक प्रभाव भय उपजाबैत अछि, मुदा द्रौपदी-भीमक साहस ओहि भयकेँ तोड़ैत अछि।

१६७. (B) **दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव** — कीचकक प्रभाव भय उपजाबैत अछि, मुदा द्रौपदी-भीमक साहस ओहि भयकेँ तोड़ैत अछि।

१६८. (D) **दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव** — कीचकक प्रभाव भय उपजाबैत अछि, मुदा द्रौपदी-भीमक साहस ओहि भयकेँ तोड़ैत अछि।

१६९. (B) **दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव** — कीचकक प्रभाव भय उपजाबैत अछि, मुदा द्रौपदी-भीमक साहस ओहि भयकेँ तोड़ैत अछि।

१७०. (C) **दरबारक आतंक बीच प्रतिरोधक भाव** — कीचकक प्रभाव भय उपजाबैत अछि, मुदा द्रौपदी-भीमक साहस ओहि भयकेँ तोड़ैत अछि।

१७१. (C) **सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह** — कीचकवध मर्यादा-भंगक दुष्परिणाम स्पष्ट करैत अछि।

१७२. (C) **सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह** — कीचकवध मर्यादा-भंगक दुष्परिणाम स्पष्ट करैत अछि।

१७३. (D) **सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह** — कीचकवध मर्यादा-भंगक दुष्परिणाम स्पष्ट करैत अछि।

१७४. (D) **सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह** — कीचकवध मर्यादा-भंगक दुष्परिणाम स्पष्ट करैत अछि।

१७५. (C) **सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह** — कीचकवध मर्यादा-भंगक दुष्परिणाम स्पष्ट करैत अछि।

१७६. (A) **सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह** — कीचकवध मर्यादा-भंगक दुष्परिणाम स्पष्ट करैत अछि।

१७७. (D) **सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह** — कीचकवध मर्यादा-भंगक दुष्परिणाम स्पष्ट करैत अछि।

१७८. (A) **सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह** — कीचकवध मर्यादा-भंगक दुष्परिणाम स्पष्ट करैत अछि।

१७९. (D) **सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह** — कीचकवध मर्यादा-भंगक दुष्परिणाम स्पष्ट करैत अछि।

१८०. (C) **सामाजिक संबंधमे सीमा, सम्मान आ न्यायक आग्रह** — कीचकवध मर्यादा-भंगक दुष्परिणाम स्पष्ट करैत अछि।

१८१. (C) **गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता** — तनाव कथा केँ प्रभावी बनबैत अछि आ पाठक केँ अन्त धरि बाँधि राखैत अछि।

१८२. (B) **गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता** — तनाव कथा केँ प्रभावी बनबैत अछि आ पाठक केँ अन्त धरि बाँधि राखैत अछि।

१८३. (D) **गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता** — तनाव कथा केँ प्रभावी बनबैत अछि आ पाठक केँ अन्त धरि बाँधि राखैत अछि।

१८४. (D) **गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता** — तनाव कथा केँ प्रभावी बनबैत अछि आ पाठक केँ अन्त धरि बाँधि राखैत अछि।

१८५. (B) **गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता** — तनाव कथा केँ प्रभावी बनबैत अछि आ पाठक केँ अन्त धरि बाँधि राखैत अछि।

१८६. (C) **गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता** — तनाव कथा केँ प्रभावी बनबैत अछि आ पाठक केँ अन्त धरि बाँधि राखैत अछि।

१८७. (A) **गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता** — तनाव कथा केँ प्रभावी बनबैत अछि आ पाठक केँ अन्त धरि बाँधि राखैत अछि।

१८८. (B) **गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता** — तनाव कथा केँ प्रभावी बनबैत अछि आ पाठक केँ अन्त धरि बाँधि राखैत अछि।

१८९. (C) **गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता** — तनाव कथा केँ प्रभावी बनबैत अछि आ पाठक केँ अन्त धरि बाँधि राखैत अछि।

१९०. (B) गुप्तता, अपमान, योजना आ वधक क्रमिक तीव्रता — तनाव कथा कैं प्रभावी बनबैत अछि आ पाठक कैं अन्त धरि बाँधि राखैत अछि।

१९१. (A) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति — वधक बाद पाठकमे न्यायक पुनर्स्थापनाक भाव जगैत अछि।

१९२. (B) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति — वधक बाद पाठकमे न्यायक पुनर्स्थापनाक भाव जगैत अछि।

१९३. (A) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति — वधक बाद पाठकमे न्यायक पुनर्स्थापनाक भाव जगैत अछि।

१९४. (C) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति — वधक बाद पाठकमे न्यायक पुनर्स्थापनाक भाव जगैत अछि।

१९५. (A) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति — वधक बाद पाठकमे न्यायक पुनर्स्थापनाक भाव जगैत अछि।

१९६. (C) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति — वधक बाद पाठकमे न्यायक पुनर्स्थापनाक भाव जगैत अछि।

१९७. (C) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति — वधक बाद पाठकमे न्यायक पुनर्स्थापनाक भाव जगैत अछि।

१९८. (B) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति — वधक बाद पाठकमे न्यायक पुनर्स्थापनाक भाव जगैत अछि।

१९९. (B) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति — वधक बाद पाठकमे न्यायक पुनर्स्थापनाक भाव जगैत अछि।

२००. (A) कीचकक दण्डसँ उत्पन्न नैतिक संतुलनक अनुभूति — वधक बाद पाठकमे न्यायक पुनर्स्थापनाक भाव जगैत अछि।

२०१. (C) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति — कीचकक सेनापतित्व ओकर दुराचारकैं भयावह बनबैत अछि।

२०२. (A) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति — कीचकक सेनापतित्व ओकर दुराचारकैं भयावह बनबैत अछि।

२०३. (C) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति — कीचकक सेनापतित्व ओकर दुराचारकैं भयावह बनबैत अछि।

२०४. (D) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति — कीचकक सेनापतित्व ओकर दुराचारकैं भयावह बनबैत अछि।

२०५. (C) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति — कीचकक सेनापतित्व ओकर दुराचारकैं भयावह बनबैत अछि।

२०६. (C) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति — कीचकक सेनापतित्व ओकर दुराचारकैं भयावह बनबैत अछि।

२०७. (A) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति — कीचकक सेनापतित्व ओकर दुराचारकैं भयावह बनबैत अछि।

२०८. (B) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति — कीचकक सेनापतित्व ओकर दुराचारकैं भयावह बनबैत अछि।

२०९. (C) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति — कीचकक सेनापतित्व ओकर दुराचारकैं भयावह बनबैत अछि।

२१०. (C) कीचकक पद-बल द्वारा मर्यादा भंग करबाक प्रवृत्ति — कीचकक सेनापतित्व ओकर दुराचारकैं भयावह बनबैत अछि।

२११. (B) द्रौपदीक सम्मान कैं कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य — कथा स्त्रीकैं वस्तु नहि, गरिमामय व्यक्तित्व मानैत अछि।

२१२. (C) द्रौपदीक सम्मान कैं कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य — कथा स्त्रीकैं वस्तु नहि, गरिमामय व्यक्तित्व मानैत अछि।

२१३. (C) द्रौपदीक सम्मान कैं कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य — कथा स्त्रीकैं वस्तु नहि, गरिमामय व्यक्तित्व मानैत अछि।

२१४. (D) द्रौपदीक सम्मान कैं कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य — कथा स्त्रीकैं वस्तु नहि, गरिमामय व्यक्तित्व मानैत अछि।

२१५. (C) द्रौपदीक सम्मान कैं कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य — कथा स्त्रीकैं वस्तु नहि, गरिमामय व्यक्तित्व मानैत अछि।

२१६. (B) द्रौपदीक सम्मान कैं कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य — कथा स्त्रीकैं वस्तु नहि, गरिमामय व्यक्तित्व मानैत अछि।

२१७. (C) द्रौपदीक सम्मान कैं कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य — कथा स्त्रीकैं वस्तु नहि, गरिमामय व्यक्तित्व मानैत अछि।

२१८. (D) द्रौपदीक सम्मान कैं कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य — कथा स्त्रीकैं वस्तु नहि, गरिमामय व्यक्तित्व मानैत अछि।

२१९. (D) द्रौपदीक सम्मान कैं कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य — कथा स्त्रीकैं वस्तु नहि, गरिमामय व्यक्तित्व मानैत अछि।

२२०. (A) द्रौपदीक सम्मान कैं कथा-केंद्र बनाबयवला मूल्य — कथा स्त्रीकैं वस्तु नहि, गरिमामय व्यक्तित्व मानैत अछि।

२२१. (D) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना — जब दरबार अन्याय पर चुप रहैत अछि, तखन काव्य ओकर नैतिक कमजोरी देखबैत अछि।

२२२. (C) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना — जब दरबार अन्याय पर चुप रहैत अछि, तखन काव्य ओकर नैतिक कमजोरी देखबैत अछि।

२२३. (C) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना — जब दरबार अन्याय पर चुप रहैत अछि, तखन काव्य ओकर नैतिक कमजोरी देखबैत अछि।

२२४. (D) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना — जब दरबार अन्याय पर चुप रहैत अछि, तखन काव्य ओकर नैतिक कमजोरी देखबैत अछि।

२२५. (D) सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना — जब दरबार अन्याय पर चुप रहैत अछि, तखन काव्य ओकर नैतिक कमजोरी देखबैत अछि।

२२६. (D) **सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना** — जब दरबार अन्याय पर चुप रहैत अछि, तखन काव्य ओकर नैतिक कमजोरी देखबैत अछि।

२२७. (A) **सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना** — जब दरबार अन्याय पर चुप रहैत अछि, तखन काव्य ओकर नैतिक कमजोरी देखबैत अछि।

२२८. (D) **सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना** — जब दरबार अन्याय पर चुप रहैत अछि, तखन काव्य ओकर नैतिक कमजोरी देखबैत अछि।

२२९. (B) **सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना** — जब दरबार अन्याय पर चुप रहैत अछि, तखन काव्य ओकर नैतिक कमजोरी देखबैत अछि।

२३०. (C) **सत्ता-संरचनामे अन्याय पर मौनक आलोचना** — जब दरबार अन्याय पर चुप रहैत अछि, तखन काव्य ओकर नैतिक कमजोरी देखबैत अछि।

२३१. (D) **अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम** — द्रौपदीक आवाज आ भीमक प्रतिकार मिलि न्यायकारी प्रतिरोध रचैत अछि।

२३२. (C) **अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम** — द्रौपदीक आवाज आ भीमक प्रतिकार मिलि न्यायकारी प्रतिरोध रचैत अछि।

२३३. (B) **अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम** — द्रौपदीक आवाज आ भीमक प्रतिकार मिलि न्यायकारी प्रतिरोध रचैत अछि।

२३४. (D) **अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम** — द्रौपदीक आवाज आ भीमक प्रतिकार मिलि न्यायकारी प्रतिरोध रचैत अछि।

२३५. (C) **अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम** — द्रौपदीक आवाज आ भीमक प्रतिकार मिलि न्यायकारी प्रतिरोध रचैत अछि।

२३६. (A) **अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम** — द्रौपदीक आवाज आ भीमक प्रतिकार मिलि न्यायकारी प्रतिरोध रचैत अछि।

२३७. (D) **अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम** — द्रौपदीक आवाज आ भीमक प्रतिकार मिलि न्यायकारी प्रतिरोध रचैत अछि।

२३८. (C) **अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम** — द्रौपदीक आवाज आ भीमक प्रतिकार मिलि न्यायकारी प्रतिरोध रचैत अछि।

२३९. (D) **अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम** — द्रौपदीक आवाज आ भीमक प्रतिकार मिलि न्यायकारी प्रतिरोध रचैत अछि।

२४०. (C) **अपमानक विरुद्ध आवाज आ क्रिया दुनूक संगम** — द्रौपदीक आवाज आ भीमक प्रतिकार मिलि न्यायकारी प्रतिरोध रचैत अछि।

२४१. (D) **व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न** — कीचकवध मात्र बदला नहि, मर्यादा-रक्षणक नैतिक दण्डक रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

२४२. (C) **व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न** — कीचकवध मात्र बदला नहि, मर्यादा-रक्षणक नैतिक दण्डक रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

२४३. (A) **व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न** — कीचकवध मात्र बदला नहि, मर्यादा-रक्षणक नैतिक दण्डक रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

२४४. (C) **व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न** — कीचकवध मात्र बदला नहि, मर्यादा-रक्षणक नैतिक दण्डक रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

२४५. (B) **व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न** — कीचकवध मात्र बदला नहि, मर्यादा-रक्षणक नैतिक दण्डक रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

२४६. (C) **व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न** — कीचकवध मात्र बदला नहि, मर्यादा-रक्षणक नैतिक दण्डक रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

२४७. (B) **व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न** — कीचकवध मात्र बदला नहि, मर्यादा-रक्षणक नैतिक दण्डक रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

२४८. (A) **व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न** — कीचकवध मात्र बदला नहि, मर्यादा-रक्षणक नैतिक दण्डक रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

२४९. (B) **व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न** — कीचकवध मात्र बदला नहि, मर्यादा-रक्षणक नैतिक दण्डक रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

२५०. (B) **व्यक्तिगत क्रोध कैँ धर्म-मर्यादाक सीमा मे राखबाक प्रश्न** — कीचकवध मात्र बदला नहि, मर्यादा-रक्षणक नैतिक दण्डक रूपमे पढ़ल जाइत अछि।

२५१. (C) **अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व** — भीमकेँ न्याय करबाक अछि, मुदा पाण्डव-भेष खुललासँ संकट बढ़ि सकैत अछि।

२५२. (D) **अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व** — भीमकेँ न्याय करबाक अछि, मुदा पाण्डव-भेष खुललासँ संकट बढ़ि सकैत अछि।

२५३. (C) **अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व** — भीमकेँ न्याय करबाक अछि, मुदा पाण्डव-भेष खुललासँ संकट बढ़ि सकैत अछि।

२५४. (C) **अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व** — भीमकेँ न्याय करबाक अछि, मुदा पाण्डव-भेष खुललासँ संकट बढ़ि सकैत अछि।

२५५. (C) **अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व** — भीमकेँ न्याय करबाक अछि, मुदा पाण्डव-भेष खुललासँ संकट बढ़ि सकैत अछि।

२५६. (B) **अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व** — भीमकेँ न्याय करबाक अछि, मुदा पाण्डव-भेष खुललासँ संकट बढ़ि सकैत अछि।

२५७. (D) **अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व** — भीमकेँ न्याय करबाक अछि, मुदा पाण्डव-भेष खुललासँ संकट बढ़ि सकैत अछि।

२५८. (B) **अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व** — भीमकेँ न्याय करबाक अछि, मुदा पाण्डव-भेष खुललासँ संकट बढ़ि सकैत अछि।

२५९. (D) **अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व** — भीमकेँ न्याय करबाक अछि, मुदा पाण्डव-भेष खुललासँ संकट बढ़ि सकैत अछि।

२६०. (D) **अज्ञातवासक शर्त आ न्याय-कार्रवाईक द्वंद्व** — भीमकेँ न्याय करबाक अछि, मुदा पाण्डव-भेष खुललासँ संकट बढ़ि सकैत अछि।

२६१. (D) **उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा** — एक दुष्टक बाद ओकर समूह सेहो अन्यायक पक्षमे ठाढ़ होइत अछि।

२६२. (B) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा — एक दुष्टक बाद ओकर समूह सेहो अन्यायक पक्षमे ठाढ़ होइत अछि।

२६३. (D) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा — एक दुष्टक बाद ओकर समूह सेहो अन्यायक पक्षमे ठाढ़ होइत अछि।

२६४. (D) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा — एक दुष्टक बाद ओकर समूह सेहो अन्यायक पक्षमे ठाढ़ होइत अछि।

२६५. (C) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा — एक दुष्टक बाद ओकर समूह सेहो अन्यायक पक्षमे ठाढ़ होइत अछि।

२६६. (A) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा — एक दुष्टक बाद ओकर समूह सेहो अन्यायक पक्षमे ठाढ़ होइत अछि।

२६७. (C) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा — एक दुष्टक बाद ओकर समूह सेहो अन्यायक पक्षमे ठाढ़ होइत अछि।

२६८. (B) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा — एक दुष्टक बाद ओकर समूह सेहो अन्यायक पक्षमे ठाढ़ होइत अछि।

२६९. (C) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा — एक दुष्टक बाद ओकर समूह सेहो अन्यायक पक्षमे ठाढ़ होइत अछि।

२७०. (A) उपकीचकसभक प्रसंग सँ उभरल सामूहिक हिंसा — एक दुष्टक बाद ओकर समूह सेहो अन्यायक पक्षमे ठाढ़ होइत अछि।

२७१. (A) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति — द्रौपदीक स्वर कथा कैँ जीवित नैतिक शक्ति दैत अछि।

२७२. (D) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति — द्रौपदीक स्वर कथा कैँ जीवित नैतिक शक्ति दैत अछि।

२७३. (C) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति — द्रौपदीक स्वर कथा कैँ जीवित नैतिक शक्ति दैत अछि।

२७४. (C) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति — द्रौपदीक स्वर कथा कैँ जीवित नैतिक शक्ति दैत अछि।

२७५. (C) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति — द्रौपदीक स्वर कथा कैँ जीवित नैतिक शक्ति दैत अछि।

२७६. (A) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति — द्रौपदीक स्वर कथा कैँ जीवित नैतिक शक्ति दैत अछि।

२७७. (C) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति — द्रौपदीक स्वर कथा कैँ जीवित नैतिक शक्ति दैत अछि।

२७८. (D) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति — द्रौपदीक स्वर कथा कैँ जीवित नैतिक शक्ति दैत अछि।

२७९. (D) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति — द्रौपदीक स्वर कथा कैँ जीवित नैतिक शक्ति दैत अछि।

२८०. (B) द्रौपदीक स्पष्ट निवेदन आ प्रश्न करबाक शक्ति — द्रौपदीक स्वर कथा कैँ जीवित नैतिक शक्ति दैत अछि।

२८१. (A) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श — काव्य बलक महिमा तखने करैत अछि जखन ओ न्यायक रक्षा करैत अछि।

२८२. (D) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श — काव्य बलक महिमा तखने करैत अछि जखन ओ न्यायक रक्षा करैत अछि।

२८३. (A) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श — काव्य बलक महिमा तखने करैत अछि जखन ओ न्यायक रक्षा करैत अछि।

२८४. (C) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श — काव्य बलक महिमा तखने करैत अछि जखन ओ न्यायक रक्षा करैत अछि।

२८५. (B) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श — काव्य बलक महिमा तखने करैत अछि जखन ओ न्यायक रक्षा करैत अछि।

२८६. (B) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श — काव्य बलक महिमा तखने करैत अछि जखन ओ न्यायक रक्षा करैत अछि।

२८७. (C) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श — काव्य बलक महिमा तखने करैत अछि जखन ओ न्यायक रक्षा करैत अछि।

२८८. (B) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श — काव्य बलक महिमा तखने करैत अछि जखन ओ न्यायक रक्षा करैत अछि।

२८९. (B) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श — काव्य बलक महिमा तखने करैत अछि जखन ओ न्यायक रक्षा करैत अछि।

२९०. (B) भीमक शक्ति कैँ अन्याय-निवारणमे लगयबाक आदर्श — काव्य बलक महिमा तखने करैत अछि जखन ओ न्यायक रक्षा करैत अछि।

२९१. (A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष — कीचकवध पाठककेँ बतबैत अछि जे मर्यादा-भंगक विरुद्ध समाजक चेतना जरूरी अछि।

२९२. (A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष — कीचकवध पाठककेँ बतबैत अछि जे मर्यादा-भंगक विरुद्ध समाजक चेतना जरूरी अछि।

२९३. (A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष — कीचकवध पाठककेँ बतबैत अछि जे मर्यादा-भंगक विरुद्ध समाजक चेतना जरूरी अछि।

२९४. (A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष — कीचकवध पाठककेँ बतबैत अछि जे मर्यादा-भंगक विरुद्ध समाजक चेतना जरूरी अछि।

२९५. (D) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष — कीचकवध पाठककेँ बतबैत अछि जे मर्यादा-भंगक विरुद्ध समाजक चेतना जरूरी अछि।

२९६. (A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष — कीचकवध पाठककेँ बतबैत अछि जे मर्यादा-भंगक विरुद्ध समाजक चेतना जरूरी अछि।

२९७. (A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष — कीचकवध पाठककेँ बतबैत अछि जे मर्यादा-भंगक विरुद्ध समाजक चेतना जरूरी अछि।

२९८. (A) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष — कीचकवध पाठककेँ बतबैत अछि जे मर्यादा-भंगक विरुद्ध समाजक चेतना जरूरी अछि।

२९९. (C) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष — कीचकवध पाठककेँ बतबैत अछि जे मर्यादा-भंगक विरुद्ध समाजक चेतना जरूरी अछि।

३००. (B) पाठकक मनमे अन्याय विरुद्ध सामूहिक सहमति जगाबयवला पक्ष — कीचकवध पाठककेँ बतबैत अछि जे मर्यादा-भंगक विरुद्ध समाजक चेतना जरूरी अछि।

३०१. (C) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली — कीचकवधक विषय गम्भीर अछि, तें भाषा सेहो गरिमा आ तीव्रता धारण करैत अछि।

३०२. (D) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली — कीचकवधक विषय गम्भीर अछि, तें भाषा सेहो गरिमा आ तीव्रता धारण करैत अछि।

३०३. (A) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली — कीचकवधक विषय गम्भीर अछि, तें भाषा सेहो गरिमा आ तीव्रता धारण करैत अछि।

३०४. (A) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली — कीचकवधक विषय गम्भीर अछि, तें भाषा सेहो गरिमा आ तीव्रता धारण करैत अछि।

३०५. (A) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली — कीचकवधक विषय गम्भीर अछि, तें भाषा सेहो गरिमा आ तीव्रता धारण करैत अछि।

३०६. (A) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली — कीचकवधक विषय गम्भीर अछि, तें भाषा सेहो गरिमा आ तीव्रता धारण करैत अछि।

३०७. (D) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली — कीचकवधक विषय गम्भीर अछि, तें भाषा सेहो गरिमा आ तीव्रता धारण करैत अछि।

३०८. (C) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली — कीचकवधक विषय गम्भीर अछि, तें भाषा सेहो गरिमा आ तीव्रता धारण करैत अछि।

३०९. (C) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली — कीचकवधक विषय गम्भीर अछि, तें भाषा सेहो गरिमा आ तीव्रता धारण करैत अछि।

३१०. (A) महाकाव्यात्मक भावक अनुरूप ऊँच शैली — कीचकवधक विषय गम्भीर अछि, तें भाषा सेहो गरिमा आ तीव्रता धारण करैत अछि।

३११. (C) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति — भीमक पराक्रम आ वध-प्रसंगमे ओजगुण प्रभावशाली बनैत अछि।

३१२. (A) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति — भीमक पराक्रम आ वध-प्रसंगमे ओजगुण प्रभावशाली बनैत अछि।

३१३. (B) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति — भीमक पराक्रम आ वध-प्रसंगमे ओजगुण प्रभावशाली बनैत अछि।

३१४. (A) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति — भीमक पराक्रम आ वध-प्रसंगमे ओजगुण प्रभावशाली बनैत अछि।

३१५. (C) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति — भीमक पराक्रम आ वध-प्रसंगमे ओजगुण प्रभावशाली बनैत अछि।

३१६. (C) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति — भीमक पराक्रम आ वध-प्रसंगमे ओजगुण प्रभावशाली बनैत अछि।

३१७. (A) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति — भीमक पराक्रम आ वध-प्रसंगमे ओजगुण प्रभावशाली बनैत अछि।

३१८. (A) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति — भीमक पराक्रम आ वध-प्रसंगमे ओजगुण प्रभावशाली बनैत अछि।

३१९. (B) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति — भीमक पराक्रम आ वध-प्रसंगमे ओजगुण प्रभावशाली बनैत अछि।

३२०. (C) वीरता, क्रोध आ प्रतिकारक भाषा-शक्ति — भीमक पराक्रम आ वध-प्रसंगमे ओजगुण प्रभावशाली बनैत अछि।

३२१. (D) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली — काव्य द्रौपदीक अपमानकेँ केवल घटना नहि, संवेदना बनबैत अछि।

३२२. (C) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली — काव्य द्रौपदीक अपमानकेँ केवल घटना नहि, संवेदना बनबैत अछि।

३२३. (B) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली — काव्य द्रौपदीक अपमानकेँ केवल घटना नहि, संवेदना बनबैत अछि।

३२४. (B) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली — काव्य द्रौपदीक अपमानकेँ केवल घटना नहि, संवेदना बनबैत अछि।

३२५. (D) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली — काव्य द्रौपदीक अपमानकेँ केवल घटना नहि, संवेदना बनबैत अछि।

३२६. (C) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली — काव्य द्रौपदीक अपमानकेँ केवल घटना नहि, संवेदना बनबैत अछि।

३२७. (B) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली — काव्य द्रौपदीक अपमानकेँ केवल घटना नहि, संवेदना बनबैत अछि।

३२८. (B) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली — काव्य द्रौपदीक अपमानकेँ केवल घटना नहि, संवेदना बनबैत अछि।

३२९. (C) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली — काव्य द्रौपदीक अपमानकेँ केवल घटना नहि, संवेदना बनबैत अछि।

३३०. (D) द्रौपदीक पीड़ाकेँ मानवीय स्वर देबाक शैली — काव्य द्रौपदीक अपमानकेँ केवल घटना नहि, संवेदना बनबैत अछि।

३३१. (A) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण — नृत्यशाला, दरबार, संघर्ष आदि दृश्यात्मक रूपमे उभरैत अछि।

३३२. (A) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण — नृत्यशाला, दरबार, संघर्ष आदि दृश्यात्मक रूपमे उभरैत अछि।

३३३. (D) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण — नृत्यशाला, दरबार, संघर्ष आदि दृश्यात्मक रूपमे उभरैत अछि।

३३४. (C) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण — नृत्यशाला, दरबार, संघर्ष आदि दृश्यात्मक रूपमे उभरैत अछि।

३३५. (B) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण — नृत्यशाला, दरबार, संघर्ष आदि दृश्यात्मक रूपमे उभरैत अछि।

३३६. (D) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण — नृत्यशाला, दरबार, संघर्ष आदि दृश्यात्मक रूपमे उभरैत अछि।

३३७. (D) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण — नृत्यशाला, दरबार, संघर्ष आदि दृश्यात्मक रूपमे उभरैत अछि।

३३८. (A) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण — नृत्यशाला, दरबार, संघर्ष आदि दृश्यात्मक रूपमे उभरैत अछि।

३३९. (D) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण — नृत्यशाला, दरबार, संघर्ष आदि दृश्यात्मक रूपमे उभरैत अछि।

३४०. (B) दृश्य-निर्माण द्वारा कथा केँ आँखि समक्ष अनबाक गुण — नृत्यशाला, दरबार, संघर्ष आदि दृश्यात्मक रूपमे उभरैत अछि।

३४१. (C) तनावक क्षणमे कथ्य केँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन — संवाद पात्रक भाव आ निर्णयकेँ तीव्रता दैत अछि।

३४२. (C) तनावक क्षणमे कथ्य केँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन — संवाद पात्रक भाव आ निर्णयकेँ तीव्रता दैत अछि।

३४३. (B) तनावक क्षणमे कथ्य केँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन — संवाद पात्रक भाव आ निर्णयकेँ तीव्रता दैत अछि।

३४४. (C) तनावक क्षणमे कथ्य केँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन — संवाद पात्रक भाव आ निर्णयकेँ तीव्रता दैत अछि।

३४५. (A) तनावक क्षणमे कथ्य केँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन — संवाद पात्रक भाव आ निर्णयकेँ तीव्रता दैत अछि।

३४६. (C) तनावक क्षणमे कथ्य केँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन — संवाद पात्रक भाव आ निर्णयकेँ तीव्रता दैत अछि।

३४७. (B) तनावक क्षणमे कथ्य केँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन — संवाद पात्रक भाव आ निर्णयकेँ तीव्रता दैत अछि।

३४८. (A) तनावक क्षणमे कथ्य केँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन — संवाद पात्रक भाव आ निर्णयकेँ तीव्रता दैत अछि।

३४९. (C) तनावक क्षणमे कथ्य केँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन — संवाद पात्रक भाव आ निर्णयकेँ तीव्रता दैत अछि।

३५०. (D) तनावक क्षणमे कथ्य केँ तीक्ष्ण बनाबयवला साधन — संवाद पात्रक भाव आ निर्णयकेँ तीव्रता दैत अछि।

३५१. (B) बल, भय आ पतनक अनुभूति केँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन — अलंकार काव्यक संवेदनात्मक प्रभाव बढ़बैत अछि।

३५२. (D) बल, भय आ पतनक अनुभूति केँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन — अलंकार काव्यक संवेदनात्मक प्रभाव बढ़बैत अछि।

३५३. (C) बल, भय आ पतनक अनुभूति केँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन — अलंकार काव्यक संवेदनात्मक प्रभाव बढ़बैत अछि।

३५४. (A) बल, भय आ पतनक अनुभूति केँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन — अलंकार काव्यक संवेदनात्मक प्रभाव बढ़बैत अछि।

३५५. (D) बल, भय आ पतनक अनुभूति केँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन — अलंकार काव्यक संवेदनात्मक प्रभाव बढ़बैत अछि।

३५६. (B) बल, भय आ पतनक अनुभूति केँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन — अलंकार काव्यक संवेदनात्मक प्रभाव बढ़बैत अछि।

३५७. (C) बल, भय आ पतनक अनुभूति केँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन — अलंकार काव्यक संवेदनात्मक प्रभाव बढ़बैत अछि।

३५८. (B) बल, भय आ पतनक अनुभूति केँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन — अलंकार काव्यक संवेदनात्मक प्रभाव बढ़बैत अछि।

३५९. (C) बल, भय आ पतनक अनुभूति केँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन — अलंकार काव्यक संवेदनात्मक प्रभाव बढ़बैत अछि।

३६०. (D) बल, भय आ पतनक अनुभूति केँ प्रभावी करबाक अलंकारिक साधन — अलंकार काव्यक संवेदनात्मक प्रभाव बढ़बैत अछि।

३६१. (B) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत — संस्कृत-आधारित समास महाकाव्यक शैलीकेँ औदात्य दैत अछि।

३६२. (D) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत — संस्कृत-आधारित समास महाकाव्यक शैलीकेँ औदात्य दैत अछि।

३६३. (A) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत — संस्कृत-आधारित समास महाकाव्यक शैलीकेँ औदात्य दैत अछि।

३६४. (C) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत — संस्कृत-आधारित समास महाकाव्यक शैलीकेँ औदात्य दैत अछि।

३६५. (B) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत — संस्कृत-आधारित समास महाकाव्यक शैलीकेँ औदात्य दैत अछि।

३६६. (B) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत — संस्कृत-आधारित समास महाकाव्यक शैलीकेँ औदात्य दैत अछि।

३६७. (B) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत — संस्कृत-आधारित समास महाकाव्यक शैलीकेँ औदात्य दैत अछि।

३६८. (B) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत — संस्कृत-आधारित समास महाकाव्यक शैलीकेँ औदात्य दैत अछि।

३६९. (A) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत — संस्कृत-आधारित समास महाकाव्यक शैलीकेँ औदात्य दैत अछि।

३७०. (B) परम्परागत विद्वत्ता आ गाम्भीर्यक भाषिक संकेत — संस्कृत-आधारित समास महाकाव्यक शैलीकेँ औदात्य दैत अछि।

३७१. (B) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार — मैथिली मुहावरा काव्यकेँ अपन समाज आ लोक-स्वर सँ जोड़ैत अछि।

३७२. (C) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार — मैथिली मुहावरा काव्यकेँ अपन समाज आ लोक-स्वर सँ जोड़ैत अछि।

३७३. (A) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार — मैथिली मुहावरा काव्यकेँ अपन समाज आ लोक-स्वर सँ जोड़ैत अछि।

३७४. (D) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार — मैथिली मुहावरा काव्यकेँ अपन समाज आ लोक-स्वर सँ जोड़ैत अछि।

३७५. (C) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार — मैथिली मुहावरा काव्यकेँ अपन समाज आ लोक-स्वर सँ जोड़ैत अछि।

३७६. (D) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार — मैथिली मुहावरा काव्यकेँ अपन समाज आ लोक-स्वर सँ जोड़ैत अछि।

३७७. (B) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार — मैथिली मुहावरा काव्यकेँ अपन समाज आ लोक-स्वर सँ जोड़ैत अछि।

३७८. (D) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार — मैथिली मुहावरा काव्यकेँ अपन समाज आ लोक-स्वर सँ जोड़ैत अछि।

३७९. (C) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार — मैथिली मुहावरा काव्यकेँ अपन समाज आ लोक-स्वर सँ जोड़ैत अछि।

३८०. (C) स्थानीय भाव-जगत आ भाषिक आत्मीयताक आधार — मैथिली मुहावरा काव्यकेँ अपन समाज आ लोक-स्वर सँ जोड़ैत अछि।

३८१. (C) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन — कीचकवधमे वर्णन वातावरण बनबैत अछि आ क्रिया कथा आगाँ बढ़बैत अछि।

३८२. (A) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन — कीचकवधमे वर्णन वातावरण बनबैत अछि आ क्रिया कथा आगाँ बढ़बैत अछि।

३८३. (B) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन — कीचकवधमे वर्णन वातावरण बनबैत अछि आ क्रिया कथा आगाँ बढ़बैत अछि।

३८४. (C) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन — कीचकवधमे वर्णन वातावरण बनबैत अछि आ क्रिया कथा आगाँ बढ़बैत अछि।

३८५. (A) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन — कीचकवधमे वर्णन वातावरण बनबैत अछि आ क्रिया कथा आगाँ बढ़बैत अछि।

३८६. (C) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन — कीचकवधमे वर्णन वातावरण बनबैत अछि आ क्रिया कथा आगाँ बढ़बैत अछि।

३८७. (A) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन — कीचकवधमे वर्णन वातावरण बनबैत अछि आ क्रिया कथा आगाँ बढ़बैत अछि।

३८८. (D) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन — कीचकवधमे वर्णन वातावरण बनबैत अछि आ क्रिया कथा आगाँ बढ़बैत अछि।

३८९. (D) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन — कीचकवधमे वर्णन वातावरण बनबैत अछि आ क्रिया कथा आगाँ बढ़बैत अछि।

३९०. (D) स्थिर दृश्य आ गतिशील संघर्षक संतुलन — कीचकवधमे वर्णन वातावरण बनबैत अछि आ क्रिया कथा आगाँ बढ़बैत अछि।

३९१. (B) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन — भाषा-पाठमे शब्द-चयन, शैली, लय आ भाव सभक भूमिका देखल चाही।

३९२. (C) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन — भाषा-पाठमे शब्द-चयन, शैली, लय आ भाव सभक भूमिका देखल चाही।

३९३. (D) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन — भाषा-पाठमे शब्द-चयन, शैली, लय आ भाव सभक भूमिका देखल चाही।

३९४. (B) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन — भाषा-पाठमे शब्द-चयन, शैली, लय आ भाव सभक भूमिका देखल चाही।

३९५. (A) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन — भाषा-पाठमे शब्द-चयन, शैली, लय आ भाव सभक भूमिका देखल चाही।

३९६. (A) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन — भाषा-पाठमे शब्द-चयन, शैली, लय आ भाव सभक भूमिका देखल चाही।

३९७. (D) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन — भाषा-पाठमे शब्द-चयन, शैली, लय आ भाव सभक भूमिका देखल चाही।

३९८. (D) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन — भाषा-पाठमे शब्द-चयन, शैली, लय आ भाव सभक भूमिका देखल चाही।

३९९. (B) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन — भाषा-पाठमे शब्द-चयन, शैली, लय आ भाव सभक भूमिका देखल चाही।

४००. (D) शब्द, लय, भाव आ अर्थक संगठित अध्ययन — भाषा-पाठमे शब्द-चयन, शैली, लय आ भाव सभक भूमिका देखल चाही।

४०१. (B) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन — परीक्षामे पूर्ण उत्तर लेल कथानक, शिल्प, पात्र आ मूल्य-दृष्टि सभ चाही।

४०२. (A) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन — परीक्षामे पूर्ण उत्तर लेल कथानक, शिल्प, पात्र आ मूल्य-दृष्टि सभ चाही।

४०३. (B) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन — परीक्षामे पूर्ण उत्तर लेल कथानक, शिल्प, पात्र आ मूल्य-दृष्टि सभ चाही।

४०४. (A) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन — परीक्षामे पूर्ण उत्तर लेल कथानक, शिल्प, पात्र आ मूल्य-दृष्टि सभ चाही।

४०५. (A) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन — परीक्षामे पूर्ण उत्तर लेल कथानक, शिल्प, पात्र आ मूल्य-दृष्टि सभ चाही।

४०६. (D) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन — परीक्षामे पूर्ण उत्तर लेल कथानक, शिल्प, पात्र आ मूल्य-दृष्टि सभ चाही।

४०७. (B) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन — परीक्षामे पूर्ण उत्तर लेल कथानक, शिल्प, पात्र आ मूल्य-दृष्टि सभ चाही।

४०८. (C) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन — परीक्षामे पूर्ण उत्तर लेल कथानक, शिल्प, पात्र आ मूल्य-दृष्टि सभ चाही।

४०९. (C) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन — परीक्षामे पूर्ण उत्तर लेल कथानक, शिल्प, पात्र आ मूल्य-दृष्टि सभ चाही।

४१०. (A) कथा, शिल्प, चरित्र आ सामाजिक अर्थक संतुलित विवेचन — परीक्षामे पूर्ण उत्तर लेल कथानक, शिल्प, पात्र आ मूल्य-दृष्टि सभ चाही।

४११. (C) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब — तुलना करैत स्रोत-कथा आ काव्य-रूपान्तरक भेद-साम्य देखल जाइत अछि।

४१२. (A) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब — तुलना करैत स्रोत-कथा आ काव्य-रूपान्तरक भेद-साम्य देखल जाइत अछि।

४१३. (D) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब — तुलना करैत स्रोत-कथा आ काव्य-रूपान्तरक भेद-साम्य देखल जाइत अछि।

४१४. (C) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब — तुलना करैत स्रोत-कथा आ काव्य-रूपान्तरक भेद-साम्य देखल जाइत अछि।

४१५. (C) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब — तुलना करैत स्रोत-कथा आ काव्य-रूपान्तरक भेद-साम्य देखल जाइत अछि।

४१६. (D) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब — तुलना करैत स्रोत-कथा आ काव्य-रूपान्तरक भेद-साम्य देखल जाइत अछि।

४१७. (A) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब — तुलना करैत स्रोत-कथा आ काव्य-रूपान्तरक भेद-साम्य देखल जाइत अछि।

४१८. (C) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब — तुलना करैत स्रोत-कथा आ काव्य-रूपान्तरक भेद-साम्य देखल जाइत अछि।

४१९. (B) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब — तुलना करैत स्रोत-कथा आ काव्य-रूपान्तरक भेद-साम्य देखल जाइत अछि।

४२०. (C) महाभारत-प्रसंग आ मैथिली महाकाव्य-रूपक अन्तर देखब — तुलना करैत स्रोत-कथा आ काव्य-रूपान्तरक भेद-साम्य देखल जाइत अछि।

४२१. (B) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब — चरित्र-विश्लेषणमे पात्रक प्रेरणा, कर्म आ मूल्य-स्थिति देखल चाही।

४२२. (D) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब — चरित्र-विश्लेषणमे पात्रक प्रेरणा, कर्म आ मूल्य-स्थिति देखल चाही।

४२३. (D) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब — चरित्र-विश्लेषणमे पात्रक प्रेरणा, कर्म आ मूल्य-स्थिति देखल चाही।

४२४. (C) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब — चरित्र-विश्लेषणमे पात्रक प्रेरणा, कर्म आ मूल्य-स्थिति देखल चाही।

४२५. (B) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब — चरित्र-विश्लेषणमे पात्रक प्रेरणा, कर्म आ मूल्य-स्थिति देखल चाही।

४२६. (D) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब — चरित्र-विश्लेषणमे पात्रक प्रेरणा, कर्म आ मूल्य-स्थिति देखल चाही।

४२७. (C) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब — चरित्र-विश्लेषणमे पात्रक प्रेरणा, कर्म आ मूल्य-स्थिति देखल चाही।

४२८. (A) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब — चरित्र-विश्लेषणमे पात्रक प्रेरणा, कर्म आ मूल्य-स्थिति देखल चाही।

४२९. (B) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब — चरित्र-विश्लेषणमे पात्रक प्रेरणा, कर्म आ मूल्य-स्थिति देखल चाही।

४३०. (D) कीचक, द्रौपदी, भीम आ दरबारक भूमिका अलग-अलग बुझब — चरित्र-विश्लेषणमे पात्रक प्रेरणा, कर्म आ मूल्य-स्थिति देखल चाही।

४३१. (B) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या — शिल्प काव्यक रूपात्मक शक्ति देखबैत अछि।

४३२. (A) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या — शिल्प काव्यक रूपात्मक शक्ति देखबैत अछि।

४३३. (D) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या — शिल्प काव्यक रूपात्मक शक्ति देखबैत अछि।

४३४. (B) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या — शिल्प काव्यक रूपात्मक शक्ति देखबैत अछि।

४३५. (C) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या — शिल्प काव्यक रूपात्मक शक्ति देखबैत अछि।

४३६. (D) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या — शिल्प काव्यक रूपात्मक शक्ति देखबैत अछि।

४३७. (B) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या — शिल्प काव्यक रूपात्मक शक्ति देखबैत अछि।

४३८. (D) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या — शिल्प काव्यक रूपात्मक शक्ति देखबैत अछि।

४३९. (D) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या — शिल्प काव्यक रूपात्मक शक्ति देखबैत अछि।

४४०. (B) अमित्राक्षर, भाषा, दृश्य-विधान आ रसक व्याख्या — शिल्प काव्यक रूपात्मक शक्ति देखबैत अछि।

४४१. (C) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब — कीचकवध आधुनिक पाठक लेल सेहो सत्ता आ गरिमाक प्रश्न उठबैत अछि।

४४२. (B) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब — कीचकवध आधुनिक पाठक लेल सेहो सत्ता आ गरिमाक प्रश्न उठबैत अछि।

४४३. (B) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब — कीचकवध आधुनिक पाठक लेल सेहो सत्ता आ गरिमाक प्रश्न उठबैत अछि।

४४४. (C) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब — कीचकवध आधुनिक पाठक लेल सेहो सत्ता आ गरिमाक प्रश्न उठबैत अछि।

४४५. (C) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब — कीचकवध आधुनिक पाठक लेल सेहो सत्ता आ गरिमाक प्रश्न उठबैत अछि।

४४६. (D) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब — कीचकवध आधुनिक पाठक लेल सेहो सत्ता आ गरिमाक प्रश्न उठबैत अछि।

४४७. (D) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब — कीचकवध आधुनिक पाठक लेल सेहो सत्ता आ गरिमाक प्रश्न उठबैत अछि।

४४८. (B) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब — कीचकवध आधुनिक पाठक लेल सेहो सत्ता आ गरिमाक प्रश्न उठबैत अछि।

४४९. (B) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब — कीचकवध आधुनिक पाठक लेल सेहो सत्ता आ गरिमाक प्रश्न उठबैत अछि।

४५०. (B) स्त्री-गरिमा, सत्ता-दुरुपयोग आ न्यायक प्रश्न उजागर करब — कीचकवध आधुनिक पाठक लेल सेहो सत्ता आ गरिमाक प्रश्न उठबैत अछि।

४५१. (C) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब — कृति तंत्रनाथ झाक अमित्राक्षर प्रयोगक कारण विशेष चर्चित अछि।

४५२. (C) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब — कृति तंत्रनाथ झाक अमित्राक्षर प्रयोगक कारण विशेष चर्चित अछि।

४५३. (B) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब — कृति तंत्रनाथ झाक अमित्राक्षर प्रयोगक कारण विशेष चर्चित अछि।

४५४. (A) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब — कृति तंत्रनाथ झाक अमित्राक्षर प्रयोगक कारण विशेष चर्चित अछि।

४५५. (D) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब — कृति तंत्रनाथ झाक अमित्राक्षर प्रयोगक कारण विशेष चर्चित अछि।

४५६. (B) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब — कृति तंत्रनाथ झाक अमित्राक्षर प्रयोगक कारण विशेष चर्चित अछि।

४५७. (D) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब — कृति तंत्रनाथ झाक अमित्राक्षर प्रयोगक कारण विशेष चर्चित अछि।

४५८. (C) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब — कृति तंत्रनाथ झाक अमित्राक्षर प्रयोगक कारण विशेष चर्चित अछि।

४५९. (D) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब — कृति तंत्रनाथ झाक अमित्राक्षर प्रयोगक कारण विशेष चर्चित अछि।

४६०. (A) अमित्राक्षरक प्रयोगकेँ कीचकवधक विशेषता रूपमे चिन्हब — कृति तंत्रनाथ झाक अमित्राक्षर प्रयोगक कारण विशेष चर्चित अछि।

४६१. (D) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन — तंत्रनाथ झा मैथिलीमे नव रूप-संवेदना आनयवला कवि छथि।

४६२. (B) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन — तंत्रनाथ झा मैथिलीमे नव रूप-संवेदना आनयवला कवि छथि।

४६३. (A) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन — तंत्रनाथ झा मैथिलीमे नव रूप-संवेदना आनयवला कवि छथि।

४६४. (B) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन — तंत्रनाथ झा मैथिलीमे नव रूप-संवेदना आनयवला कवि छथि।

४६५. (B) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन — तंत्रनाथ झा मैथिलीमे नव रूप-संवेदना आनयवला कवि छथि।

४६६. (D) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन — तंत्रनाथ झा मैथिलीमे नव रूप-संवेदना आनयवला कवि छथि।

४६७. (A) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन — तंत्रनाथ झा मैथिलीमे नव रूप-संवेदना आनयवला कवि छथि।

४६८. (B) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन — तंत्रनाथ झा मैथिलीमे नव रूप-संवेदना आनयवला कवि छथि।

४६९. (B) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन — तंत्रनाथ झा मैथिलीमे नव रूप-संवेदना आनयवला कवि छथि।

४७०. (C) तंत्रनाथ झाक नवप्रयोगी मैथिली कवि रूपक मूल्यांकन — तंत्रनाथ झा मैथिलीमे नव रूप-संवेदना आनयवला कवि छथि।

४७१. (D) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम — कथानक-सारमे कीचक प्रसंगक मूल क्रम स्पष्ट राखल चाही।

४७२. (B) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम — कथानक-सारमे कीचक प्रसंगक मूल क्रम स्पष्ट राखल चाही।

४७३. (A) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम — कथानक-सारमे कीचक प्रसंगक मूल क्रम स्पष्ट राखल चाही।

४७४. (D) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम — कथानक-सारमे कीचक प्रसंगक मूल क्रम स्पष्ट राखल चाही।

४७५. (B) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम — कथानक-सारमे कीचक प्रसंगक मूल क्रम स्पष्ट राखल चाही।

४७६. (B) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम — कथानक-सारमे कीचक प्रसंगक मूल क्रम स्पष्ट राखल चाही।

४७७. (A) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम — कथानक-सारमे कीचक प्रसंगक मूल क्रम स्पष्ट राखल चाही।

४७८. (C) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम — कथानक-सारमे कीचक प्रसंगक मूल क्रम स्पष्ट राखल चाही।

४७९. (B) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम — कथानक-सारमे कीचक प्रसंगक मूल क्रम स्पष्ट राखल चाही।

४८०. (D) अज्ञातवास, कीचकक दुराचार, भीमक योजना आ वधक क्रम — कथानक-सारमे कीचक प्रसंगक मूल क्रम स्पष्ट राखल चाही।

४८१. (C) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना — शीर्षक कीचकक वधक केन्द्रिय घटना आ नैतिक अर्थकेँ चिह्नित करैत अछि।

४८२. (D) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना — शीर्षक कीचकक वधक केन्द्रिय घटना आ नैतिक अर्थकेँ चिह्नित करैत अछि।

४८३. (C) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना — शीर्षक कीचकक वधक केन्द्रिय घटना आ नैतिक अर्थकेँ चिह्नित करैत अछि।

४८४. (D) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना — शीर्षक कीचकक वधक केन्द्रिय घटना आ नैतिक अर्थकेँ चिह्नित करैत अछि।

४८५. (D) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना — शीर्षक कीचकक वधक केन्द्रिय घटना आ नैतिक अर्थकेँ चिह्नित करैत अछि।

४८६. (D) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना — शीर्षक कीचकक वधक केन्द्रिय घटना आ नैतिक अर्थकेँ चिह्नित करैत अछि।

४८७. (D) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना — शीर्षक कीचकक वधक केन्द्रिय घटना आ नैतिक अर्थकेँ चिह्नित करैत अछि।

४८८. (B) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना — शीर्षक कीचकक वधक केन्द्रिय घटना आ नैतिक अर्थकेँ चिह्नित करैत अछि।

४८९. (B) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना — शीर्षक कीचकक वधक केन्द्रिय घटना आ नैतिक अर्थकेँ चिह्नित करैत अछि।

४९०. (B) कीचकक अहंकार आ ओकर दण्ड पर केन्द्रित काव्य-संरचना — शीर्षक कीचकक वधक केन्द्रिय घटना आ नैतिक अर्थकेँ चिह्नित करैत अछि।

४९१. (C) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व — समग्र मूल्यांकनमे परम्परा, नवता, कथ्य, शिल्प आ सामाजिक अर्थ सभक उल्लेख उपयुक्त अछि।

४९२. (B) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व — समग्र मूल्यांकनमे परम्परा, नवता, कथ्य, शिल्प आ सामाजिक अर्थ सभक उल्लेख उपयुक्त अछि।

४९३. (C) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व — समग्र मूल्यांकनमे परम्परा, नवता, कथ्य, शिल्प आ सामाजिक अर्थ सभक उल्लेख उपयुक्त अछि।

४९४. (A) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व — समग्र मूल्यांकनमे परम्परा, नवता, कथ्य, शिल्प आ सामाजिक अर्थ सभक उल्लेख उपयुक्त अछि।

४९५. (C) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व — समग्र मूल्यांकनमे परम्परा, नवता, कथ्य, शिल्प आ सामाजिक अर्थ सभक उल्लेख उपयुक्त अछि।

४९६. (D) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व — समग्र मूल्यांकनमे परम्परा, नवता, कथ्य, शिल्प आ सामाजिक अर्थ सभक उल्लेख उपयुक्त अछि।

४९७. (D) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व — समग्र मूल्यांकनमे परम्परा, नवता, कथ्य, शिल्प आ सामाजिक अर्थ सभक उल्लेख उपयुक्त अछि।

४९८. (B) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व — समग्र मूल्यांकनमे परम्परा, नवता, कथ्य, शिल्प आ सामाजिक अर्थ सभक उल्लेख उपयुक्त अछि।

४९९. (C) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व — समग्र मूल्यांकनमे परम्परा, नवता, कथ्य, शिल्प आ सामाजिक अर्थ सभक उल्लेख उपयुक्त अछि।

५००. (D) मैथिली महाकाव्य-परम्परा मे कीचकवधक नवता आ महत्त्व — समग्र मूल्यांकनमे परम्परा, नवता, कथ्य, शिल्प आ सामाजिक अर्थ सभक उल्लेख उपयुक्त अछि।

अध्याय २ : समकालीन मैथिली कविता — विदेह क्विज

१. “समकालीन मैथिली कविता”क रूप की अछि?

(A) कविता-संचयन

(B) उपन्यास

(C) नाटक-संग्रह

(D) व्याकरण-पुस्तक

२. “समकालीन मैथिली कविता”क सम्पादक-युग्म के छथि?

(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा

(B) विद्यापति आ चन्दा झा

(C) हरिमोहन झा आ राजकमल चौधरी

(D) ज्योतिरीश्वर आ उमापति

३. एहि ग्रन्थक प्रकाशक संस्था कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

(B) मैथिली अकादमी, पटना

(C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्

(D) मिथिला शोध संस्थान

४. एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या कतबा देल गेल अछि?

(A) ११६

(B) २१६

(C) ५६

(D) ४३६

५. एहि पुस्तकक पहिल प्रकाशन-वर्ष कोन अछि?

(A) १९९८

(B) १९०९

(C) १९६६

(D) २०२०

६. एहि पुस्तकक पुनर्मुद्रण-वर्ष कोन देल गेल अछि?

(A) २००९

(B) १९८३

(C) २०१७

(D) १९४८

७. एहि ग्रन्थक सूचीबद्ध मूल्य कतबा अछि?

(A) ८० टका

(B) ५० टका

(C) १२० टका

(D) २५० टका

८. एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. कोन अछि?

(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३

(B) ८१-२६०-०६९२-७

(C) ९७८-८१-२६०-४०४९-०

(D) ८१-७२०१-४७८-३

९. “संचयन” शब्दक साहित्यिक अर्थ की होइत अछि?

(A) चयनित रचनासभक संग्रह

(B) एकटा मात्र दीर्घ कथा

(C) व्याकरणक नियम-पुस्तक

(D) नाट्य-मंचक विवरण

१०. एहि शीर्षकमे “समकालीन” शब्द ककर संकेत करैत अछि?

(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना

(B) केवल प्राचीन वैदिक भाषा

(C) सिर्फ पौराणिक आख्यान

(D) केवल राजदरबारक इतिहास

११. सही विकल्प चुनू: “समकालीन मैथिली कविता”क रूप की अछि?

(A) कविता-संचयन

(B) उपन्यास

(C) नाटक-संग्रह

(D) व्याकरण-पुस्तक

१२. सही विकल्प चुनू: “समकालीन मैथिली कविता”क सम्पादक-युग्म के छथि?

(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा

(B) विद्यापति आ चन्दा झा

(C) हरिमोहन झा आ राजकमल चौधरी

(D) ज्योतिरीश्वर आ उमापति

१३. सही विकल्प चुनू: एहि ग्रन्थक प्रकाशक संस्था कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

(B) मैथिली अकादमी, पटना

(C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्

(D) मिथिला शोध संस्थान

१४. सही विकल्प चुनू: एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या कतबा देल गेल अछि?

(A) ११६

(B) २१६

(C) ५६

(D) ४३६

१५. सही विकल्प चुनू: एहि पुस्तकक पहिल प्रकाशन-वर्ष कोन अछि?

(A) १९९८

(B) १९०९

(C) १९६६

(D) २०२०

१६. सही विकल्प चुनू: एहि पुस्तकक पुनर्मुद्रण-वर्ष कोन देल गेल अछि?

(A) २००९

(B) १९८३

(C) २०१७

(D) १९४८

१७. सही विकल्प चुनू: एहि ग्रन्थक सूचीबद्ध मूल्य कतबा अछि?

(A) ८० टका

(B) ५० टका

(C) १२० टका

(D) २५० टका

१८. सही विकल्प चुनू: एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. कोन अछि?

(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३

(B) ८१-२६०-०६९२-७

(C) ९७८-८१-२६०-४०४९-०

(D) ८१-७२०१-४७८-३

१९. सही विकल्प चुनू: “संचयन” शब्दक साहित्यिक अर्थ की होइत अछि?

(A) चयनित रचनासभक संग्रह

(B) एकटा मात्र दीर्घ कथा

(C) व्याकरणक नियम-पुस्तक

(D) नाट्य-मंचक विवरण

२०. सही विकल्प चुनू: एहि शीर्षकमे “समकालीन” शब्द ककर संकेत करैत अछि?

(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना

(B) केवल प्राचीन वैदिक भाषा

(C) सिर्फ पौराणिक आख्यान

(D) केवल राजदरबारक इतिहास

२१. संचयन-सन्दर्भमे ई प्रश्न देखू: “समकालीन मैथिली कविता”क रूप की अछि?

(A) कविता-संचयन

(B) उपन्यास

(C) नाटक-संग्रह

(D) व्याकरण-पुस्तक

२२. संचयन-सन्दर्भमे ई प्रश्न देखू: “समकालीन मैथिली कविता”क सम्पादक-युग्म के छथि?

(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा

(B) विद्यापति आ चन्दा झा

(C) हरिमोहन झा आ राजकमल चौधरी

(D) ज्योतिरीश्वर आ उमापति

२३. संचयन-सन्दर्भमे ई प्रश्न देखू: एहि ग्रन्थक प्रकाशक संस्था कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

(B) मैथिली अकादमी, पटना

(C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्

(D) मिथिला शोध संस्थान

२४. संचयन-सन्दर्भमे ई प्रश्न देखू: एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या कतबा देल गेल अछि?

(A) ११६

(B) २१६

(C) ५६

(D) ४३६

२५. संचयन-सन्दर्भमे ई प्रश्न देखू: एहि पुस्तकक पहिल प्रकाशन-वर्ष कोन अछि?

(A) १९९८

(B) १९०९

(C) १९६६

(D) २०२०

२६. संचयन-सन्दर्भमे ई प्रश्न देखू: एहि पुस्तकक पुनर्मुद्रण-वर्ष कोन देल गेल अछि?

(A) २००९

(B) १९८३

(C) २०१७

(D) १९४८

२७. संचयन-सन्दर्भमे ई प्रश्न देखू: एहि ग्रन्थक सूचीबद्ध मूल्य कतबा अछि?

(A) ८० टका

(B) ५० टका

(C) १२० टका

(D) २५० टका

२८. संचयन-सन्दर्भमे ई प्रश्न देखू: एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. कोन अछि?

(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३

(B) ८१-२६०-०६९२-७

(C) ९७८-८१-२६०-४०४९-०

(D) ८१-७२०१-४७८-३

२९. संचयन-सन्दर्भमे ई प्रश्न देखू: “संचयन” शब्दक साहित्यिक अर्थ की होइत अछि?

(A) चयनित रचनासभक संग्रह

(B) एकटा मात्र दीर्घ कथा

(C) व्याकरणक नियम-पुस्तक

(D) नाट्य-मंचक विवरण

३०. संचयन-सन्दर्भमे ई प्रश्न देखू: एहि शीर्षकमे “समकालीन” शब्द ककर संकेत करैत अछि?

(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना

(B) केवल प्राचीन वैदिक भाषा

(C) सिर्फ पौराणिक आख्यान

(D) केवल राजदरबारक इतिहास

३१. ग्रन्थ-सूची अनुसार “समकालीन मैथिली कविता”क रूप की अछि?

(A) कविता-संचयन

(B) उपन्यास

(C) नाटक-संग्रह

(D) व्याकरण-पुस्तक

३२. ग्रन्थ-सूची अनुसार “समकालीन मैथिली कविता”क सम्पादक-युग्म के छथि?

(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा

(B) विद्यापति आ चन्दा झा

(C) हरिमोहन झा आ राजकमल चौधरी

(D) ज्योतिरीश्वर आ उमापति

३३. ग्रन्थ-सूची अनुसार एहि ग्रन्थक प्रकाशक संस्था कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

(B) मैथिली अकादमी, पटना

(C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्

(D) मिथिला शोध संस्थान

३४. ग्रन्थ-सूची अनुसार एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या कतबा देल गेल अछि?

(A) ११६

(B) २१६

(C) ५६

(D) ४३६

३५. ग्रन्थ-सूची अनुसार एहि पुस्तकक पहिल प्रकाशन-वर्ष कोन अछि?

(A) १९९८

(B) १९०९

(C) १९६६

(D) २०२०

३६. ग्रन्थ-सूची अनुसार एहि पुस्तकक पुनर्मुद्रण-वर्ष कोन देल गेल अछि?

(A) २००९

(B) १९८३

(C) २०१७

(D) १९४८

३७. ग्रन्थ-सूची अनुसार एहि ग्रन्थक सूचीबद्ध मूल्य कतबा अछि?

(A) ८० टका

(B) ५० टका

(C) १२० टका

(D) २५० टका

३८. ग्रन्थ-सूची अनुसार एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. कोन अछि?

(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३

(B) ८१-२६०-०६९२-७

(C) ९७८-८१-२६०-४०४९-०

(D) ८१-७२०१-४७८-३

३९. ग्रन्थ-सूची अनुसार “संचयन” शब्दक साहित्यिक अर्थ की होइत अछि?

(A) चयनित रचनासभक संग्रह

(B) एकटा मात्र दीर्घ कथा

(C) व्याकरणक नियम-पुस्तक

(D) नाट्य-मंचक विवरण

४०. ग्रन्थ-सूची अनुसार एहि शीर्षकमे “समकालीन” शब्द ककर संकेत करैत अछि?

(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना

(B) केवल प्राचीन वैदिक भाषा

(C) सिर्फ पौराणिक आख्यान

(D) केवल राजदरबारक इतिहास

४१. परीक्षा-अभ्यास लेल “समकालीन मैथिली कविता”क रूप की अछि?

(A) कविता-संचयन

(B) उपन्यास

(C) नाटक-संग्रह

(D) व्याकरण-पुस्तक

४२. परीक्षा-अभ्यास लेल “समकालीन मैथिली कविता”क सम्पादक-युग्म के छथि?

(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा

(B) विद्यापति आ चन्दा झा

(C) हरिमोहन झा आ राजकमल चौधरी

(D) ज्योतिरीश्वर आ उमापति

४३. परीक्षा-अभ्यास लेल एहि ग्रन्थक प्रकाशक संस्था कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

(B) मैथिली अकादमी, पटना

(C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्

(D) मिथिला शोध संस्थान

४४. परीक्षा-अभ्यास लेल एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या कतबा देल गेल अछि?

(A) ११६

(B) २१६

(C) ५६

(D) ४३६

४५. परीक्षा-अभ्यास लेल एहि पुस्तकक पहिल प्रकाशन-वर्ष कोन अछि?

(A) १९९८

(B) १९०९

(C) १९६६

(D) २०२०

४६. परीक्षा-अभ्यास लेल एहि पुस्तकक पुनर्मुद्रण-वर्ष कोन देल गेल अछि?

(A) २००९

(B) १९८३

(C) २०१७

(D) १९४८

४७. परीक्षा-अभ्यास लेल एहि ग्रन्थक सूचीबद्ध मूल्य कतबा अछि?

(A) ८० टका

(B) ५० टका

(C) १२० टका

(D) २५० टका

४८. परीक्षा-अभ्यास लेल एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. कोन अछि?

(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३

(B) ८१-२६०-०६९२-७

(C) ९७८-८१-२६०-४०४९-०

(D) ८१-७२०१-४७८-३

४९. परीक्षा-अभ्यास लेल “संचयन” शब्दक साहित्यिक अर्थ की होइत अछि?

(A) चयनित रचनासभक संग्रह

(B) एकटा मात्र दीर्घ कथा

(C) व्याकरणक नियम-पुस्तक

(D) नाट्य-मंचक विवरण

५०. परीक्षा-अभ्यास लेल एहि शीर्षकमे “समकालीन” शब्द ककर संकेत करैत अछि?

(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना

(B) केवल प्राचीन वैदिक भाषा

(C) सिर्फ पौराणिक आख्यान

(D) केवल राजदरबारक इतिहास

५१. तथ्य-पहिचान: “समकालीन मैथिली कविता”क रूप की अछि?

(A) कविता-संचयन

(B) उपन्यास

(C) नाटक-संग्रह

(D) व्याकरण-पुस्तक

५२. तथ्य-पहिचान: “समकालीन मैथिली कविता”क सम्पादक-युग्म के छथि?

(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा

(B) विद्यापति आ चन्दा झा

(C) हरिमोहन झा आ राजकमल चौधरी

(D) ज्योतिरीश्वर आ उमापति

५३. तथ्य-पहिचान: एहि ग्रन्थक प्रकाशक संस्था कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

(B) मैथिली अकादमी, पटना

(C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्

(D) मिथिला शोध संस्थान

५४. तथ्य-पहिचान: एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या कतबा देल गेल अछि?

(A) ११६

(B) २१६

(C) ५६

(D) ४३६

५५. तथ्य-पहिचान: एहि पुस्तकक पहिल प्रकाशन-वर्ष कोन अछि?

(A) १९९८

(B) १९०९

(C) १९६६

(D) २०२०

५६. तथ्य-पहिचान: एहि पुस्तकक पुनर्मुद्रण-वर्ष कोन देल गेल अछि?

(A) २००९

(B) १९८३

(C) २०१७

(D) १९४८

५७. तथ्य-पहिचान: एहि ग्रन्थक सूचीबद्ध मूल्य कतबा अछि?

(A) ८० टका

(B) ५० टका

(C) १२० टका

(D) २५० टका

५८. तथ्य-पहिचान: एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. कोन अछि?

(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३

(B) ८१-२६०-०६९२-७

(C) ९७८-८१-२६०-४०४९-०

(D) ८१-७२०१-४७८-३

५९. तथ्य-पहिचान: “संचयन” शब्दक साहित्यिक अर्थ की होइत अछि?

(A) चयनित रचनासभक संग्रह

(B) एकटा मात्र दीर्घ कथा

(C) व्याकरणक नियम-पुस्तक

(D) नाट्य-मंचक विवरण

६०. तथ्य-पहिचान: एहि शीर्षकमे “समकालीन” शब्द ककर संकेत करैत अछि?

(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना

(B) केवल प्राचीन वैदिक भाषा

(C) सिर्फ पौराणिक आख्यान

(D) केवल राजदरबारक इतिहास

६१. स्मरण-परीक्षा: “समकालीन मैथिली कविता”क रूप की अछि?

(A) कविता-संचयन

(B) उपन्यास

(C) नाटक-संग्रह

(D) व्याकरण-पुस्तक

६२. स्मरण-परीक्षा: “समकालीन मैथिली कविता”क सम्पादक-युग्म के छथि?

(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा

(B) विद्यापति आ चन्दा झा

(C) हरिमोहन झा आ राजकमल चौधरी

(D) ज्योतिरीश्वर आ उमापति

६३. स्मरण-परीक्षा: एहि ग्रन्थक प्रकाशक संस्था कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

(B) मैथिली अकादमी, पटना

(C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्

(D) मिथिला शोध संस्थान

६४. स्मरण-परीक्षा: एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या कतबा देल गेल अछि?

(A) ११६

(B) २१६

(C) ५६

(D) ४३६

६५. स्मरण-परीक्षा: एहि पुस्तकक पहिल प्रकाशन-वर्ष कोन अछि?

(A) १९९८

(B) १९०९

(C) १९६६

(D) २०२०

६६. स्मरण-परीक्षा: एहि पुस्तकक पुनर्मुद्रण-वर्ष कोन देल गेल अछि?

(A) २००९

(B) १९८३

(C) २०१७

(D) १९४८

६७. स्मरण-परीक्षा: एहि ग्रन्थक सूचीबद्ध मूल्य कतबा अछि?

(A) ८० टका

(B) ५० टका

(C) १२० टका

(D) २५० टका

६८. स्मरण-परीक्षा: एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. कोन अछि?

(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३

(B) ८१-२६०-०६९२-७

(C) ९७८-८१-२६०-४०४९-०

(D) ८१-७२०१-४७८-३

६९. स्मरण-परीक्षा: “संचयन” शब्दक साहित्यिक अर्थ की होइत अछि?

(A) चयनित रचनासभक संग्रह

(B) एकटा मात्र दीर्घ कथा

(C) व्याकरणक नियम-पुस्तक

(D) नाट्य-मंचक विवरण

७०. स्मरण-परीक्षा: एहि शीर्षकमे “समकालीन” शब्द ककर संकेत करैत अछि?

(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना

(B) केवल प्राचीन वैदिक भाषा

(C) सिर्फ पौराणिक आख्यान

(D) केवल राजदरबारक इतिहास

७१. साहित्य अकादेमी-सन्दर्भमे “समकालीन मैथिली कविता”क रूप की अछि?

(A) कविता-संचयन

(B) उपन्यास

(C) नाटक-संग्रह

(D) व्याकरण-पुस्तक

७२. साहित्य अकादेमी-सन्दर्भमे “समकालीन मैथिली कविता”क सम्पादक-युग्म के छथि?

(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा

(B) विद्यापति आ चन्दा झा

(C) हरिमोहन झा आ राजकमल चौधरी

(D) ज्योतिरीश्वर आ उमापति

७३. साहित्य अकादेमी-सन्दर्भमे एहि ग्रन्थक प्रकाशक संस्था कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

(B) मैथिली अकादमी, पटना

(C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्

(D) मिथिला शोध संस्थान

७४. साहित्य अकादेमी-सन्दर्भमे एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या कतबा देल गेल अछि?

(A) ११६

(B) २१६

(C) ५६

(D) ४३६

७५. साहित्य अकादेमी-सन्दर्भमे एहि पुस्तकक पहिल प्रकाशन-वर्ष कोन अछि?

(A) १९९८

(B) १९०९

(C) १९६६

(D) २०२०

७६. साहित्य अकादेमी-सन्दर्भमे एहि पुस्तकक पुनर्मुद्रण-वर्ष कोन देल गेल अछि?

(A) २००९

(B) १९८३

(C) २०१७

(D) १९४८

७७. साहित्य अकादेमी-सन्दर्भमे एहि ग्रन्थक सूचीबद्ध मूल्य कतबा अछि?

(A) ८० टका

(B) ५० टका

(C) १२० टका

(D) २५० टका

७८. साहित्य अकादेमी-सन्दर्भमे एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. कोन अछि?

(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३

(B) ८१-२६०-०६९२-७

(C) ९७८-८१-२६०-४०४९-०

(D) ८१-७२०१-४७८-३

७९. साहित्य अकादेमी-सन्दर्भमे “संचयन” शब्दक साहित्यिक अर्थ की होइत अछि?

(A) चयनित रचनासभक संग्रह

(B) एकटा मात्र दीर्घ कथा

(C) व्याकरणक नियम-पुस्तक

(D) नाट्य-मंचक विवरण

८०. साहित्य अकादेमी-सन्दर्भमे एहि शीर्षकमे “समकालीन” शब्द ककर संकेत करैत अछि?

(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना

(B) केवल प्राचीन वैदिक भाषा

(C) सिर्फ पौराणिक आख्यान

(D) केवल राजदरबारक इतिहास

८१. कविता-संचयनक प्रसंगमे “समकालीन मैथिली कविता”क रूप की अछि?

(A) कविता-संचयन

(B) उपन्यास

(C) नाटक-संग्रह

(D) व्याकरण-पुस्तक

८२. कविता-संचयनक प्रसंगमे “समकालीन मैथिली कविता”क सम्पादक-युग्म के छथि?

(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा

(B) विद्यापति आ चन्दा झा

(C) हरिमोहन झा आ राजकमल चौधरी

(D) ज्योतिरीश्वर आ उमापति

८३. कविता-संचयनक प्रसंगमे एहि ग्रन्थक प्रकाशक संस्था कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

(B) मैथिली अकादमी, पटना

(C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्

(D) मिथिला शोध संस्थान

८४. कविता-संचयनक प्रसंगमे एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या कतबा देल गेल अछि?

(A) ११६

(B) २१६

(C) ५६

(D) ४३६

८५. कविता-संचयनक प्रसंगमे एहि पुस्तकक पहिल प्रकाशन-वर्ष कोन अछि?

(A) १९९८

(B) १९०९

(C) १९६६

(D) २०२०

८६. कविता-संचयनक प्रसंगमे एहि पुस्तकक पुनर्मुद्रण-वर्ष कोन देल गेल अछि?

(A) २००९

(B) १९८३

(C) २०१७

(D) १९४८

८७. कविता-संचयनक प्रसंगमे एहि ग्रन्थक सूचीबद्ध मूल्य कतबा अछि?

(A) ८० टका

(B) ५० टका

(C) १२० टका

(D) २५० टका

८८. कविता-संचयनक प्रसंगमे एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. कोन अछि?

(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३

(B) ८१-२६०-०६९२-७

(C) ९७८-८१-२६०-४०४९-०

(D) ८१-७२०१-४७८-३

८९. कविता-संचयनक प्रसंगमे “संचयन” शब्दक साहित्यिक अर्थ की होइत अछि?

(A) चयनित रचनासभक संग्रह

(B) एकटा मात्र दीर्घ कथा

(C) व्याकरणक नियम-पुस्तक

(D) नाट्य-मंचक विवरण

९०. कविता-संचयनक प्रसंगमे एहि शीर्षकमे “समकालीन” शब्द ककर संकेत करैत अछि?

(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना

(B) केवल प्राचीन वैदिक भाषा

(C) सिर्फ पौराणिक आख्यान

(D) केवल राजदरबारक इतिहास

९१. संक्षेपमे बताउ: “समकालीन मैथिली कविता”क रूप की अछि?

(A) कविता-संचयन

(B) उपन्यास

(C) नाटक-संग्रह

(D) व्याकरण-पुस्तक

९२. संक्षेपमे बताउ: “समकालीन मैथिली कविता”क सम्पादक-युग्म के छथि?

(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा

(B) विद्यापति आ चन्दा झा

(C) हरिमोहन झा आ राजकमल चौधरी

(D) ज्योतिरीश्वर आ उमापति

९३. संक्षेपमे बताउ: एहि ग्रन्थक प्रकाशक संस्था कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

(B) मैथिली अकादमी, पटना

(C) बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्

(D) मिथिला शोध संस्थान

९४. संक्षेपमे बताउ: एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या कतबा देल गेल अछि?

(A) ११६

(B) २१६

(C) ५६

(D) ४३६

९५. संक्षेपमे बताउ: एहि पुस्तकक पहिल प्रकाशन-वर्ष कोन अछि?

(A) १९९८

(B) १९०९

(C) १९६६

(D) २०२०

९६. संक्षेपमे बताउ: एहि पुस्तकक पुनर्मुद्रण-वर्ष कोन देल गेल अछि?

(A) २००९

(B) १९८३

(C) २०१७

(D) १९४८

९७. संक्षेपमे बताउ: एहि ग्रन्थक सूचीबद्ध मूल्य कतबा अछि?

(A) ८० टका

(B) ५० टका

(C) १२० टका

(D) २५० टका

९८. संक्षेपमे बताउ: एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. कोन अछि?

(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३

(B) ८१-२६०-०६९२-७

(C) ९७८-८१-२६०-४०४९-०

(D) ८१-७२०१-४७८-३

९९. संक्षेपमे बताउ: “संचयन” शब्दक साहित्यिक अर्थ की होइत अछि?

(A) चयनित रचनासभक संग्रह

(B) एकटा मात्र दीर्घ कथा

(C) व्याकरणक नियम-पुस्तक

(D) नाट्य-मंचक विवरण

१००. संक्षेपमे बताउ: एहि शीर्षकमे “समकालीन” शब्द ककर संकेत करैत अछि?

(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना

(B) केवल प्राचीन वैदिक भाषा

(C) सिर्फ पौराणिक आख्यान

(D) केवल राजदरबारक इतिहास

१०१. समकालीन मैथिली कवितामे “समकालीनता” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) समाज, समय आ व्यक्ति-चेतनाक जीवित सम्बन्ध

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१०२. समकालीन मैथिली कवितामे “आधुनिकता” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) पुरान रूढ़ि पर प्रश्न करैत नव बोध

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१०३. समकालीन मैथिली कवितामे “व्यक्ति-स्वर” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) कविक निजी अनुभव आ आत्म-संवाद

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१०४. समकालीन मैथिली कवितामे “लोक-धरातल” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) गाम, खेत, लोक-रीति आ बोलीक उपस्थिति

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१०५. समकालीन मैथिली कवितामे “प्रतिरोध” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) अन्याय, शोषण आ असमानता विरुद्ध काव्य-स्वर

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१०६. समकालीन मैथिली कवितामे “स्मृति” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) बीतल अनुभवक भावात्मक पुनरावर्तन

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१०७. समकालीन मैथिली कवितामे “विस्थापन” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) ठाम, समाज वा मनसँ अलग पड़बाक अनुभूति

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१०८. समकालीन मैथिली कवितामे “नगरीय तनाव” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) शहरक भीड़, अकेलापन आ संघर्षक अनुभव

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१०९. समकालीन मैथिली कवितामे “पर्यावरण-चिन्ता” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) प्रकृति, जल, गाछ आ धरतीक रक्षा-बोध

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

११०. समकालीन मैथिली कवितामे “स्त्री-चेतना” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) स्त्री-अनुभव, गरिमा आ आत्म-स्वरक प्रतिष्ठा

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१११. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

११२. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

११३. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

११४. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

११५. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

११६. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

११७. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

११८. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

११९. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

१२०. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

१२१. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१२२. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१२३. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१२४. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१२५. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१२६. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१२७. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१२८. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१२९. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१३०. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१३१. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१३२. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१३३. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१३४. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१३५. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१३६. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१३७. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१३८. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१३९. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१४०. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१४१. “समकालीनता” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१४२. “आधुनिकता” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१४३. “व्यक्ति-स्वर” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१४४. “लोक-धरातल” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१४५. “प्रतिरोध” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१४६. “स्मृति” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१४७. “विस्थापन” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१४८. “नगरीय तनाव” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१४९. “पर्यावरण-चिन्ता” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१५०. “स्त्री-चेतना” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१५१. समकालीन मैथिली कवितामे “समकालीनता” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) समाज, समय आ व्यक्ति-चेतनाक जीवित सम्बन्ध

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१५२. समकालीन मैथिली कवितामे “आधुनिकता” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) पुरान रूढ़ि पर प्रश्न करैत नव बोध

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१५३. समकालीन मैथिली कवितामे “व्यक्ति-स्वर” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) कविक निजी अनुभव आ आत्म-संवाद

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१५४. समकालीन मैथिली कवितामे “लोक-धरातल” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) गाम, खेत, लोक-रीति आ बोलीक उपस्थिति

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१५५. समकालीन मैथिली कवितामे “प्रतिरोध” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) अन्याय, शोषण आ असमानता विरुद्ध काव्य-स्वर

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१५६. समकालीन मैथिली कवितामे “स्मृति” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) बीतल अनुभवक भावात्मक पुनरावर्तन

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१५७. समकालीन मैथिली कवितामे “विस्थापन” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) ठाम, समाज वा मनसँ अलग पड़बाक अनुभूति

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१५८. समकालीन मैथिली कवितामे “नगरीय तनाव” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) शहरक भीड़, अकेलापन आ संघर्षक अनुभव

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१५९. समकालीन मैथिली कवितामे “पर्यावरण-चिन्ता” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) प्रकृति, जल, गाछ आ धरतीक रक्षा-बोध

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१६०. समकालीन मैथिली कवितामे “स्त्री-चेतना” सँ मुख्य अर्थ की निकलैत अछि?

(A) स्त्री-अनुभव, गरिमा आ आत्म-स्वरक प्रतिष्ठा

(B) केवल छन्द-गणनाक नियम

(C) केवल राजवंशक नामावली

(D) केवल पाण्डुलिपिक कागज

१६१. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

१६२. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

१६३. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

१६४. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

१६५. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

१६६. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

१६७. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

१६८. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

१६९. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

१७०. जे कविता अपन समयक सामाजिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि, ओकरा कोन दृष्टिसँ पढ़ल उचित?

(A) समकालीन दृष्टि

(B) केवल लिपि-दृष्टि

(C) केवल मूल्य-सूची दृष्टि

(D) केवल छपाइ-दृष्टि

१७१. समकालीन कविता “पुरान विषय”कें सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१७२. समकालीन कविता “पुरान विषय”कें सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१७३. समकालीन कविता “पुरान विषय”कें सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१७४. समकालीन कविता “पुरान विषय”कें सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१७५. समकालीन कविता “पुरान विषय”कें सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१७६. समकालीन कविता “पुरान विषय”कें सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१७७. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१७८. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१७९. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१८०. समकालीन कविता “पुरान विषय”कैं सेहो कोना नव बना सकैत अछि?

(A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ

(B) अर्थ हटाकऽ

(C) केवल नाम बदलिकऽ

(D) विरामचिह्न हटाकऽ

१८१. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१८२. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१८३. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१८४. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१८५. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१८६. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१८७. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१८८. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१८९. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१९०. समकालीन मैथिली कविताक अध्ययनमे “समय-बोध” किएक आवश्यक अछि?

(A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि

(B) कविता केवल गणितक तालिका होइत अछि

(C) कवितामे समाजक स्थान नहि होइत अछि

(D) कविता केवल शिलालेख होइत अछि

१९१. “समकालीनता” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१९२. “आधुनिकता” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१९३. “व्यक्ति-स्वर” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१९४. “लोक-धरातल” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१९५. “प्रतिरोध” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१९६. “स्मृति” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१९७. “विस्थापन” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१९८. “नगरीय तनाव” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

१९९. “पर्यावरण-चिन्ता” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

२००. “स्त्री-चेतना” पर केन्द्रित कविता पाठककेँ की करय लेल प्रेरित करैत अछि?

(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल

(B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनय लेल

(C) केवल कविक जन्मतिथि रटय लेल

(D) केवल शब्द काटय लेल

२०१. समकालीन मैथिली कवितामे “गरीबी”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) अभाव, श्रम आ असमानताक अनुभूति

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२०२. समकालीन मैथिली कवितामे “प्रवास”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) घर-गामसँ दूर रहबाक पीड़ा आ स्मृति

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२०३. समकालीन मैथिली कवितामे “किसान-जीवन”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) माटि, खेती आ ऋतु-संघर्ष

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२०४. समकालीन मैथिली कवितामे “स्त्री-अनुभव”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) आत्मसम्मान, श्रम आ बोलबाक अधिकार

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२०५. समकालीन मैथिली कवितामे “युवा-द्वंद्व”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) आशा, बेरोजगारी आ पहचानक संघर्ष

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२०६. समकालीन मैथिली कवितामे “भाषा-प्रेम”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) मातृभाषाक सम्मान आ रचनात्मक आस्था

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२०७. समकालीन मैथिली कवितामे “लोक-संस्कृति”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) रीति, गीत, कथा आ सामुदायिक स्मृति

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२०८. समकालीन मैथिली कवितामे “राजनीतिक चेतना”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) सत्ता, नागरिकता आ न्यायक प्रश्न

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२०९. समकालीन मैथिली कवितामे “प्रकृति”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) धरती, नदी, गाछ, ऋतु आ जीवित सौन्दर्य

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२१०. समकालीन मैथिली कवितामे “आत्म-संघर्ष”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) भीतरक प्रश्न, भय, आशा आ जिजीविषा

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२११. समकालीन मैथिली कवितामे “जाति-विमर्श”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) समानता आ मनुष्य-गरिमाक प्रश्न

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२१२. समकालीन मैथिली कवितामे “सामुदायिक जीवन”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) परिवार, पड़ोस, मेल-जोल आ तनाव

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२१३. समकालीन मैथिली कवितामे “नैतिक संकट”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) मूल्य, लोभ, छल आ मनुष्यत्वक परीक्षा

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२१४. समकालीन मैथिली कवितामे “प्रेम”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) आत्मिक निकटता, स्मृति आ विरह

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२१५. समकालीन मैथिली कवितामे “शहर”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) भीड़, अकेलापन, बाज़ार आ गति

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२१६. समकालीन मैथिली कवितामे “गाम”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) माटि, संबंध, श्रम, बोली आ लोक-स्मृति

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२१७. समकालीन मैथिली कवितामे “श्रम”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) देहक मेहनत, रोटी आ सम्मान

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२१८. समकालीन मैथिली कवितामे “समानता”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) मनुष्यक बराबरी आ सामाजिक न्याय

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२१९. समकालीन मैथिली कवितामे “स्मृति-बोध”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) पुरान अनुभवक नव अर्थमे वापसी

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२२०. समकालीन मैथिली कवितामे “भविष्य-दृष्टि”क चित्रण ककरा उघार करैत अछि?

(A) आशा, निर्माण आ परिवर्तनक आकांक्षा

(B) केवल वर्णमाला-क्रम

(C) केवल राजकीय मुहर

(D) केवल छन्दक नाम

२२१. “गरीबी” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२२२. “प्रवास” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२२३. “किसान-जीवन” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२२४. “स्त्री-अनुभव” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२२५. “युवा-द्वंद्व” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२२६. “भाषा-प्रेम” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२२७. “लोक-संस्कृति” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२२८. “राजनीतिक चेतना” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२२९. “प्रकृति” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२३०. “आत्म-संघर्ष” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२३१. “जाति-विमर्श” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२३२. “सामुदायिक जीवन” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२३३. “नैतिक संकट” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२३४. “प्रेम” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२३५. “शहर” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२३६. “गाम” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२३७. “श्रम” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२३८. “समानता” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२३९. “स्मृति-बोध” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२४०. “भविष्य-दृष्टि” विषयवाली कविता केहन संवेदना बेसी व्यक्त करैत अछि?

(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना

(B) निर्जीव गणना

(C) केवल व्यापारिक विज्ञापन

(D) केवल पौराणिक सूची

२४१. समकालीन काव्य-पाठमे “गरीबी” कैं केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२४२. समकालीन काव्य-पाठमे “प्रवास” कैं केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२४३. समकालीन काव्य-पाठमे “किसान-जीवन” कैं केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२४४. समकालीन काव्य-पाठमे “स्त्री-अनुभव” कैं केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२४५. समकालीन काव्य-पाठमे “युवा-द्वंद्व” कैं केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२४६. समकालीन काव्य-पाठमे “भाषा-प्रेम” कैं केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२४७. समकालीन काव्य-पाठमे “लोक-संस्कृति” कैं केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२४८. समकालीन काव्य-पाठमे “राजनीतिक चेतना” कैं केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२४९. समकालीन काव्य-पाठमे “प्रकृति” कैँ केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२५०. समकालीन काव्य-पाठमे “आत्म-संघर्ष” कैँ केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२५१. समकालीन काव्य-पाठमे “जाति-विमर्श” कैँ केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२५२. समकालीन काव्य-पाठमे “सामुदायिक जीवन” कैँ केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२५३. समकालीन काव्य-पाठमे “नैतिक संकट” कैँ केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२५४. समकालीन काव्य-पाठमे “प्रेम” कैँ केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२५५. समकालीन काव्य-पाठमे “शहर” कैँ केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२५६. समकालीन काव्य-पाठमे “गाम” कैँ केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२५७. समकालीन काव्य-पाठमे “श्रम” कैं केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२५८. समकालीन काव्य-पाठमे “समानता” कैं केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२५९. समकालीन काव्य-पाठमे “स्मृति-बोध” कैं केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२६०. समकालीन काव्य-पाठमे “भविष्य-दृष्टि” कैं केवल सूचना नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय

(B) तालिका-कौशल

(C) प्रूफ-कॉपी

(D) मात्र शीर्षक-सज्जा

२६१. “गरीबी”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२६२. “प्रवास”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२६३. “किसान-जीवन”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२६४. “स्त्री-अनुभव”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२६५. “युवा-द्वंद्व”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२६६. “भाषा-प्रेम”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२६७. “लोक-संस्कृति”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२६८. “राजनीतिक चेतना”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२६९. “प्रकृति”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२७०. “आत्म-संघर्ष”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२७१. “जाति-विमर्श”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२७२. “सामुदायिक जीवन”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२७३. “नैतिक संकट”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२७४. “प्रेम”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२७५. “शहर”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२७६. “गाम”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२७७. “श्रम”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२७८. “समानता”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२७९. “स्मृति-बोध”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२८०. “भविष्य-दृष्टि”क प्रसंगमे कवि सामान्यतः कोन प्रश्न उठा सकैत छथि?

(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी

(B) स्याहीक कीमत मात्र

(C) पुस्तकक जिल्द मात्र

(D) अक्षरक ऊँचाइ मात्र

२८१. देल विकल्पमे सँ “गरीबी”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) अभाव, श्रम आ असमानताक अनुभूति

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२८२. देल विकल्पमे सँ “प्रवास”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) घर-गामसँ दूर रहबाक पीड़ा आ स्मृति

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२८३. देल विकल्पमे सँ “किसान-जीवन”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) माटि, खेती आ ऋतु-संघर्ष

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२८४. देल विकल्पमे सँ “स्त्री-अनुभव”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) आत्मसम्मान, श्रम आ बोलबाक अधिकार

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२८५. देल विकल्पमे सँ “युवा-द्वंद्व”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) आशा, बेरोजगारी आ पहचानक संघर्ष

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२८६. देल विकल्पमे सँ “भाषा-प्रेम”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) मातृभाषाक सम्मान आ रचनात्मक आस्था

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२८७. देल विकल्पमे सँ “लोक-संस्कृति”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) रीति, गीत, कथा आ सामुदायिक स्मृति

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२८८. देल विकल्पमे सँ “राजनीतिक चेतना”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) सत्ता, नागरिकता आ न्यायक प्रश्न

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२८९. देल विकल्पमे सँ “प्रकृति”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) धरती, नदी, गाछ, ऋतु आ जीवित सौन्दर्य

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२९०. देल विकल्पमे सँ “आत्म-संघर्ष”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) भीतरक प्रश्न, भय, आशा आ जिजीविषा

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२९१. देल विकल्पमे सँ “जाति-विमर्श”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) समानता आ मनुष्य-गरिमाक प्रश्न

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२९२. देल विकल्पमे सँ “सामुदायिक जीवन”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) परिवार, पड़ोस, मेल-जोल आ तनाव

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२९३. देल विकल्पमे सँ “नैतिक संकट”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) मूल्य, लोभ, छल आ मनुष्यत्वक परीक्षा

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२९४. देल विकल्पमे सँ “प्रेम”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) आत्मिक निकटता, स्मृति आ विरह

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२९५. देल विकल्पमे सँ “शहर”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) भीड़, अकेलापन, बाज़ार आ गति

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२९६. देल विकल्पमे सँ “गाम”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) माटि, संबंध, श्रम, बोली आ लोक-स्मृति

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२९७. देल विकल्पमे सँ “श्रम”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) देहक मेहनत, रोटी आ सम्मान

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२९८. देल विकल्पमे सँ “समानता”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) मनुष्यक बराबरी आ सामाजिक न्याय

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

२९९. देल विकल्पमे सँ “स्मृति-बोध”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) पुरान अनुभवक नव अर्थमे वापसी

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

३००. देल विकल्पमे सँ “भविष्य-दृष्टि”क काव्यगत उपयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) आशा, निर्माण आ परिवर्तनक आकांक्षा

(B) मुद्रणालयक पता

(C) सूचीक्रमक संख्या

(D) कागजक आकार

३०१. काव्य-भाषामे “बिम्ब”क सही अर्थ की अछि?

(A) दृश्य, ध्वनि वा अनुभूतिक सजीव चित्र

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३०२. काव्य-भाषामे “प्रतीक”क सही अर्थ की अछि?

(A) कुनो व्यापक अर्थक संकेत करयवला रूप

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३०३. काव्य-भाषामे “रूपक”क सही अर्थ की अछि?

(A) उपमेय-उपमानक अभेदात्मक प्रस्तुति

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३०४. काव्य-भाषामे “उपमा”क सही अर्थ की अछि?

(A) समानता आधारित तुलना

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३०५. काव्य-भाषामे “लोक-शब्द”क सही अर्थ की अछि?

(A) जन-जीवनमे चलैत जीवित शब्द

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३०६. काव्य-भाषामे “संक्षिप्तता”क सही अर्थ की अछि?

(A) कम शब्दमे तीव्र अर्थक प्रस्तुति

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३०७. काव्य-भाषामे “व्यंजना”क सही अर्थ की अछि?

(A) सिधा अर्थसँ आगू छिपल अर्थ-संकेत

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३०८. काव्य-भाषामे “लयात्मकता”क सही अर्थ की अछि?

(A) ध्वनि आ प्रवाहक संगीतात्मक संगठन

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३०९. काव्य-भाषामे “वक्रता”क सही अर्थ की अछि?

(A) सीधा नहि, मोड़दार अर्थक प्रस्तुति

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३१०. काव्य-भाषामे “संवादिता”क सही अर्थ की अछि?

(A) कविता आ पाठक/समाजक बीच संवाद

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३११. काव्य-भाषामे “बोलचाल”क सही अर्थ की अछि?

(A) जीवित जनभाषाक सहज प्रयोग

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३१२. काव्य-भाषामे “व्यंग्य”क सही अर्थ की अछि?

(A) कटु सत्यकेँ संकेत, उलटबाँसी वा हँसीमे कहब

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३१३. काव्य-भाषामे “मौन”क सही अर्थ की अछि?

(A) नहि कहल बातक अर्थपूर्ण उपस्थिति

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३१४. काव्य-भाषामे “चित्रात्मकता”क सही अर्थ की अछि?

(A) शब्द द्वारा दृश्य बनयबाक शक्ति

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३१५. काव्य-भाषामे “ध्वनि-सौन्दर्य”क सही अर्थ की अछि?

(A) स्वर, व्यंजन आ पुनरुक्तिसँ बनल प्रभाव

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३१६. काव्य-भाषामे “अर्थ-सघनता”क सही अर्थ की अछि?

(A) छोट पंक्तिमे अधिक भाव-विचार

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३१७. काव्य-भाषामे “लोक-बिम्ब”क सही अर्थ की अछि?

(A) गाम-घरक वस्तु, रीति वा प्रकृति सँ बनल बिम्ब

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३१८. काव्य-भाषामे “आधुनिक प्रतीक”क सही अर्थ की अछि?

(A) रेल, शहर, मशीन, भीड़ आदि सँ बनल संकेत

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३१९. काव्य-भाषामे “वाक्य-विराम”क सही अर्थ की अछि?

(A) रुकावट द्वारा अर्थक दबाव बढ़ायब

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३२०. काव्य-भाषामे “शब्द-चयन”क सही अर्थ की अछि?

(A) अनुभूति अनुसार उपयुक्त शब्द चुनब

(B) केवल पुस्तकक मूल्य

(C) केवल पृष्ठक किनार

(D) केवल छपाइ-तिथि

३२१. समकालीन मैथिली कवितामे “बिम्ब”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३२२. समकालीन मैथिली कवितामे “प्रतीक”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३२३. समकालीन मैथिली कवितामे “रूपक”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३२४. समकालीन मैथिली कवितामे “उपमा”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३२५. समकालीन मैथिली कवितामे “लोक-शब्द”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३२६. समकालीन मैथिली कवितामे “संक्षिप्तता”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३२७. समकालीन मैथिली कवितामे “व्यंजना”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३२८. समकालीन मैथिली कवितामे “लयात्मकता”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३२९. समकालीन मैथिली कवितामे “वक्रता”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३३०. समकालीन मैथिली कवितामे “संवादिता”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३३१. समकालीन मैथिली कवितामे “बोलचाल”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३३२. समकालीन मैथिली कवितामे “व्यंग्य”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३३३. समकालीन मैथिली कवितामे “मौन”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३३४. समकालीन मैथिली कवितामे “चित्रात्मकता”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३३५. समकालीन मैथिली कवितामे “ध्वनि-सौन्दर्य”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३३६. समकालीन मैथिली कवितामे “अर्थ-सघनता”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३३७. समकालीन मैथिली कवितामे “लोक-बिम्ब”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३३८. समकालीन मैथिली कवितामे “आधुनिक प्रतीक”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३३९. समकालीन मैथिली कवितामे “वाक्य-विराम”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३४०. समकालीन मैथिली कवितामे “शब्द-चयन”क प्रयोग किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

(A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि

(B) ई कविता हटबैत अछि

(C) ई केवल प्रकाशकक नाम बतबैत अछि

(D) ई पृष्ठ-संख्या घटबैत अछि

३४१. जखन कवि “बिम्ब” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३४२. जखन कवि “प्रतीक” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३४३. जखन कवि “रूपक” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३४४. जखन कवि “उपमा” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३४५. जखन कवि “लोक-शब्द” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३४६. जखन कवि “संक्षिप्तता” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३४७. जखन कवि “व्यंजना” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३४८. जखन कवि “लयात्मकता” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३४९. जखन कवि “वक्रता” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३५०. जखन कवि “संवादिता” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३५१. जखन कवि “बोलचाल” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३५२. जखन कवि “व्यंग्य” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३५३. जखन कवि “मौन” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३५४. जखन कवि “चित्रात्मकता” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३५५. जखन कवि “ध्वनि-सौन्दर्य” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३५६. जखन कवि “अर्थ-सघनता” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३५७. जखन कवि “लोक-बिम्ब” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३५८. जखन कवि “आधुनिक प्रतीक” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३५९. जखन कवि “वाक्य-विराम” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३६०. जखन कवि “शब्द-चयन” द्वारा अनुभव व्यक्त करैत छथि, तखन पाठक पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

(A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि

(B) अर्थ पूर्णतः नष्ट भऽ जाइत अछि

(C) कविता इतिहास-सूची बनि जाइत अछि

(D) भाषा केवल अंकीय होइत अछि

३६१. “बिम्ब”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३६२. “प्रतीक”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३६३. “रूपक”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३६४. “उपमा”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३६५. “लोक-शब्द”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३६६. “संक्षिप्तता”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३६७. “व्यंजना”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३६८. “लयात्मकता”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३६९. “वक्रता”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३७०. “संवादिता”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३७१. “बोलचाल”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३७२. “व्यंग्य”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३७३. “मौन”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३७४. “चित्रात्मकता”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३७५. “ध्वनि-सौन्दर्य”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३७६. “अर्थ-सघनता”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३७७. “लोक-बिम्ब”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३७८. “आधुनिक प्रतीक”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३७९. “वाक्य-विराम”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३८०. “शब्द-चयन”कैं समकालीन कविता-पाठमे कोन रूपेँ देखल जायत?

(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ

(B) कागजक मोटाइ रूपेँ

(C) ग्रन्थालयक ताला रूपेँ

(D) मूल्य-सूची रूपेँ

३८१. देल विकल्पमे “बिम्ब”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३८२. देल विकल्पमे “प्रतीक”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३८३. देल विकल्पमे “रूपक”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३८४. देल विकल्पमे “उपमा”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३८५. देल विकल्पमे “लोक-शब्द”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३८६. देल विकल्पमे “संक्षिप्तता”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३८७. देल विकल्पमे “व्यंजना”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३८८. देल विकल्पमे “लयात्मकता”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३८९. देल विकल्पमे “वक्रता”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३९०. देल विकल्पमे “संवादिता”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३९१. देल विकल्पमे “बोलचाल”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३९२. देल विकल्पमे “व्यंग्य”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३९३. देल विकल्पमे “मौन”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३९४. देल विकल्पमे “चित्रात्मकता”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३९५. देल विकल्पमे “ध्वनि-सौन्दर्य”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३९६. देल विकल्पमे “अर्थ-सघनता”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३९७. देल विकल्पमे “लोक-बिम्ब”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३९८. देल विकल्पमे “आधुनिक प्रतीक”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

३९९. देल विकल्पमे “वाक्य-विराम”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

४००. देल विकल्पमे “शब्द-चयन”क काव्यगत प्रयोजन चिन्हू।

(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब

(B) पाठककेँ भ्रमित करि विषय हटायब

(C) केवल छपाइ सजायब

(D) कविताकेँ समाचार-रसीद बनायब

४०१. “मुक्तछन्द”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) निश्चित छन्द-बंधनसँ मुक्त, मुदा आन्तरिक लययुक्त रूप

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४०२. “गीतात्मक कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) भाव, लय आ गेयता पर आधारित कविता

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४०३. “लघु कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) कम पंक्तिमे सघन अर्थक प्रस्तुति

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४०४. “दीर्घ कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) विस्तृत अनुभव वा विचारक फैलाव

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४०५. “गद्य-कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) गद्य-स्वरूपमे काव्यात्मक संवेदना

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४०६. “कथात्मक कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) घटना वा प्रसंग द्वारा भाव-विचारक प्रस्तुति

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४०७. “संवादात्मक कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) वक्ता, पात्र वा पाठकसँ संवादक रूप

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४०८. “प्रतीकात्मक कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) प्रतीक द्वारा गहिर अर्थक निर्माण

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४०९. “लोकलयी कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) लोकगीत वा बोलीक लयसँ जुड़ल कविता

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४१०. “व्यंग्यात्मक कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) हँसी-व्यंग्य द्वारा सामाजिक आलोचना

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४११. “आत्मकथ्य कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) कविक निज अनुभवक काव्य-रूप

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४१२. “स्मृति-कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) अतीतक स्मरण आ पुनर्सृजन

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४१३. “प्रकृति-कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) प्रकृति-संसारक अनुभवपर आधारित कविता

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४१४. “श्रम-कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) मेहनतक देह, साधन आ सम्मानक काव्य

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४१५. “प्रेम-कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) राग, निकटता, विरह वा मानवीय संबंधक काव्य

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४१६. “प्रतिरोध-कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) अन्यायक विरुद्ध स्वर

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४१७. “जनकविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) सामान्य जनजीवन आ लोकचेतनासँ जुड़ल कविता

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४१८. “नारी-कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) स्त्री-अनुभव आ आत्म-स्वरक कविता

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४१९. “शहरी कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) नगरीय जीवन, तनाव आ अकेलापनक काव्य

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४२०. “गामक कविता”क मुख्य लक्षण की अछि?

(A) गाम, खेत, रीति आ लोक-संबंधक काव्य

(B) केवल शब्दकोशक सूची

(C) केवल प्रकाशकक पता

(D) केवल मूल्य-घोषणा

४२१. समकालीन मैथिली कवितामे “मुक्तछन्द” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४२२. समकालीन मैथिली कवितामे “गीतात्मक कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४२३. समकालीन मैथिली कवितामे “लघु कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४२४. समकालीन मैथिली कवितामे “दीर्घ कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४२५. समकालीन मैथिली कवितामे “गद्य-कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४२६. समकालीन मैथिली कवितामे “कथात्मक कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४२७. समकालीन मैथिली कवितामे “संवादात्मक कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४२८. समकालीन मैथिली कवितामे “प्रतीकात्मक कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४२९. समकालीन मैथिली कवितामे “लोकलयी कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४३०. समकालीन मैथिली कवितामे “व्यंग्यात्मक कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४३१. समकालीन मैथिली कवितामे “आत्मकथ्य कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४३२. समकालीन मैथिली कवितामे “स्मृति-कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४३३. समकालीन मैथिली कवितामे “प्रकृति-कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४३४. समकालीन मैथिली कवितामे “श्रम-कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४३५. समकालीन मैथिली कवितामे “प्रेम-कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४३६. समकालीन मैथिली कवितामे “प्रतिरोध-कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४३७. समकालीन मैथिली कवितामे “जनकविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४३८. समकालीन मैथिली कवितामे “नारी-कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४३९. समकालीन मैथिली कवितामे “शहरी कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४४०. समकालीन मैथिली कवितामे “गामक कविता” किएक उपयोगी भऽ सकैत अछि?

(A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल

(B) पृष्ठक किनार भरबाक लेल

(C) लेखकक नाम छिपेबाक लेल

(D) कविता हटेबाक लेल

४४१. कविता-पाठमे “मुक्तछन्द” कैं केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४४२. कविता-पाठमे “गीतात्मक कविता” कैं केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४४३. कविता-पाठमे “लघु कविता” कैं केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४४४. कविता-पाठमे “दीर्घ कविता” कैं केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४४५. कविता-पाठमे “गद्य-कविता” कैं केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४४६. कविता-पाठमे “कथात्मक कविता” कैं केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४४७. कविता-पाठमे “संवादात्मक कविता” कैं केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४४८. कविता-पाठमे “प्रतीकात्मक कविता” कैं केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४४९. कविता-पाठमे “लोकलयी कविता” कैँ केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४५०. कविता-पाठमे “व्यंग्यात्मक कविता” कैँ केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४५१. कविता-पाठमे “आत्मकथ्य कविता” कैँ केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४५२. कविता-पाठमे “स्मृति-कविता” कैँ केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४५३. कविता-पाठमे “प्रकृति-कविता” कैँ केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४५४. कविता-पाठमे “श्रम-कविता” कैँ केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४५५. कविता-पाठमे “प्रेम-कविता” कैँ केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४५६. कविता-पाठमे “प्रतिरोध-कविता” कैँ केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४५७. कविता-पाठमे “जनकविता” कैँ केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४५८. कविता-पाठमे “नारी-कविता” कैँ केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४५९. कविता-पाठमे “शहरी कविता” कैँ केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४६०. कविता-पाठमे “गामक कविता” कैँ केवल बाहरी रूप नहि, बल्कि की मानल जायत?

(A) भाव, लय आ अर्थक संगठन

(B) कागजक आकार

(C) दुकानक पर्ची

(D) सूचीक्रमक संख्या

४६१. “मुक्तछन्द”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४६२. “गीतात्मक कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४६३. “लघु कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४६४. “दीर्घ कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४६५. “गद्य-कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४६६. “कथात्मक कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४६७. “संवादात्मक कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४६८. “प्रतीकात्मक कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४६९. “लोकलयी कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४७०. “व्यंग्यात्मक कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४७१. “आत्मकथ्य कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४७२. “स्मृति-कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४७३. “प्रकृति-कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४७४. “श्रम-कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४७५. “प्रेम-कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४७६. “प्रतिरोध-कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४७७. “जनकविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४७८. “नारी-कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४७९. “शहरी कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४८०. “गामक कविता”क मूल्यांकनमे कोन बात देखब आवश्यक अछि?

(A) रूप आ विषयक संगति

(B) केवल पन्नाक रंग

(C) केवल दाम

(D) केवल जिल्द

४८१. देल विकल्पमे “मुक्तछन्द”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) निश्चित छन्द-बंधनसँ मुक्त, मुदा आन्तरिक लययुक्त रूप

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४८२. देल विकल्पमे “गीतात्मक कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) भाव, लय आ गेयता पर आधारित कविता

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४८३. देल विकल्पमे “लघु कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) कम पंक्तिमे सघन अर्थक प्रस्तुति

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४८४. देल विकल्पमे “दीर्घ कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) विस्तृत अनुभव वा विचारक फैलाव

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४८५. देल विकल्पमे “गद्य-कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) गद्य-स्वरूपमे काव्यात्मक संवेदना

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४८६. देल विकल्पमे “कथात्मक कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) घटना वा प्रसंग द्वारा भाव-विचारक प्रस्तुति

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४८७. देल विकल्पमे “संवादात्मक कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) वक्ता, पात्र वा पाठकसँ संवादक रूप

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४८८. देल विकल्पमे “प्रतीकात्मक कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) प्रतीक द्वारा गहिर अर्थक निर्माण

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४८९. देल विकल्पमे “लोकलयी कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) लोकगीत वा बोलीक लयसँ जुड़ल कविता

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४९०. देल विकल्पमे “व्यंग्यात्मक कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) हँसी-व्यंग्य द्वारा सामाजिक आलोचना

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४९१. देल विकल्पमे “आत्मकथ्य कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) कविक निज अनुभवक काव्य-रूप

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४९२. देल विकल्पमे “स्मृति-कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) अतीतक स्मरण आ पुनर्सृजन

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४९३. देल विकल्पमे “प्रकृति-कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) प्रकृति-संसारक अनुभवपर आधारित कविता

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४९४. देल विकल्पमे “श्रम-कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) मेहनतक देह, साधन आ सम्मानक काव्य

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४९५. देल विकल्पमे “प्रेम-कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) राग, निकटता, विरह वा मानवीय संबंधक काव्य

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४९६. देल विकल्पमे “प्रतिरोध-कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) अन्यायक विरुद्ध स्वर

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४९७. देल विकल्पमे “जनकविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) सामान्य जनजीवन आ लोकचेतनासँ जुड़ल कविता

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४९८. देल विकल्पमे “नारी-कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) स्त्री-अनुभव आ आत्म-स्वरक कविता

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

४९९. देल विकल्पमे “शहरी कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) नगरीय जीवन, तनाव आ अकेलापनक काव्य

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

५००. देल विकल्पमे “गामक कविता”क सही काव्यगत व्याख्या चुनू।

(A) गाम, खेत, रीति आ लोक-संबंधक काव्य

(B) मुद्रण दोषक नाम

(C) गणनाक नियम

(D) सिर्फ विज्ञापन

५०१. समकालीन मैथिली कवितामे “माटि” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) धरती, श्रम आ अपनत्वक प्रतीक

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५०२. समकालीन मैथिली कवितामे “धान” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) कृषि-जीवन आ अन्न-संस्कृतिक संकेत

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५०३. समकालीन मैथिली कवितामे “पोखरि” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) जल, स्मृति आ सामुदायिक जीवनक स्थल

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५०४. समकालीन मैथिली कवितामे “आँगन” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) घर, परिवार आ स्त्री-अनुभवक धरातल

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५०५. समकालीन मैथिली कवितामे “मधुश्रावणी” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) लोक-रीति आ स्त्री-संस्कारक स्मरण

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५०६. समकालीन मैथिली कवितामे “सामा-चकेबा” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) भाई-बहिन, लोकगीत आ सामुदायिक उत्सव

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५०७. समकालीन मैथिली कवितामे “मिथिला पेंटिंग” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) लोककला आ दृश्य-संस्कृतिक बिम्ब

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५०८. समकालीन मैथिली कवितामे “पान-मखान” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) स्थानीय जीवन-रस आ पहचानक वस्तु

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५०९. समकालीन मैथिली कवितामे “बाढ़ि” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) प्राकृतिक संकट आ जनजीवनक संघर्ष

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५१०. समकालीन मैथिली कवितामे “गामक बाट” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) स्मृति, यात्रा आ लोक-संबंधक संकेत

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५११. समकालीन मैथिली कवितामे “चौपाल” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) सामुदायिक संवाद आ लोक-विचारक स्थल

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५१२. समकालीन मैथिली कवितामे “तिरहुता” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) लिपि-स्मृति आ सांस्कृतिक विरासत

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५१३. समकालीन मैथिली कवितामे “लोकगीत” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ सामूहिक भावक स्वर

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५१४. समकालीन मैथिली कवितामे “पंजिका” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) परम्परा, विवाह-संस्कार आ सामाजिक व्यवस्था

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५१५. समकालीन मैथिली कवितामे “मेला” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) उत्सव, व्यापार आ लोक-मिलन

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५१६. समकालीन मैथिली कवितामे “कोसी” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) नदी, बाढ़ि आ जीवन-संघर्षक बिम्ब

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५१७. समकालीन मैथिली कवितामे “कमला” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) नदी-स्मृति आ क्षेत्रीय पहचान

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५१८. समकालीन मैथिली कवितामे “सीता” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) मिथिलाक सांस्कृतिक नारी-प्रतिमा

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५१९. समकालीन मैथिली कवितामे “जनकपुर” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) मिथिला-स्मृति आ सांस्कृतिक केन्द्र

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५२०. समकालीन मैथिली कवितामे “दरभंगा” बिम्ब ककर संकेत दऽ सकैत अछि?

(A) संस्था, शिक्षा आ सांस्कृतिक इतिहासक नगर

(B) केवल आयातित वस्तु-सूची

(C) केवल विदेशी राजदरबार

(D) केवल गणित-चिह्न

५२१. “माटि” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५२२. “धान” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५२३. “पोखरि” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५२४. “आँगन” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५२५. “मधुश्रावणी” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५२६. “सामा-चकेबा” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५२७. “मिथिला पेंटिंग” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५२८. “पान-मखान” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५२९. “बाढ़ि” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५३०. “गामक बाट” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५३१. “चौपाल” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५३२. “तिरहुता” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५३३. “लोकगीत” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५३४. “पंजिका” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५३५. “मेला” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५३६. “कोसी” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५३७. “कमला” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५३८. “सीता” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५३९. “जनकपुर” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५४०. “दरभंगा” जकाँ स्थानीय बिम्ब कविताकेँ की दैत अछि?

(A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता

(B) अर्थहीन शोर

(C) केवल पृष्ठ-सज्जा

(D) छन्द-विनाश

५४१. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “माटि”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५४२. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “धान”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५४३. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “पोखरि”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५४४. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “आँगन”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५४५. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “मधुश्रावणी”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५४६. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “सामा-चकेबा”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५४७. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “मिथिला पेंटिंग”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५४८. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “पान-मखान”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५४९. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “बाढ़ि”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५५०. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “गामक बाट”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५५१. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “चौपाल”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५५२. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “तिरहुता”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५५३. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “लोकगीत”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५५४. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “पंजिका”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५५५. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “मेला”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५५६. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “कोसी”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५५७. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “कमला”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५५८. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “सीता”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५५९. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “जनकपुर”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५६०. मिथिला-धरातल पर लिखल कवितामे “दरभंगा”क प्रयोग ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान

(B) केवल संख्या-लेखन

(C) केवल प्रकाशकीय सूचना

(D) केवल मूल्यांकन-पर्ची

५६१. “माटि”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५६२. “धान”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५६३. “पोखरि”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५६४. “आँगन”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५६५. “मधुश्रावणी”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५६६. “सामा-चकेबा”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५६७. “मिथिला पेंटिंग”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५६८. “पान-मखान”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५६९. “बाढ़ि”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५७०. “गामक बाट”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५७१. “चौपाल”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५७२. “तिरहुता”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५७३. “लोकगीत”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५७४. “पंजिका”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५७५. “मेला”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५७६. “कोसी”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५७७. “कमला”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५७८. “सीता”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५७९. “जनकपुर”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५८०. “दरभंगा”क काव्यगत अर्थ समझबाक लेल पाठककेँ की देखबाक चाही?

(A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग

(B) केवल पृष्ठक मोटाइ

(C) केवल जिल्दक आकार

(D) केवल अक्षरक गिनती

५८१. देल विकल्पमे “माटि”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) धरती, श्रम आ अपनत्वक प्रतीक

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५८२. देल विकल्पमे “धान”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) कृषि-जीवन आ अन्न-संस्कृतिक संकेत

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५८३. देल विकल्पमे “पोखरि”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) जल, स्मृति आ सामुदायिक जीवनक स्थल

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५८४. देल विकल्पमे “आँगन”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) घर, परिवार आ स्त्री-अनुभवक धरातल

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५८५. देल विकल्पमे “मधुश्रावणी”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) लोक-रीति आ स्त्री-संस्कारक स्मरण

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५८६. देल विकल्पमे “सामा-चकेबा”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) भाई-बहिन, लोकगीत आ सामुदायिक उत्सव

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५८७. देल विकल्पमे “मिथिला पेंटिंग”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) लोककला आ दृश्य-संस्कृतिक बिम्ब

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५८८. देल विकल्पमे “पान-मखान”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) स्थानीय जीवन-रस आ पहचानक वस्तु

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५८९. देल विकल्पमे “बाढ़ि”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) प्राकृतिक संकट आ जनजीवनक संघर्ष

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५९०. देल विकल्पमे “गामक बाट”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) स्मृति, यात्रा आ लोक-संबंधक संकेत

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५९१. देल विकल्पमे “चौपाल”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) सामुदायिक संवाद आ लोक-विचारक स्थल

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५९२. देल विकल्पमे “तिरहुता”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) लिपि-स्मृति आ सांस्कृतिक विरासत

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५९३. देल विकल्पमे “लोकगीत”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) लोक-स्मृति आ सामूहिक भावक स्वर

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५९४. देल विकल्पमे “पंजिका”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) परम्परा, विवाह-संस्कार आ सामाजिक व्यवस्था

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५९५. देल विकल्पमे “मेला”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) उत्सव, व्यापार आ लोक-मिलन

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५९६. देल विकल्पमे “कोसी”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) नदी, बाढ़ि आ जीवन-संघर्षक बिम्ब

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५९७. देल विकल्पमे “कमला”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) नदी-स्मृति आ क्षेत्रीय पहचान

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५९८. देल विकल्पमे “सीता”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) मिथिलाक सांस्कृतिक नारी-प्रतिमा

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

५९९. देल विकल्पमे “जनकपुर”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) मिथिला-स्मृति आ सांस्कृतिक केन्द्र

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

६००. देल विकल्पमे “दरभंगा”क सही मैथिली-सांस्कृतिक अर्थ चुनू।

(A) संस्था, शिक्षा आ सांस्कृतिक इतिहासक नगर

(B) व्याकरणक कारक-चिह्न मात्र

(C) मुद्रणालयक नाम

(D) सिर्फ कर-सूची

६०१. समकालीन मैथिली कवितामे “शोषण”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) अन्यायपूर्ण व्यवस्था विरुद्ध प्रश्न

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६०२. समकालीन मैथिली कवितामे “लोकतंत्र”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) जन-स्वर आ अधिकारक चेतना

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६०३. समकालीन मैथिली कवितामे “बाजारवाद”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) मूल्य, वस्तुकरण आ उपभोगक दबाव

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६०४. समकालीन मैथिली कवितामे “भाषाई अस्मिता”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) मातृभाषाक सम्मान आ अस्तित्व-संघर्ष

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६०५. समकालीन मैथिली कवितामे “शिक्षा”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) जागरण, अवसर आ सामाजिक बदलाव

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६०६. समकालीन मैथिली कवितामे “बेरोजगारी”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) युवा-वर्गक असुरक्षा आ संघर्ष

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६०७. समकालीन मैथिली कवितामे “प्रवासी जीवन”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) दूरी, स्मृति आ पहचानक संकट

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६०८. समकालीन मैथिली कवितामे “स्त्री-गरिमा”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) समानता, स्वायत्तता आ आत्म-स्वर

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६०९. समकालीन मैथिली कवितामे “पर्यावरण विनाश”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) प्रकृति-क्षय आ जीवन-संकट

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६१०. समकालीन मैथिली कवितामे “जातिगत विषमता”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) समान मनुष्यता विरुद्ध विभाजन

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६११. समकालीन मैथिली कवितामे “मीडिया”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) सूचना, छवि आ जनमतक प्रभाव

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६१२. समकालीन मैथिली कवितामे “प्रौद्योगिकी”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) नव साधन आ बदलैत जीवन-रूप

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६१३. समकालीन मैथिली कवितामे “अकेलापन”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) भीड़मे व्यक्तिक आन्तरिक खालीपन

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६१४. समकालीन मैथिली कवितामे “स्मृति-संकट”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) तेजी सँ बदलैत समयमे पहचानक खोज

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६१५. समकालीन मैथिली कवितामे “हिंसा”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) सामाजिक भय आ मनुष्यता पर आघात

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६१६. समकालीन मैथिली कवितामे “न्याय”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) समान अवसर आ गरिमा सँ जुड़ल प्रश्न

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६१७. समकालीन मैथिली कवितामे “श्रमिक जीवन”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) मेहनत, रोटी आ अधिकारक यथार्थ

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६१८. समकालीन मैथिली कवितामे “सीमांत स्वर”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) उपेक्षित लोकक अनुभवक उपस्थिति

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६१९. समकालीन मैथिली कवितामे “भूख”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) अभावक कठोर मानवीय सच

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६२०. समकालीन मैथिली कवितामे “आशा”क प्रसंग ककरा उभारैत अछि?

(A) संकट बीच जीवन-विश्वास

(B) केवल छपाइ-तिथि

(C) केवल पुस्तकालयक नियम

(D) केवल ध्वनि-गणना

६२१. “शोषण” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६२२. “लोकतंत्र” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६२३. “बाजारवाद” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६२४. “भाषाई अस्मिता” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६२५. “शिक्षा” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६२६. “बेरोजगारी” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६२७. “प्रवासी जीवन” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६२८. “स्त्री-गरिमा” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६२९. “पर्यावरण विनाश” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६३०. “जातिगत विषमता” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६३१. “मीडिया” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६३२. “प्रौद्योगिकी” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६३३. “अकेलापन” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६३४. “स्मृति-संकट” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६३५. “हिंसा” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६३६. “न्याय” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६३७. “श्रमिक जीवन” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६३८. “सीमांत स्वर” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६३९. “भूख” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६४०. “आशा” विषयवाली कविता पाठकसँ कोन प्रकारक सजगता माँगैत अछि?

(A) सामाजिक आ नैतिक सजगता

(B) केवल पन्ना पलटबाक गति

(C) केवल अक्षरक आकार

(D) केवल जिल्दक रंग

६४१. कविता जखन “शोषण” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६४२. कविता जखन “लोकतंत्र” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६४३. कविता जखन “बाजारवाद” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६४४. कविता जखन “भाषाई अस्मिता” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६४५. कविता जखन “शिक्षा” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६४६. कविता जखन “बेरोजगारी” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६४७. कविता जखन “प्रवासी जीवन” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६४८. कविता जखन “स्त्री-गरिमा” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६४९. कविता जखन “पर्यावरण विनाश” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६५०. कविता जखन “जातिगत विषमता” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६५१. कविता जखन “मीडिया” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६५२. कविता जखन “प्रौद्योगिकी” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६५३. कविता जखन “अकेलापन” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६५४. कविता जखन “स्मृति-संकट” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६५५. कविता जखन “हिंसा” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६५६. कविता जखन “न्याय” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६५७. कविता जखन “श्रमिक जीवन” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६५८. कविता जखन “सीमांत स्वर” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६५९. कविता जखन “भूख” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६६०. कविता जखन “आशा” पर बोलैत अछि, तखन ओकर स्वर सामान्यतः केहन भऽ सकैत अछि?

(A) प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक

(B) पूर्णतः रिक्त

(C) केवल गणितीय

(D) केवल सजावटी

६६१. “शोषण”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६६२. “लोकतंत्र”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६६३. “बाजारवाद”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६६४. “भाषाई अस्मिता”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६६५. “शिक्षा”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६६६. “बेरोजगारी”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६६७. “प्रवासी जीवन”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६६८. “स्त्री-गरिमा”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६६९. “पर्यावरण विनाश”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६७०. “जातिगत विषमता”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६७१. “मीडिया”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६७२. “प्रौद्योगिकी”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६७३. “अकेलापन”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६७४. “स्मृति-संकट”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६७५. “हिंसा”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६७६. “न्याय”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६७७. “श्रमिक जीवन”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६७८. “सीमांत स्वर”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६७९. “भूख”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६८०. “आशा”क काव्यगत प्रस्तुति मे कवि ककर सहारा लऽ सकैत छथि?

(A) बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा

(B) केवल दामक पर्ची

(C) केवल तालाबन्दी

(D) केवल मुद्रण क्रमांक

६८१. देल विकल्पमे “शोषण” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) अन्यायपूर्ण व्यवस्था विरुद्ध प्रश्न

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६८२. देल विकल्पमे “लोकतंत्र” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) जन-स्वर आ अधिकारक चेतना

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६८३. देल विकल्पमे “बाजारवाद” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) मूल्य, वस्तुकरण आ उपभोगक दबाव

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६८४. देल विकल्पमे “भाषाई अस्मिता” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) मातृभाषाक सम्मान आ अस्तित्व-संघर्ष

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६८५. देल विकल्पमे “शिक्षा” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) जागरण, अवसर आ सामाजिक बदलाव

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६८६. देल विकल्पमे “बेरोजगारी” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) युवा-वर्गक असुरक्षा आ संघर्ष

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६८७. देल विकल्पमे “प्रवासी जीवन” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) दूरी, स्मृति आ पहचानक संकट

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६८८. देल विकल्पमे “स्त्री-गरिमा” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) समानता, स्वायत्तता आ आत्म-स्वर

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६८९. देल विकल्पमे “पर्यावरण विनाश” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) प्रकृति-क्षय आ जीवन-संकट

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६९०. देल विकल्पमे “जातिगत विषमता” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) समान मनुष्यता विरुद्ध विभाजन

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६९१. देल विकल्पमे “मीडिया” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) सूचना, छवि आ जनमतक प्रभाव

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६९२. देल विकल्पमे “प्रौद्योगिकी” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) नव साधन आ बदलैत जीवन-रूप

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६९३. देल विकल्पमे “अकेलापन” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) भीड़मे व्यक्तिक आन्तरिक खालीपन

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६९४. देल विकल्पमे “स्मृति-संकट” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) तेजी सँ बदलैत समयमे पहचानक खोज

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६९५. देल विकल्पमे “हिंसा” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) सामाजिक भय आ मनुष्यता पर आघात

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६९६. देल विकल्पमे “न्याय” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) समान अवसर आ गरिमा सँ जुड़ल प्रश्न

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६९७. देल विकल्पमे “श्रमिक जीवन” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) मेहनत, रोटी आ अधिकारक यथार्थ

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६९८. देल विकल्पमे “सीमांत स्वर” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) उपेक्षित लोकक अनुभवक उपस्थिति

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

६९९. देल विकल्पमे “भूख” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) अभावक कठोर मानवीय सच

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

७००. देल विकल्पमे “आशा” सम्बन्धी समकालीन काव्य-दृष्टि चुनू।

(A) संकट बीच जीवन-विश्वास

(B) कागजक व्यापार मात्र

(C) ऐतिहासिक नक्शा मात्र

(D) सिर्फ शब्दकोश-क्रम

७०१. समकालीन मैथिली कविता “विद्यापति-परम्परा”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) राग, गीत, भाषा-माधुर्य आ प्रेम-भक्ति स्मृति केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७०२. समकालीन मैथिली कविता “लोकगीत-परम्परा”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) गामक सामूहिक स्वर आ लय केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७०३. समकालीन मैथिली कविता “भक्ति-संवेदना”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) आस्था आ आत्मीयता केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७०४. समकालीन मैथिली कविता “शृङ्गार-परम्परा”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) प्रेम, विरह आ मनोभावक कलात्मकता केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७०५. समकालीन मैथिली कविता “कीर्तनिया नाट्य-धारा”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) गीत, अभिनय आ लोकमंचक स्मृति केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७०६. समकालीन मैथिली कविता “मिथिलाक्षर-स्मृति”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) लिपि आ सांस्कृतिक अभिलेखक विरासत केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७०७. समकालीन मैथिली कविता “रामकाव्य-परम्परा”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) आदर्श, कथा आ लोक-धर्म केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७०८. समकालीन मैथिली कविता “सामाजिक सुधार-धारा”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) रूढ़ि-प्रश्न आ नव चेतना केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७०९. समकालीन मैथिली कविता “प्राचीन गद्य-स्मृति”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) वर्णन, सूची आ शैलीक परम्परा केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७१०. समकालीन मैथिली कविता “नव कविता-धारा”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) मुक्त रूप, तीव्र बिम्ब आ वर्तमान बोध केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७११. समकालीन मैथिली कविता “मौखिक परम्परा”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) कहानी, गाथा आ लोक-ज्ञान केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७१२. समकालीन मैथिली कविता “लोकनाट्य”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) मंच, गान आ सामुदायिक प्रस्तुति केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७१३. समकालीन मैथिली कविता “काव्यशास्त्रीय रस”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) भावानुभूतिक सौन्दर्यात्मक संगठन केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७१४. समकालीन मैथिली कविता “अलंकार-परम्परा”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) भाषाक कलात्मक चमत्कार केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७१५. समकालीन मैथिली कविता “छन्द-परम्परा”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) नियमित लय आ मात्रिक/वर्णिक विन्यास केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७१६. समकालीन मैथिली कविता “नव भाषिक प्रयोग”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) जीवित बोलचाल आ नवनिर्मित मुहावरा केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७१७. समकालीन मैथिली कविता “आधुनिक आलोचना”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) पाठ, समाज आ शिल्पक प्रश्नकारी अध्ययन केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७१८. समकालीन मैथिली कविता “लोक-स्मृति”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) समुदायक अनुभवक दीर्घ संचय केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७१९. समकालीन मैथिली कविता “नव प्रतीक”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) बदलैत जीवनक संकेत-विधान केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७२०. समकालीन मैथिली कविता “तुलनात्मक दृष्टि”सँ कोन प्रकारेँ संवाद करैत अछि?

(A) अन्य भारतीय भाषासँ संवाद केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत

(B) केवल सूचीमे नाम राखैत

(C) पूर्णतः भाषा हटबैत

(D) केवल मूल्य बढ़बैत

७२१. “विद्यापति-परम्परा”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७२२. “लोकगीत-परम्परा”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७२३. “भक्ति-संवेदना”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७२४. “शृङ्गार-परम्परा”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७२५. “कीर्तनिया नाट्य-धारा”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७२६. “मिथिलाक्षर-स्मृति”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७२७. “रामकाव्य-परम्परा”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७२८. “सामाजिक सुधार-धारा”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७२९. “प्राचीन गद्य-स्मृति”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७३०. “नव कविता-धारा”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७३१. “मौखिक परम्परा”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७३२. “लोकनाट्य”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७३३. “काव्यशास्त्रीय रस”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७३४. “अलंकार-परम्परा”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७३५. “छन्द-परम्परा”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७३६. “नव भाषिक प्रयोग”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७३७. “आधुनिक आलोचना”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७३८. “लोक-स्मृति”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७३९. “नव प्रतीक”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७४०. “तुलनात्मक दृष्टि”क उपयोग आधुनिक कविता मे कखन सार्थक होइत अछि?

(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि

(B) जखन अर्थ पूर्णतः बंद भऽ जाइत अछि

(C) जखन केवल पृष्ठ-संख्या कहल जाए

(D) जखन पाठक अनुपस्थित हो

७४१. “विद्यापति-परम्परा”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७४२. “लोकगीत-परम्परा”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७४३. “भक्ति-संवेदना”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७४४. “शृङ्गार-परम्परा”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७४५. “कीर्तनिया नाट्य-धारा”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७४६. “मिथिलाक्षर-स्मृति”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७४७. “रामकाव्य-परम्परा”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७४८. “सामाजिक सुधार-धारा”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७४९. “प्राचीन गद्य-स्मृति”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७५०. “नव कविता-धारा”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७५१. “मौखिक परम्परा”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७५२. “लोकनाट्य”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७५३. “काव्यशास्त्रीय रस”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७५४. “अलंकार-परम्परा”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७५५. “छन्द-परम्परा”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७५६. “नव भाषिक प्रयोग”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७५७. “आधुनिक आलोचना”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७५८. “लोक-स्मृति”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७५९. “नव प्रतीक”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७६०. “तुलनात्मक दृष्टि”कैं अन्धानुकरण आ रचनात्मक अनुसरणमे कोन फर्क अछि?

(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि

(B) दुनू एकदम समान अछि

(C) अन्धानुकरण सदिखन नवता दैत अछि

(D) अनुसरणमे अनुभव नहि चाही

७६१. “विद्यापति-परम्परा”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७६२. “लोकगीत-परम्परा”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७६३. “भक्ति-संवेदना”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७६४. “शृङ्गार-परम्परा”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७६५. “कीर्तनिया नाट्य-धारा”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७६६. “मिथिलाक्षर-स्मृति”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७६७. “रामकाव्य-परम्परा”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७६८. “सामाजिक सुधार-धारा”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७६९. “प्राचीन गद्य-स्मृति”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७७०. “नव कविता-धारा”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७७१. “मौखिक परम्परा”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७७२. “लोकनाट्य”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७७३. “काव्यशास्त्रीय रस”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७७४. “अलंकार-परम्परा”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७७५. “छन्द-परम्परा”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७७६. “नव भाषिक प्रयोग”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७७७. “आधुनिक आलोचना”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७७८. “लोक-स्मृति”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७७९. “नव प्रतीक”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७८०. “तुलनात्मक दृष्टि”क स्मृति समकालीन कविता मे ककरा मजबूत करैत अछि?

(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना

(B) सिर्फ छपाइक खर्च

(C) केवल व्यापारिक रसीद

(D) केवल अनुक्रमणिका

७८१. देल विकल्पमे “विद्यापति-परम्परा”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) राग, गीत, भाषा-माधुर्य आ प्रेम-भक्ति स्मृति कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७८२. देल विकल्पमे “लोकगीत-परम्परा”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) गामक सामूहिक स्वर आ लय कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७८३. देल विकल्पमे “भक्ति-संवेदना”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) आस्था आ आत्मीयता कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७८४. देल विकल्पमे “शृङ्गार-परम्परा”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) प्रेम, विरह आ मनोभावक कलात्मकता कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७८५. देल विकल्पमे “कीर्तनिया नाट्य-धारा”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) गीत, अभिनय आ लोकमंचक स्मृति कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७८६. देल विकल्पमे “मिथिलाक्षर-स्मृति”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) लिपि आ सांस्कृतिक अभिलेखक विरासत कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७८७. देल विकल्पमे “रामकाव्य-परम्परा”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) आदर्श, कथा आ लोक-धर्म कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७८८. देल विकल्पमे “सामाजिक सुधार-धारा”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) रूढ़ि-प्रश्न आ नव चेतना कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७८९. देल विकल्पमे “प्राचीन गद्य-स्मृति”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) वर्णन, सूची आ शैलीक परम्परा कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७९०. देल विकल्पमे “नव कविता-धारा”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) मुक्त रूप, तीव्र बिम्ब आ वर्तमान बोध कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७९१. देल विकल्पमे “मौखिक परम्परा”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) कहानी, गाथा आ लोक-ज्ञान कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७९२. देल विकल्पमे “लोकनाट्य”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) मंच, गान आ सामुदायिक प्रस्तुति कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७९३. देल विकल्पमे “काव्यशास्त्रीय रस”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) भावानुभूतिक सौन्दर्यात्मक संगठन कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७९४. देल विकल्पमे “अलंकार-परम्परा”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) भाषाक कलात्मक चमत्कार कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७९५. देल विकल्पमे “छन्द-परम्परा”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) नियमित लय आ मात्रिक/वर्णिक विन्यास कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७९६. देल विकल्पमे “नव भाषिक प्रयोग”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) जीवित बोलचाल आ नवनिर्मित मुहावरा कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७९७. देल विकल्पमे “आधुनिक आलोचना”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) पाठ, समाज आ शिल्पक प्रश्नकारी अध्ययन कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७९८. देल विकल्पमे “लोक-स्मृति”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) समुदायक अनुभवक दीर्घ संचय कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

७९९. देल विकल्पमे “नव प्रतीक”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) बदलैत जीवनक संकेत-विधान कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

८००. देल विकल्पमे “तुलनात्मक दृष्टि”क नव प्रयोगक सही अर्थ चुनू।

(A) अन्य भारतीय भाषासँ संवाद कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब

(B) कविता मे अर्थ रोकि देब

(C) केवल नाम बदलि देब

(D) पुस्तकक आकार नापब

८०१. कविता-पाठमे “विषय”क अर्थ की अछि?

(A) कविता जे बात वा अनुभव केन्द्रमे राखैत अछि

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८०२. कविता-पाठमे “वक्ता”क अर्थ की अछि?

(A) कवितामे बोलयवला काव्य-स्वर

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८०३. कविता-पाठमे “संरचना”क अर्थ की अछि?

(A) पंक्ति, खण्ड, क्रम आ आवर्तनक विन्यास

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८०४. कविता-पाठमे “स्वर”क अर्थ की अछि?

(A) कविताक भावात्मक बोलबाक ढंग

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८०५. कविता-पाठमे “दृष्टिकोण”क अर्थ की अछि?

(A) कविता संसारकेँ जे नजरिसँ देखैत अछि

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८०६. कविता-पाठमे “सन्दर्भ”क अर्थ की अछि?

(A) कविताक सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८०७. कविता-पाठमे “अर्थ-स्तर”क अर्थ की अछि?

(A) सिधा आ संकेतित अर्थक तह

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८०८. कविता-पाठमे “आलोचनात्मक पाठ”क अर्थ की अछि?

(A) प्रश्न, प्रमाण आ विवेकसँ पढ़ब

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८०९. कविता-पाठमे “निकट पाठ”क अर्थ की अछि?

(A) शब्द, पंक्ति, बिम्ब आ संरचना पर ध्यान

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८१०. कविता-पाठमे “सौन्दर्य-बोध”क अर्थ की अछि?

(A) रूप, लय, भाषा आ भावक कलात्मक अनुभव

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८११. कविता-पाठमे “सामाजिक पाठ”क अर्थ की अछि?

(A) कविता आ समाजक सम्बन्ध देखब

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८१२. कविता-पाठमे “भाषिक पाठ”क अर्थ की अछि?

(A) शब्द, वाक्य, बोली आ शैली पर ध्यान

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८१३. कविता-पाठमे “ऐतिहासिक पाठ”क अर्थ की अछि?

(A) समय आ परम्परासँ कविता जोड़ि पढ़ब

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८१४. कविता-पाठमे “नारीवादी पाठ”क अर्थ की अछि?

(A) स्त्री-अनुभव, सत्ता आ गरिमाक प्रश्न देखब

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८१५. कविता-पाठमे “लोक-पाठ”क अर्थ की अछि?

(A) लोक-संस्कृति आ सामूहिक स्मृति पर ध्यान

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८१६. कविता-पाठमे “प्रतीक-पाठ”क अर्थ की अछि?

(A) प्रतीकक बहु-अर्थी संकेत खोलब

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८१७. कविता-पाठमे “रस-पाठ”क अर्थ की अछि?

(A) भावानुभूति आ आस्वादक अध्ययन

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८१८. कविता-पाठमे “छन्द-पाठ”क अर्थ की अछि?

(A) लय, मात्रा, विराम आ ध्वनिक अध्ययन

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८१९. कविता-पाठमे “तुलनात्मक पाठ”क अर्थ की अछि?

(A) दोसरा काव्य वा भाषासँ तुलना

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८२०. कविता-पाठमे “मूल्यांकन”क अर्थ की अछि?

(A) तर्क आ प्रमाणसँ काव्य-महत्त्व बतायब

(B) केवल जिल्दक रंग

(C) केवल पुस्तक-दुकानक नाम

(D) केवल अक्षरक संख्या

८२१. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “विषय” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८२२. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “वक्ता” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८२३. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “संरचना” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८२४. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “स्वर” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८२५. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “दृष्टिकोण” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८२६. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “सन्दर्भ” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८२७. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “अर्थ-स्तर” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८२८. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “आलोचनात्मक पाठ” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८२९. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “निकट पाठ” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८३०. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “सौन्दर्य-बोध” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८३१. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “सामाजिक पाठ” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८३२. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “भाषिक पाठ” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८३३. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “ऐतिहासिक पाठ” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८३४. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “नारीवादी पाठ” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८३५. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “लोक-पाठ” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८३६. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “प्रतीक-पाठ” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८३७. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “रस-पाठ” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८३८. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “छन्द-पाठ” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८३९. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “तुलनात्मक पाठ” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८४०. समकालीन मैथिली कविता पढ़ैत “मूल्यांकन” पर ध्यान किएक जरूरी अछि?

(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि

(B) ई कविता पूर्णतः हटबैत अछि

(C) ई पाठककेँ स्रोतसँ काटैत अछि

(D) ई केवल मूल्य-सूची अछि

८४१. “विषय” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८४२. “वक्ता” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८४३. “संरचना” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८४४. “स्वर” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८४५. “दृष्टिकोण” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८४६. “सन्दर्भ” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८४७. “अर्थ-स्तर” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८४८. “आलोचनात्मक पाठ” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८४९. “निकट पाठ” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८५०. “सौन्दर्य-बोध” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८५१. “सामाजिक पाठ” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८५२. “भाषिक पाठ” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८५३. “ऐतिहासिक पाठ” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८५४. “नारीवादी पाठ” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८५५. “लोक-पाठ” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८५६. “प्रतीक-पाठ” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८५७. “रस-पाठ” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८५८. “छन्द-पाठ” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८५९. “तुलनात्मक पाठ” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८६०. “मूल्यांकन” आधारित प्रश्नक उत्तर लिखैत विद्यार्थीकेँ कोन बात करबाक चाही?

(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक

(B) केवल अनुमान लिखबाक

(C) केवल शीर्षक दोहरयबाक

(D) उत्तर खाली छोड़बाक

८६१. “विषय”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८६२. “वक्ता”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८६३. “संरचना”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८६४. “स्वर”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८६५. “दृष्टिकोण”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८६६. “सन्दर्भ”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८६७. “अर्थ-स्तर”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८६८. “आलोचनात्मक पाठ”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८६९. “निकट पाठ”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८७०. “सौन्दर्य-बोध”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८७१. “सामाजिक पाठ”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८७२. “भाषिक पाठ”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८७३. “ऐतिहासिक पाठ”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८७४. “नारीवादी पाठ”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८७५. “लोक-पाठ”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८७६. “प्रतीक-पाठ”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८७७. “रस-पाठ”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८७८. “छन्द-पाठ”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८७९. “तुलनात्मक पाठ”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८८०. “मूल्यांकन”क सही उपयोग कविता-समीक्षामे केना होइत अछि?

(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि

(B) कविताक भाषा हटि जाइत अछि

(C) केवल पृष्ठ गिनल जाइत अछि

(D) प्रकाशक बदलि जाइत अछि

८८१. देल विकल्पमे “विषय” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) कविता जे बात वा अनुभव केन्द्रमे राखैत अछि

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८८२. देल विकल्पमे “वक्ता” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) कवितामे बोलयवला काव्य-स्वर

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८८३. देल विकल्पमे “संरचना” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) पंक्ति, खण्ड, क्रम आ आवर्तनक विन्यास

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८८४. देल विकल्पमे “स्वर” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) कविताक भावात्मक बोलबाक ढंग

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८८५. देल विकल्पमे “दृष्टिकोण” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) कविता संसारकेँ जे नजरिसँ देखैत अछि

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८८६. देल विकल्पमे “सन्दर्भ” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) कविताक सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८८७. देल विकल्पमे “अर्थ-स्तर” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) सिधा आ संकेतित अर्थक तह

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८८८. देल विकल्पमे “आलोचनात्मक पाठ” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) प्रश्न, प्रमाण आ विवेकसँ पढ़ब

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८८९. देल विकल्पमे “निकट पाठ” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) शब्द, पंक्ति, बिम्ब आ संरचना पर ध्यान

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८९०. देल विकल्पमे “सौन्दर्य-बोध” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) रूप, लय, भाषा आ भावक कलात्मक अनुभव

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८९१. देल विकल्पमे “सामाजिक पाठ” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) कविता आ समाजक सम्बन्ध देखब

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८९२. देल विकल्पमे “भाषिक पाठ” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) शब्द, वाक्य, बोली आ शैली पर ध्यान

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८९३. देल विकल्पमे “ऐतिहासिक पाठ” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) समय आ परम्परासँ कविता जोड़ि पढ़ब

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८९४. देल विकल्पमे “नारीवादी पाठ” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) स्त्री-अनुभव, सत्ता आ गरिमाक प्रश्न देखब

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८९५. देल विकल्पमे “लोक-पाठ” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) लोक-संस्कृति आ सामूहिक स्मृति पर ध्यान

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८९६. देल विकल्पमे “प्रतीक-पाठ” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) प्रतीकक बहु-अर्थी संकेत खोलब

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८९७. देल विकल्पमे “रस-पाठ” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) भावानुभूति आ आस्वादक अध्ययन

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८९८. देल विकल्पमे “छन्द-पाठ” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) लय, मात्रा, विराम आ ध्वनिक अध्ययन

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

८९९. देल विकल्पमे “तुलनात्मक पाठ” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) दोसरा काव्य वा भाषासँ तुलना

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

९००. देल विकल्पमे “मूल्यांकन” सम्बन्धी सही आलोचनात्मक कथन चुनू।

(A) तर्क आ प्रमाणसँ काव्य-महत्त्व बतायब

(B) बिना अर्थक सजावट

(C) मूल्य-तालिका

(D) छापाखानाक पता

९०१. परीक्षा-दृष्टिसँ “समकालीन मैथिली कविता-संचयनक पुस्तक-सन्दर्भ” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) सम्पादक, प्रकाशक, वर्ष आ स्वरूप

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९०२. परीक्षा-दृष्टिसँ “समकालीनताक परिभाषा” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) समय-बोध, समाज-बोध आ नव संवेदना

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९०३. परीक्षा-दृष्टिसँ “मुक्तछन्दक महत्त्व” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) नव अनुभव लेल लचीला काव्य-रूप

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९०४. परीक्षा-दृष्टिसँ “लोक-बिम्बक भूमिका” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) मिथिला-जीवनक सांस्कृतिक आधार

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९०५. परीक्षा-दृष्टिसँ “स्त्री-स्वर” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) अनुभव, अधिकार आ आत्म-चेतना

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९०६. परीक्षा-दृष्टिसँ “प्रवास-बोध” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) दूरी, स्मृति आ पहचानक संकट

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९०७. परीक्षा-दृष्टिसँ “भाषा-प्रयोग” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) बोलचाल, लोक-शब्द आ प्रतीक

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९०८. परीक्षा-दृष्टिसँ “कविता आ समाज” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) अन्याय, श्रम, समानता आ परिवर्तन

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९०९. परीक्षा-दृष्टिसँ “परम्परा आ नवता” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) पुरान धारा सँ आधुनिक संवाद

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९१०. परीक्षा-दृष्टिसँ “आलोचनात्मक उत्तर” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) प्रमाण, विवेचन आ निष्कर्ष

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९११. परीक्षा-दृष्टिसँ “प्रकृति-बिम्ब” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) धरती, जल, ऋतु आ पर्यावरण

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९१२. परीक्षा-दृष्टिसँ “शहरी अनुभव” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) भीड़, तनाव आ अकेलापन

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९१३. परीक्षा-दृष्टिसँ “गामक स्मृति” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) माटि, संबंध आ लोकजीवन

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९१४. परीक्षा-दृष्टिसँ “प्रतीक-विधान” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) दृश्य वस्तुसँ गहिर अर्थ

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९१५. परीक्षा-दृष्टिसँ “समकालीन कविता आ लोकतंत्र” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) जन-स्वर आ अधिकारक चेतना

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९१६. परीक्षा-दृष्टिसँ “कविता आ भाषा-अस्मिता” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) मातृभाषा प्रति निष्ठा

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९१७. परीक्षा-दृष्टिसँ “कविता आ श्रम” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) मेहनत आ मनुष्यक गरिमा

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९१८. परीक्षा-दृष्टिसँ “कविता आ नैतिक प्रश्न” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) सत्य, न्याय आ मनुष्यता

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९१९. परीक्षा-दृष्टिसँ “कविता-पाठक पद्धति” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) निकट पाठ आ सन्दर्भ-पाठ

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९२०. परीक्षा-दृष्टिसँ “संचयनक उपयोगिता” पर उत्तर लिखैत मुख्य बिन्दु की राखब?

(A) एक युगक विविध स्वर एकठाम देखब

(B) केवल कागजक मोटाइ

(C) केवल दुकानक नाम

(D) केवल पंक्ति गिनती

९२१. “समकालीन मैथिली कविता-संचयनक पुस्तक-सन्दर्भ” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९२२. “समकालीनताक परिभाषा” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९२३. “मुक्तछन्दक महत्त्व” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९२४. “लोक-बिम्बक भूमिका” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९२५. “स्त्री-स्वर” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९२६. “प्रवास-बोध” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९२७. “भाषा-प्रयोग” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९२८. “कविता आ समाज” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९२९. “परम्परा आ नवता” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९३०. “आलोचनात्मक उत्तर” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९३१. “प्रकृति-बिम्ब” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९३२. “शहरी अनुभव” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९३३. “गामक स्मृति” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९३४. “प्रतीक-विधान” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९३५. “समकालीन कविता आ लोकतंत्र” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९३६. “कविता आ भाषा-अस्मिता” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९३७. “कविता आ श्रम” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९३८. “कविता आ नैतिक प्रश्न” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९३९. “कविता-पाठक पद्धति” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९४०. “संचयनक उपयोगिता” विषयक लघु-उत्तरमे विद्यार्थीकेँ कोन पद्धति अपनाबय चाही?

(A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष

(B) अनुमान, असंगति आ मौन

(C) केवल शीर्षक

(D) केवल मूल्य

९४१. “समकालीन मैथिली कविता-संचयनक पुस्तक-सन्दर्भ” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९४२. “समकालीनताक परिभाषा” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९४३. “मुक्तछन्दक महत्त्व” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९४४. “लोक-बिम्बक भूमिका” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९४५. “स्त्री-स्वर” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९४६. “प्रवास-बोध” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९४७. “भाषा-प्रयोग” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९४८. “कविता आ समाज” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९४९. “परम्परा आ नवता” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९५०. “आलोचनात्मक उत्तर” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९५१. “प्रकृति-बिम्ब” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९५२. “शहरी अनुभव” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९५३. “गामक स्मृति” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९५४. “प्रतीक-विधान” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९५५. “समकालीन कविता आ लोकतंत्र” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९५६. “कविता आ भाषा-अस्मिता” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९५७. “कविता आ श्रम” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९५८. “कविता आ नैतिक प्रश्न” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९५९. “कविता-पाठक पद्धति” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९६०. “संचयनक उपयोगिता” पर दीर्घ-उत्तरक सबसे जरूरी गुण की अछि?

(A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन

(B) बिना क्रमक पंक्ति

(C) केवल नामावली

(D) असंबद्ध कथन

९६१. “समकालीन मैथिली कविता-संचयनक पुस्तक-सन्दर्भ” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९६२. “समकालीनताक परिभाषा” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९६३. “मुक्तछन्दक महत्त्व” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९६४. “लोक-बिम्बक भूमिका” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९६५. “स्त्री-स्वर” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९६६. “प्रवास-बोध” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९६७. “भाषा-प्रयोग” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९६८. “कविता आ समाज” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९६९. “परम्परा आ नवता” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९७०. “आलोचनात्मक उत्तर” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९७१. “प्रकृति-बिम्ब” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९७२. “शहरी अनुभव” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९७३. “गामक स्मृति” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९७४. “प्रतीक-विधान” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९७५. “समकालीन कविता आ लोकतंत्र” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९७६. “कविता आ भाषा-अस्मिता” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९७७. “कविता आ श्रम” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९७८. “कविता आ नैतिक प्रश्न” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९७९. “कविता-पाठक पद्धति” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९८०. “संचयनक उपयोगिता” पढ़ैत समकालीन कविताक व्यापकता कोना स्पष्ट होइत अछि?

(A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण

(B) केवल एक रंगक जिल्दसँ

(C) केवल पृष्ठ कम हेबाक कारण

(D) केवल दाम लिखल रहबाक कारण

९८१. देल विकल्पमे “समकालीन मैथिली कविता-संचयनक पुस्तक-सन्दर्भ” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९८२. देल विकल्पमे “समकालीनताक परिभाषा” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९८३. देल विकल्पमे “मुक्तछन्दक महत्त्व” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९८४. देल विकल्पमे “लोक-बिम्बक भूमिका” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९८५. देल विकल्पमे “स्त्री-स्वर” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९८६. देल विकल्पमे “प्रवास-बोध” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९८७. देल विकल्पमे “भाषा-प्रयोग” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९८८. देल विकल्पमे “कविता आ समाज” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९८९. देल विकल्पमे “परम्परा आ नवता” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९९०. देल विकल्पमे “आलोचनात्मक उत्तर” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९९१. देल विकल्पमे “प्रकृति-बिम्ब” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९९२. देल विकल्पमे “शहरी अनुभव” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९९३. देल विकल्पमे “गामक स्मृति” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९९४. देल विकल्पमे “प्रतीक-विधान” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९९५. देल विकल्पमे “समकालीन कविता आ लोकतंत्र” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९९६. देल विकल्पमे “कविता आ भाषा-अस्मिता” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९९७. देल विकल्पमे “कविता आ श्रम” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९९८. देल विकल्पमे “कविता आ नैतिक प्रश्न” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

९९९. देल विकल्पमे “कविता-पाठक पद्धति” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

१०००. देल विकल्पमे “संचयनक उपयोगिता” सम्बन्धी सही परीक्षा-युक्ति चुनू।

(A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान

(B) केवल नाम रटब

(C) केवल प्रकाशक रटब

(D) उत्तरमे व्याख्या नहि देब

उत्तरमाला — अध्याय २ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. **(A) कविता-संचयन** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे ई ग्रन्थ कविता-संचयन रूपमे देल गेल अछि।

२. **(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा** — एहि संचयनक सम्पादन मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा द्वारा कएल गेल अछि।

३. **(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली** — ग्रन्थ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक मैथिली प्रकाशन-सूचीमे अछि।

४. **(A) ११६** — सूचीमे एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या ११६ देल गेल अछि।

५. **(A) १९९८** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे प्रथम प्रकाशन १९९८ देल गेल अछि।

६. **(A) २००९** — सूचीमे पुनर्मुद्रण २००९ देल गेल अछि।

७. **(A) ८० टका** — सूचीमे मूल्य ८० टका देल गेल अछि।

८. **(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. ९७८-८१-२६०-२७३२-३ अछि।

९. **(A) चयनित रचनासभक संग्रह** — संचयनमे अनेक रचनासभकेँ चयन कऽ एकठाम राखल जाइत अछि।

१०. **(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना** — समकालीन शब्द वर्तमान/निकट आधुनिक समयक चेतना, प्रश्न आ शिल्पक संकेत दैत अछि।

११. **(A) कविता-संचयन** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे ई ग्रन्थ कविता-संचयन रूपमे देल गेल अछि।

१२. **(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा** — एहि संचयनक सम्पादन मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा द्वारा कएल गेल अछि।

१३. **(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली** — ग्रन्थ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक मैथिली प्रकाशन-सूचीमे अछि।

१४. **(A) ११६** — सूचीमे एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या ११६ देल गेल अछि।

१५. **(A) १९९८** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे प्रथम प्रकाशन १९९८ देल गेल अछि।

१६. **(A) २००९** — सूचीमे पुनर्मुद्रण २००९ देल गेल अछि।

१७. **(A) ८० टका** — सूचीमे मूल्य ८० टका देल गेल अछि।

१८. **(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. ९७८-८१-२६०-२७३२-३ अछि।

१९. **(A) चयनित रचनासभक संग्रह** — संचयनमे अनेक रचनासभकेँ चयन कऽ एकठाम राखल जाइत अछि।

२०. **(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना** — समकालीन शब्द वर्तमान/निकट आधुनिक समयक चेतना, प्रश्न आ शिल्पक संकेत दैत अछि।

२१. **(A) कविता-संचयन** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे ई ग्रन्थ कविता-संचयन रूपमे देल गेल अछि।

२२. **(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा** — एहि संचयनक सम्पादन मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा द्वारा कएल गेल अछि।

२३. **(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली** — ग्रन्थ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक मैथिली प्रकाशन-सूचीमे अछि।

२४. **(A) ११६** — सूचीमे एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या ११६ देल गेल अछि।

२५. **(A) १९९८** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे प्रथम प्रकाशन १९९८ देल गेल अछि।

२६. **(A) २००९** — सूचीमे पुनर्मुद्रण २००९ देल गेल अछि।

२७. **(A) ८० टका** — सूचीमे मूल्य ८० टका देल गेल अछि।

२८. **(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. ९७८-८१-२६०-२७३२-३ अछि।

२९. **(A) चयनित रचनासभक संग्रह** — संचयनमे अनेक रचनासभकेँ चयन कऽ एकठाम राखल जाइत अछि।

३०. **(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना** — समकालीन शब्द वर्तमान/निकट आधुनिक समयक चेतना, प्रश्न आ शिल्पक संकेत दैत अछि।

३१. **(A) कविता-संचयन** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे ई ग्रन्थ कविता-संचयन रूपमे देल गेल अछि।

३२. **(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा** — एहि संचयनक सम्पादन मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा द्वारा कएल गेल अछि।

३३. **(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली** — ग्रन्थ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक मैथिली प्रकाशन-सूचीमे अछि।

३४. **(A) ११६** — सूचीमे एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या ११६ देल गेल अछि।

३५. **(A) १९९८** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे प्रथम प्रकाशन १९९८ देल गेल अछि।

३६. **(A) २००९** — सूचीमे पुनर्मुद्रण २००९ देल गेल अछि।

३७. **(A) ८० टका** — सूचीमे मूल्य ८० टका देल गेल अछि।

३८. **(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. ९७८-८१-२६०-२७३२-३ अछि।

३९. **(A) चयनित रचनासभक संग्रह** — संचयनमे अनेक रचनासभकेँ चयन कऽ एकठाम राखल जाइत अछि।

४०. **(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना** — समकालीन शब्द वर्तमान/निकट आधुनिक समयक चेतना, प्रश्न आ शिल्पक संकेत दैत अछि।

४१. **(A) कविता-संचयन** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे ई ग्रन्थ कविता-संचयन रूपमे देल गेल अछि।

४२. **(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा** — एहि संचयनक सम्पादन मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा द्वारा कएल गेल अछि।

४३. **(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली** — ग्रन्थ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक मैथिली प्रकाशन-सूचीमे अछि।

४४. **(A) ११६** — सूचीमे एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या ११६ देल गेल अछि।

४५. **(A) १९९८** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे प्रथम प्रकाशन १९९८ देल गेल अछि।

४६. **(A) २००९** — सूचीमे पुनर्मुद्रण २००९ देल गेल अछि।

४७. **(A) ८० टका** — सूचीमे मूल्य ८० टका देल गेल अछि।

४८. **(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. ९७८-८१-२६०-२७३२-३ अछि।

४९. **(A) चयनित रचनासभक संग्रह** — संचयनमे अनेक रचनासभकेँ चयन कऽ एकठाम राखल जाइत अछि।

५०. **(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना** — समकालीन शब्द वर्तमान/निकट आधुनिक समयक चेतना, प्रश्न आ शिल्पक संकेत दैत अछि।

५१. **(A) कविता-संचयन** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे ई ग्रन्थ कविता-संचयन रूपमे देल गेल अछि।

५२. **(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा** — एहि संचयनक सम्पादन मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा द्वारा कएल गेल अछि।

५३. **(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली** — ग्रन्थ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक मैथिली प्रकाशन-सूचीमे अछि।

५४. **(A) ११६** — सूचीमे एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या ११६ देल गेल अछि।

५५. **(A) १९९८** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे प्रथम प्रकाशन १९९८ देल गेल अछि।

५६. **(A) २००९** — सूचीमे पुनर्मुद्रण २००९ देल गेल अछि।

५७. **(A) ८० टका** — सूचीमे मूल्य ८० टका देल गेल अछि।

५८. **(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. ९७८-८१-२६०-२७३२-३ अछि।

५९. **(A) चयनित रचनासभक संग्रह** — संचयनमे अनेक रचनासभकेँ चयन कऽ एकठाम राखल जाइत अछि।

६०. **(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना** — समकालीन शब्द वर्तमान/निकट आधुनिक समयक चेतना, प्रश्न आ शिल्पक संकेत दैत अछि।

६१. **(A) कविता-संचयन** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे ई ग्रन्थ कविता-संचयन रूपमे देल गेल अछि।

६२. **(A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा** — एहि संचयनक सम्पादन मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा द्वारा कएल गेल अछि।

६३. **(A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली** — ग्रन्थ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक मैथिली प्रकाशन-सूचीमे अछि।

६४. **(A) ११६** — सूचीमे एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या ११६ देल गेल अछि।

६५. **(A) १९९८** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे प्रथम प्रकाशन १९९८ देल गेल अछि।

६६. **(A) २००९** — सूचीमे पुनर्मुद्रण २००९ देल गेल अछि।

६७. **(A) ८० टका** — सूचीमे मूल्य ८० टका देल गेल अछि।

६८. **(A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३** — साहित्य अकादेमीक सूचीमे एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. ९७८-८१-२६०-२७३२-३ अछि।

६९. **(A) चयनित रचनासभक संग्रह** — संचयनमे अनेक रचनासभकेँ चयन कऽ एकठाम राखल जाइत अछि।

७०. **(A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना** — समकालीन शब्द वर्तमान/निकट आधुनिक समयक चेतना, प्रश्न आ शिल्पक संकेत दैत अछि।

७१. (A) कविता-संचयन — साहित्य अकादेमीक सूचीमे ई ग्रन्थ कविता-संचयन रूपमे देल गेल अछि।

७२. (A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा — एहि संचयनक सम्पादन मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा द्वारा कएल गेल अछि।

७३. (A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली — ग्रन्थ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक मैथिली प्रकाशन-सूचीमे अछि।

७४. (A) ११६ — सूचीमे एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या ११६ देल गेल अछि।

७५. (A) १९९८ — साहित्य अकादेमीक सूचीमे प्रथम प्रकाशन १९९८ देल गेल अछि।

७६. (A) २००९ — सूचीमे पुनर्मुद्रण २००९ देल गेल अछि।

७७. (A) ८० टका — सूचीमे मूल्य ८० टका देल गेल अछि।

७८. (A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३ — साहित्य अकादेमीक सूचीमे एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. ९७८-८१-२६०-२७३२-३ अछि।

७९. (A) चयनित रचनासभक संग्रह — संचयनमे अनेक रचनासभकेँ चयन कऽ एकठाम राखल जाइत अछि।

८०. (A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना — समकालीन शब्द वर्तमान/निकट आधुनिक समयक चेतना, प्रश्न आ शिल्पक संकेत दैत अछि।

८१. (A) कविता-संचयन — साहित्य अकादेमीक सूचीमे ई ग्रन्थ कविता-संचयन रूपमे देल गेल अछि।

८२. (A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा — एहि संचयनक सम्पादन मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा द्वारा कएल गेल अछि।

८३. (A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली — ग्रन्थ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक मैथिली प्रकाशन-सूचीमे अछि।

८४. (A) ११६ — सूचीमे एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या ११६ देल गेल अछि।

८५. (A) १९९८ — साहित्य अकादेमीक सूचीमे प्रथम प्रकाशन १९९८ देल गेल अछि।

८६. (A) २००९ — सूचीमे पुनर्मुद्रण २००९ देल गेल अछि।

८७. (A) ८० टका — सूचीमे मूल्य ८० टका देल गेल अछि।

८८. (A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३ — साहित्य अकादेमीक सूचीमे एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. ९७८-८१-२६०-२७३२-३ अछि।

८९. (A) चयनित रचनासभक संग्रह — संचयनमे अनेक रचनासभकेँ चयन कऽ एकठाम राखल जाइत अछि।

९०. (A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना — समकालीन शब्द वर्तमान/निकट आधुनिक समयक चेतना, प्रश्न आ शिल्पक संकेत दैत अछि।

९१. (A) कविता-संचयन — साहित्य अकादेमीक सूचीमे ई ग्रन्थ कविता-संचयन रूपमे देल गेल अछि।

९२. (A) मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा — एहि संचयनक सम्पादन मोहन भारद्वाज आ भीमनाथ झा द्वारा कएल गेल अछि।

९३. (A) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली — ग्रन्थ साहित्य अकादेमी, नई दिल्लीक मैथिली प्रकाशन-सूचीमे अछि।

९४. (A) ११६ — सूचीमे एहि संचयनक पृष्ठ-संख्या ११६ देल गेल अछि।

९५. (A) १९९८ — साहित्य अकादेमीक सूचीमे प्रथम प्रकाशन १९९८ देल गेल अछि।

९६. (A) २००९ — सूचीमे पुनर्मुद्रण २००९ देल गेल अछि।

९७. (A) ८० टका — सूचीमे मूल्य ८० टका देल गेल अछि।

९८. (A) ९७८-८१-२६०-२७३२-३ — साहित्य अकादेमीक सूचीमे एहि संचयनक आई.एस.बी.एन. ९७८-८१-२६०-२७३२-३ अछि।

९९. (A) चयनित रचनासभक संग्रह — संचयनमे अनेक रचनासभकेँ चयन कऽ एकठाम राखल जाइत अछि।

१००. (A) आधुनिक समयक काव्य-चेतना — समकालीन शब्द वर्तमान/निकट आधुनिक समयक चेतना, प्रश्न आ शिल्पक संकेत दैत अछि।

१०१. (A) समाज, समय आ व्यक्ति-चेतनाक जीवित सम्बन्ध — “समकालीनता” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे समाज, समय आ व्यक्ति-चेतनाक जीवित सम्बन्ध दिस संकेत करैत अछि।

१०२. (A) पुरान रूढ़ि पर प्रश्न करैत नव बोध — “आधुनिकता” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे पुरान रूढ़ि पर प्रश्न करैत नव बोध दिस संकेत करैत अछि।

१०३. (A) कविक निजी अनुभव आ आत्म-संवाद — “व्यक्ति-स्वर” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे कविक निजी अनुभव आ आत्म-संवाद दिस संकेत करैत अछि।

१०४. (A) गाम, खेत, लोक-रीति आ बोलीक उपस्थिति — “लोक-धरातल” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे गाम, खेत, लोक-रीति आ बोलीक उपस्थिति दिस संकेत करैत अछि।

१०५. (A) अन्याय, शोषण आ असमानता विरुद्ध काव्य-स्वर — “प्रतिरोध” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे अन्याय, शोषण आ असमानता विरुद्ध काव्य-स्वर दिस संकेत करैत अछि।

१०६. (A) बीतल अनुभवक भावात्मक पुनरावर्तन — “स्मृति” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे बीतल अनुभवक भावात्मक पुनरावर्तन दिस संकेत करैत अछि।

१०७. (A) ठाम, समाज वा मनसँ अलग पड़बाक अनुभूति — “विस्थापन” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे ठाम, समाज वा मनसँ अलग पड़बाक अनुभूति दिस संकेत करैत अछि।

१०८. (A) शहरक भीड़, अकेलापन आ संघर्षक अनुभव — “नगरीय तनाव” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे शहरक भीड़, अकेलापन आ संघर्षक अनुभव दिस संकेत करैत अछि।

१०९. (A) प्रकृति, जल, गाछ आ धरतीक रक्षा-बोध — “पर्यावरण-चिन्ता” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे प्रकृति, जल, गाछ आ धरतीक रक्षा-बोध दिस संकेत करैत अछि।

११०. (A) स्त्री-अनुभव, गरिमा आ आत्म-स्वरक प्रतिष्ठा — “स्त्री-चेतना” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे स्त्री-अनुभव, गरिमा आ आत्म-स्वरक प्रतिष्ठा दिस संकेत करैत अछि।

१११. (A) समकालीन दृष्टि — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

११२. (A) समकालीन दृष्टि — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

११३. (A) समकालीन दृष्टि — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

११४. (A) समकालीन दृष्टि — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

११५. (A) समकालीन दृष्टि — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

११६. (A) समकालीन दृष्टि — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

११७. (A) समकालीन दृष्टि — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

११८. (A) समकालीन दृष्टि — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

११९. (A) समकालीन दृष्टि — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

१२०. (A) समकालीन दृष्टि — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

१२१. (A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१२२. (A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१२३. (A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१२४. (A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१२५. (A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१२६. (A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१२७. (A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१२८. (A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१२९. (A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१३०. (A) नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१३१. (A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१३२. (A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१३३. (A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१३४. (A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१३५. (A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१३६. (A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१३७. (A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१३८. (A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१३९. (A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१४०. (A) कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१४१. (A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल — कविता समकालीनताकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१४२. (A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल — कविता आधुनिकताकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१४३. (A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल — कविता व्यक्ति-स्वरकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१४४. (A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल — कविता लोक-धरातलकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१४५. (A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल — कविता प्रतिरोधकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१४६. (A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल — कविता स्मृतिकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१४७. (A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल — कविता विस्थापनकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१४८. (A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल — कविता नगरीय तनावकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१४९. (A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल — कविता पर्यावरण-चिन्ताकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१५०. (A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल — कविता स्त्री-चेतनाकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१५१. (A) समाज, समय आ व्यक्ति-चेतनाक जीवित सम्बन्ध — “समकालीनता” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे समाज, समय आ व्यक्ति-चेतनाक जीवित सम्बन्ध दिस संकेत करैत अछि।

१५२. (A) पुरान रूढ़ि पर प्रश्न करैत नव बोध — “आधुनिकता” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे पुरान रूढ़ि पर प्रश्न करैत नव बोध दिस संकेत करैत अछि।

१५३. (A) कविक निजी अनुभव आ आत्म-संवाद — “व्यक्ति-स्वर” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे कविक निजी अनुभव आ आत्म-संवाद दिस संकेत करैत अछि।

१५४. (A) गाम, खेत, लोक-रीति आ बोलीक उपस्थिति — “लोक-धरातल” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे गाम, खेत, लोक-रीति आ बोलीक उपस्थिति दिस संकेत करैत अछि।

१५५. (A) अन्याय, शोषण आ असमानता विरुद्ध काव्य-स्वर — “प्रतिरोध” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे अन्याय, शोषण आ असमानता विरुद्ध काव्य-स्वर दिस संकेत करैत अछि।

१५६. (A) बीतल अनुभवक भावात्मक पुनरावर्तन — “स्मृति” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे बीतल अनुभवक भावात्मक पुनरावर्तन दिस संकेत करैत अछि।

१५७. (A) ठाम, समाज वा मनसँ अलग पड़बाक अनुभूति — “विस्थापन” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे ठाम, समाज वा मनसँ अलग पड़बाक अनुभूति दिस संकेत करैत अछि।

१५८. (A) शहरक भीड़, अकेलापन आ संघर्षक अनुभव — “नगरीय तनाव” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे शहरक भीड़, अकेलापन आ संघर्षक अनुभव दिस संकेत करैत अछि।

१५९. (A) प्रकृति, जल, गाछ आ धरतीक रक्षा-बोध — “पर्यावरण-चिन्ता” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे प्रकृति, जल, गाछ आ धरतीक रक्षा-बोध दिस संकेत करैत अछि।

१६०. (A) स्त्री-अनुभव, गरिमा आ आत्म-स्वरक प्रतिष्ठा — “स्त्री-चेतना” आधुनिक काव्य-चेतनाक एकटा महत्त्वपूर्ण पक्ष अछि, जे स्त्री-अनुभव, गरिमा आ आत्म-स्वरक प्रतिष्ठा दिस संकेत करैत अछि।

१६१. (A) समकालीन दृष्टि — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

१६२. (A) **समकालीन दृष्टि** — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

१६३. (A) **समकालीन दृष्टि** — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

१६४. (A) **समकालीन दृष्टि** — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

१६५. (A) **समकालीन दृष्टि** — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

१६६. (A) **समकालीन दृष्टि** — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

१६७. (A) **समकालीन दृष्टि** — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

१६८. (A) **समकालीन दृष्टि** — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

१६९. (A) **समकालीन दृष्टि** — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

१७०. (A) **समकालीन दृष्टि** — समकालीन कविता अपन समयक प्रश्न, संकट, आकांक्षा आ संघर्षकेँ काव्यरूप दैत अछि।

१७१. (A) **नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ** — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१७२. (A) **नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ** — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१७३. (A) **नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ** — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१७४. (A) **नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ** — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१७५. (A) **नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ** — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१७६. (A) **नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ** — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१७७. (A) **नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ** — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१७८. (A) **नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ** — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१७९. (A) **नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ** — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१८०. (A) **नव प्रसंग, नव भाषा आ नव संवेदनासँ** — समकालीनता विषयक उमेरसँ नहि, ओकर नव अर्थ-सम्बन्ध आ नव संवेदनासँ बनैत अछि।

१८१. (A) **कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि** — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१८२. (A) **कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि** — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१८३. (A) **कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि** — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१८४. (A) **कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि** — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१८५. (A) **कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि** — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१८६. (A) **कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि** — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१८७. (A) **कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि** — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१८८. (A) **कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि** — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१८९. (A) **कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि** — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१९०. (A) **कविता अपन युगक दबाव आ आकांक्षा देखबैत अछि** — समय-बोधसँ कविता आ समाजक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।

१९१. (A) **जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल** — कविता समकालीनताकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१९२. (A) **जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल** — कविता आधुनिकताकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१९३. (A) **जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल** — कविता व्यक्ति-स्वरकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१९४. (A) **जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल** — कविता लोक-धरातलकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१९५. (A) **जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल** — कविता प्रतिरोधकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१९६. (A) **जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल** — कविता स्मृतिकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१९७. (A) **जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल** — कविता विस्थापनकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१९८. **(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल** — कविता नगरीय तनावकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

१९९. **(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल** — कविता पर्यावरण-चिन्ताकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

२००. **(A) जीवन आ समाजकेँ संवेदनशील नजरिसँ देखय लेल** — कविता स्त्री-चेतनाकेँ अनुभव आ विचार दुनू रूपमे सामने आनैत अछि।

२०१. **(A) अभाव, श्रम आ असमानताक अनुभूति** — "गरीबी" विषय कवितामे अभाव, श्रम आ असमानताक अनुभूति केँ सामने आनैत अछि।

२०२. **(A) घर-गामसँ दूर रहबाक पीड़ा आ स्मृति** — "प्रवास" विषय कवितामे घर-गामसँ दूर रहबाक पीड़ा आ स्मृति केँ सामने आनैत अछि।

२०३. **(A) माटि, खेती आ ऋतु-संघर्ष** — "किसान-जीवन" विषय कवितामे माटि, खेती आ ऋतु-संघर्ष केँ सामने आनैत अछि।

२०४. **(A) आत्मसम्मान, श्रम आ बोलबाक अधिकार** — "स्त्री-अनुभव" विषय कवितामे आत्मसम्मान, श्रम आ बोलबाक अधिकार केँ सामने आनैत अछि।

२०५. **(A) आशा, बेरोजगारी आ पहचानक संघर्ष** — "युवा-द्वंद्व" विषय कवितामे आशा, बेरोजगारी आ पहचानक संघर्ष केँ सामने आनैत अछि।

२०६. **(A) मातृभाषाक सम्मान आ रचनात्मक आस्था** — "भाषा-प्रेम" विषय कवितामे मातृभाषाक सम्मान आ रचनात्मक आस्था केँ सामने आनैत अछि।

२०७. **(A) रीति, गीत, कथा आ सामुदायिक स्मृति** — "लोक-संस्कृति" विषय कवितामे रीति, गीत, कथा आ सामुदायिक स्मृति केँ सामने आनैत अछि।

२०८. **(A) सत्ता, नागरिकता आ न्यायक प्रश्न** — "राजनीतिक चेतना" विषय कवितामे सत्ता, नागरिकता आ न्यायक प्रश्न केँ सामने आनैत अछि।

२०९. **(A) धरती, नदी, गाछ, ऋतु आ जीवित सौन्दर्य** — "प्रकृति" विषय कवितामे धरती, नदी, गाछ, ऋतु आ जीवित सौन्दर्य केँ सामने आनैत अछि।

२१०. **(A) भीतरक प्रश्न, भय, आशा आ जिजीविषा** — "आत्म-संघर्ष" विषय कवितामे भीतरक प्रश्न, भय, आशा आ जिजीविषा केँ सामने आनैत अछि।

२११. **(A) समानता आ मनुष्य-गरिमाक प्रश्न** — "जाति-विमर्श" विषय कवितामे समानता आ मनुष्य-गरिमाक प्रश्न केँ सामने आनैत अछि।

२१२. **(A) परिवार, पड़ोस, मेल-जोल आ तनाव** — "सामुदायिक जीवन" विषय कवितामे परिवार, पड़ोस, मेल-जोल आ तनाव केँ सामने आनैत अछि।

२१३. **(A) मूल्य, लोभ, छल आ मनुष्यत्वक परीक्षा** — "नैतिक संकट" विषय कवितामे मूल्य, लोभ, छल आ मनुष्यत्वक परीक्षा केँ सामने आनैत अछि।

२१४. **(A) आत्मिक निकटता, स्मृति आ विरह** — "प्रेम" विषय कवितामे आत्मिक निकटता, स्मृति आ विरह केँ सामने आनैत अछि।

२१५. **(A) भीड़, अकेलापन, बाज़ार आ गति** — "शहर" विषय कवितामे भीड़, अकेलापन, बाज़ार आ गति केँ सामने आनैत अछि।

२१६. **(A) माटि, संबंध, श्रम, बोली आ लोक-स्मृति** — "गाम" विषय कवितामे माटि, संबंध, श्रम, बोली आ लोक-स्मृति केँ सामने आनैत अछि।

२१७. **(A) देहक मेहनत, रोटी आ सम्मान** — "श्रम" विषय कवितामे देहक मेहनत, रोटी आ सम्मान केँ सामने आनैत अछि।

२१८. **(A) मनुष्यक बराबरी आ सामाजिक न्याय** — "समानता" विषय कवितामे मनुष्यक बराबरी आ सामाजिक न्याय केँ सामने आनैत अछि।

२१९. **(A) पुरान अनुभवक नव अर्थमे वापसी** — "स्मृति-बोध" विषय कवितामे पुरान अनुभवक नव अर्थमे वापसी केँ सामने आनैत अछि।

२२०. **(A) आशा, निर्माण आ परिवर्तनक आकांक्षा** — "भविष्य-दृष्टि" विषय कवितामे आशा, निर्माण आ परिवर्तनक आकांक्षा केँ सामने आनैत अछि।

२२१. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता अभाव, श्रम आ असमानताक अनुभूतिक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२२२. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता घर-गामसँ दूर रहबाक पीड़ा आ स्मृतिक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२२३. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता माटि, खेती आ ऋतु-संघर्षक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२२४. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता आत्मसम्मान, श्रम आ बोलबाक अधिकारक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२२५. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता आशा, बेरोजगारी आ पहचानक संघर्षक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२२६. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता मातृभाषाक सम्मान आ रचनात्मक आस्थाक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२२७. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता रीति, गीत, कथा आ सामुदायिक स्मृतिक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२२८. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता सत्ता, नागरिकता आ न्यायक प्रश्नक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२२९. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता धरती, नदी, गाछ, ऋतु आ जीवित सौन्दर्यक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२३०. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता भीतरक प्रश्न, भय, आशा आ जिजीविषाक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२३१. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता समानता आ मनुष्य-गरिमाक प्रश्नक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२३२. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता परिवार, पड़ोस, मेल-जोल आ तनावक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२३३. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता मूल्य, लोभ, छल आ मनुष्यत्वक परीक्षाक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२३४. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता आत्मिक निकटता, स्मृति आ विरहक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२३५. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता भीड़, अकेलापन, बाज़ार आ गतिक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२३६. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता माटि, संबंध, श्रम, बोली आ लोक-स्मृतिक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२३७. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता देहक मेहनत, रोटी आ सम्मानक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२३८. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता मनुष्यक बराबरी आ सामाजिक न्यायक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२३९. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता पुरान अनुभवक नव अर्थमे वापसीक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२४०. **(A) मानवीय आ सामाजिक संवेदना** — एहन कविता आशा, निर्माण आ परिवर्तनक आकांक्षाक माध्यमे मानवीय संवेदना विकसित करैत अछि।

२४१. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२४२. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२४३. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२४४. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२४५. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२४६. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२४७. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२४८. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२४९. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२५०. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२५१. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२५२. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२५३. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२५४. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२५५. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२५६. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२५७. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२५८. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२५९. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२६०. **(A) अनुभूति आ विचारक काव्य-विषय** — कविता विषयकेँ अनुभूति, बिम्ब, भाषा आ विचारक संग जोड़ैत अछि।

२६१. **(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी** — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२६२. **(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी** — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२६३. **(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी** — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२६४. **(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी** — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२६५. **(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी** — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२६६. **(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी** — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२६७. **(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी** — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२६८. **(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी** — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२६९. **(A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी** — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२७०. (A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२७१. (A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२७२. (A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२७३. (A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२७४. (A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२७५. (A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२७६. (A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२७७. (A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२७८. (A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२७९. (A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२८०. (A) मनुष्यक स्थिति आ समाजक जिम्मेदारी — काव्य-विषय समाज आ मनुष्यक गहिर प्रश्नसँ जुड़ैत अछि।

२८१. (A) अभाव, श्रम आ असमानताक अनुभूति — सही उत्तर अभाव, श्रम आ असमानताक अनुभूति अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२८२. (A) घर-गामसँ दूर रहबाक पीड़ा आ स्मृति — सही उत्तर घर-गामसँ दूर रहबाक पीड़ा आ स्मृति अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२८३. (A) माटि, खेती आ ऋतु-संघर्ष — सही उत्तर माटि, खेती आ ऋतु-संघर्ष अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२८४. (A) आत्मसम्मान, श्रम आ बोलबाक अधिकार — सही उत्तर आत्मसम्मान, श्रम आ बोलबाक अधिकार अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२८५. (A) आशा, बेरोजगारी आ पहचानक संघर्ष — सही उत्तर आशा, बेरोजगारी आ पहचानक संघर्ष अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२८६. (A) मातृभाषाक सम्मान आ रचनात्मक आस्था — सही उत्तर मातृभाषाक सम्मान आ रचनात्मक आस्था अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२८७. (A) रीति, गीत, कथा आ सामुदायिक स्मृति — सही उत्तर रीति, गीत, कथा आ सामुदायिक स्मृति अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२८८. (A) सत्ता, नागरिकता आ न्यायक प्रश्न — सही उत्तर सत्ता, नागरिकता आ न्यायक प्रश्न अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२८९. (A) धरती, नदी, गाछ, ऋतु आ जीवित सौन्दर्य — सही उत्तर धरती, नदी, गाछ, ऋतु आ जीवित सौन्दर्य अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२९०. (A) भीतरक प्रश्न, भय, आशा आ जिजीविषा — सही उत्तर भीतरक प्रश्न, भय, आशा आ जिजीविषा अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२९१. (A) समानता आ मनुष्य-गरिमाक प्रश्न — सही उत्तर समानता आ मनुष्य-गरिमाक प्रश्न अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२९२. (A) परिवार, पड़ोस, मेल-जोल आ तनाव — सही उत्तर परिवार, पड़ोस, मेल-जोल आ तनाव अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२९३. (A) मूल्य, लोभ, छल आ मनुष्यत्वक परीक्षा — सही उत्तर मूल्य, लोभ, छल आ मनुष्यत्वक परीक्षा अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२९४. (A) आत्मिक निकटता, स्मृति आ विरह — सही उत्तर आत्मिक निकटता, स्मृति आ विरह अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२९५. (A) भीड़, अकेलापन, बाज़ार आ गति — सही उत्तर भीड़, अकेलापन, बाज़ार आ गति अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२९६. (A) माटि, संबंध, श्रम, बोली आ लोक-स्मृति — सही उत्तर माटि, संबंध, श्रम, बोली आ लोक-स्मृति अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२९७. (A) देहक मेहनत, रोटी आ सम्मान — सही उत्तर देहक मेहनत, रोटी आ सम्मान अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२९८. (A) मनुष्यक बराबरी आ सामाजिक न्याय — सही उत्तर मनुष्यक बराबरी आ सामाजिक न्याय अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

२९९. (A) पुरान अनुभवक नव अर्थमे वापसी — सही उत्तर पुरान अनुभवक नव अर्थमे वापसी अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

३००. (A) आशा, निर्माण आ परिवर्तनक आकांक्षा — सही उत्तर आशा, निर्माण आ परिवर्तनक आकांक्षा अछि, कारण ई विषय कविता-संवेदनाकेँ विस्तार दैत अछि।

३०१. (A) दृश्य, ध्वनि वा अनुभूतिक सजीव चित्र — "बिम्ब" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ दृश्य, ध्वनि वा अनुभूतिक सजीव चित्र अछि।

३०२. (A) कुनो व्यापक अर्थक संकेत करयवला रूप — "प्रतीक" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ कुनो व्यापक अर्थक संकेत करयवला रूप अछि।

३०३. (A) उपमेय-उपमानक अभेदात्मक प्रस्तुति — "रूपक" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ उपमेय-उपमानक अभेदात्मक प्रस्तुति अछि।

३०४. (A) समानता आधारित तुलना — "उपमा" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ समानता आधारित तुलना अछि।

३०५. (A) जन-जीवनमे चलैत जीवित शब्द — "लोक-शब्द" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ जन-जीवनमे चलैत जीवित शब्द अछि।

३०६. (A) कम शब्दमे तीव्र अर्थक प्रस्तुति — "संक्षिप्तता" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ कम शब्दमे तीव्र अर्थक प्रस्तुति अछि।

३०७. (A) सिधा अर्थसँ आगू छिपल अर्थ-संकेत — "व्यंजना" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ सिधा अर्थसँ आगू छिपल अर्थ-संकेत अछि।

३०८. (A) ध्वनि आ प्रवाहक संगीतात्मक संगठन — "लयात्मकता" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ ध्वनि आ प्रवाहक संगीतात्मक संगठन अछि।

३०९. (A) सीधा नहि, मोड़दार अर्थक प्रस्तुति — "वक्रता" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ सीधा नहि, मोड़दार अर्थक प्रस्तुति अछि।

३१०. (A) कविता आ पाठक/समाजक बीच संवाद — "संवादिता" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ कविता आ पाठक/समाजक बीच संवाद अछि।

३११. (A) जीवित जनभाषाक सहज प्रयोग — "बोलचाल" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ जीवित जनभाषाक सहज प्रयोग अछि।

३१२. (A) कटु सत्यकेँ संकेत, उलटबाँसी वा हँसीमे कहब — "व्यंग्य" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ कटु सत्यकेँ संकेत, उलटबाँसी वा हँसीमे कहब अछि।

३१३. (A) नहि कहल बातक अर्थपूर्ण उपस्थिति — "मौन" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ नहि कहल बातक अर्थपूर्ण उपस्थिति अछि।

३१४. (A) शब्द द्वारा दृश्य बनयबाक शक्ति — "चित्रात्मकता" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ शब्द द्वारा दृश्य बनयबाक शक्ति अछि।

३१५. (A) स्वर, व्यंजन आ पुनरुक्तिसँ बनल प्रभाव — "ध्वनि-सौन्दर्य" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ स्वर, व्यंजन आ पुनरुक्तिसँ बनल प्रभाव अछि।

३१६. (A) छोट पंक्तिमे अधिक भाव-विचार — "अर्थ-सघनता" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ छोट पंक्तिमे अधिक भाव-विचार अछि।

३१७. (A) गाम-घरक वस्तु, रीति वा प्रकृति सँ बनल बिम्ब — "लोक-बिम्ब" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ गाम-घरक वस्तु, रीति वा प्रकृति सँ बनल बिम्ब अछि।

३१८. (A) रेल, शहर, मशीन, भीड़ आदि सँ बनल संकेत — "आधुनिक प्रतीक" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ रेल, शहर, मशीन, भीड़ आदि सँ बनल संकेत अछि।

३१९. (A) रुकावट द्वारा अर्थक दबाव बढ़ायब — "वाक्य-विराम" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ रुकावट द्वारा अर्थक दबाव बढ़ायब अछि।

३२०. (A) अनुभूति अनुसार उपयुक्त शब्द चुनब — "शब्द-चयन" काव्य-शिल्पक अंग अछि; एकर अर्थ अनुभूति अनुसार उपयुक्त शब्द चुनब अछि।

३२१. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — "बिम्ब" कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३२२. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — "प्रतीक" कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३२३. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — "रूपक" कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३२४. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — "उपमा" कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३२५. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — "लोक-शब्द" कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३२६. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — "संक्षिप्तता" कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३२७. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — "व्यंजना" कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३२८. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — "लयात्मकता" कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३२९. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — "वक्रता" कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३३०. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — “संवादिता” कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३३१. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — “बोलचाल” कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३३२. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — “व्यंग्य” कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३३३. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — “मौन” कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३३४. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — “चित्रात्मकता” कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३३५. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — “ध्वनि-सौन्दर्य” कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३३६. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — “अर्थ-सघनता” कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३३७. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — “लोक-बिम्ब” कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३३८. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — “आधुनिक प्रतीक” कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३३९. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — “वाक्य-विराम” कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३४०. (A) ई भाव आ अर्थकेँ गाढ़ बनबैत अछि — “शब्द-चयन” कविता केँ अनुभवात्मक, अर्थवान आ प्रभावी बनबैत अछि।

३४१. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३४२. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३४३. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३४४. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३४५. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३४६. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३४७. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३४८. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३४९. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३५०. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३५१. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३५२. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३५३. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३५४. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३५५. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३५६. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३५७. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३५८. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३५९. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३६०. (A) अनुभूति स्पष्ट आ सजीव होइत अछि — काव्य-शिल्प पाठकक कल्पना आ संवेदना सक्रिय करैत अछि।

३६१. (A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३६२. (A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३६३. (A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३६४. (A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३६५. (A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३६६. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३६७. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३६८. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३६९. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३७०. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३७१. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३७२. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३७३. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३७४. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३७५. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३७६. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३७७. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३७८. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३७९. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३८०. **(A) शिल्प आ भावक साधन रूपेँ** — काव्य-पाठमे भाषा-शिल्प भाव, विचार आ संरचना सँ जोड़ल होइत अछि।

३८१. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “बिम्ब” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३८२. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “प्रतीक” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३८३. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “रूपक” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३८४. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “उपमा” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३८५. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “लोक-शब्द” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३८६. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “संक्षिप्तता” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३८७. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “व्यंजना” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३८८. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “लयात्मकता” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३८९. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “वक्रता” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३९०. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “संवादिता” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३९१. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “बोलचाल” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३९२. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “व्यंग्य” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३९३. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “मौन” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३९४. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “चित्रात्मकता” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३९५. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “ध्वनि-सौन्दर्य” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३९६. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “अर्थ-सघनता” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३९७. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “लोक-बिम्ब” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३९८. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “आधुनिक प्रतीक” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

३९९. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “वाक्य-विराम” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

४००. **(A) अर्थकेँ प्रभावी ढंगसँ व्यक्त करब** — “शब्द-चयन” कविता केँ जीवित, गहिर आ स्मरणीय बनबैत अछि।

४०१. (A) निश्चित छन्द-बंधनसँ मुक्त, मुदा आन्तरिक लययुक्त रूप — “मुक्तछन्द”क प्रमुख लक्षण निश्चित छन्द-बंधनसँ मुक्त, मुदा आन्तरिक लययुक्त रूप अछि।

४०२. (A) भाव, लय आ गेयता पर आधारित कविता — “गीतात्मक कविता”क प्रमुख लक्षण भाव, लय आ गेयता पर आधारित कविता अछि।

४०३. (A) कम पंक्तिमे सघन अर्थक प्रस्तुति — “लघु कविता”क प्रमुख लक्षण कम पंक्तिमे सघन अर्थक प्रस्तुति अछि।

४०४. (A) विस्तृत अनुभव वा विचारक फैलाव — “दीर्घ कविता”क प्रमुख लक्षण विस्तृत अनुभव वा विचारक फैलाव अछि।

४०५. (A) गद्य-स्वरूपमे काव्यात्मक संवेदना — “गद्य-कविता”क प्रमुख लक्षण गद्य-स्वरूपमे काव्यात्मक संवेदना अछि।

४०६. (A) घटना वा प्रसंग द्वारा भाव-विचारक प्रस्तुति — “कथात्मक कविता”क प्रमुख लक्षण घटना वा प्रसंग द्वारा भाव-विचारक प्रस्तुति अछि।

४०७. (A) वक्ता, पात्र वा पाठकसँ संवादक रूप — “संवादात्मक कविता”क प्रमुख लक्षण वक्ता, पात्र वा पाठकसँ संवादक रूप अछि।

४०८. (A) प्रतीक द्वारा गहिर अर्थक निर्माण — “प्रतीकात्मक कविता”क प्रमुख लक्षण प्रतीक द्वारा गहिर अर्थक निर्माण अछि।

४०९. (A) लोकगीत वा बोलीक लयसँ जुड़ल कविता — “लोकलयी कविता”क प्रमुख लक्षण लोकगीत वा बोलीक लयसँ जुड़ल कविता अछि।

४१०. (A) हँसी-व्यंग्य द्वारा सामाजिक आलोचना — “व्यंग्यात्मक कविता”क प्रमुख लक्षण हँसी-व्यंग्य द्वारा सामाजिक आलोचना अछि।

४११. (A) कविक निज अनुभवक काव्य-रूप — “आत्मकथ्य कविता”क प्रमुख लक्षण कविक निज अनुभवक काव्य-रूप अछि।

४१२. (A) अतीतक स्मरण आ पुनर्सृजन — “स्मृति-कविता”क प्रमुख लक्षण अतीतक स्मरण आ पुनर्सृजन अछि।

४१३. (A) प्रकृति-संसारक अनुभवपर आधारित कविता — “प्रकृति-कविता”क प्रमुख लक्षण प्रकृति-संसारक अनुभवपर आधारित कविता अछि।

४१४. (A) मेहनतक देह, साधन आ सम्मानक काव्य — “श्रम-कविता”क प्रमुख लक्षण मेहनतक देह, साधन आ सम्मानक काव्य अछि।

४१५. (A) राग, निकटता, विरह वा मानवीय संबंधक काव्य — “प्रेम-कविता”क प्रमुख लक्षण राग, निकटता, विरह वा मानवीय संबंधक काव्य अछि।

४१६. (A) अन्यायक विरुद्ध स्वर — “प्रतिरोध-कविता”क प्रमुख लक्षण अन्यायक विरुद्ध स्वर अछि।

४१७. (A) सामान्य जनजीवन आ लोकचेतनासँ जुड़ल कविता — “जनकविता”क प्रमुख लक्षण सामान्य जनजीवन आ लोकचेतनासँ जुड़ल कविता अछि।

४१८. (A) स्त्री-अनुभव आ आत्म-स्वरक कविता — “नारी-कविता”क प्रमुख लक्षण स्त्री-अनुभव आ आत्म-स्वरक कविता अछि।

४१९. (A) नगरीय जीवन, तनाव आ अकेलापनक काव्य — “शहरी कविता”क प्रमुख लक्षण नगरीय जीवन, तनाव आ अकेलापनक काव्य अछि।

४२०. (A) गाम, खेत, रीति आ लोक-संबंधक काव्य — “गामक कविता”क प्रमुख लक्षण गाम, खेत, रीति आ लोक-संबंधक काव्य अछि।

४२१. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४२२. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४२३. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४२४. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४२५. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४२६. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४२७. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४२८. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४२९. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४३०. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४३१. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४३२. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४३३. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४३४. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४३५. (A) नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४३६. (A) **नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल** — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४३७. (A) **नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल** — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४३८. (A) **नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल** — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४३९. (A) **नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल** — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४४०. (A) **नव अनुभवकेँ उपयुक्त रूप देबाक लेल** — आधुनिक कविता रूपक स्वतंत्रता द्वारा नव अनुभवकेँ व्यक्त करैत अछि।

४४१. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४४२. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४४३. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४४४. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४४५. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४४६. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४४७. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४४८. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४४९. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४५०. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४५१. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४५२. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४५३. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४५४. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४५५. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४५६. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४५७. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४५८. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४५९. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४६०. (A) **भाव, लय आ अर्थक संगठन** — रूप कविता भीतर भाव, लय, अर्थ आ दृष्टिक संगठन बनबैत अछि।

४६१. (A) **रूप आ विषयक संगति** — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४६२. (A) **रूप आ विषयक संगति** — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४६३. (A) **रूप आ विषयक संगति** — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४६४. (A) **रूप आ विषयक संगति** — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४६५. (A) **रूप आ विषयक संगति** — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४६६. (A) **रूप आ विषयक संगति** — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४६७. (A) **रूप आ विषयक संगति** — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४६८. (A) **रूप आ विषयक संगति** — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४६९. (A) **रूप आ विषयक संगति** — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४७०. (A) **रूप आ विषयक संगति** — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४७१. (A) **रूप आ विषयक संगति** — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४७२. (A) रूप आ विषयक संगति — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४७३. (A) रूप आ विषयक संगति — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४७४. (A) रूप आ विषयक संगति — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४७५. (A) रूप आ विषयक संगति — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४७६. (A) रूप आ विषयक संगति — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४७७. (A) रूप आ विषयक संगति — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४७८. (A) रूप आ विषयक संगति — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४७९. (A) रूप आ विषयक संगति — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४८०. (A) रूप आ विषयक संगति — सफल कविता मे रूप विषयक अनुरूप होइत अछि।

४८१. (A) निश्चित छन्द-बंधनसँ मुक्त, मुदा आन्तरिक लययुक्त रूप — "मुक्तछन्द" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४८२. (A) भाव, लय आ गेयता पर आधारित कविता — "गीतात्मक कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४८३. (A) कम पंक्तिमे सघन अर्थक प्रस्तुति — "लघु कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४८४. (A) विस्तृत अनुभव वा विचारक फैलाव — "दीर्घ कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४८५. (A) गद्य-स्वरूपमे काव्यात्मक संवेदना — "गद्य-कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४८६. (A) घटना वा प्रसंग द्वारा भाव-विचारक प्रस्तुति — "कथात्मक कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४८७. (A) वक्ता, पात्र वा पाठकसँ संवादक रूप — "संवादात्मक कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४८८. (A) प्रतीक द्वारा गहिर अर्थक निर्माण — "प्रतीकात्मक कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४८९. (A) लोकगीत वा बोलीक लयसँ जुड़ल कविता — "लोकलयी कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४९०. (A) हँसी-व्यंग्य द्वारा सामाजिक आलोचना — "व्यंग्यात्मक कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४९१. (A) कविक निज अनुभवक काव्य-रूप — "आत्मकथ्य कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४९२. (A) अतीतक स्मरण आ पुनर्सृजन — "स्मृति-कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४९३. (A) प्रकृति-संसारक अनुभवपर आधारित कविता — "प्रकृति-कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४९४. (A) मेहनतक देह, साधन आ सम्मानक काव्य — "श्रम-कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४९५. (A) राग, निकटता, विरह वा मानवीय संबंधक काव्य — "प्रेम-कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४९६. (A) अन्यायक विरुद्ध स्वर — "प्रतिरोध-कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४९७. (A) सामान्य जनजीवन आ लोकचेतनासँ जुड़ल कविता — "जनकविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४९८. (A) स्त्री-अनुभव आ आत्म-स्वरक कविता — "नारी-कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

४९९. (A) नगरीय जीवन, तनाव आ अकेलापनक काव्य — "शहरी कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

५००. (A) गाम, खेत, रीति आ लोक-संबंधक काव्य — "गामक कविता" साहित्यिक संरचनाक जीवित रूप अछि।

५०१. (A) धरती, श्रम आ अपनत्वक प्रतीक — "माटि" मैथिली कविता मे धरती, श्रम आ अपनत्वक प्रतीक रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५०२. (A) कृषि-जीवन आ अन्न-संस्कृतिक संकेत — "धान" मैथिली कविता मे कृषि-जीवन आ अन्न-संस्कृतिक संकेत रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५०३. (A) जल, स्मृति आ सामुदायिक जीवनक स्थल — "पोखरि" मैथिली कविता मे जल, स्मृति आ सामुदायिक जीवनक स्थल रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५०४. (A) घर, परिवार आ स्त्री-अनुभवक धरातल — "आँगन" मैथिली कविता मे घर, परिवार आ स्त्री-अनुभवक धरातल रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५०५. (A) लोक-रीति आ स्त्री-संस्कारक स्मरण — "मधुश्रावणी" मैथिली कविता मे लोक-रीति आ स्त्री-संस्कारक स्मरण रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५०६. (A) भाई-बहिन, लोकगीत आ सामुदायिक उत्सव — “सामा-चकेबा” मैथिली कविता मे भाई-बहिन, लोकगीत आ सामुदायिक उत्सव रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५०७. (A) लोककला आ दृश्य-संस्कृतिक बिम्ब — “मिथिला पेंटिंग” मैथिली कविता मे लोककला आ दृश्य-संस्कृतिक बिम्ब रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५०८. (A) स्थानीय जीवन-रस आ पहचानक वस्तु — “पान-मखान” मैथिली कविता मे स्थानीय जीवन-रस आ पहचानक वस्तु रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५०९. (A) प्राकृतिक संकट आ जनजीवनक संघर्ष — “बाढ़ि” मैथिली कविता मे प्राकृतिक संकट आ जनजीवनक संघर्ष रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५१०. (A) स्मृति, यात्रा आ लोक-संबंधक संकेत — “गामक बाट” मैथिली कविता मे स्मृति, यात्रा आ लोक-संबंधक संकेत रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५११. (A) सामुदायिक संवाद आ लोक-विचारक स्थल — “चौपाल” मैथिली कविता मे सामुदायिक संवाद आ लोक-विचारक स्थल रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५१२. (A) लिपि-स्मृति आ सांस्कृतिक विरासत — “तिरहुता” मैथिली कविता मे लिपि-स्मृति आ सांस्कृतिक विरासत रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५१३. (A) लोक-स्मृति आ सामूहिक भावक स्वर — “लोकगीत” मैथिली कविता मे लोक-स्मृति आ सामूहिक भावक स्वर रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५१४. (A) परम्परा, विवाह-संस्कार आ सामाजिक व्यवस्था — “पंजिका” मैथिली कविता मे परम्परा, विवाह-संस्कार आ सामाजिक व्यवस्था रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५१५. (A) उत्सव, व्यापार आ लोक-मिलन — “मेला” मैथिली कविता मे उत्सव, व्यापार आ लोक-मिलन रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५१६. (A) नदी, बाढ़ि आ जीवन-संघर्षक बिम्ब — “कोसी” मैथिली कविता मे नदी, बाढ़ि आ जीवन-संघर्षक बिम्ब रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५१७. (A) नदी-स्मृति आ क्षेत्रीय पहचान — “कमला” मैथिली कविता मे नदी-स्मृति आ क्षेत्रीय पहचान रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५१८. (A) मिथिलाक सांस्कृतिक नारी-प्रतिमा — “सीता” मैथिली कविता मे मिथिलाक सांस्कृतिक नारी-प्रतिमा रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५१९. (A) मिथिला-स्मृति आ सांस्कृतिक केन्द्र — “जनकपुर” मैथिली कविता मे मिथिला-स्मृति आ सांस्कृतिक केन्द्र रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५२०. (A) संस्था, शिक्षा आ सांस्कृतिक इतिहासक नगर — “दरभंगा” मैथिली कविता मे संस्था, शिक्षा आ सांस्कृतिक इतिहासक नगर रूपेँ अर्थवान भऽ सकैत अछि।

५२१. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५२२. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५२३. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५२४. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५२५. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५२६. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५२७. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५२८. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५२९. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५३०. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५३१. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५३२. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५३३. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५३४. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५३५. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५३६. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५३७. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५३८. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता केँ अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५३९. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता कैं अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५४०. (A) क्षेत्रीय गन्ध आ सांस्कृतिक विश्वसनीयता — स्थानीय बिम्ब कविता कैं अपन माटिसँ जोड़ैत अछि।

५४१. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५४२. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५४३. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५४४. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५४५. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५४६. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५४७. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५४८. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५४९. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५५०. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५५१. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५५२. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५५३. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५५४. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५५५. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५५६. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५५७. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५५८. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५५९. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५६०. (A) लोक-स्मृति आ अनुभवक पहचान — मिथिला-संबंधी बिम्ब लोक-स्मृति आ क्षेत्रीय अनुभवक आधार बनैत अछि।

५६१. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५६२. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५६३. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५६४. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५६५. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५६६. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५६७. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५६८. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५६९. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५७०. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५७१. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५७२. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५७३. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५७४. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५७५. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५७६. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५७७. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५७८. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५७९. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५८०. (A) स्थानीय जीवन आ सांस्कृतिक प्रसंग — बिम्बक अर्थ ओकर सांस्कृतिक आ सामाजिक प्रसंगसँ खुलैत अछि।

५८१. (A) धरती, श्रम आ अपनत्वक प्रतीक — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५८२. (A) कृषि-जीवन आ अन्न-संस्कृतिक संकेत — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५८३. (A) जल, स्मृति आ सामुदायिक जीवनक स्थल — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५८४. (A) घर, परिवार आ स्त्री-अनुभवक धरातल — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५८५. (A) लोक-रीति आ स्त्री-संस्कारक स्मरण — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५८६. (A) भाई-बहिन, लोकगीत आ सामुदायिक उत्सव — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५८७. (A) लोककला आ दृश्य-संस्कृतिक बिम्ब — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५८८. (A) स्थानीय जीवन-रस आ पहचानक वस्तु — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५८९. (A) प्राकृतिक संकट आ जनजीवनक संघर्ष — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५९०. (A) स्मृति, यात्रा आ लोक-संबंधक संकेत — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५९१. (A) सामुदायिक संवाद आ लोक-विचारक स्थल — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५९२. (A) लिपि-स्मृति आ सांस्कृतिक विरासत — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५९३. (A) लोक-स्मृति आ सामूहिक भावक स्वर — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५९४. (A) परम्परा, विवाह-संस्कार आ सामाजिक व्यवस्था — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५९५. (A) उत्सव, व्यापार आ लोक-मिलन — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५९६. (A) नदी, बाढ़ि आ जीवन-संघर्षक बिम्ब — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५९७. (A) नदी-स्मृति आ क्षेत्रीय पहचान — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५९८. (A) मिथिलाक सांस्कृतिक नारी-प्रतिमा — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

५९९. (A) मिथिला-स्मृति आ सांस्कृतिक केन्द्र — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

६००. (A) संस्था, शिक्षा आ सांस्कृतिक इतिहासक नगर — कविता स्थानीय प्रतीककेँ व्यापक मानवीय अर्थसँ जोड़ैत अछि।

६०१. (A) अन्यायपूर्ण व्यवस्था विरुद्ध प्रश्न — “शोषण” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई अन्यायपूर्ण व्यवस्था विरुद्ध प्रश्न पर प्रकाश दैत अछि।

६०२. (A) जन-स्वर आ अधिकारक चेतना — “लोकतंत्र” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई जन-स्वर आ अधिकारक चेतना पर प्रकाश दैत अछि।

६०३. (A) मूल्य, वस्तुकरण आ उपभोगक दबाव — “बाजारवाद” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई मूल्य, वस्तुकरण आ उपभोगक दबाव पर प्रकाश दैत अछि।

६०४. (A) मातृभाषाक सम्मान आ अस्तित्व-संघर्ष — “भाषाई अस्मिता” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई मातृभाषाक सम्मान आ अस्तित्व-संघर्ष पर प्रकाश दैत अछि।

६०५. (A) जागरण, अवसर आ सामाजिक बदलाव — “शिक्षा” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई जागरण, अवसर आ सामाजिक बदलाव पर प्रकाश दैत अछि।

६०६. (A) युवा-वर्गक असुरक्षा आ संघर्ष — “बेरोजगारी” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई युवा-वर्गक असुरक्षा आ संघर्ष पर प्रकाश दैत अछि।

६०७. (A) दूरी, स्मृति आ पहचानक संकट — “प्रवासी जीवन” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई दूरी, स्मृति आ पहचानक संकट पर प्रकाश दैत अछि।

६०८. (A) समानता, स्वायत्तता आ आत्म-स्वर — “स्त्री-गरिमा” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई समानता, स्वायत्तता आ आत्म-स्वर पर प्रकाश दैत अछि।

६०९. (A) प्रकृति-क्षय आ जीवन-संकट — “पर्यावरण विनाश” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई प्रकृति-क्षय आ जीवन-संकट पर प्रकाश दैत अछि।

६१०. (A) समान मनुष्यता विरुद्ध विभाजन — “जातिगत विषमता” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई समान मनुष्यता विरुद्ध विभाजन पर प्रकाश दैत अछि।

६११. (A) सूचना, छवि आ जनमतक प्रभाव — “मीडिया” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई सूचना, छवि आ जनमतक प्रभाव पर प्रकाश दैत अछि।

६१२. (A) नव साधन आ बदलैत जीवन-रूप — “प्रौद्योगिकी” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई नव साधन आ बदलैत जीवन-रूप पर प्रकाश दैत अछि।

६१३. (A) भीड़मे व्यक्तिक आन्तरिक खालीपन — “अकेलापन” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई भीड़मे व्यक्तिक आन्तरिक खालीपन पर प्रकाश दैत अछि।

६१४. (A) तेजी सँ बदलैत समयमे पहचानक खोज — “स्मृति-संकट” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई तेजी सँ बदलैत समयमे पहचानक खोज पर प्रकाश दैत अछि।

६१५. (A) सामाजिक भय आ मनुष्यता पर आघात — “हिंसा” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई सामाजिक भय आ मनुष्यता पर आघात पर प्रकाश दैत अछि।

६१६. (A) समान अवसर आ गरिमा सँ जुड़ल प्रश्न — “न्याय” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई समान अवसर आ गरिमा सँ जुड़ल प्रश्न पर प्रकाश दैत अछि।

६१७. (A) मेहनत, रोटी आ अधिकारक यथार्थ — “श्रमिक जीवन” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई मेहनत, रोटी आ अधिकारक यथार्थ पर प्रकाश दैत अछि।

६१८. (A) उपेक्षित लोकक अनुभवक उपस्थिति — “सीमांत स्वर” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई उपेक्षित लोकक अनुभवक उपस्थिति पर प्रकाश दैत अछि।

६१९. (A) अभावक कठोर मानवीय सच — “भूख” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई अभावक कठोर मानवीय सच पर प्रकाश दैत अछि।

६२०. (A) संकट बीच जीवन-विश्वास — “आशा” आधुनिक जीवनक महत्त्वपूर्ण प्रश्न अछि; ई संकट बीच जीवन-विश्वास पर प्रकाश दैत अछि।

६२१. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६२२. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६२३. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६२४. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६२५. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६२६. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६२७. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६२८. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६२९. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६३०. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६३१. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६३२. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६३३. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६३४. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६३५. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६३६. (A) सामाजिक आ नैतिक सजगता — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६३७. (A) **सामाजिक आ नैतिक सजगता** — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६३८. (A) **सामाजिक आ नैतिक सजगता** — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६३९. (A) **सामाजिक आ नैतिक सजगता** — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६४०. (A) **सामाजिक आ नैतिक सजगता** — समकालीन कविता सामाजिक प्रश्न पर संवेदनशील विचार चाहैत अछि।

६४१. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६४२. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६४३. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६४४. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६४५. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६४६. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६४७. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६४८. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६४९. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६५०. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६५१. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६५२. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६५३. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६५४. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६५५. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६५६. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६५७. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६५८. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६५९. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६६०. (A) **प्रश्नकारी, संवेदनशील आ आलोचनात्मक** — एहन कविता समाजक यथार्थ पर प्रश्न करैत आ मानवीय पक्ष देखबैत अछि।

६६१. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६६२. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६६३. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६६४. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६६५. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६६६. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६६७. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६६८. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६६९. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६७०. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६७१. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६७२. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६७३. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६७४. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६७५. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६७६. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६७७. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६७८. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६७९. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६८०. (A) **बिम्ब, प्रतीक, अनुभव आ भाषा** — कविता सामाजिक विषयकेँ कलात्मक शिल्पसँ प्रभावी बनबैत अछि।

६८१. (A) **अन्यायपूर्ण व्यवस्था विरुद्ध प्रश्न** — “शोषण” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६८२. (A) **जन-स्वर आ अधिकारक चेतना** — “लोकतंत्र” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६८३. (A) **मूल्य, वस्तुकरण आ उपभोगक दबाव** — “बाजारवाद” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६८४. (A) **मातृभाषाक सम्मान आ अस्तित्व-संघर्ष** — “भाषाई अस्मिता” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६८५. (A) **जागरण, अवसर आ सामाजिक बदलाव** — “शिक्षा” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६८६. (A) **युवा-वर्गक असुरक्षा आ संघर्ष** — “बेरोजगारी” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६८७. (A) **दूरी, स्मृति आ पहचानक संकट** — “प्रवासी जीवन” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६८८. (A) **समानता, स्वायत्तता आ आत्म-स्वर** — “स्त्री-गरिमा” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६८९. (A) **प्रकृति-क्षय आ जीवन-संकट** — “पर्यावरण विनाश” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६९०. (A) **समान मनुष्यता विरुद्ध विभाजन** — “जातिगत विषमता” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६९१. (A) **सूचना, छवि आ जनमतक प्रभाव** — “मीडिया” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६९२. (A) **नव साधन आ बदलैत जीवन-रूप** — “प्रौद्योगिकी” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६९३. (A) **भीड़मे व्यक्तिक आन्तरिक खालीपन** — “अकेलापन” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६९४. (A) **तेजी सँ बदलैत समयमे पहचानक खोज** — “स्मृति-संकट” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६९५. (A) **सामाजिक भय आ मनुष्यता पर आघात** — “हिंसा” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६९६. (A) **समान अवसर आ गरिमा सँ जुड़ल प्रश्न** — “न्याय” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६९७. (A) **मेहनत, रोटी आ अधिकारक यथार्थ** — “श्रमिक जीवन” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६९८. (A) **उपेक्षित लोकक अनुभवक उपस्थिति** — “सीमांत स्वर” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

६९९. (A) **अभावक कठोर मानवीय सच** — “भूख” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

७००. (A) **संकट बीच जीवन-विश्वास** — “आशा” विषय कवितासँ वर्तमान जीवनक जटिलता सँ जोड़ैत अछि।

७०१. (A) **राग, गीत, भाषा-माधुर्य आ प्रेम-भक्ति स्मृति केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत** — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता राग, गीत, भाषा-माधुर्य आ प्रेम-भक्ति स्मृति केँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७०२. (A) **गामक सामूहिक स्वर आ लय केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत** — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता गामक सामूहिक स्वर आ लय केँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७०३. (A) **आस्था आ आत्मीयता केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत** — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता आस्था आ आत्मीयता केँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७०४. (A) **प्रेम, विरह आ मनोभावक कलात्मकता केँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत** — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता प्रेम, विरह आ मनोभावक कलात्मकता केँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७०५. (A) गीत, अभिनय आ लोकमंचक स्मृति कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता गीत, अभिनय आ लोकमंचक स्मृति कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७०६. (A) लिपि आ सांस्कृतिक अभिलेखक विरासत कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता लिपि आ सांस्कृतिक अभिलेखक विरासत कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७०७. (A) आदर्श, कथा आ लोक-धर्म कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता आदर्श, कथा आ लोक-धर्म कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७०८. (A) रूढ़ि-प्रश्न आ नव चेतना कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता रूढ़ि-प्रश्न आ नव चेतना कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७०९. (A) वर्णन, सूची आ शैलीक परम्परा कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता वर्णन, सूची आ शैलीक परम्परा कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७१०. (A) मुक्त रूप, तीव्र बिम्ब आ वर्तमान बोध कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता मुक्त रूप, तीव्र बिम्ब आ वर्तमान बोध कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७११. (A) कहानी, गाथा आ लोक-ज्ञान कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता कहानी, गाथा आ लोक-ज्ञान कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७१२. (A) मंच, गान आ सामुदायिक प्रस्तुति कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता मंच, गान आ सामुदायिक प्रस्तुति कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७१३. (A) भावानुभूतिक सौन्दर्यात्मक संगठन कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता भावानुभूतिक सौन्दर्यात्मक संगठन कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७१४. (A) भाषाक कलात्मक चमत्कार कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता भाषाक कलात्मक चमत्कार कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७१५. (A) नियमित लय आ मात्रिक/वर्णिक विन्यास कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता नियमित लय आ मात्रिक/वर्णिक विन्यास कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७१६. (A) जीवित बोलचाल आ नवनिर्मित मुहावरा कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता जीवित बोलचाल आ नवनिर्मित मुहावरा कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७१७. (A) पाठ, समाज आ शिल्पक प्रश्नकारी अध्ययन कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता पाठ, समाज आ शिल्पक प्रश्नकारी अध्ययन कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७१८. (A) समुदायक अनुभवक दीर्घ संचय कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता समुदायक अनुभवक दीर्घ संचय कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७१९. (A) बदलैत जीवनक संकेत-विधान कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता बदलैत जीवनक संकेत-विधान कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७२०. (A) अन्य भारतीय भाषासँ संवाद कैँ नव प्रसंगमे रूपान्तरित करैत — परम्परा स्थिर नहि; समकालीन कविता अन्य भारतीय भाषासँ संवाद कैँ नव अर्थ दऽ सकैत अछि।

७२१. (A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७२२. (A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७२३. (A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७२४. (A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७२५. (A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७२६. (A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७२७. (A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७२८. (A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७२९. **(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि** — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७३०. **(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि** — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७३१. **(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि** — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७३२. **(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि** — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७३३. **(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि** — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७३४. **(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि** — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७३५. **(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि** — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७३६. **(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि** — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७३७. **(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि** — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७३८. **(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि** — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७३९. **(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि** — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७४०. **(A) जखन ओ वर्तमान अनुभवसँ जुड़ैत अछि** — परम्परा ओ आधुनिकता बीच रचनात्मक संवाद कविता कैँ गहिर बनबैत अछि।

७४१. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७४२. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७४३. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७४४. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७४५. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७४६. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७४७. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७४८. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७४९. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७५०. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७५१. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७५२. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७५३. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७५४. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७५५. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७५६. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७५७. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७५८. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७५९. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७६०. **(A) रचनात्मक अनुसरण पुरान रूपकेँ नव अर्थ दैत अछि** — समकालीन कविता परम्पराकेँ ज्योंकात्यों नहि, बल्कि नव अनुभव अनुसार बदलैत अछि।

७६१. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७६२. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७६३. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७६४. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७६५. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७६६. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७६७. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७६८. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७६९. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७७०. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७७१. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७७२. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७७३. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७७४. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७७५. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७७६. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७७७. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७७८. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७७९. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७८०. **(A) सांस्कृतिक गहराइ आ ऐतिहासिक चेतना** — परम्परासँ संवाद कविता कैँ ऐतिहासिक आ सांस्कृतिक आधार दैत अछि।

७८१. **(A) राग, गीत, भाषा-माधुर्य आ प्रेम-भक्ति स्मृति कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७८२. **(A) गामक सामूहिक स्वर आ लय कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७८३. **(A) आस्था आ आत्मीयता कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७८४. **(A) प्रेम, विरह आ मनोभावक कलात्मकता कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७८५. **(A) गीत, अभिनय आ लोकमंचक स्मृति कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७८६. **(A) लिपि आ सांस्कृतिक अभिलेखक विरासत कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७८७. **(A) आदर्श, कथा आ लोक-धर्म कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७८८. **(A) रूढ़ि-प्रश्न आ नव चेतना कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७८९. **(A) वर्णन, सूची आ शैलीक परम्परा कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७९०. **(A) मुक्त रूप, तीव्र बिम्ब आ वर्तमान बोध कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७९१. **(A) कहानी, गाथा आ लोक-ज्ञान कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७९२. **(A) मंच, गान आ सामुदायिक प्रस्तुति कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७९३. **(A) भावानुभूतिक सौन्दर्यात्मक संगठन कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७९४. **(A) भाषाक कलात्मक चमत्कार कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७९५. **(A) नियमित लय आ मात्रिक/वर्णिक विन्यास कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७९६. **(A) जीवित बोलचाल आ नवनिर्मित मुहावरा कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७९७. **(A) पाठ, समाज आ शिल्पक प्रश्नकारी अध्ययन कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७९८. **(A) समुदायक अनुभवक दीर्घ संचय कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

७९९. **(A) बदलैत जीवनक संकेत-विधान कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

८००. **(A) अन्य भारतीय भाषासँ संवाद कैँ वर्तमान संवेदनासँ जोड़ब** — नव प्रयोग परम्परा आ वर्तमानक बीच सजीव सम्बन्ध बनबैत अछि।

८०१. (A) कविता जे बात वा अनुभव केन्द्रमे राखैत अछि — “विषय” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ कविता जे बात वा अनुभव केन्द्रमे राखैत अछि अछि।

८०२. (A) कवितामे बोलयवला काव्य-स्वर — “वक्ता” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ कवितामे बोलयवला काव्य-स्वर अछि।

८०३. (A) पंक्ति, खण्ड, क्रम आ आवर्तनक विन्यास — “संरचना” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ पंक्ति, खण्ड, क्रम आ आवर्तनक विन्यास अछि।

८०४. (A) कविताक भावात्मक बोलबाक ढंग — “स्वर” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ कविताक भावात्मक बोलबाक ढंग अछि।

८०५. (A) कविता संसारकेँ जे नजरिसँ देखैत अछि — “दृष्टिकोण” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ कविता संसारकेँ जे नजरिसँ देखैत अछि अछि।

८०६. (A) कविताक सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — “सन्दर्भ” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ कविताक सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अछि।

८०७. (A) सिधा आ संकेतित अर्थक तह — “अर्थ-स्तर” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ सिधा आ संकेतित अर्थक तह अछि।

८०८. (A) प्रश्न, प्रमाण आ विवेकसँ पढ़ब — “आलोचनात्मक पाठ” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ प्रश्न, प्रमाण आ विवेकसँ पढ़ब अछि।

८०९. (A) शब्द, पंक्ति, बिम्ब आ संरचना पर ध्यान — “निकट पाठ” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ शब्द, पंक्ति, बिम्ब आ संरचना पर ध्यान अछि।

८१०. (A) रूप, लय, भाषा आ भावक कलात्मक अनुभव — “सौन्दर्य-बोध” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ रूप, लय, भाषा आ भावक कलात्मक अनुभव अछि।

८११. (A) कविता आ समाजक सम्बन्ध देखब — “सामाजिक पाठ” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ कविता आ समाजक सम्बन्ध देखब अछि।

८१२. (A) शब्द, वाक्य, बोली आ शैली पर ध्यान — “भाषिक पाठ” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ शब्द, वाक्य, बोली आ शैली पर ध्यान अछि।

८१३. (A) समय आ परम्परासँ कविता जोड़ि पढ़ब — “ऐतिहासिक पाठ” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ समय आ परम्परासँ कविता जोड़ि पढ़ब अछि।

८१४. (A) स्त्री-अनुभव, सत्ता आ गरिमाक प्रश्न देखब — “नारीवादी पाठ” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ स्त्री-अनुभव, सत्ता आ गरिमाक प्रश्न देखब अछि।

८१५. (A) लोक-संस्कृति आ सामूहिक स्मृति पर ध्यान — “लोक-पाठ” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ लोक-संस्कृति आ सामूहिक स्मृति पर ध्यान अछि।

८१६. (A) प्रतीकक बहु-अर्थी संकेत खोलब — “प्रतीक-पाठ” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ प्रतीकक बहु-अर्थी संकेत खोलब अछि।

८१७. (A) भावानुभूति आ आस्वादक अध्ययन — “रस-पाठ” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ भावानुभूति आ आस्वादक अध्ययन अछि।

८१८. (A) लय, मात्रा, विराम आ ध्वनिक अध्ययन — “छन्द-पाठ” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ लय, मात्रा, विराम आ ध्वनिक अध्ययन अछि।

८१९. (A) दोसरा काव्य वा भाषासँ तुलना — “तुलनात्मक पाठ” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ दोसरा काव्य वा भाषासँ तुलना अछि।

८२०. (A) तर्क आ प्रमाणसँ काव्य-महत्त्व बतायब — “मूल्यांकन” पाठ-विश्लेषणक मुख्य उपकरण अछि; एकर अर्थ तर्क आ प्रमाणसँ काव्य-महत्त्व बतायब अछि।

८२१. (A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८२२. (A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८२३. (A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८२४. (A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८२५. (A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८२६. (A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८२७. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८२८. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८२९. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८३०. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८३१. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८३२. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८३३. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८३४. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८३५. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८३६. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८३७. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८३८. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८३९. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८४०. **(A) ई अर्थ, शिल्प आ संवेदना बुझयमे सहायक अछि** — कविता-पाठमे आलोचनात्मक उपकरण अर्थक तह खोलैत अछि।

८४१. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८४२. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८४३. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८४४. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८४५. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८४६. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८४७. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८४८. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८४९. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८५०. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८५१. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८५२. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८५३. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८५४. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८५५. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८५६. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८५७. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८५८. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८५९. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८६०. **(A) कवितासँ प्रमाण आ व्याख्या देबाक** — साहित्यिक उत्तरमे प्रमाण, विश्लेषण आ स्पष्ट निष्कर्ष आवश्यक होइत अछि।

८६१. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८६२. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८६३. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८६४. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८६५. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८६६. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८६७. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८६८. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८६९. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८७०. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८७१. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८७२. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८७३. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८७४. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८७५. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८७६. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८७७. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८७८. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८७९. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८८०. **(A) पाठक भीतरक अर्थ-संरचना बुझैत अछि** — समीक्षा कविता कैँ अर्थ, भाषा, रूप आ समाजक सन्दर्भमे बुझयक साधन अछि।

८८१. **(A) कविता जे बात वा अनुभव केन्द्रमे राखैत अछि** — “विषय” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८८२. **(A) कवितामे बोलयवला काव्य-स्वर** — “वक्ता” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८८३. **(A) पंक्ति, खण्ड, क्रम आ आवर्तनक विन्यास** — “संरचना” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८८४. **(A) कविताक भावात्मक बोलबाक ढंग** — “स्वर” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८८५. **(A) कविता संसारकैँ जे नजरिसँ देखैत अछि** — “दृष्टिकोण” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८८६. **(A) कविताक सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि** — “सन्दर्भ” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८८७. **(A) सिधा आ संकेतित अर्थक तह** — “अर्थ-स्तर” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८८८. **(A) प्रश्न, प्रमाण आ विवेकसँ पढ़ब** — “आलोचनात्मक पाठ” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८८९. **(A) शब्द, पंक्ति, बिम्ब आ संरचना पर ध्यान** — “निकट पाठ” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८९०. **(A) रूप, लय, भाषा आ भावक कलात्मक अनुभव** — “सौन्दर्य-बोध” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८९१. **(A) कविता आ समाजक सम्बन्ध देखब** — “सामाजिक पाठ” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८९२. **(A) शब्द, वाक्य, बोली आ शैली पर ध्यान** — “भाषिक पाठ” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८९३. **(A) समय आ परम्परासँ कविता जोड़ि पढ़ब** — “ऐतिहासिक पाठ” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८९४. **(A) स्त्री-अनुभव, सत्ता आ गरिमाक प्रश्न देखब** — “नारीवादी पाठ” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८९५. **(A) लोक-संस्कृति आ सामूहिक स्मृति पर ध्यान** — “लोक-पाठ” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८९६. **(A) प्रतीकक बहु-अर्थी संकेत खोलब** — “प्रतीक-पाठ” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८९७. **(A) भावानुभूति आ आस्वादक अध्ययन** — “रस-पाठ” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८९८. **(A) लय, मात्रा, विराम आ ध्वनिक अध्ययन** — “छन्द-पाठ” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

८९९. (A) दोसरा काव्य वा भाषासँ तुलना — “तुलनात्मक पाठ” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

९००. (A) तर्क आ प्रमाणसँ काव्य-महत्त्व बतायब — “मूल्यांकन” कविता-पाठमे अर्थपूर्ण विश्लेषणक आधार बनैत अछि।

९०१. (A) सम्पादक, प्रकाशक, वर्ष आ स्वरूप — “समकालीन मैथिली कविता-संचयनक पुस्तक-सन्दर्भ” पर उत्तरमे सम्पादक, प्रकाशक, वर्ष आ स्वरूप स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९०२. (A) समय-बोध, समाज-बोध आ नव संवेदना — “समकालीनताक परिभाषा” पर उत्तरमे समय-बोध, समाज-बोध आ नव संवेदना स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९०३. (A) नव अनुभव लेल लचीला काव्य-रूप — “मुक्तछन्दक महत्त्व” पर उत्तरमे नव अनुभव लेल लचीला काव्य-रूप स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९०४. (A) मिथिला-जीवनक सांस्कृतिक आधार — “लोक-बिम्बक भूमिका” पर उत्तरमे मिथिला-जीवनक सांस्कृतिक आधार स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९०५. (A) अनुभव, अधिकार आ आत्म-चेतना — “स्त्री-स्वर” पर उत्तरमे अनुभव, अधिकार आ आत्म-चेतना स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९०६. (A) दूरी, स्मृति आ पहचानक संकट — “प्रवास-बोध” पर उत्तरमे दूरी, स्मृति आ पहचानक संकट स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९०७. (A) बोलचाल, लोक-शब्द आ प्रतीक — “भाषा-प्रयोग” पर उत्तरमे बोलचाल, लोक-शब्द आ प्रतीक स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९०८. (A) अन्याय, श्रम, समानता आ परिवर्तन — “कविता आ समाज” पर उत्तरमे अन्याय, श्रम, समानता आ परिवर्तन स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९०९. (A) पुरान धारा सँ आधुनिक संवाद — “परम्परा आ नवता” पर उत्तरमे पुरान धारा सँ आधुनिक संवाद स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९१०. (A) प्रमाण, विवेचन आ निष्कर्ष — “आलोचनात्मक उत्तर” पर उत्तरमे प्रमाण, विवेचन आ निष्कर्ष स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९११. (A) धरती, जल, ऋतु आ पर्यावरण — “प्रकृति-बिम्ब” पर उत्तरमे धरती, जल, ऋतु आ पर्यावरण स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९१२. (A) भीड़, तनाव आ अकेलापन — “शहरी अनुभव” पर उत्तरमे भीड़, तनाव आ अकेलापन स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९१३. (A) माटि, संबंध आ लोकजीवन — “गामक स्मृति” पर उत्तरमे माटि, संबंध आ लोकजीवन स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९१४. (A) दृश्य वस्तुसँ गहिर अर्थ — “प्रतीक-विधान” पर उत्तरमे दृश्य वस्तुसँ गहिर अर्थ स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९१५. (A) जन-स्वर आ अधिकारक चेतना — “समकालीन कविता आ लोकतंत्र” पर उत्तरमे जन-स्वर आ अधिकारक चेतना स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९१६. (A) मातृभाषा प्रति निष्ठा — “कविता आ भाषा-अस्मिता” पर उत्तरमे मातृभाषा प्रति निष्ठा स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९१७. (A) मेहनत आ मनुष्यक गरिमा — “कविता आ श्रम” पर उत्तरमे मेहनत आ मनुष्यक गरिमा स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९१८. (A) सत्य, न्याय आ मनुष्यता — “कविता आ नैतिक प्रश्न” पर उत्तरमे सत्य, न्याय आ मनुष्यता स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९१९. (A) निकट पाठ आ सन्दर्भ-पाठ — “कविता-पाठक पद्धति” पर उत्तरमे निकट पाठ आ सन्दर्भ-पाठ स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९२०. (A) एक युगक विविध स्वर एकठाम देखब — “संचयनक उपयोगिता” पर उत्तरमे एक युगक विविध स्वर एकठाम देखब स्पष्ट करब जरूरी अछि।

९२१. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९२२. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९२३. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९२४. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९२५. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९२६. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९२७. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९२८. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९२९. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९३०. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९३१. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९३२. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९३३. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९३४. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९३५. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९३६. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९३७. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९३८. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९३९. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९४०. (A) परिभाषा, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष — साहित्यिक लघु-उत्तरमे स्पष्ट परिभाषा, छोट व्याख्या आ निष्कर्ष उपयोगी होइत अछि।

९४१. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९४२. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९४३. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९४४. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९४५. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९४६. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९४७. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९४८. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९४९. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९५०. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९५१. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९५२. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९५३. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९५४. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९५५. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९५६. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९५७. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९५८. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९५९. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९६०. (A) संगठित तर्क आ पाठ-संगत विवेचन — दीर्घ-उत्तरमे भूमिका, विश्लेषण, उदाहरण-सूत्र आ निष्कर्ष अपेक्षित अछि।

९६१. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९६२. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९६३. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९६४. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९६५. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९६६. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९६७. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९६८. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९६९. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९७०. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९७१. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९७२. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९७३. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९७४. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९७५. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९७६. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९७७. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९७८. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९७९. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९८०. (A) विविध स्वर, विषय आ शिल्पक कारण — संचयन आ समकालीन कविता अनेक अनुभव, स्वर आ काव्यरूपक मिलन करबैत अछि।

९८१. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९८२. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९८३. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९८४. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९८५. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९८६. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९८७. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९८८. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९८९. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९९०. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९९१. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९९२. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९९३. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९९४. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९९५. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९९६. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९९७. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९९८. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

९९९. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

१०००. (A) विषय, शिल्प, भाषा आ सन्दर्भ चारू पर ध्यान — साहित्यिक प्रश्नमे विषयक संग भाषा-शिल्प आ सामाजिक-सांस्कृतिक सन्दर्भ सेहो देखल जाइत अछि।

अध्याय ३ : दत्त-वती — सुरेन्द्र झा ‘सुमन’ | विदेह क्विज

१. कृतिक नाम — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कीचकवध कृष्णजन्म चित्रा दत्त-वती

(A) कीचकवध
(B) कृष्णजन्म
(C) चित्रा
(D) दत्त-वती

२. ‘कृतिक नाम’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कृष्णजन्म दत्त-वती कीचकवध चित्रा

(A) कृष्णजन्म
(B) दत्त-वती
(C) कीचकवध
(D) चित्रा

३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत कृतिक नाम कोना बुझल जाइत अछि? कृष्णजन्म दत्त-वती कीचकवध चित्रा

(A) कृष्णजन्म
(B) दत्त-वती
(C) कीचकवध
(D) चित्रा

४. परीक्षामे कृतिक नाम पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? चित्रा दत्त-वती कृष्णजन्म कीचकवध

(A) चित्रा
(B) दत्त-वती
(C) कृष्णजन्म
(D) कीचकवध

५. कृतिक नामक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? दत्त-वती चित्रा कृष्णजन्म कीचकवध

(A) दत्त-वती
(B) चित्रा
(C) कृष्णजन्म
(D) कीचकवध

६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे कृतिक नाम पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? दत्त-वती कृष्णजन्म कीचकवध चित्रा

(A) दत्त-वती
(B) कृष्णजन्म
(C) कीचकवध
(D) चित्रा

७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ कृतिक नामक सही व्याख्या की? चित्रा दत्त-वती कृष्णजन्म कीचकवध

(A) चित्रा
(B) दत्त-वती
(C) कृष्णजन्म
(D) कीचकवध

८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे कृतिक नाम किएक उपयोगी अछि? चित्रा कृष्णजन्म दत्त-वती कीचकवध

(A) चित्रा
(B) कृष्णजन्म
(C) दत्त-वती
(D) कीचकवध

९. कृतिक नामक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? कीचकवध चित्रा दत्त-वती कृष्णजन्म

(A) कीचकवध

(B) चित्रा

(C) दत्त-वती

(D) कृष्णजन्म

१०. 'कृतिक नाम' विषयक सही समझ चिन्हू। कृष्णजन्म चित्रा कीचकवध दत्त-वती

(A) कृष्णजन्म

(B) चित्रा

(C) कीचकवध

(D) दत्त-वती

११. लेखकक सही परिचय — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? लालदास मनबोध तंत्रनाथ झा सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(A) लालदास

(B) मनबोध

(C) तंत्रनाथ झा

(D) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

१२. 'लेखकक सही परिचय' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। लालदास तंत्रनाथ झा मनबोध सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(A) लालदास

(B) तंत्रनाथ झा

(C) मनबोध

(D) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

१३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत लेखकक सही परिचय कोना बुझल जाइत अछि? मनबोध लालदास सुरेन्द्र झा 'सुमन' तंत्रनाथ झा

(A) मनबोध

(B) लालदास

(C) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(D) तंत्रनाथ झा

१४. परीक्षामे लेखकक सही परिचय पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? मनबोध तंत्रनाथ झा लालदास सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(A) मनबोध

(B) तंत्रनाथ झा

(C) लालदास

(D) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

१५. लेखकक सही परिचयक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? तंत्रनाथ झा सुरेन्द्र झा 'सुमन' लालदास मनबोध

(A) तंत्रनाथ झा

(B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(C) लालदास

(D) मनबोध

१६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे लेखकक सही परिचय पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? लालदास सुरेन्द्र झा 'सुमन' मनबोध तंत्रनाथ झा

(A) लालदास

(B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(C) मनबोध

(D) तंत्रनाथ झा

१७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ लेखकक सही परिचयक सही व्याख्या की? सुरेन्द्र झा 'सुमन' तंत्रनाथ झा लालदास मनबोध

(A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(B) तंत्रनाथ झा

(C) लालदास

(D) मनबोध

१८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे लेखकक सही परिचय किएक उपयोगी अछि? सुरेन्द्र झा 'सुमन' लालदास तंत्रनाथ झा मनबोध

(A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(B) लालदास

(C) तंत्रनाथ झा

(D) मनबोध

१९. लेखकक सही परिचयक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? लालदास सुरेन्द्र झा 'सुमन' तंत्रनाथ झा मनबोध

(A) लालदास

(B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(C) तंत्रनाथ झा

(D) मनबोध

२०. 'लेखकक सही परिचय' विषयक सही समझ चिन्हू। लालदास तंत्रनाथ झा मनबोध सुरेन्द्र झा 'सुमन'

(A) लालदास

(B) तंत्रनाथ झा

(C) मनबोध

(D) सुरेन्द्र झा 'सुमन'

२१. निर्धारित पाठ-सीमा — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल भूमिका केवल अन्तिम सर्ग सम्पूर्ण गद्य-संग्रह प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र

(A) केवल भूमिका

(B) केवल अन्तिम सर्ग

(C) सम्पूर्ण गद्य-संग्रह

(D) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र

२२. 'निर्धारित पाठ-सीमा' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल भूमिका प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र सम्पूर्ण गद्य-संग्रह केवल अन्तिम सर्ग

(A) केवल भूमिका

(B) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र

(C) सम्पूर्ण गद्य-संग्रह

(D) केवल अन्तिम सर्ग

२३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत निर्धारित पाठ-सीमा कोना बुझल जाइत अछि? प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र केवल अन्तिम सर्ग सम्पूर्ण गद्य-संग्रह केवल भूमिका

(A) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र

(B) केवल अन्तिम सर्ग

(C) सम्पूर्ण गद्य-संग्रह

(D) केवल भूमिका

२४. परीक्षामे निर्धारित पाठ-सीमा पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल अन्तिम सर्ग सम्पूर्ण गद्य-संग्रह केवल भूमिका प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र

(A) केवल अन्तिम सर्ग

(B) सम्पूर्ण गद्य-संग्रह

(C) केवल भूमिका

(D) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र

२५. निर्धारित पाठ-सीमाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल अन्तिम सर्ग सम्पूर्ण गद्य-संग्रह प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र केवल भूमिका

(A) केवल अन्तिम सर्ग

(B) सम्पूर्ण गद्य-संग्रह

(C) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र

(D) केवल भूमिका

२६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे निर्धारित पाठ-सीमा पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल अन्तिम सर्ग सम्पूर्ण गद्य-संग्रह प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र केवल भूमिका

(A) केवल अन्तिम सर्ग

(B) सम्पूर्ण गद्य-संग्रह

(C) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र

(D) केवल भूमिका

२७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ निर्धारित पाठ-सीमाक सही व्याख्या की? प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र केवल अन्तिम सर्ग सम्पूर्ण गद्य-संग्रह केवल भूमिका

(A) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र

(B) केवल अन्तिम सर्ग

(C) सम्पूर्ण गद्य-संग्रह

(D) केवल भूमिका

२८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे निर्धारित पाठ-सीमा किएक उपयोगी अछि? केवल भूमिका केवल अन्तिम सर्ग सम्पूर्ण गद्य-संग्रह प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र

(A) केवल भूमिका

(B) केवल अन्तिम सर्ग

(C) सम्पूर्ण गद्य-संग्रह

(D) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र

२९. निर्धारित पाठ-सीमाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र केवल अन्तिम सर्ग सम्पूर्ण गद्य-संग्रह केवल भूमिका

(A) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र

(B) केवल अन्तिम सर्ग

(C) सम्पूर्ण गद्य-संग्रह

(D) केवल भूमिका

३०. 'निर्धारित पाठ-सीमा' विषयक सही समझ चिन्हू। केवल अन्तिम सर्ग सम्पूर्ण गद्य-संग्रह प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र केवल भूमिका

(A) केवल अन्तिम सर्ग

(B) सम्पूर्ण गद्य-संग्रह

(C) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र

(D) केवल भूमिका

३१. दत्त-वतीक प्रमुख विधागत पहचान — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? पत्र-संपादकीय एकांकी नाटक सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य लघुकथा-संग्रह

(A) पत्र-संपादकीय

(B) एकांकी नाटक

(C) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य

(D) लघुकथा-संग्रह

३२. ‘दत्त-वतीक प्रमुख विधागत पहचान’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य पत्र-संपादकीय लघुकथा-संग्रह एकांकी नाटक

(A) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य

(B) पत्र-संपादकीय

(C) लघुकथा-संग्रह

(D) एकांकी नाटक

३३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत दत्त-वतीक प्रमुख विधागत पहचान कोना बुझल जाइत अछि? सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य लघुकथा-संग्रह पत्र-संपादकीय एकांकी नाटक

(A) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य

(B) लघुकथा-संग्रह

(C) पत्र-संपादकीय

(D) एकांकी नाटक

३४. परीक्षामे दत्त-वतीक प्रमुख विधागत पहचान पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? लघुकथा-संग्रह सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य पत्र-संपादकीय एकांकी नाटक

(A) लघुकथा-संग्रह

(B) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य

(C) पत्र-संपादकीय

(D) एकांकी नाटक

३५. दत्त-वतीक प्रमुख विधागत पहचानक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? एकांकी नाटक लघुकथा-संग्रह पत्र-संपादकीय सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य

(A) एकांकी नाटक

(B) लघुकथा-संग्रह

(C) पत्र-संपादकीय

(D) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य

३६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे दत्त-वतीक प्रमुख विधागत पहचान पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? एकांकी नाटक लघुकथा-संग्रह सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य पत्र-संपादकीय

(A) एकांकी नाटक

(B) लघुकथा-संग्रह

(C) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य

(D) पत्र-संपादकीय

३७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ दत्त-वतीक प्रमुख विधागत पहचानक सही व्याख्या की? लघुकथा-संग्रह सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य एकांकी नाटक पत्र-संपादकीय

(A) लघुकथा-संग्रह

(B) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य

(C) एकांकी नाटक

(D) पत्र-संपादकीय

३८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे दत्त-वतीक प्रमुख विधागत पहचान किएक उपयोगी अछि? पत्र-संपादकीय लघुकथा-संग्रह एकांकी नाटक सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य

(A) पत्र-संपादकीय

(B) लघुकथा-संग्रह

(C) एकांकी नाटक

(D) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य

३९. दत्त-वतीक प्रमुख विधागत पहचानक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? एकांकी नाटक सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य लघुकथा-संग्रह पत्र-संपादकीय

(A) एकांकी नाटक

(B) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य

(C) लघुकथा-संग्रह

(D) पत्र-संपादकीय

४०. 'दत्त-वतीक प्रमुख विधागत पहचान' विषयक सही समझ चिन्हू। लघुकथा-संग्रह एकांकी नाटक सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य पत्र-संपादकीय

(A) लघुकथा-संग्रह

(B) एकांकी नाटक

(C) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य

(D) पत्र-संपादकीय

४१. प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़बाक मुख्य उद्देश्य — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब केवल प्रकाशकक पता रटब कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब केवल पृष्ठ संख्या गिनब

(A) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब

(B) केवल प्रकाशकक पता रटब

(C) कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

(D) केवल पृष्ठ संख्या गिनब

४२. 'प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़बाक मुख्य उद्देश्य' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल पृष्ठ संख्या गिनब केवल प्रकाशकक पता रटब कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब

(A) केवल पृष्ठ संख्या गिनब

(B) केवल प्रकाशकक पता रटब

(C) कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

(D) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब

४३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़बाक मुख्य उद्देश्य कोना बुझल जाइत अछि? केवल पृष्ठ संख्या गिनब कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब केवल प्रकाशकक पता रटब कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब

(A) केवल पृष्ठ संख्या गिनब

(B) कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

(C) केवल प्रकाशकक पता रटब

(D) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब

४४. परीक्षामे प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़बाक मुख्य उद्देश्य पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल पृष्ठ संख्या गिनब केवल प्रकाशकक पता रटब कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब

(A) केवल पृष्ठ संख्या गिनब

(B) केवल प्रकाशकक पता रटब

(C) कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

(D) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब

४५. प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़बाक मुख्य उद्देश्यक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल पृष्ठ संख्या गिनब केवल प्रकाशकक पता रटब कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

(A) केवल पृष्ठ संख्या गिनब

(B) केवल प्रकाशकक पता रटब

(C) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब

(D) कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

४६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़बाक मुख्य उद्देश्य पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब केवल प्रकाशकक पता रटब केवल पृष्ठ संख्या गिनब कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

(A) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब

(B) केवल प्रकाशकक पता रटब

(C) केवल पृष्ठ संख्या गिनब

(D) कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

४७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़बाक मुख्य उद्देश्यक सही व्याख्या की? केवल पृष्ठ संख्या गिनब केवल प्रकाशकक पता रटब कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

(A) केवल पृष्ठ संख्या गिनब

(B) केवल प्रकाशकक पता रटब

(C) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब

(D) कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

४८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़बाक मुख्य उद्देश्य किएक उपयोगी अछि? कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब केवल पृष्ठ संख्या गिनब केवल प्रकाशकक पता रटब

(A) कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

(B) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब

(C) केवल पृष्ठ संख्या गिनब

(D) केवल प्रकाशकक पता रटब

४९. प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़बाक मुख्य उद्देश्यक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल पृष्ठ संख्या गिनब कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब केवल प्रकाशकक पता रटब

(A) केवल पृष्ठ संख्या गिनब

(B) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब

(C) कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

(D) केवल प्रकाशकक पता रटब

५०. 'प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़बाक मुख्य उद्देश्य' विषयक सही समझ चिन्हू। केवल पृष्ठ संख्या गिनब केवल प्रकाशकक पता रटब कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

(A) केवल पृष्ठ संख्या गिनब

(B) केवल प्रकाशकक पता रटब

(C) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब

(D) कथ्य छोड़ि शीर्षक सजावट देखब

५१. विदेह पोथी-सूचीक संकेत — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

(A) कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि

(B) कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि

(C) कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि

(D) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

५२. 'विदेह पोथी-सूचीक संकेत' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

(A) कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि

(B) कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि

(C) कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि

(D) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

५३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत विदेह पोथी-सूचीक संकेत कोना बुझल जाइत अछि? कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि

(A) कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि

(B) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

(C) कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि

(D) कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि

५४. परीक्षामे विदेह पोथी-सूचीक संकेत पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि

(A) कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि

(B) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

(C) कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि

(D) कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि

५५. विदेह पोथी-सूचीक संकेतक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

(A) कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि

(B) कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि

(C) कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि

(D) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

५६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे विदेह पोथी-सूचीक संकेत पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि

(A) कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि

(B) कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि

(C) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

(D) कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि

५७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ विदेह पोथी-सूचीक संकेतक सही व्याख्या की? कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि

(A) कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि

(B) कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि

(C) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

(D) कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि

५८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे विदेह पोथी-सूचीक संकेत किएक उपयोगी अछि? कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि

(A) कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि

(B) कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि

(C) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

(D) कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि

५९. विदेह पोथी-सूचीक संकेतक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि

(A) कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि

(B) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

(C) कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि

(D) कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि

६०. ‘विदेह पोथी-सूचीक संकेत’ विषयक सही समझ चिन्हू। कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

(A) कृति केवल विज्ञान-पुस्तक अछि

(B) कृति अज्ञात आ असूचीबद्ध अछि

(C) कृति केवल समाचार-टिप्पणी अछि

(D) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि

६१. परीक्षा-दृष्टिसँ पाठक सीमा — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब बाहरी कथा गढ़ब लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

(A) असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

(B) बाहरी कथा गढ़ब

(C) लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब

(D) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

६२. ‘परीक्षा-दृष्टिसँ पाठक सीमा’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब बाहरी कथा गढ़ब असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

(A) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

(B) लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब

(C) बाहरी कथा गढ़ब

(D) असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

६३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत परीक्षा-दृष्टिसँ पाठक सीमा कोना बुझल जाइत अछि? बाहरी कथा गढ़ब असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

(A) बाहरी कथा गढ़ब

(B) असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

(C) लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब

(D) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

६४. परीक्षामे परीक्षा-दृष्टिसँ पाठक सीमा पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब बाहरी कथा गढ़ब असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

(A) लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब

(B) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

(C) बाहरी कथा गढ़ब

(D) असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

६५. परीक्षा-दृष्टिसँ पाठक सीमाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब बाहरी कथा गढ़ब

(A) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

(B) असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

(C) लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब

(D) बाहरी कथा गढ़ब

६६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे परीक्षा-दृष्टिसँ पाठक सीमा पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? बाहरी कथा गढ़ब लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

(A) बाहरी कथा गढ़ब

(B) लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब

(C) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

(D) असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

६७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ परीक्षा-दृष्टिसँ पाठक सीमाक सही व्याख्या की? बाहरी कथा गढ़ब प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

(A) बाहरी कथा गढ़ब

(B) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

(C) लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब

(D) असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

६८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे परीक्षा-दृष्टिसँ पाठक सीमा किएक उपयोगी अछि? बाहरी कथा गढ़ब असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

(A) बाहरी कथा गढ़ब

(B) असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

(C) लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब

(D) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

६९. परीक्षा-दृष्टिसँ पाठक सीमाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब बाहरी कथा गढ़ब प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

(A) असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

(B) लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब

(C) बाहरी कथा गढ़ब

(D) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

७०. 'परीक्षा-दृष्टिसँ पाठक सीमा' विषयक सही समझ चिन्हू। असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब बाहरी कथा गढ़ब

(A) असम्बद्ध ग्रन्थ जोड़ब

(B) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब

(C) लेखक छोड़ि केवल अफवाह लिखब

(D) बाहरी कथा गढ़ब

७१. 'दत्त-वती' शीर्षक पढ़बाक प्रारम्भिक तरीका — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब मात्र अक्षर-संख्या गिनब शीर्षक छोड़ि देब

(A) काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

(B) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब

(C) मात्र अक्षर-संख्या गिनब

(D) शीर्षक छोड़ि देब

७२. ''दत्त-वती' शीर्षक पढ़बाक प्रारम्भिक तरीका' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब शीर्षक छोड़ि देब मात्र अक्षर-संख्या गिनब काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

(A) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब

(B) शीर्षक छोड़ि देब

(C) मात्र अक्षर-संख्या गिनब

(D) काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

७३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत 'दत्त-वती' शीर्षक पढ़बाक प्रारम्भिक तरीका कोना बुझल जाइत अछि? शीर्षक छोड़ि देब शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब मात्र अक्षर-संख्या गिनब काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

(A) शीर्षक छोड़ि देब

(B) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब

(C) मात्र अक्षर-संख्या गिनब

(D) काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

७४. परीक्षामे 'दत्त-वती' शीर्षक पढ़बाक प्रारम्भिक तरीका पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब शीर्षक छोड़ि देब शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब मात्र अक्षर-संख्या गिनब

(A) काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

(B) शीर्षक छोड़ि देब

(C) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब

(D) मात्र अक्षर-संख्या गिनब

७५. 'दत्त-वती' शीर्षक पढ़बाक प्रारम्भिक तरीकाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? शीर्षक छोड़ि देब शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब मात्र अक्षर-संख्या गिनब काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

(A) शीर्षक छोड़ि देब

(B) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब

(C) मात्र अक्षर-संख्या गिनब

(D) काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

७६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे 'दत्त-वती' शीर्षक पढ़बाक प्रारम्भिक तरीका पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब मात्र अक्षर-संख्या गिनब शीर्षक छोड़ि देब शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब

(A) काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

(B) मात्र अक्षर-संख्या गिनब

(C) शीर्षक छोड़ि देब

(D) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब

७७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ 'दत्त-वती' शीर्षक पढ़बाक प्रारम्भिक तरीकाक सही व्याख्या की? शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब शीर्षक छोड़ि देब मात्र अक्षर-संख्या गिनब काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

(A) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब

(B) शीर्षक छोड़ि देब

(C) मात्र अक्षर-संख्या गिनब

(D) काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

७८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे 'दत्त-वती' शीर्षक पढ़बाक प्रारम्भिक तरीका किएक उपयोगी अछि? शीर्षक छोड़ि देब काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब मात्र अक्षर-संख्या गिनब शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब

(A) शीर्षक छोड़ि देब

(B) काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

(C) मात्र अक्षर-संख्या गिनब

(D) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब

७९. 'दत्त-वती' शीर्षक पढ़बाक प्रारम्भिक तरीकाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब मात्र अक्षर-संख्या गिनब शीर्षक छोड़ि देब शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब

(A) काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

(B) मात्र अक्षर-संख्या गिनब

(C) शीर्षक छोड़ि देब

(D) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब

८०. ''दत्त-वती' शीर्षक पढ़बाक प्रारम्भिक तरीका' विषयक सही समझ चिन्हू। शीर्षक छोड़ि देब मात्र अक्षर-संख्या गिनब शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

(A) शीर्षक छोड़ि देब

(B) मात्र अक्षर-संख्या गिनब

(C) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब

(D) काव्यकेँ गणित-पुस्तक मानब

८१. काव्य-पठनक आधार — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प केवल मुद्रणक आकार केवल कागजक रंग केवल जिलाक नाम

(A) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प

(B) केवल मुद्रणक आकार

(C) केवल कागजक रंग

(D) केवल जिलाक नाम

८२. 'काव्य-पठनक आधार' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल जिलाक नाम केवल कागजक रंग कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प केवल मुद्रणक आकार

(A) केवल जिलाक नाम

(B) केवल कागजक रंग

(C) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प

(D) केवल मुद्रणक आकार

८३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत काव्य-पठनक आधार कोना बुझल जाइत अछि? केवल मुद्रणक आकार केवल जिलाक नाम कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प केवल कागजक रंग

(A) केवल मुद्रणक आकार

(B) केवल जिलाक नाम

(C) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प

(D) केवल कागजक रंग

८४. परीक्षामे काव्य-पठनक आधार पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प केवल जिलाक नाम केवल कागजक रंग केवल मुद्रणक आकार

(A) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प

(B) केवल जिलाक नाम

(C) केवल कागजक रंग

(D) केवल मुद्रणक आकार

८५. काव्य-पठनक आधारक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल कागजक रंग केवल जिलाक नाम केवल मुद्रणक आकार कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प

(A) केवल कागजक रंग

(B) केवल जिलाक नाम

(C) केवल मुद्रणक आकार

(D) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प

८६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे काव्य-पठनक आधार पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल कागजक रंग केवल जिलाक नाम केवल मुद्रणक आकार कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प

(A) केवल कागजक रंग

(B) केवल जिलाक नाम

(C) केवल मुद्रणक आकार

(D) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प

८७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ काव्य-पठनक आधारक सही व्याख्या की? केवल मुद्रणक आकार केवल कागजक रंग केवल जिलाक नाम कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प

(A) केवल मुद्रणक आकार

(B) केवल कागजक रंग

(C) केवल जिलाक नाम

(D) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प

८८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे काव्य-पठनक आधार किएक उपयोगी अछि? केवल जिलाक नाम केवल कागजक रंग कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प केवल मुद्रणक आकार

(A) केवल जिलाक नाम

(B) केवल कागजक रंग

(C) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प

(D) केवल मुद्रणक आकार

८९. काव्य-पठनक आधारक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल जिलाक नाम केवल मुद्रणक आकार कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प केवल कागजक रंग

(A) केवल जिलाक नाम

(B) केवल मुद्रणक आकार

(C) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प

(D) केवल कागजक रंग

९०. 'काव्य-पठनक आधार' विषयक सही समझ चिन्हू। केवल कागजक रंग केवल जिलाक नाम कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प केवल मुद्रणक आकार

(A) केवल कागजक रंग

(B) केवल जिलाक नाम

(C) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प

(D) केवल मुद्रणक आकार

९१. दत्त-वतीक अध्ययनमे सावधानी — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कहियो पाठ नहि देखब अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

(A) कहियो पाठ नहि देखब

(B) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा

(C) एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

(D) परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

९२. 'दत्त-वतीक अध्ययनमे सावधानी' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कहियो पाठ नहि देखब अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

(A) कहियो पाठ नहि देखब

(B) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा

(C) परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

(D) एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

९३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत दत्त-वतीक अध्ययनमे सावधानी कोना बुझल जाइत अछि? कहियो पाठ नहि देखब अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

(A) कहियो पाठ नहि देखब

(B) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा

(C) एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

(D) परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

९४. परीक्षामे दत्त-वतीक अध्ययनमे सावधानी पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा कहियो पाठ नहि देखब परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

(A) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा

(B) कहियो पाठ नहि देखब

(C) परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

(D) एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

९५. दत्त-वतीक अध्ययनमे सावधानीक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कहियो पाठ नहि देखब अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

(A) कहियो पाठ नहि देखब

(B) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा

(C) एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

(D) परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

९६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे दत्त-वतीक अध्ययनमे सावधानी पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कहियो पाठ नहि देखब परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा

(A) कहियो पाठ नहि देखब

(B) परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

(C) एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

(D) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा

९७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ दत्त-वतीक अध्ययनमे सावधानीक सही व्याख्या की? अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा कहियो पाठ नहि देखब परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

(A) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा

(B) कहियो पाठ नहि देखब

(C) परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

(D) एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

९८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे दत्त-वतीक अध्ययनमे सावधानी किएक उपयोगी अछि? परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा कहियो पाठ नहि देखब एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

(A) परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

(B) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा

(C) कहियो पाठ नहि देखब

(D) एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

९९. दत्त-वतीक अध्ययनमे सावधानीक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा कहियो पाठ नहि देखब परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

(A) एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

(B) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा

(C) कहियो पाठ नहि देखब

(D) परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

१००. ‘दत्त-वतीक अध्ययनमे सावधानी’ विषयक सही समझ चिन्हू। अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा कहियो पाठ नहि देखब एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

(A) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा

(B) परीक्षा लेल असम्बद्ध चर्चा

(C) कहियो पाठ नहि देखब

(D) एक पंक्तिसँ सभ निष्कर्ष

१०१. सुमनक साहित्यिक पहचान — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल गणना-अधिकारी मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान केवल स्थापत्यकार केवल युद्ध-सेनापति

(A) केवल गणना-अधिकारी

(B) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

(C) केवल स्थापत्यकार

(D) केवल युद्ध-सेनापति

१०२. 'सुमनक साहित्यिक पहचान' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल स्थापत्यकार केवल युद्ध-सेनापति केवल गणना-अधिकारी मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

(A) केवल स्थापत्यकार

(B) केवल युद्ध-सेनापति

(C) केवल गणना-अधिकारी

(D) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

१०३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत सुमनक साहित्यिक पहचान कोना बुझल जाइत अछि? केवल गणना-अधिकारी केवल युद्ध-सेनापति केवल स्थापत्यकार मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

(A) केवल गणना-अधिकारी

(B) केवल युद्ध-सेनापति

(C) केवल स्थापत्यकार

(D) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

१०४. परीक्षामे सुमनक साहित्यिक पहचान पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान केवल स्थापत्यकार केवल गणना-अधिकारी केवल युद्ध-सेनापति

(A) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

(B) केवल स्थापत्यकार

(C) केवल गणना-अधिकारी

(D) केवल युद्ध-सेनापति

१०५. सुमनक साहित्यिक पहचानक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल गणना-अधिकारी केवल युद्ध-सेनापति केवल स्थापत्यकार मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

(A) केवल गणना-अधिकारी

(B) केवल युद्ध-सेनापति

(C) केवल स्थापत्यकार

(D) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

१०६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे सुमनक साहित्यिक पहचान पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल स्थापत्यकार केवल गणना-अधिकारी केवल युद्ध-सेनापति मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

(A) केवल स्थापत्यकार

(B) केवल गणना-अधिकारी

(C) केवल युद्ध-सेनापति

(D) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

१०७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ सुमनक साहित्यिक पहचानक सही व्याख्या की? केवल गणना-अधिकारी केवल स्थापत्यकार मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान केवल युद्ध-सेनापति

(A) केवल गणना-अधिकारी

(B) केवल स्थापत्यकार

(C) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

(D) केवल युद्ध-सेनापति

१०८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे सुमनक साहित्यिक पहचान किएक उपयोगी अछि? केवल युद्ध-सेनापति मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान केवल गणना-अधिकारी केवल स्थापत्यकार

(A) केवल युद्ध-सेनापति

(B) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

(C) केवल गणना-अधिकारी

(D) केवल स्थापत्यकार

१०९. सुमनक साहित्यिक पहचानक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान केवल युद्ध-सेनापति केवल स्थापत्यकार केवल गणना-अधिकारी

(A) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

(B) केवल युद्ध-सेनापति

(C) केवल स्थापत्यकार

(D) केवल गणना-अधिकारी

११०. 'सुमनक साहित्यिक पहचान' विषयक सही समझ चिन्हू। केवल स्थापत्यकार केवल युद्ध-सेनापति केवल गणना-अधिकारी मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

(A) केवल स्थापत्यकार

(B) केवल युद्ध-सेनापति

(C) केवल गणना-अधिकारी

(D) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान

१११. सुमनक जन्म-संदर्भ — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? बल्लीपुर, समस्तीपुर लाहौर, पंजाब काशीपुर, ओड़िशा पुरी, समुद्रतट

(A) बल्लीपुर, समस्तीपुर

(B) लाहौर, पंजाब

(C) काशीपुर, ओड़िशा

(D) पुरी, समुद्रतट

११२. 'सुमनक जन्म-संदर्भ' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। बल्लीपुर, समस्तीपुर पुरी, समुद्रतट काशीपुर, ओड़िशा लाहौर, पंजाब

(A) बल्लीपुर, समस्तीपुर

(B) पुरी, समुद्रतट

(C) काशीपुर, ओड़िशा

(D) लाहौर, पंजाब

११३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत सुमनक जन्म-संदर्भ कोना बुझल जाइत अछि? काशीपुर, ओड़िशा बल्लीपुर, समस्तीपुर लाहौर, पंजाब पुरी, समुद्रतट

(A) काशीपुर, ओड़िशा

(B) बल्लीपुर, समस्तीपुर

(C) लाहौर, पंजाब

(D) पुरी, समुद्रतट

११४. परीक्षामे सुमनक जन्म-संदर्भ पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? काशीपुर, ओड़िशा पुरी, समुद्रतट बल्लीपुर, समस्तीपुर लाहौर, पंजाब

(A) काशीपुर, ओड़िशा

(B) पुरी, समुद्रतट

(C) बल्लीपुर, समस्तीपुर

(D) लाहौर, पंजाब

११५. सुमनक जन्म-संदर्भक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? लाहौर, पंजाब पुरी, समुद्रतट काशीपुर, ओड़िशा बल्लीपुर, समस्तीपुर

(A) लाहौर, पंजाब

(B) पुरी, समुद्रतट

(C) काशीपुर, ओड़िशा

(D) बल्लीपुर, समस्तीपुर

११६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे सुमनक जन्म-संदर्भ पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? लाहौर, पंजाब बल्लीपुर, समस्तीपुर काशीपुर, ओड़िशा पुरी, समुद्रतट

(A) लाहौर, पंजाब

(B) बल्लीपुर, समस्तीपुर

(C) काशीपुर, ओड़िशा

(D) पुरी, समुद्रतट

११७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ सुमनक जन्म-संदर्भक सही व्याख्या की? पुरी, समुद्रतट बल्लीपुर, समस्तीपुर लाहौर, पंजाब काशीपुर, ओड़िशा

(A) पुरी, समुद्रतट

(B) बल्लीपुर, समस्तीपुर

(C) लाहौर, पंजाब

(D) काशीपुर, ओड़िशा

११८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे सुमनक जन्म-संदर्भ किएक उपयोगी अछि? पुरी, समुद्रतट काशीपुर, ओड़िशा लाहौर, पंजाब बल्लीपुर, समस्तीपुर

(A) पुरी, समुद्रतट

(B) काशीपुर, ओड़िशा

(C) लाहौर, पंजाब

(D) बल्लीपुर, समस्तीपुर

११९. सुमनक जन्म-संदर्भक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? पुरी, समुद्रतट लाहौर, पंजाब बल्लीपुर, समस्तीपुर काशीपुर, ओड़िशा

(A) पुरी, समुद्रतट

(B) लाहौर, पंजाब

(C) बल्लीपुर, समस्तीपुर

(D) काशीपुर, ओड़िशा

१२०. 'सुमनक जन्म-संदर्भ' विषयक सही समझ चिन्हू। काशीपुर, ओड़िशा बल्लीपुर, समस्तीपुर पुरी, समुद्रतट लाहौर, पंजाब

(A) काशीपुर, ओड़िशा

(B) बल्लीपुर, समस्तीपुर

(C) पुरी, समुद्रतट

(D) लाहौर, पंजाब

१२१. सुमनक काल-संदर्भ — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? भविष्यक लेखक प्रागैतिहासिक युग बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार केवल वैदिक ऋचा-काल

(A) भविष्यक लेखक

(B) प्रागैतिहासिक युग

(C) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार

(D) केवल वैदिक ऋचा-काल

१२२. 'सुमनक काल-संदर्भ' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल वैदिक ऋचा-काल बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार प्रागैतिहासिक युग भविष्यक लेखक

(A) केवल वैदिक ऋचा-काल

(B) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार

(C) प्रागैतिहासिक युग

(D) भविष्यक लेखक

१२३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत सुमनक काल-संदर्भ कोना बुझल जाइत अछि? बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार केवल वैदिक ऋचा-काल प्रागैतिहासिक युग भविष्यक लेखक

(A) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार

(B) केवल वैदिक ऋचा-काल

(C) प्रागैतिहासिक युग

(D) भविष्यक लेखक

१२४. परीक्षामे सुमनक काल-संदर्भ पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? भविष्यक लेखक केवल वैदिक ऋचा-काल प्रागैतिहासिक युग बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार

(A) भविष्यक लेखक

(B) केवल वैदिक ऋचा-काल

(C) प्रागैतिहासिक युग

(D) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार

१२५. सुमनक काल-संदर्भक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? भविष्यक लेखक केवल वैदिक ऋचा-काल बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार प्रागैतिहासिक युग

(A) भविष्यक लेखक

(B) केवल वैदिक ऋचा-काल

(C) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार

(D) प्रागैतिहासिक युग

१२६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे सुमनक काल-संदर्भ पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार प्रागैतिहासिक युग भविष्यक लेखक केवल वैदिक ऋचा-काल

(A) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार

(B) प्रागैतिहासिक युग

(C) भविष्यक लेखक

(D) केवल वैदिक ऋचा-काल

१२७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ सुमनक काल-संदर्भक सही व्याख्या की? प्रागैतिहासिक युग भविष्यक लेखक केवल वैदिक ऋचा-काल बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार

(A) प्रागैतिहासिक युग

(B) भविष्यक लेखक

(C) केवल वैदिक ऋचा-काल

(D) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार

१२८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे सुमनक काल-संदर्भ किएक उपयोगी अछि? भविष्यक लेखक बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार प्रागैतिहासिक युग केवल वैदिक ऋचा-काल

(A) भविष्यक लेखक

(B) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार

(C) प्रागैतिहासिक युग

(D) केवल वैदिक ऋचा-काल

१२९. सुमनक काल-संदर्भक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार प्रागैतिहासिक युग केवल वैदिक ऋचा-काल भविष्यक लेखक

(A) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार

(B) प्रागैतिहासिक युग

(C) केवल वैदिक ऋचा-काल

(D) भविष्यक लेखक

१३०. 'सुमनक काल-संदर्भ' विषयक सही समझ चिन्हू। बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार प्रागैतिहासिक युग केवल वैदिक ऋचा-काल भविष्यक लेखक

(A) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार

(B) प्रागैतिहासिक युग

(C) केवल वैदिक ऋचा-काल

(D) भविष्यक लेखक

१३१. सुमनक काव्य-धारा — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल सूखा हिसाब मात्र विदेशी समाचार गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना मात्र प्रशासनिक आदेश

(A) केवल सूखा हिसाब

(B) मात्र विदेशी समाचार

(C) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना

(D) मात्र प्रशासनिक आदेश

१३२. 'सुमनक काव्य-धारा' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना केवल सूखा हिसाब मात्र विदेशी समाचार मात्र प्रशासनिक आदेश

(A) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना

(B) केवल सूखा हिसाब

(C) मात्र विदेशी समाचार

(D) मात्र प्रशासनिक आदेश

१३३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत सुमनक काव्य-धारा कोना बुझल जाइत अछि? मात्र प्रशासनिक आदेश केवल सूखा हिसाब मात्र विदेशी समाचार गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना

(A) मात्र प्रशासनिक आदेश

(B) केवल सूखा हिसाब

(C) मात्र विदेशी समाचार

(D) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना

१३४. परीक्षामे सुमनक काव्य-धारा पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना मात्र विदेशी समाचार केवल सूखा हिसाब मात्र प्रशासनिक आदेश

(A) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना

(B) मात्र विदेशी समाचार

(C) केवल सूखा हिसाब

(D) मात्र प्रशासनिक आदेश

१३५. सुमनक काव्य-धाराक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना मात्र विदेशी समाचार केवल सूखा हिसाब मात्र प्रशासनिक आदेश

(A) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना

(B) मात्र विदेशी समाचार

(C) केवल सूखा हिसाब

(D) मात्र प्रशासनिक आदेश

१३६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे सुमनक काव्य-धारा पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? मात्र विदेशी समाचार मात्र प्रशासनिक आदेश केवल सूखा हिसाब गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना

(A) मात्र विदेशी समाचार

(B) मात्र प्रशासनिक आदेश

(C) केवल सूखा हिसाब

(D) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना

१३७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ सुमनक काव्य-धाराक सही व्याख्या की? मात्र विदेशी समाचार गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना केवल सूखा हिसाब मात्र प्रशासनिक आदेश

(A) मात्र विदेशी समाचार

(B) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना

(C) केवल सूखा हिसाब

(D) मात्र प्रशासनिक आदेश

१३८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे सुमनक काव्य-धारा किएक उपयोगी अछि? मात्र प्रशासनिक आदेश गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना मात्र विदेशी समाचार केवल सूखा हिसाब

(A) मात्र प्रशासनिक आदेश

(B) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना

(C) मात्र विदेशी समाचार

(D) केवल सूखा हिसाब

१३९. सुमनक काव्य-धाराक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल सूखा हिसाब गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना मात्र विदेशी समाचार मात्र प्रशासनिक आदेश

(A) केवल सूखा हिसाब

(B) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना

(C) मात्र विदेशी समाचार

(D) मात्र प्रशासनिक आदेश

१४०. 'सुमनक काव्य-धारा' विषयक सही समझ चिन्हू। गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना केवल सूखा हिसाब मात्र विदेशी समाचार मात्र प्रशासनिक आदेश

(A) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना

(B) केवल सूखा हिसाब

(C) मात्र विदेशी समाचार

(D) मात्र प्रशासनिक आदेश

१४१. 'पयस्विनी'क महत्त्व — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति एकांकी मंच-सूची शब्दकोश मात्र भूगोलक नक्शा

(A) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति

(B) एकांकी मंच-सूची

(C) शब्दकोश मात्र

(D) भूगोलक नक्शा

१४२. ''पयस्विनी'क महत्त्व' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। एकांकी मंच-सूची साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति शब्दकोश मात्र भूगोलक नक्शा

(A) एकांकी मंच-सूची

(B) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति

(C) शब्दकोश मात्र

(D) भूगोलक नक्शा

१४३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत 'पयस्विनी'क महत्त्व कोना बुझल जाइत अछि? एकांकी मंच-सूची भूगोलक नक्शा साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति शब्दकोश मात्र

(A) एकांकी मंच-सूची

(B) भूगोलक नक्शा

(C) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति

(D) शब्दकोश मात्र

१४४. परीक्षामे 'पयस्विनी'क महत्त्व पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? शब्दकोश मात्र एकांकी मंच-सूची भूगोलक नक्शा साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति

(A) शब्दकोश मात्र

(B) एकांकी मंच-सूची

(C) भूगोलक नक्शा

(D) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति

१४५. ‘पयस्विनी’क महत्त्वक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? भूगोलक नक्शा शब्दकोश मात्र साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति एकांकी मंच-सूची

(A) भूगोलक नक्शा

(B) शब्दकोश मात्र

(C) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति

(D) एकांकी मंच-सूची

१४६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे ‘पयस्विनी’क महत्त्व पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? एकांकी मंच-सूची शब्दकोश मात्र भूगोलक नक्शा साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति

(A) एकांकी मंच-सूची

(B) शब्दकोश मात्र

(C) भूगोलक नक्शा

(D) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति

१४७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ ‘पयस्विनी’क महत्त्वक सही व्याख्या की? भूगोलक नक्शा एकांकी मंच-सूची साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति शब्दकोश मात्र

(A) भूगोलक नक्शा

(B) एकांकी मंच-सूची

(C) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति

(D) शब्दकोश मात्र

१४८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे ‘पयस्विनी’क महत्त्व किएक उपयोगी अछि? एकांकी मंच-सूची भूगोलक नक्शा साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति शब्दकोश मात्र

(A) एकांकी मंच-सूची

(B) भूगोलक नक्शा

(C) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति

(D) शब्दकोश मात्र

१४९. ‘पयस्विनी’क महत्त्वक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? भूगोलक नक्शा शब्दकोश मात्र साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति एकांकी मंच-सूची

(A) भूगोलक नक्शा

(B) शब्दकोश मात्र

(C) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति

(D) एकांकी मंच-सूची

१५०. ‘‘पयस्विनी’क महत्त्व’ विषयक सही समझ चिन्हू। एकांकी मंच-सूची साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति शब्दकोश मात्र भूगोलक नक्शा

(A) एकांकी मंच-सूची

(B) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति

(C) शब्दकोश मात्र

(D) भूगोलक नक्शा

१५१. ‘स्वदेश’सँ सम्बन्ध — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल खेलक नियम मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग केवल चित्रकला-विद्यालय केवल धातु-कारखाना

(A) केवल खेलक नियम

(B) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

(C) केवल चित्रकला-विद्यालय

(D) केवल धातु-कारखाना

१५२. ‘‘स्वदेश’सँ सम्बन्ध’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल चित्रकला-विद्यालय मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग केवल धातु-कारखाना केवल खेलक नियम

(A) केवल चित्रकला-विद्यालय

(B) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

(C) केवल धातु-कारखाना

(D) केवल खेलक नियम

१५३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत ‘स्वदेश’सँ सम्बन्ध कोना बुझल जाइत अछि? केवल चित्रकला-विद्यालय केवल धातु-कारखाना केवल खेलक नियम मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

(A) केवल चित्रकला-विद्यालय

(B) केवल धातु-कारखाना

(C) केवल खेलक नियम

(D) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

१५४. परीक्षामे ‘स्वदेश’सँ सम्बन्ध पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग केवल खेलक नियम केवल चित्रकला-विद्यालय केवल धातु-कारखाना

(A) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

(B) केवल खेलक नियम

(C) केवल चित्रकला-विद्यालय

(D) केवल धातु-कारखाना

१५५. ‘स्वदेश’सँ सम्बन्धक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल खेलक नियम केवल धातु-कारखाना केवल चित्रकला-विद्यालय मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

(A) केवल खेलक नियम

(B) केवल धातु-कारखाना

(C) केवल चित्रकला-विद्यालय

(D) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

१५६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे ‘स्वदेश’सँ सम्बन्ध पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल धातु-कारखाना केवल खेलक नियम मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग केवल चित्रकला-विद्यालय

(A) केवल धातु-कारखाना

(B) केवल खेलक नियम

(C) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

(D) केवल चित्रकला-विद्यालय

१५७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ ‘स्वदेश’सँ सम्बन्धक सही व्याख्या की? मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग केवल धातु-कारखाना केवल खेलक नियम केवल चित्रकला-विद्यालय

(A) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

(B) केवल धातु-कारखाना

(C) केवल खेलक नियम

(D) केवल चित्रकला-विद्यालय

१५८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे ‘स्वदेश’सँ सम्बन्ध किएक उपयोगी अछि? केवल खेलक नियम केवल चित्रकला-विद्यालय केवल धातु-कारखाना मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

(A) केवल खेलक नियम

(B) केवल चित्रकला-विद्यालय

(C) केवल धातु-कारखाना

(D) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

१५९. ‘स्वदेश’सँ सम्बन्धक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल धातु-कारखाना केवल खेलक नियम केवल चित्रकला-विद्यालय मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

(A) केवल धातु-कारखाना

(B) केवल खेलक नियम

(C) केवल चित्रकला-विद्यालय

(D) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

१६०. ‘‘स्वदेश’सँ सम्बन्ध’ विषयक सही समझ चिन्हू। मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग केवल खेलक नियम केवल धातु-कारखाना केवल चित्रकला-विद्यालय

(A) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग

(B) केवल खेलक नियम

(C) केवल धातु-कारखाना

(D) केवल चित्रकला-विद्यालय

१६१. हुनक रचनात्मक बहुआयाम — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन मात्र एक पंक्तिक लेखन केवल व्यापारी लेखा केवल लोक-हँसी

(A) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन

(B) मात्र एक पंक्तिक लेखन

(C) केवल व्यापारी लेखा

(D) केवल लोक-हँसी

१६२. ‘हुनक रचनात्मक बहुआयाम’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल व्यापारी लेखा मात्र एक पंक्तिक लेखन केवल लोक-हँसी मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन

(A) केवल व्यापारी लेखा

(B) मात्र एक पंक्तिक लेखन

(C) केवल लोक-हँसी

(D) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन

१६३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत हुनक रचनात्मक बहुआयाम कोना बुझल जाइत अछि? मात्र एक पंक्तिक लेखन केवल लोक-हँसी मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन केवल व्यापारी लेखा

(A) मात्र एक पंक्तिक लेखन

(B) केवल लोक-हँसी

(C) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन

(D) केवल व्यापारी लेखा

१६४. परीक्षामे हुनक रचनात्मक बहुआयाम पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल लोक-हँसी मात्र एक पंक्तिक लेखन मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन केवल व्यापारी लेखा

(A) केवल लोक-हँसी

(B) मात्र एक पंक्तिक लेखन

(C) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन

(D) केवल व्यापारी लेखा

१६५. हुनक रचनात्मक बहुआयामक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? मात्र एक पंक्तिक लेखन केवल लोक-हँसी मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन केवल व्यापारी लेखा

(A) मात्र एक पंक्तिक लेखन

(B) केवल लोक-हँसी

(C) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन

(D) केवल व्यापारी लेखा

१६६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे हुनक रचनात्मक बहुआयाम पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल व्यापारी लेखा मात्र एक पंक्तिक लेखन मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन केवल लोक-हँसी

(A) केवल व्यापारी लेखा

(B) मात्र एक पंक्तिक लेखन

(C) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन

(D) केवल लोक-हँसी

१६७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ हुनक रचनात्मक बहुआयामक सही व्याख्या की? केवल लोक-हँसी केवल व्यापारी लेखा मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन मात्र एक पंक्तिक लेखन

(A) केवल लोक-हँसी

(B) केवल व्यापारी लेखा

(C) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन

(D) मात्र एक पंक्तिक लेखन

१६८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे हुनक रचनात्मक बहुआयाम किएक उपयोगी अछि? मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन केवल व्यापारी लेखा मात्र एक पंक्तिक लेखन केवल लोक-हँसी

(A) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन

(B) केवल व्यापारी लेखा

(C) मात्र एक पंक्तिक लेखन

(D) केवल लोक-हँसी

१६९. हुनक रचनात्मक बहुआयामक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन केवल लोक-हँसी केवल व्यापारी लेखा मात्र एक पंक्तिक लेखन

(A) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन

(B) केवल लोक-हँसी

(C) केवल व्यापारी लेखा

(D) मात्र एक पंक्तिक लेखन

१७०. 'हुनक रचनात्मक बहुआयाम' विषयक सही समझ चिन्हू। केवल व्यापारी लेखा केवल लोक-हँसी मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन मात्र एक पंक्तिक लेखन

(A) केवल व्यापारी लेखा

(B) केवल लोक-हँसी

(C) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन

(D) मात्र एक पंक्तिक लेखन

१७१. सुमनक समीक्षा-रुचि — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय वस्त्र-मूल्य तालिका रेल समय-सारणी खेतीक मौसम सूची

(A) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

(B) वस्त्र-मूल्य तालिका

(C) रेल समय-सारणी

(D) खेतीक मौसम सूची

१७२. 'सुमनक समीक्षा-रुचि' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। रेल समय-सारणी खेतीक मौसम सूची वस्त्र-मूल्य तालिका मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

(A) रेल समय-सारणी

(B) खेतीक मौसम सूची

(C) वस्त्र-मूल्य तालिका

(D) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

१७३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत सुमनक समीक्षा-रुचि कोना बुझल जाइत अछि? मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय रेल समय-सारणी वस्त्र-मूल्य तालिका खेतीक मौसम सूची

(A) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

(B) रेल समय-सारणी

(C) वस्त्र-मूल्य तालिका

(D) खेतीक मौसम सूची

१७४. परीक्षामे सुमनक समीक्षा-रुचि पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? वस्त्र-मूल्य तालिका रेल समय-सारणी मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय खेतीक मौसम सूची

(A) वस्त्र-मूल्य तालिका

(B) रेल समय-सारणी

(C) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

(D) खेतीक मौसम सूची

१७५. सुमनक समीक्षा-रुचिक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? वस्त्र-मूल्य तालिका रेल समय-सारणी खेतीक मौसम सूची मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

(A) वस्त्र-मूल्य तालिका

(B) रेल समय-सारणी

(C) खेतीक मौसम सूची

(D) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

१७६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे सुमनक समीक्षा-रुचि पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? खेतीक मौसम सूची वस्त्र-मूल्य तालिका रेल समय-सारणी मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

(A) खेतीक मौसम सूची

(B) वस्त्र-मूल्य तालिका

(C) रेल समय-सारणी

(D) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

१७७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ सुमनक समीक्षा-रुचिक सही व्याख्या की? खेतीक मौसम सूची वस्त्र-मूल्य तालिका रेल समय-सारणी मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

(A) खेतीक मौसम सूची

(B) वस्त्र-मूल्य तालिका

(C) रेल समय-सारणी

(D) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

१७८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे सुमनक समीक्षा-रुचि किएक उपयोगी अछि? वस्त्र-मूल्य तालिका मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय खेतीक मौसम सूची रेल समय-सारणी

(A) वस्त्र-मूल्य तालिका

(B) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

(C) खेतीक मौसम सूची

(D) रेल समय-सारणी

१७९. सुमनक समीक्षा-रुचिक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय वस्त्र-मूल्य तालिका रेल समय-सारणी खेतीक मौसम सूची

(A) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

(B) वस्त्र-मूल्य तालिका

(C) रेल समय-सारणी

(D) खेतीक मौसम सूची

१८०. ‘सुमनक समीक्षा-रुचि’ विषयक सही समझ चिन्हू। खेतीक मौसम सूची वस्त्र-मूल्य तालिका मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय रेल समय-सारणी

(A) खेतीक मौसम सूची

(B) वस्त्र-मूल्य तालिका

(C) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय

(D) रेल समय-सारणी

१८१. दत्त-वतीमे लेखकक सम्भावित काव्य-संस्कार — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? भाषाहीन संकेत शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना केवल गणितीय सूत्र केवल राजाज्ञा

(A) भाषाहीन संकेत

(B) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) केवल राजाज्ञा

१८२. ‘दत्त-वतीमे लेखकक सम्भावित काव्य-संस्कार’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना भाषाहीन संकेत केवल राजाज्ञा केवल गणितीय सूत्र

(A) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना

(B) भाषाहीन संकेत

(C) केवल राजाज्ञा

(D) केवल गणितीय सूत्र

१८३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत दत्त-वतीमे लेखकक सम्भावित काव्य-संस्कार कोना बुझल जाइत अछि? भाषाहीन संकेत केवल राजाज्ञा केवल गणितीय सूत्र शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना

(A) भाषाहीन संकेत

(B) केवल राजाज्ञा

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना

१८४. परीक्षामे दत्त-वतीमे लेखकक सम्भावित काव्य-संस्कार पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना भाषाहीन संकेत केवल राजाज्ञा केवल गणितीय सूत्र

(A) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना

(B) भाषाहीन संकेत

(C) केवल राजाज्ञा

(D) केवल गणितीय सूत्र

१८५. दत्त-वतीमे लेखकक सम्भावित काव्य-संस्कारक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? भाषाहीन संकेत केवल राजाज्ञा शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना केवल गणितीय सूत्र

(A) भाषाहीन संकेत

(B) केवल राजाज्ञा

(C) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना

(D) केवल गणितीय सूत्र

१८६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे दत्त-वतीमे लेखकक सम्भावित काव्य-संस्कार पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? भाषाहीन संकेत केवल गणितीय सूत्र शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना केवल राजाज्ञा

(A) भाषाहीन संकेत

(B) केवल गणितीय सूत्र

(C) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना

(D) केवल राजाज्ञा

१८७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ दत्त-वतीमे लेखकक सम्भावित काव्य-संस्कारक सही व्याख्या की? शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना भाषाहीन संकेत केवल राजाज्ञा केवल गणितीय सूत्र

(A) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना

(B) भाषाहीन संकेत

(C) केवल राजाज्ञा

(D) केवल गणितीय सूत्र

१८८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे दत्त-वतीमे लेखकक सम्भावित काव्य-संस्कार किएक उपयोगी अछि? केवल राजाज्ञा केवल गणितीय सूत्र शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना भाषाहीन संकेत

(A) केवल राजाज्ञा

(B) केवल गणितीय सूत्र

(C) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना

(D) भाषाहीन संकेत

१८९. दत्त-वतीमे लेखकक सम्भावित काव्य-संस्कारक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल गणितीय सूत्र शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना केवल राजाज्ञा भाषाहीन संकेत

(A) केवल गणितीय सूत्र

(B) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना

(C) केवल राजाज्ञा

(D) भाषाहीन संकेत

१९०. 'दत्त-वतीमे लेखकक सम्भावित काव्य-संस्कार' विषयक सही समझ चिन्हू। भाषाहीन संकेत केवल राजाज्ञा केवल गणितीय सूत्र शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना

(A) भाषाहीन संकेत

(B) केवल राजाज्ञा

(C) केवल गणितीय सूत्र

(D) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना

१९१. लेखक-पहिचान लिखबाक परीक्षा-रीति — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब अप्रासंगिक कथा लिखब नाम बदलब मात्र उपनाम लिखब

(A) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब

(B) अप्रासंगिक कथा लिखब

(C) नाम बदलब

(D) मात्र उपनाम लिखब

१९२. 'लेखक-पहिचान लिखबाक परीक्षा-रीति' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब अप्रासंगिक कथा लिखब मात्र उपनाम लिखब नाम बदलब

(A) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब

(B) अप्रासंगिक कथा लिखब

(C) मात्र उपनाम लिखब

(D) नाम बदलब

१९३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत लेखक-पहिचान लिखबाक परीक्षा-रीति कोना बुझल जाइत अछि? नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब अप्रासंगिक कथा लिखब नाम बदलब मात्र उपनाम लिखब

(A) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब

(B) अप्रासंगिक कथा लिखब

(C) नाम बदलब

(D) मात्र उपनाम लिखब

१९४. परीक्षामे लेखक-पहिचान लिखबाक परीक्षा-रीति पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? अप्रासंगिक कथा लिखब नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब नाम बदलब मात्र उपनाम लिखब

(A) अप्रासंगिक कथा लिखब

(B) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब

(C) नाम बदलब

(D) मात्र उपनाम लिखब

१९५. लेखक-पहिचान लिखबाक परीक्षा-रीतिक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब नाम बदलब मात्र उपनाम लिखब अप्रासंगिक कथा लिखब

(A) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब

(B) नाम बदलब

(C) मात्र उपनाम लिखब

(D) अप्रासंगिक कथा लिखब

१९६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे लेखक-पहिचान लिखबाक परीक्षा-रीति पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? अप्रासंगिक कथा लिखब नाम बदलब मात्र उपनाम लिखब नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब

(A) अप्रासंगिक कथा लिखब

(B) नाम बदलब

(C) मात्र उपनाम लिखब

(D) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब

१९७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ लेखक-पहिचान लिखबाक परीक्षा-रीतिक सही व्याख्या की? अप्रासंगिक कथा लिखब मात्र उपनाम लिखब नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब नाम बदलब

(A) अप्रासंगिक कथा लिखब

(B) मात्र उपनाम लिखब

(C) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब

(D) नाम बदलब

१९८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे लेखक-पहिचान लिखबाक परीक्षा-रीति किएक उपयोगी अछि? मात्र उपनाम लिखब नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब अप्रासंगिक कथा लिखब नाम बदलब

(A) मात्र उपनाम लिखब

(B) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब

(C) अप्रासंगिक कथा लिखब

(D) नाम बदलब

१९९. लेखक-पहिचान लिखबाक परीक्षा-रीतिक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? अप्रासंगिक कथा लिखब मात्र उपनाम लिखब नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब नाम बदलब

(A) अप्रासंगिक कथा लिखब

(B) मात्र उपनाम लिखब

(C) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब

(D) नाम बदलब

२००. 'लेखक-पहिचान लिखबाक परीक्षा-रीति' विषयक सही समझ चिन्हू। मात्र उपनाम लिखब नाम बदलब अप्रासंगिक कथा लिखब नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब

(A) मात्र उपनाम लिखब

(B) नाम बदलब

(C) अप्रासंगिक कथा लिखब

(D) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब

२०१. सर्गबद्ध रचनाक अर्थ — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? अक्षर-सूची कथा-विहीन शब्दकोश दिनचर्याक हिसाब कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

(A) अक्षर-सूची

(B) कथा-विहीन शब्दकोश

(C) दिनचर्याक हिसाब

(D) कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

२०२. 'सर्गबद्ध रचनाक अर्थ' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य कथा-विहीन शब्दकोश अक्षर-सूची दिनचर्याक हिसाब

(A) कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

(B) कथा-विहीन शब्दकोश

(C) अक्षर-सूची

(D) दिनचर्याक हिसाब

२०३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत सर्गबद्ध रचनाक अर्थ कोना बुझल जाइत अछि? अक्षर-सूची कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य कथा-विहीन शब्दकोश दिनचर्याक हिसाब

(A) अक्षर-सूची

(B) कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

(C) कथा-विहीन शब्दकोश

(D) दिनचर्याक हिसाब

२०४. परीक्षामे सर्गबद्ध रचनाक अर्थ पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य दिनचर्याक हिसाब कथा-विहीन शब्दकोश अक्षर-सूची

(A) कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

(B) दिनचर्याक हिसाब

(C) कथा-विहीन शब्दकोश

(D) अक्षर-सूची

२०५. सर्गबद्ध रचनाक अर्थक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कथा-विहीन शब्दकोश अक्षर-सूची दिनचर्याक हिसाब कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

(A) कथा-विहीन शब्दकोश

(B) अक्षर-सूची

(C) दिनचर्याक हिसाब

(D) कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

२०६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे सर्गबद्ध रचनाक अर्थ पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? अक्षर-सूची दिनचर्याक हिसाब कथा-विहीन शब्दकोश कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

(A) अक्षर-सूची

(B) दिनचर्याक हिसाब

(C) कथा-विहीन शब्दकोश

(D) कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

२०७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ सर्गबद्ध रचनाक अर्थक सही व्याख्या की? कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य कथा-विहीन शब्दकोश अक्षर-सूची दिनचर्याक हिसाब

(A) कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

(B) कथा-विहीन शब्दकोश

(C) अक्षर-सूची

(D) दिनचर्याक हिसाब

२०८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे सर्गबद्ध रचनाक अर्थ किएक उपयोगी अछि? कथा-विहीन शब्दकोश अक्षर-सूची दिनचर्याक हिसाब कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

(A) कथा-विहीन शब्दकोश

(B) अक्षर-सूची

(C) दिनचर्याक हिसाब

(D) कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

२०९. सर्गबद्ध रचनाक अर्थक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य कथा-विहीन शब्दकोश अक्षर-सूची दिनचर्याक हिसाब

(A) कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

(B) कथा-विहीन शब्दकोश

(C) अक्षर-सूची

(D) दिनचर्याक हिसाब

२१०. 'सर्गबद्ध रचनाक अर्थ' विषयक सही समझ चिन्हू। कथा-विहीन शब्दकोश अक्षर-सूची कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य दिनचर्याक हिसाब

(A) कथा-विहीन शब्दकोश

(B) अक्षर-सूची

(C) कथा कैँ क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य

(D) दिनचर्याक हिसाब

२११. प्रबन्ध-काव्यक आधार — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल कहावत-संग्रह कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास मात्र समाचार शीर्षक मात्र मुक्तक पद

(A) केवल कहावत-संग्रह

(B) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास

(C) मात्र समाचार शीर्षक

(D) मात्र मुक्तक पद

२१२. 'प्रबन्ध-काव्यक आधार' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। मात्र मुक्तक पद केवल कहावत-संग्रह कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास मात्र समाचार शीर्षक

(A) मात्र मुक्तक पद

(B) केवल कहावत-संग्रह

(C) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास

(D) मात्र समाचार शीर्षक

२१३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत प्रबन्ध-काव्यक आधार कोना बुझल जाइत अछि? कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास मात्र समाचार शीर्षक मात्र मुक्तक पद केवल कहावत-संग्रह

(A) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास

(B) मात्र समाचार शीर्षक

(C) मात्र मुक्तक पद

(D) केवल कहावत-संग्रह

२१४. परीक्षामे प्रबन्ध-काव्यक आधार पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? मात्र मुक्तक पद केवल कहावत-संग्रह कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास मात्र समाचार शीर्षक

(A) मात्र मुक्तक पद

(B) केवल कहावत-संग्रह

(C) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास

(D) मात्र समाचार शीर्षक

२१५. प्रबन्ध-काव्यक आधारक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल कहावत-संग्रह कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास मात्र मुक्तक पद मात्र समाचार शीर्षक

(A) केवल कहावत-संग्रह

(B) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास

(C) मात्र मुक्तक पद

(D) मात्र समाचार शीर्षक

२१६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे प्रबन्ध-काव्यक आधार पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? मात्र मुक्तक पद कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास मात्र समाचार शीर्षक केवल कहावत-संग्रह

(A) मात्र मुक्तक पद

(B) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास

(C) मात्र समाचार शीर्षक

(D) केवल कहावत-संग्रह

२१७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ प्रबन्ध-काव्यक आधारक सही व्याख्या की? मात्र समाचार शीर्षक मात्र मुक्तक पद केवल कहावत-संग्रह कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास

(A) मात्र समाचार शीर्षक

(B) मात्र मुक्तक पद

(C) केवल कहावत-संग्रह

(D) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास

२१८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे प्रबन्ध-काव्यक आधार किएक उपयोगी अछि? मात्र मुक्तक पद मात्र समाचार शीर्षक कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास केवल कहावत-संग्रह

(A) मात्र मुक्तक पद

(B) मात्र समाचार शीर्षक

(C) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास

(D) केवल कहावत-संग्रह

२१९. प्रबन्ध-काव्यक आधारक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल कहावत-संग्रह कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास मात्र समाचार शीर्षक मात्र मुक्तक पद

(A) केवल कहावत-संग्रह

(B) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास

(C) मात्र समाचार शीर्षक

(D) मात्र मुक्तक पद

२२०. 'प्रबन्ध-काव्यक आधार' विषयक सही समझ चिन्हू। कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास मात्र मुक्तक पद मात्र समाचार शीर्षक केवल कहावत-संग्रह

(A) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास

(B) मात्र मुक्तक पद

(C) मात्र समाचार शीर्षक

(D) केवल कहावत-संग्रह

२२१. महाकाव्यात्मक ऊँचाई — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? बाजार भाव-सूची उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि साधारण सूचना-पत्र पत्राचार नियम

(A) बाजार भाव-सूची

(B) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि

(C) साधारण सूचना-पत्र

(D) पत्राचार नियम

२२२. 'महाकाव्यात्मक ऊँचाई' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि बाजार भाव-सूची साधारण सूचना-पत्र पत्राचार नियम

(A) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि

(B) बाजार भाव-सूची

(C) साधारण सूचना-पत्र

(D) पत्राचार नियम

२२३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत महाकाव्यात्मक ऊँचाई कोना बुझल जाइत अछि? बाजार भाव-सूची पत्राचार नियम उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि साधारण सूचना-पत्र

(A) बाजार भाव-सूची

(B) पत्राचार नियम

(C) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि

(D) साधारण सूचना-पत्र

२२४. परीक्षामे महाकाव्यात्मक ऊँचाई पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? साधारण सूचना-पत्र बाजार भाव-सूची उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि पत्राचार नियम

(A) साधारण सूचना-पत्र

(B) बाजार भाव-सूची

(C) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि

(D) पत्राचार नियम

२२५. महाकाव्यात्मक ऊँचाईक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? पत्राचार नियम उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि साधारण सूचना-पत्र बाजार भाव-सूची

(A) पत्राचार नियम

(B) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि

(C) साधारण सूचना-पत्र

(D) बाजार भाव-सूची

२२६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे महाकाव्यात्मक ऊँचाई पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? साधारण सूचना-पत्र पत्राचार नियम बाजार भाव-सूची उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि

(A) साधारण सूचना-पत्र

(B) पत्राचार नियम

(C) बाजार भाव-सूची

(D) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि

२२७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ महाकाव्यात्मक ऊँचाईक सही व्याख्या की? पत्राचार नियम उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि बाजार भाव-सूची साधारण सूचना-पत्र

(A) पत्राचार नियम

(B) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि

(C) बाजार भाव-सूची

(D) साधारण सूचना-पत्र

२२८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे महाकाव्यात्मक ऊँचाई किएक उपयोगी अछि? साधारण सूचना-पत्र पत्राचार नियम बाजार भाव-सूची उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि

(A) साधारण सूचना-पत्र

(B) पत्राचार नियम

(C) बाजार भाव-सूची

(D) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि

२२९. महाकाव्यात्मक ऊँचाईक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि पत्राचार नियम बाजार भाव-सूची साधारण सूचना-पत्र

(A) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि

(B) पत्राचार नियम

(C) बाजार भाव-सूची

(D) साधारण सूचना-पत्र

२३०. 'महाकाव्यात्मक ऊँचाई' विषयक सही समझ चिन्हू। बाजार भाव-सूची साधारण सूचना-पत्र उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि पत्राचार नियम

(A) बाजार भाव-सूची

(B) साधारण सूचना-पत्र

(C) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि

(D) पत्राचार नियम

२३१. नायिका-केन्द्रक संकेत — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान केवल भूगोलक नदी केवल पशु-पक्षीक सूची केवल हथियारक नाम

(A) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान

(B) केवल भूगोलक नदी

(C) केवल पशु-पक्षीक सूची

(D) केवल हथियारक नाम

२३२. 'नायिका-केन्द्रक संकेत' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल पशु-पक्षीक सूची केवल हथियारक नाम केवल भूगोलक नदी दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान

(A) केवल पशु-पक्षीक सूची

(B) केवल हथियारक नाम

(C) केवल भूगोलक नदी

(D) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान

२३३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत नायिका-केन्द्रक संकेत कोना बुझल जाइत अछि? केवल हथियारक नाम दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान केवल पशु-पक्षीक सूची केवल भूगोलक नदी

(A) केवल हथियारक नाम

(B) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान

(C) केवल पशु-पक्षीक सूची

(D) केवल भूगोलक नदी

२३४. परीक्षामे नायिका-केन्द्रक संकेत पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल हथियारक नाम दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान केवल भूगोलक नदी केवल पशु-पक्षीक सूची

(A) केवल हथियारक नाम

(B) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान

(C) केवल भूगोलक नदी

(D) केवल पशु-पक्षीक सूची

२३५. नायिका-केन्द्रक संकेतक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल हथियारक नाम दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान केवल भूगोलक नदी केवल पशु-पक्षीक सूची

(A) केवल हथियारक नाम

(B) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान

(C) केवल भूगोलक नदी

(D) केवल पशु-पक्षीक सूची

२३६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे नायिका-केन्द्रक संकेत पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल भूगोलक नदी केवल पशु-पक्षीक सूची केवल हथियारक नाम दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान

(A) केवल भूगोलक नदी

(B) केवल पशु-पक्षीक सूची

(C) केवल हथियारक नाम

(D) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान

२३७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ नायिका-केन्द्रक संकेतक सही व्याख्या की? केवल पशु-पक्षीक सूची केवल भूगोलक नदी दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान केवल हथियारक नाम

(A) केवल पशु-पक्षीक सूची

(B) केवल भूगोलक नदी

(C) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान

(D) केवल हथियारक नाम

२३८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे नायिका-केन्द्रक संकेत किएक उपयोगी अछि? केवल भूगोलक नदी दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान केवल पशु-पक्षीक सूची केवल हथियारक नाम

(A) केवल भूगोलक नदी

(B) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान

(C) केवल पशु-पक्षीक सूची

(D) केवल हथियारक नाम

२३९. नायिका-केन्द्रक संकेतक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान केवल भूगोलक नदी केवल हथियारक नाम केवल पशु-पक्षीक सूची

(A) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान

(B) केवल भूगोलक नदी

(C) केवल हथियारक नाम

(D) केवल पशु-पक्षीक सूची

२४०. 'नायिका-केन्द्रक संकेत' विषयक सही समझ चिन्हू। केवल पशु-पक्षीक सूची केवल हथियारक नाम दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान केवल भूगोलक नदी

(A) केवल पशु-पक्षीक सूची

(B) केवल हथियारक नाम

(C) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान

(D) केवल भूगोलक नदी

२४१. कथा-बीजक भूमिका — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल सूची देब आगूक घटनाक आधार राखब अर्थ हटाब कथा समाप्त करब

(A) केवल सूची देब

(B) आगूक घटनाक आधार राखब

(C) अर्थ हटाब

(D) कथा समाप्त करब

२४२. 'कथा-बीजक भूमिका' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कथा समाप्त करब अर्थ हटाब केवल सूची देब आगूक घटनाक आधार राखब

(A) कथा समाप्त करब

(B) अर्थ हटाब

(C) केवल सूची देब

(D) आगूक घटनाक आधार राखब

२४३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत कथा-बीजक भूमिका कोना बुझल जाइत अछि? आगूक घटनाक आधार राखब कथा समाप्त करब केवल सूची देब अर्थ हटाब

(A) आगूक घटनाक आधार राखब

(B) कथा समाप्त करब

(C) केवल सूची देब

(D) अर्थ हटाब

२४४. परीक्षामे कथा-बीजक भूमिका पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? कथा समाप्त करब आगूक घटनाक आधार राखब केवल सूची देब अर्थ हटाब

(A) कथा समाप्त करब

(B) आगूक घटनाक आधार राखब

(C) केवल सूची देब

(D) अर्थ हटाब

२४५. कथा-बीजक भूमिकाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? अर्थ हटाब कथा समाप्त करब आगूक घटनाक आधार राखब केवल सूची देब

(A) अर्थ हटाब

(B) कथा समाप्त करब

(C) आगूक घटनाक आधार राखब

(D) केवल सूची देब

२४६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे कथा-बीजक भूमिका पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कथा समाप्त करब आगूक घटनाक आधार राखब अर्थ हटाब केवल सूची देब

(A) कथा समाप्त करब

(B) आगूक घटनाक आधार राखब

(C) अर्थ हटाब

(D) केवल सूची देब

२४७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ कथा-बीजक भूमिकाक सही व्याख्या की? आगूक घटनाक आधार राखब अर्थ हटाब केवल सूची देब कथा समाप्त करब

(A) आगूक घटनाक आधार राखब

(B) अर्थ हटाब

(C) केवल सूची देब

(D) कथा समाप्त करब

२४८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे कथा-बीजक भूमिका किएक उपयोगी अछि? अर्थ हटाब कथा समाप्त करब आगूक घटनाक आधार राखब केवल सूची देब

(A) अर्थ हटाब

(B) कथा समाप्त करब

(C) आगूक घटनाक आधार राखब

(D) केवल सूची देब

२४९. कथा-बीजक भूमिकाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? अर्थ हटाब केवल सूची देब कथा समाप्त करब आगूक घटनाक आधार राखब

(A) अर्थ हटाब

(B) केवल सूची देब

(C) कथा समाप्त करब

(D) आगूक घटनाक आधार राखब

२५०. ‘कथा-बीजक भूमिका’ विषयक सही समझ चिन्हू। अर्थ हटाब केवल सूची देब आगूक घटनाक आधार राखब कथा समाप्त करब

(A) अर्थ हटाब

(B) केवल सूची देब

(C) आगूक घटनाक आधार राखब

(D) कथा समाप्त करब

२५१. सर्गान्तर-सूत्र — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? पूर्ण विच्छेद कथा-विरोध केवल अक्षर बदल एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

(A) पूर्ण विच्छेद

(B) कथा-विरोध

(C) केवल अक्षर बदल

(D) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

२५२. ‘सर्गान्तर-सूत्र’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। पूर्ण विच्छेद एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध केवल अक्षर बदल कथा-विरोध

(A) पूर्ण विच्छेद

(B) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

(C) केवल अक्षर बदल

(D) कथा-विरोध

२५३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत सर्गान्तर-सूत्र कोना बुझल जाइत अछि? पूर्ण विच्छेद कथा-विरोध एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध केवल अक्षर बदल

(A) पूर्ण विच्छेद

(B) कथा-विरोध

(C) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

(D) केवल अक्षर बदल

२५४. परीक्षामे सर्गान्तर-सूत्र पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? कथा-विरोध पूर्ण विच्छेद केवल अक्षर बदल एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

(A) कथा-विरोध

(B) पूर्ण विच्छेद

(C) केवल अक्षर बदल

(D) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

२५५. सर्गान्तर-सूत्रक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध केवल अक्षर बदल पूर्ण विच्छेद कथा-विरोध

(A) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

(B) केवल अक्षर बदल

(C) पूर्ण विच्छेद

(D) कथा-विरोध

२५६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे सर्गान्तर-सूत्र पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कथा-विरोध केवल अक्षर बदल पूर्ण विच्छेद एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

(A) कथा-विरोध

(B) केवल अक्षर बदल

(C) पूर्ण विच्छेद

(D) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

२५७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ सर्गान्तर-सूत्रक सही व्याख्या की? एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध कथा-विरोध पूर्ण विच्छेद केवल अक्षर बदल

(A) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

(B) कथा-विरोध

(C) पूर्ण विच्छेद

(D) केवल अक्षर बदल

२५८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे सर्गान्तर-सूत्र किएक उपयोगी अछि? पूर्ण विच्छेद केवल अक्षर बदल एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध कथा-विरोध

(A) पूर्ण विच्छेद

(B) केवल अक्षर बदल

(C) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

(D) कथा-विरोध

२५९. सर्गान्तर-सूत्रक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? पूर्ण विच्छेद केवल अक्षर बदल कथा-विरोध एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

(A) पूर्ण विच्छेद

(B) केवल अक्षर बदल

(C) कथा-विरोध

(D) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

२६०. 'सर्गान्तर-सूत्र' विषयक सही समझ चिन्हू। कथा-विरोध केवल अक्षर बदल पूर्ण विच्छेद एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

(A) कथा-विरोध

(B) केवल अक्षर बदल

(C) पूर्ण विच्छेद

(D) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध

२६१. पात्र-निर्माण — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल जन्म-तिथि बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण केवल वेश-रंग केवल नामावली

(A) केवल जन्म-तिथि

(B) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण

(C) केवल वेश-रंग

(D) केवल नामावली

२६२. 'पात्र-निर्माण' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण केवल वेश-रंग केवल जन्म-तिथि केवल नामावली

(A) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण

(B) केवल वेश-रंग

(C) केवल जन्म-तिथि

(D) केवल नामावली

२६३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत पात्र-निर्माण कोना बुझल जाइत अछि? बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण केवल जन्म-तिथि केवल वेश-रंग केवल नामावली

(A) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण

(B) केवल जन्म-तिथि

(C) केवल वेश-रंग

(D) केवल नामावली

२६४. परीक्षामे पात्र-निर्माण पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल नामावली केवल वेश-रंग बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण केवल जन्म-तिथि

(A) केवल नामावली

(B) केवल वेश-रंग

(C) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण

(D) केवल जन्म-तिथि

२६५. पात्र-निर्माणक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल जन्म-तिथि केवल नामावली केवल वेश-रंग बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण

(A) केवल जन्म-तिथि

(B) केवल नामावली

(C) केवल वेश-रंग

(D) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण

२६६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे पात्र-निर्माण पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल नामावली बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण केवल वेश-रंग केवल जन्म-तिथि

(A) केवल नामावली

(B) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण

(C) केवल वेश-रंग

(D) केवल जन्म-तिथि

२६७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ पात्र-निर्माणक सही व्याख्या की? केवल वेश-रंग केवल नामावली बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण केवल जन्म-तिथि

(A) केवल वेश-रंग

(B) केवल नामावली

(C) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण

(D) केवल जन्म-तिथि

२६८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे पात्र-निर्माण किएक उपयोगी अछि? बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण केवल जन्म-तिथि केवल नामावली केवल वेश-रंग

(A) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण

(B) केवल जन्म-तिथि

(C) केवल नामावली

(D) केवल वेश-रंग

२६९. पात्र-निर्माणक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल जन्म-तिथि केवल वेश-रंग बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण केवल नामावली

(A) केवल जन्म-तिथि

(B) केवल वेश-रंग

(C) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण

(D) केवल नामावली

२७०. ‘पात्र-निर्माण’ विषयक सही समझ चिन्हू। केवल जन्म-तिथि केवल नामावली केवल वेश-रंग बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण

(A) केवल जन्म-तिथि

(B) केवल नामावली

(C) केवल वेश-रंग

(D) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण

२७१. वातावरण-निर्माण — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल विराम-चिह्न केवल मुद्रक नाम केवल पृष्ठ संख्या स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव

(A) केवल विराम-चिह्न

(B) केवल मुद्रक नाम

(C) केवल पृष्ठ संख्या

(D) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव

२७२. ‘वातावरण-निर्माण’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव केवल मुद्रक नाम केवल विराम-चिह्न केवल पृष्ठ संख्या

(A) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव

(B) केवल मुद्रक नाम

(C) केवल विराम-चिह्न

(D) केवल पृष्ठ संख्या

२७३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत वातावरण-निर्माण कोना बुझल जाइत अछि? केवल मुद्रक नाम केवल विराम-चिह्न स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव केवल पृष्ठ संख्या

(A) केवल मुद्रक नाम

(B) केवल विराम-चिह्न

(C) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव

(D) केवल पृष्ठ संख्या

२७४. परीक्षामे वातावरण-निर्माण पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल पृष्ठ संख्या केवल मुद्रक नाम केवल विराम-चिह्न स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव

(A) केवल पृष्ठ संख्या

(B) केवल मुद्रक नाम

(C) केवल विराम-चिह्न

(D) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव

२७५. वातावरण-निर्माणक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल विराम-चिह्न स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव केवल मुद्रक नाम केवल पृष्ठ संख्या

(A) केवल विराम-चिह्न

(B) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव

(C) केवल मुद्रक नाम

(D) केवल पृष्ठ संख्या

२७६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे वातावरण-निर्माण पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल मुद्रक नाम स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव केवल विराम-चिह्न केवल पृष्ठ संख्या

(A) केवल मुद्रक नाम

(B) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव

(C) केवल विराम-चिह्न

(D) केवल पृष्ठ संख्या

२७७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ वातावरण-निर्माणक सही व्याख्या की? केवल मुद्रक नाम केवल विराम-चिह्न स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव केवल पृष्ठ संख्या

(A) केवल मुद्रक नाम

(B) केवल विराम-चिह्न

(C) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव

(D) केवल पृष्ठ संख्या

२७८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे वातावरण-निर्माण किएक उपयोगी अछि? केवल मुद्रक नाम केवल विराम-चिह्न स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव केवल पृष्ठ संख्या

(A) केवल मुद्रक नाम

(B) केवल विराम-चिह्न

(C) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव

(D) केवल पृष्ठ संख्या

२७९. वातावरण-निर्माणक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव केवल विराम-चिह्न केवल मुद्रक नाम केवल पृष्ठ संख्या

(A) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव

(B) केवल विराम-चिह्न

(C) केवल मुद्रक नाम

(D) केवल पृष्ठ संख्या

२८०. 'वातावरण-निर्माण' विषयक सही समझ चिन्हू। स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव केवल पृष्ठ संख्या केवल मुद्रक नाम केवल विराम-चिह्न

(A) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव

(B) केवल पृष्ठ संख्या

(C) केवल मुद्रक नाम

(D) केवल विराम-चिह्न

२८१. रस-नियोजन — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? मात्र गणना ध्वनि-विनाश सर्वनाम-सूची भावक कलात्मक विस्तार

(A) मात्र गणना

(B) ध्वनि-विनाश

(C) सर्वनाम-सूची

(D) भावक कलात्मक विस्तार

२८२. 'रस-नियोजन' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। मात्र गणना सर्वनाम-सूची ध्वनि-विनाश भावक कलात्मक विस्तार

(A) मात्र गणना

(B) सर्वनाम-सूची

(C) ध्वनि-विनाश

(D) भावक कलात्मक विस्तार

२८३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत रस-नियोजन कोना बुझल जाइत अछि? सर्वनाम-सूची भावक कलात्मक विस्तार मात्र गणना ध्वनि-विनाश

(A) सर्वनाम-सूची

(B) भावक कलात्मक विस्तार

(C) मात्र गणना

(D) ध्वनि-विनाश

२८४. परीक्षामे रस-नियोजन पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? सर्वनाम-सूची मात्र गणना भावक कलात्मक विस्तार ध्वनि-विनाश

(A) सर्वनाम-सूची

(B) मात्र गणना

(C) भावक कलात्मक विस्तार

(D) ध्वनि-विनाश

२८५. रस-नियोजनक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? ध्वनि-विनाश मात्र गणना सर्वनाम-सूची भावक कलात्मक विस्तार

(A) ध्वनि-विनाश

(B) मात्र गणना

(C) सर्वनाम-सूची

(D) भावक कलात्मक विस्तार

२८६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे रस-नियोजन पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? सर्वनाम-सूची मात्र गणना ध्वनि-विनाश भावक कलात्मक विस्तार

(A) सर्वनाम-सूची

(B) मात्र गणना

(C) ध्वनि-विनाश

(D) भावक कलात्मक विस्तार

२८७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ रस-नियोजनक सही व्याख्या की? मात्र गणना भावक कलात्मक विस्तार ध्वनि-विनाश सर्वनाम-सूची

(A) मात्र गणना

(B) भावक कलात्मक विस्तार

(C) ध्वनि-विनाश

(D) सर्वनाम-सूची

२८८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे रस-नियोजन किएक उपयोगी अछि? ध्वनि-विनाश मात्र गणना सर्वनाम-सूची भावक कलात्मक विस्तार

(A) ध्वनि-विनाश

(B) मात्र गणना

(C) सर्वनाम-सूची

(D) भावक कलात्मक विस्तार

२८९. रस-नियोजनक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? मात्र गणना भावक कलात्मक विस्तार ध्वनि-विनाश सर्वनाम-सूची

(A) मात्र गणना

(B) भावक कलात्मक विस्तार

(C) ध्वनि-विनाश

(D) सर्वनाम-सूची

२९०. 'रस-नियोजन' विषयक सही समझ चिन्हू। मात्र गणना भावक कलात्मक विस्तार ध्वनि-विनाश सर्वनाम-सूची

(A) मात्र गणना

(B) भावक कलात्मक विस्तार

(C) ध्वनि-विनाश

(D) सर्वनाम-सूची

२९१. सफल महाकाव्य-पठन — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब केवल नाम रटब शब्दार्थ छोड़ब प्रसंग उलटब

(A) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब

(B) केवल नाम रटब

(C) शब्दार्थ छोड़ब

(D) प्रसंग उलटब

२९२. 'सफल महाकाव्य-पठन' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। प्रसंग उलटब केवल नाम रटब कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब शब्दार्थ छोड़ब

(A) प्रसंग उलटब

(B) केवल नाम रटब

(C) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब

(D) शब्दार्थ छोड़ब

२९३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत सफल महाकाव्य-पठन कोना बुझल जाइत अछि? केवल नाम रटब प्रसंग उलटब कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब शब्दार्थ छोड़ब

(A) केवल नाम रटब

(B) प्रसंग उलटब

(C) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब

(D) शब्दार्थ छोड़ब

२९४. परीक्षामे सफल महाकाव्य-पठन पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब प्रसंग उलटब केवल नाम रटब शब्दार्थ छोड़ब

(A) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब

(B) प्रसंग उलटब

(C) केवल नाम रटब

(D) शब्दार्थ छोड़ब

२९५. सफल महाकाव्य-पठनक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल नाम रटब प्रसंग उलटब शब्दार्थ छोड़ब कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब

(A) केवल नाम रटब

(B) प्रसंग उलटब

(C) शब्दार्थ छोड़ब

(D) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब

२९६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे सफल महाकाव्य-पठन पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? प्रसंग उलटब शब्दार्थ छोड़ब कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब केवल नाम रटब

(A) प्रसंग उलटब

(B) शब्दार्थ छोड़ब

(C) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब

(D) केवल नाम रटब

२९७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ सफल महाकाव्य-पठनक सही व्याख्या की? प्रसंग उलटब शब्दार्थ छोड़ब कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब केवल नाम रटब

(A) प्रसंग उलटब

(B) शब्दार्थ छोड़ब

(C) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब

(D) केवल नाम रटब

२९८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे सफल महाकाव्य-पठन किएक उपयोगी अछि? शब्दार्थ छोड़ब कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब प्रसंग उलटब केवल नाम रटब

(A) शब्दार्थ छोड़ब

(B) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब

(C) प्रसंग उलटब

(D) केवल नाम रटब

२९९. सफल महाकाव्य-पठनक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब प्रसंग उलटब शब्दार्थ छोड़ब केवल नाम रटब

(A) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब

(B) प्रसंग उलटब

(C) शब्दार्थ छोड़ब

(D) केवल नाम रटब

३००. ‘सफल महाकाव्य-पठन’ विषयक सही समझ चिन्हू। प्रसंग उलटब शब्दार्थ छोड़ब केवल नाम रटब कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब

(A) प्रसंग उलटब

(B) शब्दार्थ छोड़ब

(C) केवल नाम रटब

(D) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब

३०१. प्रथम सर्गक मूल काज — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कृति समाप्त करब काव्यक आरम्भिक संसार खोलब द्वितीय सर्ग हटाब मात्र उपसंहार देब

(A) कृति समाप्त करब

(B) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब

(C) द्वितीय सर्ग हटाब

(D) मात्र उपसंहार देब

३०२. ‘प्रथम सर्गक मूल काज’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। काव्यक आरम्भिक संसार खोलब मात्र उपसंहार देब द्वितीय सर्ग हटाब कृति समाप्त करब

(A) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब

(B) मात्र उपसंहार देब

(C) द्वितीय सर्ग हटाब

(D) कृति समाप्त करब

३०३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत प्रथम सर्गक मूल काज कोना बुझल जाइत अछि? काव्यक आरम्भिक संसार खोलब द्वितीय सर्ग हटाब मात्र उपसंहार देब कृति समाप्त करब

(A) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब

(B) द्वितीय सर्ग हटाब

(C) मात्र उपसंहार देब

(D) कृति समाप्त करब

३०४. परीक्षामे प्रथम सर्गक मूल काज पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? मात्र उपसंहार देब कृति समाप्त करब द्वितीय सर्ग हटाब काव्यक आरम्भिक संसार खोलब

(A) मात्र उपसंहार देब

(B) कृति समाप्त करब

(C) द्वितीय सर्ग हटाब

(D) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब

३०५. प्रथम सर्गक मूल काजक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? मात्र उपसंहार देब काव्यक आरम्भिक संसार खोलब द्वितीय सर्ग हटाब कृति समाप्त करब

(A) मात्र उपसंहार देब

(B) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब

(C) द्वितीय सर्ग हटाब

(D) कृति समाप्त करब

३०६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे प्रथम सर्गक मूल काज पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? द्वितीय सर्ग हटाब कृति समाप्त करब काव्यक आरम्भिक संसार खोलब मात्र उपसंहार देब

(A) द्वितीय सर्ग हटाब

(B) कृति समाप्त करब

(C) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब

(D) मात्र उपसंहार देब

३०७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ प्रथम सर्गक मूल काजक सही व्याख्या की? द्वितीय सर्ग हटाब कृति समाप्त करब काव्यक आरम्भिक संसार खोलब मात्र उपसंहार देब

(A) द्वितीय सर्ग हटाब

(B) कृति समाप्त करब

(C) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब

(D) मात्र उपसंहार देब

३०८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे प्रथम सर्गक मूल काज किएक उपयोगी अछि? द्वितीय सर्ग हटाब मात्र उपसंहार देब काव्यक आरम्भिक संसार खोलब कृति समाप्त करब

(A) द्वितीय सर्ग हटाब

(B) मात्र उपसंहार देब

(C) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब

(D) कृति समाप्त करब

३०९. प्रथम सर्गक मूल काजक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? द्वितीय सर्ग हटाब काव्यक आरम्भिक संसार खोलब मात्र उपसंहार देब कृति समाप्त करब

(A) द्वितीय सर्ग हटाब

(B) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब

(C) मात्र उपसंहार देब

(D) कृति समाप्त करब

३१०. 'प्रथम सर्गक मूल काज' विषयक सही समझ चिन्हू। द्वितीय सर्ग हटाब कृति समाप्त करब काव्यक आरम्भिक संसार खोलब मात्र उपसंहार देब

(A) द्वितीय सर्ग हटाब

(B) कृति समाप्त करब

(C) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब

(D) मात्र उपसंहार देब

३११. आरम्भिक वातावरण — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल गणितीय तालिका सादा आदेश-पत्र असम्बद्ध व्यापार-सूची कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति

(A) केवल गणितीय तालिका

(B) सादा आदेश-पत्र

(C) असम्बद्ध व्यापार-सूची

(D) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति

३१२. 'आरम्भिक वातावरण' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति असम्बद्ध व्यापार-सूची केवल गणितीय तालिका सादा आदेश-पत्र

(A) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति

(B) असम्बद्ध व्यापार-सूची

(C) केवल गणितीय तालिका

(D) सादा आदेश-पत्र

३१३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत आरम्भिक वातावरण कोना बुझल जाइत अछि? असम्बद्ध व्यापार-सूची केवल गणितीय तालिका सादा आदेश-पत्र कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति

(A) असम्बद्ध व्यापार-सूची

(B) केवल गणितीय तालिका

(C) सादा आदेश-पत्र

(D) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति

३१४. परीक्षामे आरम्भिक वातावरण पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? असम्बद्ध व्यापार-सूची कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति सादा आदेश-पत्र केवल गणितीय तालिका

(A) असम्बद्ध व्यापार-सूची

(B) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति

(C) सादा आदेश-पत्र

(D) केवल गणितीय तालिका

३१५. आरम्भिक वातावरणक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? सादा आदेश-पत्र असम्बद्ध व्यापार-सूची कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति केवल गणितीय तालिका

(A) सादा आदेश-पत्र

(B) असम्बद्ध व्यापार-सूची

(C) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति

(D) केवल गणितीय तालिका

३१६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे आरम्भिक वातावरण पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति असम्बद्ध व्यापार-सूची सादा आदेश-पत्र केवल गणितीय तालिका

(A) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति

(B) असम्बद्ध व्यापार-सूची

(C) सादा आदेश-पत्र

(D) केवल गणितीय तालिका

३१७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ आरम्भिक वातावरणक सही व्याख्या की? सादा आदेश-पत्र केवल गणितीय तालिका कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति असम्बद्ध व्यापार-सूची

(A) सादा आदेश-पत्र

(B) केवल गणितीय तालिका

(C) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति

(D) असम्बद्ध व्यापार-सूची

३१८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे आरम्भिक वातावरण किएक उपयोगी अछि? सादा आदेश-पत्र असम्बद्ध व्यापार-सूची कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति केवल गणितीय तालिका

(A) सादा आदेश-पत्र

(B) असम्बद्ध व्यापार-सूची

(C) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति

(D) केवल गणितीय तालिका

३१९. आरम्भिक वातावरणक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? सादा आदेश-पत्र केवल गणितीय तालिका असम्बद्ध व्यापार-सूची कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति

(A) सादा आदेश-पत्र

(B) केवल गणितीय तालिका

(C) असम्बद्ध व्यापार-सूची

(D) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति

३२०. 'आरम्भिक वातावरण' विषयक सही समझ चिन्हू। केवल गणितीय तालिका कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति सादा आदेश-पत्र असम्बद्ध व्यापार-सूची

(A) केवल गणितीय तालिका

(B) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति

(C) सादा आदेश-पत्र

(D) असम्बद्ध व्यापार-सूची

३२१. मुख्य पात्रक संकेत — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कथानक-विरोध केवल पृष्ठ-गणना चरित्रक आरम्भिक रेखांकन पात्रक पूर्ण विस्मृति

(A) कथानक-विरोध

(B) केवल पृष्ठ-गणना

(C) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन

(D) पात्रक पूर्ण विस्मृति

३२२. 'मुख्य पात्रक संकेत' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कथानक-विरोध केवल पृष्ठ-गणना चरित्रक आरम्भिक रेखांकन पात्रक पूर्ण विस्मृति

(A) कथानक-विरोध

(B) केवल पृष्ठ-गणना

(C) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन

(D) पात्रक पूर्ण विस्मृति

३२३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत मुख्य पात्रक संकेत कोना बुझल जाइत अछि? कथानक-विरोध केवल पृष्ठ-गणना पात्रक पूर्ण विस्मृति चरित्रक आरम्भिक रेखांकन

(A) कथानक-विरोध

(B) केवल पृष्ठ-गणना

(C) पात्रक पूर्ण विस्मृति

(D) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन

३२४. परीक्षामे मुख्य पात्रक संकेत पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? पात्रक पूर्ण विस्मृति केवल पृष्ठ-गणना कथानक-विरोध चरित्रक आरम्भिक रेखांकन

(A) पात्रक पूर्ण विस्मृति

(B) केवल पृष्ठ-गणना

(C) कथानक-विरोध

(D) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन

३२५. मुख्य पात्रक संकेतक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कथानक-विरोध चरित्रक आरम्भिक रेखांकन पात्रक पूर्ण विस्मृति केवल पृष्ठ-गणना

(A) कथानक-विरोध

(B) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन

(C) पात्रक पूर्ण विस्मृति

(D) केवल पृष्ठ-गणना

३२६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे मुख्य पात्रक संकेत पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? चरित्रक आरम्भिक रेखांकन पात्रक पूर्ण विस्मृति केवल पृष्ठ-गणना कथानक-विरोध

(A) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन

(B) पात्रक पूर्ण विस्मृति

(C) केवल पृष्ठ-गणना

(D) कथानक-विरोध

३२७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ मुख्य पात्रक संकेतक सही व्याख्या की? पात्रक पूर्ण विस्मृति कथानक-विरोध चरित्रक आरम्भिक रेखांकन केवल पृष्ठ-गणना

(A) पात्रक पूर्ण विस्मृति

(B) कथानक-विरोध

(C) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन

(D) केवल पृष्ठ-गणना

३२८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे मुख्य पात्रक संकेत किएक उपयोगी अछि? चरित्रक आरम्भिक रेखांकन केवल पृष्ठ-गणना पात्रक पूर्ण विस्मृति कथानक-विरोध

(A) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन

(B) केवल पृष्ठ-गणना

(C) पात्रक पूर्ण विस्मृति

(D) कथानक-विरोध

३२९. मुख्य पात्रक संकेतक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? पात्रक पूर्ण विस्मृति कथानक-विरोध चरित्रक आरम्भिक रेखांकन केवल पृष्ठ-गणना

(A) पात्रक पूर्ण विस्मृति

(B) कथानक-विरोध

(C) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन

(D) केवल पृष्ठ-गणना

३३०. 'मुख्य पात्रक संकेत' विषयक सही समझ चिन्हू। कथानक-विरोध केवल पृष्ठ-गणना पात्रक पूर्ण विस्मृति चरित्रक आरम्भिक रेखांकन

(A) कथानक-विरोध

(B) केवल पृष्ठ-गणना

(C) पात्रक पूर्ण विस्मृति

(D) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन

३३१. कथा-संघर्षक बीज — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत अर्थ उलटब तनावक अभाव घोषित करब कथा समाप्त करब

(A) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत

(B) अर्थ उलटब

(C) तनावक अभाव घोषित करब

(D) कथा समाप्त करब

३३२. 'कथा-संघर्षक बीज' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। तनावक अभाव घोषित करब कथा समाप्त करब आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत अर्थ उलटब

(A) तनावक अभाव घोषित करब

(B) कथा समाप्त करब

(C) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत

(D) अर्थ उलटब

३३३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत कथा-संघर्षक बीज कोना बुझल जाइत अछि? कथा समाप्त करब तनावक अभाव घोषित करब आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत अर्थ उलटब

(A) कथा समाप्त करब

(B) तनावक अभाव घोषित करब

(C) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत

(D) अर्थ उलटब

३३४. परीक्षामे कथा-संघर्षक बीज पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? तनावक अभाव घोषित करब अर्थ उलटब कथा समाप्त करब आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत

(A) तनावक अभाव घोषित करब

(B) अर्थ उलटब

(C) कथा समाप्त करब

(D) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत

३३५. कथा-संघर्षक बीजक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत अर्थ उलटब कथा समाप्त करब तनावक अभाव घोषित करब

(A) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत

(B) अर्थ उलटब

(C) कथा समाप्त करब

(D) तनावक अभाव घोषित करब

३३६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे कथा-संघर्षक बीज पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत तनावक अभाव घोषित करब अर्थ उलटब कथा समाप्त करब

(A) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत

(B) तनावक अभाव घोषित करब

(C) अर्थ उलटब

(D) कथा समाप्त करब

३३७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ कथा-संघर्षक बीजक सही व्याख्या की? अर्थ उलटब आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत कथा समाप्त करब तनावक अभाव घोषित करब

(A) अर्थ उलटब

(B) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत

(C) कथा समाप्त करब

(D) तनावक अभाव घोषित करब

३३८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे कथा-संघर्षक बीज किएक उपयोगी अछि? तनावक अभाव घोषित करब अर्थ उलटब आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत कथा समाप्त करब

(A) तनावक अभाव घोषित करब

(B) अर्थ उलटब

(C) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत

(D) कथा समाप्त करब

३३९. कथा-संघर्षक बीजक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? तनावक अभाव घोषित करब आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत कथा समाप्त करब अर्थ उलटब

(A) तनावक अभाव घोषित करब

(B) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत

(C) कथा समाप्त करब

(D) अर्थ उलटब

३४०. 'कथा-संघर्षक बीज' विषयक सही समझ चिन्हू। अर्थ उलटब तनावक अभाव घोषित करब आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत कथा समाप्त करब

(A) अर्थ उलटब

(B) तनावक अभाव घोषित करब

(C) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत

(D) कथा समाप्त करब

३४१. प्रस्तावनात्मक वर्णन — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? अर्थहीन विराम विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन विकल्प सूची केवल सजावटी अंक

(A) अर्थहीन विराम

(B) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन

(C) विकल्प सूची

(D) केवल सजावटी अंक

३४२. 'प्रस्तावनात्मक वर्णन' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल सजावटी अंक विकल्प सूची विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन अर्थहीन विराम

(A) केवल सजावटी अंक

(B) विकल्प सूची

(C) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन

(D) अर्थहीन विराम

३४३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत प्रस्तावनात्मक वर्णन कोना बुझल जाइत अछि? केवल सजावटी अंक विकल्प सूची अर्थहीन विराम विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन

(A) केवल सजावटी अंक

(B) विकल्प सूची

(C) अर्थहीन विराम

(D) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन

३४४. परीक्षामे प्रस्तावनात्मक वर्णन पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल सजावटी अंक विकल्प सूची विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन अर्थहीन विराम

(A) केवल सजावटी अंक

(B) विकल्प सूची

(C) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन

(D) अर्थहीन विराम

३४५. प्रस्तावनात्मक वर्णनक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? अर्थहीन विराम विकल्प सूची विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन केवल सजावटी अंक

(A) अर्थहीन विराम

(B) विकल्प सूची

(C) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन

(D) केवल सजावटी अंक

३४६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे प्रस्तावनात्मक वर्णन पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? अर्थहीन विराम केवल सजावटी अंक विकल्प सूची विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन

(A) अर्थहीन विराम

(B) केवल सजावटी अंक

(C) विकल्प सूची

(D) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन

३४७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ प्रस्तावनात्मक वर्णनक सही व्याख्या की? केवल सजावटी अंक विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन अर्थहीन विराम विकल्प सूची

(A) केवल सजावटी अंक

(B) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन

(C) अर्थहीन विराम

(D) विकल्प सूची

३४८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे प्रस्तावनात्मक वर्णन किएक उपयोगी अछि? अर्थहीन विराम केवल सजावटी अंक विकल्प सूची विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन

(A) अर्थहीन विराम

(B) केवल सजावटी अंक

(C) विकल्प सूची

(D) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन

३४९. प्रस्तावनात्मक वर्णनक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल सजावटी अंक अर्थहीन विराम विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन विकल्प सूची

(A) केवल सजावटी अंक

(B) अर्थहीन विराम

(C) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन

(D) विकल्प सूची

३५०. ‘प्रस्तावनात्मक वर्णन’ विषयक सही समझ चिन्हू। अर्थहीन विराम विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन विकल्प सूची केवल सजावटी अंक

(A) अर्थहीन विराम

(B) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन

(C) विकल्प सूची

(D) केवल सजावटी अंक

३५१. दत्त-वतीक प्रथम छवि — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? लिपि-तालिका निरर्थक ध्वनि गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत मात्र वस्तु-सूची

(A) लिपि-तालिका

(B) निरर्थक ध्वनि

(C) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत

(D) मात्र वस्तु-सूची

३५२. ‘दत्त-वतीक प्रथम छवि’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत मात्र वस्तु-सूची निरर्थक ध्वनि लिपि-तालिका

(A) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत

(B) मात्र वस्तु-सूची

(C) निरर्थक ध्वनि

(D) लिपि-तालिका

३५३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत दत्त-वतीक प्रथम छवि कोना बुझल जाइत अछि? लिपि-तालिका मात्र वस्तु-सूची गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत निरर्थक ध्वनि

(A) लिपि-तालिका

(B) मात्र वस्तु-सूची

(C) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत

(D) निरर्थक ध्वनि

३५४. परीक्षामे दत्त-वतीक प्रथम छवि पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? मात्र वस्तु-सूची लिपि-तालिका गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत निरर्थक ध्वनि

(A) मात्र वस्तु-सूची

(B) लिपि-तालिका

(C) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत

(D) निरर्थक ध्वनि

३५५. दत्त-वतीक प्रथम छविक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? मात्र वस्तु-सूची गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत निरर्थक ध्वनि लिपि-तालिका

(A) मात्र वस्तु-सूची

(B) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत

(C) निरर्थक ध्वनि

(D) लिपि-तालिका

३५६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे दत्त-वतीक प्रथम छवि पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? निरर्थक ध्वनि गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत मात्र वस्तु-सूची लिपि-तालिका

(A) निरर्थक ध्वनि

(B) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत

(C) मात्र वस्तु-सूची

(D) लिपि-तालिका

३५७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ दत्त-वतीक प्रथम छविक सही व्याख्या की? मात्र वस्तु-सूची लिपि-तालिका निरर्थक ध्वनि गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत

(A) मात्र वस्तु-सूची

(B) लिपि-तालिका

(C) निरर्थक ध्वनि

(D) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत

३५८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे दत्त-वतीक प्रथम छवि किएक उपयोगी अछि? मात्र वस्तु-सूची लिपि-तालिका निरर्थक ध्वनि गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत

(A) मात्र वस्तु-सूची

(B) लिपि-तालिका

(C) निरर्थक ध्वनि

(D) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत

३५९. दत्त-वतीक प्रथम छविक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? लिपि-तालिका गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत निरर्थक ध्वनि मात्र वस्तु-सूची

(A) लिपि-तालिका

(B) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत

(C) निरर्थक ध्वनि

(D) मात्र वस्तु-सूची

३६०. ‘दत्त-वतीक प्रथम छवि’ विषयक सही समझ चिन्हू। गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत निरर्थक ध्वनि लिपि-तालिका मात्र वस्तु-सूची

(A) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत

(B) निरर्थक ध्वनि

(C) लिपि-तालिका

(D) मात्र वस्तु-सूची

३६१. प्रथम सर्गक भाषा — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? दुकानक हिसाब यंत्र निर्देश आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता सूखा कानूनी नोटिस

(A) दुकानक हिसाब

(B) यंत्र निर्देश

(C) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता

(D) सूखा कानूनी नोटिस

३६२. 'प्रथम सर्गक भाषा' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता यंत्र निर्देश सूखा कानूनी नोटिस दुकानक हिसाब

(A) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता

(B) यंत्र निर्देश

(C) सूखा कानूनी नोटिस

(D) दुकानक हिसाब

३६३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत प्रथम सर्गक भाषा कोना बुझल जाइत अछि? आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता यंत्र निर्देश दुकानक हिसाब सूखा कानूनी नोटिस

(A) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता

(B) यंत्र निर्देश

(C) दुकानक हिसाब

(D) सूखा कानूनी नोटिस

३६४. परीक्षामे प्रथम सर्गक भाषा पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता यंत्र निर्देश सूखा कानूनी नोटिस दुकानक हिसाब

(A) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता

(B) यंत्र निर्देश

(C) सूखा कानूनी नोटिस

(D) दुकानक हिसाब

३६५. प्रथम सर्गक भाषाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता दुकानक हिसाब सूखा कानूनी नोटिस यंत्र निर्देश

(A) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता

(B) दुकानक हिसाब

(C) सूखा कानूनी नोटिस

(D) यंत्र निर्देश

३६६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे प्रथम सर्गक भाषा पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? यंत्र निर्देश आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता सूखा कानूनी नोटिस दुकानक हिसाब

(A) यंत्र निर्देश

(B) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता

(C) सूखा कानूनी नोटिस

(D) दुकानक हिसाब

३६७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ प्रथम सर्गक भाषाक सही व्याख्या की? आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता सूखा कानूनी नोटिस यंत्र निर्देश दुकानक हिसाब

(A) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता

(B) सूखा कानूनी नोटिस

(C) यंत्र निर्देश

(D) दुकानक हिसाब

३६८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे प्रथम सर्गक भाषा किएक उपयोगी अछि? यंत्र निर्देश दुकानक हिसाब सूखा कानूनी नोटिस आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता

(A) यंत्र निर्देश

(B) दुकानक हिसाब

(C) सूखा कानूनी नोटिस

(D) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता

३६९. प्रथम सर्गक भाषाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? यंत्र निर्देश सूखा कानूनी नोटिस आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता दुकानक हिसाब

(A) यंत्र निर्देश

(B) सूखा कानूनी नोटिस

(C) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता

(D) दुकानक हिसाब

३७०. 'प्रथम सर्गक भाषा' विषयक सही समझ चिन्हू। आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता दुकानक हिसाब सूखा कानूनी नोटिस यंत्र निर्देश

(A) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता

(B) दुकानक हिसाब

(C) सूखा कानूनी नोटिस

(D) यंत्र निर्देश

३७१. प्रकृति-संकेत — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? भावानुकूल दृश्य-बिम्ब केवल तिथि-सूची मुद्रण-आदेश कथा-विरोधी शोर

(A) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब

(B) केवल तिथि-सूची

(C) मुद्रण-आदेश

(D) कथा-विरोधी शोर

३७२. 'प्रकृति-संकेत' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। मुद्रण-आदेश भावानुकूल दृश्य-बिम्ब केवल तिथि-सूची कथा-विरोधी शोर

(A) मुद्रण-आदेश

(B) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब

(C) केवल तिथि-सूची

(D) कथा-विरोधी शोर

३७३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत प्रकृति-संकेत कोना बुझल जाइत अछि? केवल तिथि-सूची भावानुकूल दृश्य-बिम्ब कथा-विरोधी शोर मुद्रण-आदेश

(A) केवल तिथि-सूची

(B) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब

(C) कथा-विरोधी शोर

(D) मुद्रण-आदेश

३७४. परीक्षामे प्रकृति-संकेत पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल तिथि-सूची कथा-विरोधी शोर भावानुकूल दृश्य-बिम्ब मुद्रण-आदेश

(A) केवल तिथि-सूची

(B) कथा-विरोधी शोर

(C) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब

(D) मुद्रण-आदेश

३७५. प्रकृति-संकेतक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कथा-विरोधी शोर मुद्रण-आदेश केवल तिथि-सूची भावानुकूल दृश्य-बिम्ब

(A) कथा-विरोधी शोर

(B) मुद्रण-आदेश

(C) केवल तिथि-सूची

(D) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब

३७६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे प्रकृति-संकेत पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? भावानुकूल दृश्य-बिम्ब मुद्रण-आदेश केवल तिथि-सूची कथा-विरोधी शोर

(A) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब

(B) मुद्रण-आदेश

(C) केवल तिथि-सूची

(D) कथा-विरोधी शोर

३७७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ प्रकृति-संकेतक सही व्याख्या की? कथा-विरोधी शोर केवल तिथि-सूची मुद्रण-आदेश भावानुकूल दृश्य-बिम्ब

(A) कथा-विरोधी शोर

(B) केवल तिथि-सूची

(C) मुद्रण-आदेश

(D) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब

३७८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे प्रकृति-संकेत किएक उपयोगी अछि? केवल तिथि-सूची भावानुकूल दृश्य-बिम्ब मुद्रण-आदेश कथा-विरोधी शोर

(A) केवल तिथि-सूची

(B) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब

(C) मुद्रण-आदेश

(D) कथा-विरोधी शोर

३७९. प्रकृति-संकेतक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल तिथि-सूची मुद्रण-आदेश भावानुकूल दृश्य-बिम्ब कथा-विरोधी शोर

(A) केवल तिथि-सूची

(B) मुद्रण-आदेश

(C) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब

(D) कथा-विरोधी शोर

३८०. 'प्रकृति-संकेत' विषयक सही समझ चिन्हू। केवल तिथि-सूची भावानुकूल दृश्य-बिम्ब कथा-विरोधी शोर मुद्रण-आदेश

(A) केवल तिथि-सूची

(B) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब

(C) कथा-विरोधी शोर

(D) मुद्रण-आदेश

३८१. आरम्भक धीमा विस्तार — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कथा छोड़ेबाक उपाय तुरन्त निष्कर्ष पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति विषय-विस्मृति

(A) कथा छोड़ेबाक उपाय

(B) तुरन्त निष्कर्ष

(C) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

(D) विषय-विस्मृति

३८२. 'आरम्भक धीमा विस्तार' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कथा छोड़ेबाक उपाय विषय-विस्मृति तुरन्त निष्कर्ष पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

(A) कथा छोड़ेबाक उपाय

(B) विषय-विस्मृति

(C) तुरन्त निष्कर्ष

(D) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

३८३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत आरम्भक धीमा विस्तार कोना बुझल जाइत अछि? तुरन्त निष्कर्ष कथा छोड़ेबाक उपाय पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति विषय-विस्मृति

(A) तुरन्त निष्कर्ष

(B) कथा छोड़ेबाक उपाय

(C) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

(D) विषय-विस्मृति

३८४. परीक्षामे आरम्भक धीमा विस्तार पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? विषय-विस्मृति तुरन्त निष्कर्ष पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति कथा छोड़ेबाक उपाय

(A) विषय-विस्मृति

(B) तुरन्त निष्कर्ष

(C) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

(D) कथा छोड़ेबाक उपाय

३८५. आरम्भक धीमा विस्तारक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? विषय-विस्मृति कथा छोड़ेबाक उपाय पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति तुरन्त निष्कर्ष

(A) विषय-विस्मृति

(B) कथा छोड़ेबाक उपाय

(C) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

(D) तुरन्त निष्कर्ष

३८६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे आरम्भक धीमा विस्तार पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? विषय-विस्मृति कथा छोड़ेबाक उपाय पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति तुरन्त निष्कर्ष

(A) विषय-विस्मृति

(B) कथा छोड़ेबाक उपाय

(C) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

(D) तुरन्त निष्कर्ष

३८७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ आरम्भक धीमा विस्तारक सही व्याख्या की? कथा छोड़ेबाक उपाय तुरन्त निष्कर्ष विषय-विस्मृति पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

(A) कथा छोड़ेबाक उपाय

(B) तुरन्त निष्कर्ष

(C) विषय-विस्मृति

(D) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

३८८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे आरम्भक धीमा विस्तार किएक उपयोगी अछि? कथा छोड़ेबाक उपाय तुरन्त निष्कर्ष विषय-विस्मृति पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

(A) कथा छोड़ेबाक उपाय

(B) तुरन्त निष्कर्ष

(C) विषय-विस्मृति

(D) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

३८९. आरम्भक धीमा विस्तारक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? विषय-विस्मृति पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति कथा छोड़ेबाक उपाय तुरन्त निष्कर्ष

(A) विषय-विस्मृति

(B) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

(C) कथा छोड़ेबाक उपाय

(D) तुरन्त निष्कर्ष

३९०. ‘आरम्भक धीमा विस्तार’ विषयक सही समझ चिन्हू। विषय-विस्मृति कथा छोड़ेबाक उपाय तुरन्त निष्कर्ष पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

(A) विषय-विस्मृति

(B) कथा छोड़ेबाक उपाय

(C) तुरन्त निष्कर्ष

(D) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति

३९१. प्रथम सर्गक समीक्षा — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कागजक आकार कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित अनुक्रमणिका मात्र प्रकाशकक पता मात्र

(A) कागजक आकार

(B) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित

(C) अनुक्रमणिका मात्र

(D) प्रकाशकक पता मात्र

३९२. 'प्रथम सर्गक समीक्षा' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। अनुक्रमणिका मात्र कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित प्रकाशकक पता मात्र कागजक आकार

(A) अनुक्रमणिका मात्र

(B) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित

(C) प्रकाशकक पता मात्र

(D) कागजक आकार

३९३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत प्रथम सर्गक समीक्षा कोना बुझल जाइत अछि? कागजक आकार प्रकाशकक पता मात्र अनुक्रमणिका मात्र कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित

(A) कागजक आकार

(B) प्रकाशकक पता मात्र

(C) अनुक्रमणिका मात्र

(D) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित

३९४. परीक्षामे प्रथम सर्गक समीक्षा पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? अनुक्रमणिका मात्र कागजक आकार कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित प्रकाशकक पता मात्र

(A) अनुक्रमणिका मात्र

(B) कागजक आकार

(C) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित

(D) प्रकाशकक पता मात्र

३९५. प्रथम सर्गक समीक्षाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कागजक आकार अनुक्रमणिका मात्र कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित प्रकाशकक पता मात्र

(A) कागजक आकार

(B) अनुक्रमणिका मात्र

(C) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित

(D) प्रकाशकक पता मात्र

३९६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे प्रथम सर्गक समीक्षा पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? प्रकाशकक पता मात्र कागजक आकार अनुक्रमणिका मात्र कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित

(A) प्रकाशकक पता मात्र

(B) कागजक आकार

(C) अनुक्रमणिका मात्र

(D) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित

३९७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ प्रथम सर्गक समीक्षाक सही व्याख्या की? कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित प्रकाशकक पता मात्र अनुक्रमणिका मात्र कागजक आकार

(A) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित

(B) प्रकाशकक पता मात्र

(C) अनुक्रमणिका मात्र

(D) कागजक आकार

३९८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे प्रथम सर्गक समीक्षा किएक उपयोगी अछि? अनुक्रमणिका मात्र प्रकाशकक पता मात्र कागजक आकार कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित

(A) अनुक्रमणिका मात्र

(B) प्रकाशकक पता मात्र

(C) कागजक आकार

(D) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित

३९९. प्रथम सर्गक समीक्षाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? अनुक्रमणिका मात्र कागजक आकार कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित प्रकाशकक पता मात्र

(A) अनुक्रमणिका मात्र

(B) कागजक आकार

(C) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित

(D) प्रकाशकक पता मात्र

४००. 'प्रथम सर्गक समीक्षा' विषयक सही समझ चिन्हू। अनुक्रमणिका मात्र कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित प्रकाशकक पता मात्र कागजक आकार

(A) अनुक्रमणिका मात्र

(B) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित

(C) प्रकाशकक पता मात्र

(D) कागजक आकार

४०१. रसात्मक आरम्भ — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब अर्थहीन शोर भाव हटाब कथा तोड़ब

(A) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब

(B) अर्थहीन शोर

(C) भाव हटाब

(D) कथा तोड़ब

४०२. 'रसात्मक आरम्भ' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब कथा तोड़ब अर्थहीन शोर भाव हटाब

(A) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब

(B) कथा तोड़ब

(C) अर्थहीन शोर

(D) भाव हटाब

४०३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत रसात्मक आरम्भ कोना बुझल जाइत अछि? अर्थहीन शोर कथा तोड़ब भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब भाव हटाब

(A) अर्थहीन शोर

(B) कथा तोड़ब

(C) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब

(D) भाव हटाब

४०४. परीक्षामे रसात्मक आरम्भ पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब अर्थहीन शोर भाव हटाब कथा तोड़ब

(A) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब

(B) अर्थहीन शोर

(C) भाव हटाब

(D) कथा तोड़ब

४०५. रसात्मक आरम्भक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? अर्थहीन शोर भाव हटाब भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब कथा तोड़ब

(A) अर्थहीन शोर

(B) भाव हटाब

(C) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब

(D) कथा तोड़ब

४०६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे रसात्मक आरम्भ पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? भाव हटाब भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब अर्थहीन शोर कथा तोड़ब

(A) भाव हटाब

(B) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब

(C) अर्थहीन शोर

(D) कथा तोड़ब

४०७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ रसात्मक आरम्भक सही व्याख्या की? भाव हटाब कथा तोड़ब भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब अर्थहीन शोर

(A) भाव हटाब

(B) कथा तोड़ब

(C) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब

(D) अर्थहीन शोर

४०८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे रसात्मक आरम्भ किएक उपयोगी अछि? अर्थहीन शोर भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब कथा तोड़ब भाव हटाब

(A) अर्थहीन शोर

(B) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब

(C) कथा तोड़ब

(D) भाव हटाब

४०९. रसात्मक आरम्भक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब भाव हटाब कथा तोड़ब अर्थहीन शोर

(A) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब

(B) भाव हटाब

(C) कथा तोड़ब

(D) अर्थहीन शोर

४१०. 'रसात्मक आरम्भ' विषयक सही समझ चिन्हू। अर्थहीन शोर भाव हटाब भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब कथा तोड़ब

(A) अर्थहीन शोर

(B) भाव हटाब

(C) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब

(D) कथा तोड़ब

४११. बिम्बक उपयोग — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? तालिका भरब शब्द नष्ट करब नाम लुकाब दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

(A) तालिका भरब

(B) शब्द नष्ट करब

(C) नाम लुकाब

(D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

४१२. 'बिम्बक उपयोग' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। शब्द नष्ट करब नाम लुकाब तालिका भरब दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

(A) शब्द नष्ट करब

(B) नाम लुकाब

(C) तालिका भरब

(D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

४१३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत बिम्बक उपयोग कोना बुझल जाइत अछि? शब्द नष्ट करब तालिका भरब नाम लुकाब दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

(A) शब्द नष्ट करब

(B) तालिका भरब

(C) नाम लुकाब

(D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

४१४. परीक्षामे बिम्बक उपयोग पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब तालिका भरब शब्द नष्ट करब नाम लुकाब

(A) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

(B) तालिका भरब

(C) शब्द नष्ट करब

(D) नाम लुकाब

४१५. बिम्बक उपयोगक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? शब्द नष्ट करब दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब नाम लुकाब तालिका भरब

(A) शब्द नष्ट करब

(B) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

(C) नाम लुकाब

(D) तालिका भरब

४१६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे बिम्बक उपयोग पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? तालिका भरब नाम लुकाब शब्द नष्ट करब दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

(A) तालिका भरब

(B) नाम लुकाब

(C) शब्द नष्ट करब

(D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

४१७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ बिम्बक उपयोगक सही व्याख्या की? शब्द नष्ट करब तालिका भरब नाम लुकाब दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

(A) शब्द नष्ट करब

(B) तालिका भरब

(C) नाम लुकाब

(D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

४१८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे बिम्बक उपयोग किएक उपयोगी अछि? तालिका भरब शब्द नष्ट करब नाम लुकाब दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

(A) तालिका भरब

(B) शब्द नष्ट करब

(C) नाम लुकाब

(D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

४१९. बिम्बक उपयोगक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? तालिका भरब शब्द नष्ट करब नाम लुकाब दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

(A) तालिका भरब

(B) शब्द नष्ट करब

(C) नाम लुकाब

(D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

४२०. 'बिम्बक उपयोग' विषयक सही समझ चिन्हू। दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब नाम लुकाब तालिका भरब शब्द नष्ट करब

(A) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब

(B) नाम लुकाब

(C) तालिका भरब

(D) शब्द नष्ट करब

४२१. उपमा-रूपक — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब केवल संख्या सूची-समाप्ति व्याकरण-विनाश

(A) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब

(B) केवल संख्या

(C) सूची-समाप्ति

(D) व्याकरण-विनाश

४२२. 'उपमा-रूपक' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल संख्या भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब व्याकरण-विनाश सूची-समाप्ति

(A) केवल संख्या

(B) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब

(C) व्याकरण-विनाश

(D) सूची-समाप्ति

४२३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत उपमा-रूपक कोना बुझल जाइत अछि? व्याकरण-विनाश केवल संख्या सूची-समाप्ति भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब

(A) व्याकरण-विनाश

(B) केवल संख्या

(C) सूची-समाप्ति

(D) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब

४२४. परीक्षामे उपमा-रूपक पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब सूची-समाप्ति व्याकरण-विनाश केवल संख्या

(A) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब

(B) सूची-समाप्ति

(C) व्याकरण-विनाश

(D) केवल संख्या

४२५. उपमा-रूपकक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? व्याकरण-विनाश केवल संख्या सूची-समाप्ति भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब

(A) व्याकरण-विनाश

(B) केवल संख्या

(C) सूची-समाप्ति

(D) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब

४२६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे उपमा-रूपक पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? व्याकरण-विनाश सूची-समाप्ति भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब केवल संख्या

(A) व्याकरण-विनाश

(B) सूची-समाप्ति

(C) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब

(D) केवल संख्या

४२७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ उपमा-रूपकक सही व्याख्या की? सूची-समाप्ति भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब केवल संख्या व्याकरण-विनाश

(A) सूची-समाप्ति

(B) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब

(C) केवल संख्या

(D) व्याकरण-विनाश

४२८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे उपमा-रूपक किएक उपयोगी अछि? केवल संख्या भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब व्याकरण-विनाश सूची-समाप्ति

(A) केवल संख्या

(B) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब

(C) व्याकरण-विनाश

(D) सूची-समाप्ति

४२९. उपमा-रूपकक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? सूची-समाप्ति भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब व्याकरण-विनाश केवल संख्या

(A) सूची-समाप्ति

(B) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब

(C) व्याकरण-विनाश

(D) केवल संख्या

४३०. 'उपमा-रूपक' विषयक सही समझ चिन्हू। सूची-समाप्ति केवल संख्या व्याकरण-विनाश भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब

(A) सूची-समाप्ति

(B) केवल संख्या

(C) व्याकरण-विनाश

(D) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब

४३१. करुण-संकेत — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? मात्र हास्य-सूची रसहीन निष्कर्ष पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति वर्णनक अभाव

(A) मात्र हास्य-सूची

(B) रसहीन निष्कर्ष

(C) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति

(D) वर्णनक अभाव

४३२. 'करुण-संकेत' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। वर्णनक अभाव रसहीन निष्कर्ष पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति मात्र हास्य-सूची

(A) वर्णनक अभाव

(B) रसहीन निष्कर्ष

(C) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति

(D) मात्र हास्य-सूची

४३३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत करुण-संकेत कोना बुझल जाइत अछि? पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति वर्णनक अभाव रसहीन निष्कर्ष मात्र हास्य-सूची

(A) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति

(B) वर्णनक अभाव

(C) रसहीन निष्कर्ष

(D) मात्र हास्य-सूची

४३४. परीक्षामे करुण-संकेत पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? रसहीन निष्कर्ष मात्र हास्य-सूची वर्णनक अभाव पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति

(A) रसहीन निष्कर्ष

(B) मात्र हास्य-सूची

(C) वर्णनक अभाव

(D) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति

४३५. करुण-संकेतक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? वर्णनक अभाव रसहीन निष्कर्ष मात्र हास्य-सूची पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति

(A) वर्णनक अभाव

(B) रसहीन निष्कर्ष

(C) मात्र हास्य-सूची

(D) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति

४३६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे करुण-संकेत पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? रसहीन निष्कर्ष मात्र हास्य-सूची वर्णनक अभाव पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति

(A) रसहीन निष्कर्ष

(B) मात्र हास्य-सूची

(C) वर्णनक अभाव

(D) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति

४३७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ करुण-संकेतक सही व्याख्या की? पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति रसहीन निष्कर्ष वर्णनक अभाव मात्र हास्य-सूची

(A) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति

(B) रसहीन निष्कर्ष

(C) वर्णनक अभाव

(D) मात्र हास्य-सूची

४३८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे करुण-संकेत किएक उपयोगी अछि? पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति रसहीन निष्कर्ष वर्णनक अभाव मात्र हास्य-सूची

(A) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति

(B) रसहीन निष्कर्ष

(C) वर्णनक अभाव

(D) मात्र हास्य-सूची

४३९. करुण-संकेतक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? मात्र हास्य-सूची पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति रसहीन निष्कर्ष वर्णनक अभाव

(A) मात्र हास्य-सूची

(B) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति

(C) रसहीन निष्कर्ष

(D) वर्णनक अभाव

४४०. 'करुण-संकेत' विषयक सही समझ चिन्हू। पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति रसहीन निष्कर्ष वर्णनक अभाव मात्र हास्य-सूची

(A) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति

(B) रसहीन निष्कर्ष

(C) वर्णनक अभाव

(D) मात्र हास्य-सूची

४४१. शृंगारिक संवेदना — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? शुष्क हिसाब अर्थहीन कोलाहल अशिष्ट विवरण मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

(A) शुष्क हिसाब

(B) अर्थहीन कोलाहल

(C) अशिष्ट विवरण

(D) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

४४२. 'शृंगारिक संवेदना' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। अशिष्ट विवरण मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप अर्थहीन कोलाहल शुष्क हिसाब

(A) अशिष्ट विवरण

(B) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

(C) अर्थहीन कोलाहल

(D) शुष्क हिसाब

४४३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत शृंगारिक संवेदना कोना बुझल जाइत अछि? मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप अशिष्ट विवरण शुष्क हिसाब अर्थहीन कोलाहल

(A) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

(B) अशिष्ट विवरण

(C) शुष्क हिसाब

(D) अर्थहीन कोलाहल

४४४. परीक्षामे शृंगारिक संवेदना पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? शुष्क हिसाब अर्थहीन कोलाहल अशिष्ट विवरण मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

(A) शुष्क हिसाब

(B) अर्थहीन कोलाहल

(C) अशिष्ट विवरण

(D) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

४४५. शृंगारिक संवेदनाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? अशिष्ट विवरण शुष्क हिसाब अर्थहीन कोलाहल मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

(A) अशिष्ट विवरण

(B) शुष्क हिसाब

(C) अर्थहीन कोलाहल

(D) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

४४६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे शृंगारिक संवेदना पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? शुष्क हिसाब मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप अशिष्ट विवरण अर्थहीन कोलाहल

(A) शुष्क हिसाब

(B) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

(C) अशिष्ट विवरण

(D) अर्थहीन कोलाहल

४४७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ शृंगारिक संवेदनाक सही व्याख्या की? अर्थहीन कोलाहल शुष्क हिसाब मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप अशिष्ट विवरण

(A) अर्थहीन कोलाहल

(B) शुष्क हिसाब

(C) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

(D) अशिष्ट विवरण

४४८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे शृंगारिक संवेदना किएक उपयोगी अछि? अशिष्ट विवरण मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप अर्थहीन कोलाहल शुष्क हिसाब

(A) अशिष्ट विवरण

(B) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

(C) अर्थहीन कोलाहल

(D) शुष्क हिसाब

४४९. शृंगारिक संवेदनाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? अशिष्ट विवरण शुष्क हिसाब अर्थहीन कोलाहल मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

(A) अशिष्ट विवरण

(B) शुष्क हिसाब

(C) अर्थहीन कोलाहल

(D) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

४५०. 'शृंगारिक संवेदना' विषयक सही समझ चिन्हू। शुष्क हिसाब मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप अर्थहीन कोलाहल अशिष्ट विवरण

(A) शुष्क हिसाब

(B) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप

(C) अर्थहीन कोलाहल

(D) अशिष्ट विवरण

४५१. वीरत्वक संकेत — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव कथा-विसर्जन स्मृति-विरोध निष्क्रियता मात्र

(A) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव

(B) कथा-विसर्जन

(C) स्मृति-विरोध

(D) निष्क्रियता मात्र

४५२. 'वीरत्वक संकेत' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। निष्क्रियता मात्र आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव स्मृति-विरोध कथा-विसर्जन

(A) निष्क्रियता मात्र

(B) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव

(C) स्मृति-विरोध

(D) कथा-विसर्जन

४५३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत वीरत्वक संकेत कोना बुझल जाइत अछि? कथा-विसर्जन आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव स्मृति-विरोध निष्क्रियता मात्र

(A) कथा-विसर्जन

(B) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव

(C) स्मृति-विरोध

(D) निष्क्रियता मात्र

४५४. परीक्षामे वीरत्वक संकेत पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव स्मृति-विरोध निष्क्रियता मात्र कथा-विसर्जन

(A) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव

(B) स्मृति-विरोध

(C) निष्क्रियता मात्र

(D) कथा-विसर्जन

४५५. वीरत्वक संकेतक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? स्मृति-विरोध निष्क्रियता मात्र आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव कथा-विसर्जन

(A) स्मृति-विरोध

(B) निष्क्रियता मात्र

(C) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव

(D) कथा-विसर्जन

४५६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे वीरत्वक संकेत पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? निष्क्रियता मात्र स्मृति-विरोध आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव कथा-विसर्जन

(A) निष्क्रियता मात्र

(B) स्मृति-विरोध

(C) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव

(D) कथा-विसर्जन

४५७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ वीरत्वक संकेतक सही व्याख्या की? स्मृति-विरोध आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव कथा-विसर्जन निष्क्रियता मात्र

(A) स्मृति-विरोध

(B) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव

(C) कथा-विसर्जन

(D) निष्क्रियता मात्र

४५८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे वीरत्वक संकेत किएक उपयोगी अछि? निष्क्रियता मात्र स्मृति-विरोध आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव कथा-विसर्जन

(A) निष्क्रियता मात्र

(B) स्मृति-विरोध

(C) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव

(D) कथा-विसर्जन

४५९. वीरत्वक संकेतक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? कथा-विसर्जन निष्क्रियता मात्र स्मृति-विरोध आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव

(A) कथा-विसर्जन

(B) निष्क्रियता मात्र

(C) स्मृति-विरोध

(D) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव

४६०. 'वीरत्वक संकेत' विषयक सही समझ चिन्हू। स्मृति-विरोध निष्क्रियता मात्र आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव कथा-विसर्जन

(A) स्मृति-विरोध

(B) निष्क्रियता मात्र

(C) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव

(D) कथा-विसर्जन

४६१. ध्वनि-सौन्दर्य — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? लय, अनुप्रास आ शब्द-गति मौन-सूची कठोर हिसाब अक्षर-विनाश

(A) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

(B) मौन-सूची

(C) कठोर हिसाब

(D) अक्षर-विनाश

४६२. 'ध्वनि-सौन्दर्य' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। अक्षर-विनाश कठोर हिसाब लय, अनुप्रास आ शब्द-गति मौन-सूची

(A) अक्षर-विनाश

(B) कठोर हिसाब

(C) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

(D) मौन-सूची

४६३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत ध्वनि-सौन्दर्य कोना बुझल जाइत अछि? मौन-सूची अक्षर-विनाश लय, अनुप्रास आ शब्द-गति कठोर हिसाब

(A) मौन-सूची

(B) अक्षर-विनाश

(C) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

(D) कठोर हिसाब

४६४. परीक्षामे ध्वनि-सौन्दर्य पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? अक्षर-विनाश कठोर हिसाब मौन-सूची लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

(A) अक्षर-विनाश

(B) कठोर हिसाब

(C) मौन-सूची

(D) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

४६५. ध्वनि-सौन्दर्यक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कठोर हिसाब मौन-सूची लय, अनुप्रास आ शब्द-गति अक्षर-विनाश

(A) कठोर हिसाब

(B) मौन-सूची

(C) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

(D) अक्षर-विनाश

४६६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे ध्वनि-सौन्दर्य पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? मौन-सूची अक्षर-विनाश कठोर हिसाब लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

(A) मौन-सूची

(B) अक्षर-विनाश

(C) कठोर हिसाब

(D) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

४६७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ ध्वनि-सौन्दर्यक सही व्याख्या की? अक्षर-विनाश कठोर हिसाब लय, अनुप्रास आ शब्द-गति मौन-सूची

(A) अक्षर-विनाश

(B) कठोर हिसाब

(C) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

(D) मौन-सूची

४६८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे ध्वनि-सौन्दर्य किएक उपयोगी अछि? मौन-सूची अक्षर-विनाश कठोर हिसाब लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

(A) मौन-सूची

(B) अक्षर-विनाश

(C) कठोर हिसाब

(D) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

४६९. ध्वनि-सौन्दर्यक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? मौन-सूची कठोर हिसाब अक्षर-विनाश लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

(A) मौन-सूची

(B) कठोर हिसाब

(C) अक्षर-विनाश

(D) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

४७०. 'ध्वनि-सौन्दर्य' विषयक सही समझ चिन्हू। मौन-सूची लय, अनुप्रास आ शब्द-गति कठोर हिसाब अक्षर-विनाश

(A) मौन-सूची

(B) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति

(C) कठोर हिसाब

(D) अक्षर-विनाश

४७१. भाव-क्रम — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? भावक पूर्ण अभाव आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई विषय छोड़ब उल्टा अनुक्रम

(A) भावक पूर्ण अभाव

(B) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई

(C) विषय छोड़ब

(D) उल्टा अनुक्रम

४७२. 'भाव-क्रम' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई विषय छोड़ब भावक पूर्ण अभाव उल्टा अनुक्रम

(A) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई

(B) विषय छोड़ब

(C) भावक पूर्ण अभाव

(D) उल्टा अनुक्रम

४७३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत भाव-क्रम कोना बुझल जाइत अछि? आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई विषय छोड़ब उल्टा अनुक्रम भावक पूर्ण अभाव

(A) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई

(B) विषय छोड़ब

(C) उल्टा अनुक्रम

(D) भावक पूर्ण अभाव

४७४. परीक्षामे भाव-क्रम पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? उल्टा अनुक्रम आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई विषय छोड़ब भावक पूर्ण अभाव

(A) उल्टा अनुक्रम

(B) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई

(C) विषय छोड़ब

(D) भावक पूर्ण अभाव

४७५. भाव-क्रमक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई विषय छोड़ब भावक पूर्ण अभाव उल्टा अनुक्रम

(A) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई

(B) विषय छोड़ब

(C) भावक पूर्ण अभाव

(D) उल्टा अनुक्रम

४७६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे भाव-क्रम पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? उल्टा अनुक्रम आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई भावक पूर्ण अभाव विषय छोड़ब

(A) उल्टा अनुक्रम

(B) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई

(C) भावक पूर्ण अभाव

(D) विषय छोड़ब

४७७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ भाव-क्रमक सही व्याख्या की? विषय छोड़ब उल्टा अनुक्रम आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई भावक पूर्ण अभाव

(A) विषय छोड़ब

(B) उल्टा अनुक्रम

(C) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई

(D) भावक पूर्ण अभाव

४७८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे भाव-क्रम किएक उपयोगी अछि? उल्टा अनुक्रम विषय छोड़ब भावक पूर्ण अभाव आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई

(A) उल्टा अनुक्रम

(B) विषय छोड़ब

(C) भावक पूर्ण अभाव

(D) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई

४७९. भाव-क्रमक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? उल्टा अनुक्रम विषय छोड़ब आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई भावक पूर्ण अभाव

(A) उल्टा अनुक्रम

(B) विषय छोड़ब

(C) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई

(D) भावक पूर्ण अभाव

४८०. 'भाव-क्रम' विषयक सही समझ चिन्हू। उल्टा अनुक्रम भावक पूर्ण अभाव विषय छोड़ब आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई

(A) उल्टा अनुक्रम

(B) भावक पूर्ण अभाव

(C) विषय छोड़ब

(D) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई

४८१. दृश्य आ मनःस्थिति — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल भाव शून्य केवल नाम-सूची दृश्य असम्बद्ध

(A) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल

(B) भाव शून्य

(C) केवल नाम-सूची

(D) दृश्य असम्बद्ध

४८२. 'दृश्य आ मनःस्थिति' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। दृश्य असम्बद्ध बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल भाव शून्य केवल नाम-सूची

(A) दृश्य असम्बद्ध

(B) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल

(C) भाव शून्य

(D) केवल नाम-सूची

४८३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत दृश्य आ मनःस्थिति कोना बुझल जाइत अछि? बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल भाव शून्य दृश्य असम्बद्ध केवल नाम-सूची

(A) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल

(B) भाव शून्य

(C) दृश्य असम्बद्ध

(D) केवल नाम-सूची

४८४. परीक्षामे दृश्य आ मनःस्थिति पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? भाव शून्य बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल दृश्य असम्बद्ध केवल नाम-सूची

(A) भाव शून्य

(B) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल

(C) दृश्य असम्बद्ध

(D) केवल नाम-सूची

४८५. दृश्य आ मनःस्थितिक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल केवल नाम-सूची भाव शून्य दृश्य असम्बद्ध

(A) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल

(B) केवल नाम-सूची

(C) भाव शून्य

(D) दृश्य असम्बद्ध

४८६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे दृश्य आ मनःस्थिति पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? भाव शून्य केवल नाम-सूची दृश्य असम्बद्ध बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल

(A) भाव शून्य

(B) केवल नाम-सूची

(C) दृश्य असम्बद्ध

(D) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल

४८७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ दृश्य आ मनःस्थितिक सही व्याख्या की? दृश्य असम्बद्ध बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल केवल नाम-सूची भाव शून्य

(A) दृश्य असम्बद्ध

(B) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल

(C) केवल नाम-सूची

(D) भाव शून्य

४८८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे दृश्य आ मनःस्थिति किएक उपयोगी अछि? दृश्य असम्बद्ध भाव शून्य बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल केवल नाम-सूची

(A) दृश्य असम्बद्ध

(B) भाव शून्य

(C) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल

(D) केवल नाम-सूची

४८९. दृश्य आ मनःस्थितिक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल दृश्य असम्बद्ध केवल नाम-सूची भाव शून्य

(A) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल

(B) दृश्य असम्बद्ध

(C) केवल नाम-सूची

(D) भाव शून्य

४९०. 'दृश्य आ मनःस्थिति' विषयक सही समझ चिन्हू। बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल केवल नाम-सूची भाव शून्य दृश्य असम्बद्ध

(A) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल

(B) केवल नाम-सूची

(C) भाव शून्य

(D) दृश्य असम्बद्ध

४९१. प्रथम सर्गक भाव-विश्लेषण — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन केवल छपाइक रंग केवल पृष्ठ संख्या केवल अनुक्रमणिका

(A) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

(B) केवल छपाइक रंग

(C) केवल पृष्ठ संख्या

(D) केवल अनुक्रमणिका

४९२. 'प्रथम सर्गक भाव-विश्लेषण' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल अनुक्रमणिका केवल छपाइक रंग केवल पृष्ठ संख्या रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

(A) केवल अनुक्रमणिका

(B) केवल छपाइक रंग

(C) केवल पृष्ठ संख्या

(D) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

४९३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत प्रथम सर्गक भाव-विश्लेषण कोना बुझल जाइत अछि? केवल पृष्ठ संख्या केवल अनुक्रमणिका रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन केवल छपाइक रंग

(A) केवल पृष्ठ संख्या

(B) केवल अनुक्रमणिका

(C) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

(D) केवल छपाइक रंग

४९४. परीक्षामे प्रथम सर्गक भाव-विश्लेषण पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल अनुक्रमणिका केवल छपाइक रंग रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन केवल पृष्ठ संख्या

(A) केवल अनुक्रमणिका

(B) केवल छपाइक रंग

(C) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

(D) केवल पृष्ठ संख्या

४९५. प्रथम सर्गक भाव-विश्लेषणक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल पृष्ठ संख्या केवल छपाइक रंग रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन केवल अनुक्रमणिका

(A) केवल पृष्ठ संख्या

(B) केवल छपाइक रंग

(C) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

(D) केवल अनुक्रमणिका

४९६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे प्रथम सर्गक भाव-विश्लेषण पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन केवल अनुक्रमणिका केवल पृष्ठ संख्या केवल छपाइक रंग

(A) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

(B) केवल अनुक्रमणिका

(C) केवल पृष्ठ संख्या

(D) केवल छपाइक रंग

४९७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ प्रथम सर्गक भाव-विश्लेषणक सही व्याख्या की? केवल पृष्ठ संख्या केवल अनुक्रमणिका केवल छपाइक रंग रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

(A) केवल पृष्ठ संख्या

(B) केवल अनुक्रमणिका

(C) केवल छपाइक रंग

(D) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

४९८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे प्रथम सर्गक भाव-विश्लेषण किएक उपयोगी अछि? केवल अनुक्रमणिका केवल पृष्ठ संख्या केवल छपाइक रंग रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

(A) केवल अनुक्रमणिका

(B) केवल पृष्ठ संख्या

(C) केवल छपाइक रंग

(D) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

४९९. प्रथम सर्गक भाव-विश्लेषणक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल पृष्ठ संख्या केवल छपाइक रंग केवल अनुक्रमणिका रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

(A) केवल पृष्ठ संख्या

(B) केवल छपाइक रंग

(C) केवल अनुक्रमणिका

(D) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

५००. 'प्रथम सर्गक भाव-विश्लेषण' विषयक सही समझ चिन्हू। रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन केवल पृष्ठ संख्या केवल अनुक्रमणिका केवल छपाइक रंग

(A) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन

(B) केवल पृष्ठ संख्या

(C) केवल अनुक्रमणिका

(D) केवल छपाइक रंग

५०१. द्वितीय सर्गक मुख्य भूमिका — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कथा तोड़ि देब कृति बदलि देब प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब पहिल सर्ग मिटा देब

(A) कथा तोड़ि देब

(B) कृति बदलि देब

(C) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब

(D) पहिल सर्ग मिटा देब

५०२. 'द्वितीय सर्गक मुख्य भूमिका' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कथा तोड़ि देब प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब कृति बदलि देब पहिल सर्ग मिटा देब

(A) कथा तोड़ि देब

(B) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब

(C) कृति बदलि देब

(D) पहिल सर्ग मिटा देब

५०३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत द्वितीय सर्गक मुख्य भूमिका कोना बुझल जाइत अछि? कथा तोड़ि देब पहिल सर्ग मिटा देब कृति बदलि देब प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब

(A) कथा तोड़ि देब

(B) पहिल सर्ग मिटा देब

(C) कृति बदलि देब

(D) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब

५०४. परीक्षामे द्वितीय सर्गक मुख्य भूमिका पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब पहिल सर्ग मिटा देब कथा तोड़ि देब कृति बदलि देब

(A) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब

(B) पहिल सर्ग मिटा देब

(C) कथा तोड़ि देब

(D) कृति बदलि देब

५०५. द्वितीय सर्गक मुख्य भूमिकाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कथा तोड़ि देब पहिल सर्ग मिटा देब प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब कृति बदलि देब

(A) कथा तोड़ि देब

(B) पहिल सर्ग मिटा देब

(C) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब

(D) कृति बदलि देब

५०६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे द्वितीय सर्गक मुख्य भूमिका पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कृति बदलि देब प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब कथा तोड़ि देब पहिल सर्ग मिटा देब

(A) कृति बदलि देब

(B) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब

(C) कथा तोड़ि देब

(D) पहिल सर्ग मिटा देब

५०७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ द्वितीय सर्गक मुख्य भूमिकाक सही व्याख्या की? पहिल सर्ग मिटा देब कृति बदलि देब प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब कथा तोड़ि देब

(A) पहिल सर्ग मिटा देब

(B) कृति बदलि देब

(C) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब

(D) कथा तोड़ि देब

५०८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे द्वितीय सर्गक मुख्य भूमिका किएक उपयोगी अछि? प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब कृति बदलि देब कथा तोड़ि देब पहिल सर्ग मिटा देब

(A) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब

(B) कृति बदलि देब

(C) कथा तोड़ि देब

(D) पहिल सर्ग मिटा देब

५०९. द्वितीय सर्गक मुख्य भूमिकाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? कृति बदलि देब पहिल सर्ग मिटा देब प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब कथा तोड़ि देब

(A) कृति बदलि देब

(B) पहिल सर्ग मिटा देब

(C) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब

(D) कथा तोड़ि देब

५१०. 'द्वितीय सर्गक मुख्य भूमिका' विषयक सही समझ चिन्हू। कृति बदलि देब कथा तोड़ि देब प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब पहिल सर्ग मिटा देब

(A) कृति बदलि देब

(B) कथा तोड़ि देब

(C) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब

(D) पहिल सर्ग मिटा देब

५११. सर्गान्तर निरन्तरता — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कथा-विरोध पूर्ण असम्बद्धता पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास अर्थहीन छलाँग

(A) कथा-विरोध

(B) पूर्ण असम्बद्धता

(C) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास

(D) अर्थहीन छलाँग

५१२. 'सर्गान्तर निरन्तरता' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कथा-विरोध पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास अर्थहीन छलाँग पूर्ण असम्बद्धता

(A) कथा-विरोध

(B) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास

(C) अर्थहीन छलाँग

(D) पूर्ण असम्बद्धता

५१३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत सर्गान्तर निरन्तरता कोना बुझल जाइत अछि? पूर्ण असम्बद्धता अर्थहीन छलाँग पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास कथा-विरोध

(A) पूर्ण असम्बद्धता

(B) अर्थहीन छलाँग

(C) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास

(D) कथा-विरोध

५१४. परीक्षामे सर्गान्तर निरन्तरता पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास कथा-विरोध अर्थहीन छलाँग पूर्ण असम्बद्धता

(A) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास

(B) कथा-विरोध

(C) अर्थहीन छलाँग

(D) पूर्ण असम्बद्धता

५१५. सर्गान्तर निरन्तरताक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास पूर्ण असम्बद्धता कथा-विरोध अर्थहीन छलाँग

(A) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास

(B) पूर्ण असम्बद्धता

(C) कथा-विरोध

(D) अर्थहीन छलाँग

५१६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे सर्गान्तर निरन्तरता पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? अर्थहीन छलाँग कथा-विरोध पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास पूर्ण असम्बद्धता

(A) अर्थहीन छलाँग

(B) कथा-विरोध

(C) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास

(D) पूर्ण असम्बद्धता

५१७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ सर्गान्तर निरन्तरताक सही व्याख्या की? पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास पूर्ण असम्बद्धता कथा-विरोध अर्थहीन छलाँग

(A) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास

(B) पूर्ण असम्बद्धता

(C) कथा-विरोध

(D) अर्थहीन छलाँग

५१८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे सर्गान्तर निरन्तरता किएक उपयोगी अछि? पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास पूर्ण असम्बद्धता कथा-विरोध अर्थहीन छलाँग

(A) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास

(B) पूर्ण असम्बद्धता

(C) कथा-विरोध

(D) अर्थहीन छलाँग

५१९. सर्गान्तर निरन्तरताक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? पूर्ण असम्बद्धता पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास कथा-विरोध अर्थहीन छलाँग

(A) पूर्ण असम्बद्धता

(B) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास

(C) कथा-विरोध

(D) अर्थहीन छलाँग

५२०. 'सर्गान्तर निरन्तरता' विषयक सही समझ चिन्हू। पूर्ण असम्बद्धता कथा-विरोध अर्थहीन छलाँग पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास

(A) पूर्ण असम्बद्धता

(B) कथा-विरोध

(C) अर्थहीन छलाँग

(D) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास

५२१. घटना-विस्तार — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण पृष्ठ-वर्णन सूची-संग्रह मात्र नाम दोहराव

(A) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण

(B) पृष्ठ-वर्णन

(C) सूची-संग्रह

(D) मात्र नाम दोहराव

५२२. 'घटना-विस्तार' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। पृष्ठ-वर्णन कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण सूची-संग्रह मात्र नाम दोहराव

(A) पृष्ठ-वर्णन

(B) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण

(C) सूची-संग्रह

(D) मात्र नाम दोहराव

५२३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत घटना-विस्तार कोना बुझल जाइत अछि? सूची-संग्रह कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण मात्र नाम दोहराव पृष्ठ-वर्णन

(A) सूची-संग्रह

(B) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण

(C) मात्र नाम दोहराव

(D) पृष्ठ-वर्णन

५२४. परीक्षामे घटना-विस्तार पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण पृष्ठ-वर्णन मात्र नाम दोहराव सूची-संग्रह

(A) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण

(B) पृष्ठ-वर्णन

(C) मात्र नाम दोहराव

(D) सूची-संग्रह

५२५. घटना-विस्तारक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? सूची-संग्रह कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण मात्र नाम दोहराव पृष्ठ-वर्णन

(A) सूची-संग्रह

(B) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण

(C) मात्र नाम दोहराव

(D) पृष्ठ-वर्णन

५२६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे घटना-विस्तार पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण मात्र नाम दोहराव सूची-संग्रह पृष्ठ-वर्णन

(A) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण

(B) मात्र नाम दोहराव

(C) सूची-संग्रह

(D) पृष्ठ-वर्णन

५२७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ घटना-विस्तारक सही व्याख्या की? पृष्ठ-वर्णन मात्र नाम दोहराव सूची-संग्रह कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण

(A) पृष्ठ-वर्णन

(B) मात्र नाम दोहराव

(C) सूची-संग्रह

(D) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण

५२८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे घटना-विस्तार किएक उपयोगी अछि? पृष्ठ-वर्णन कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण सूची-संग्रह मात्र नाम दोहराव

(A) पृष्ठ-वर्णन

(B) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण

(C) सूची-संग्रह

(D) मात्र नाम दोहराव

५२९. घटना-विस्तारक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? पृष्ठ-वर्णन सूची-संग्रह मात्र नाम दोहराव कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण

(A) पृष्ठ-वर्णन

(B) सूची-संग्रह

(C) मात्र नाम दोहराव

(D) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण

५३०. 'घटना-विस्तार' विषयक सही समझ चिन्हू। कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण सूची-संग्रह पृष्ठ-वर्णन मात्र नाम दोहराव

(A) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण

(B) सूची-संग्रह

(C) पृष्ठ-वर्णन

(D) मात्र नाम दोहराव

५३१. पात्र-विकास — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कथा बन्द नाम उलटाउब स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता पात्र हटाउब

(A) कथा बन्द

(B) नाम उलटाउब

(C) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता

(D) पात्र हटाउब

५३२. 'पात्र-विकास' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। पात्र हटाउब स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता नाम उलटाउब कथा बन्द

(A) पात्र हटाउब

(B) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता

(C) नाम उलटाउब

(D) कथा बन्द

५३३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत पात्र-विकास कोना बुझल जाइत अछि? पात्र हटाउब कथा बन्द नाम उलटाउब स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता

(A) पात्र हटाउब

(B) कथा बन्द

(C) नाम उलटाउब

(D) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता

५३४. परीक्षामे पात्र-विकास पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? नाम उलटाउब पात्र हटाउब स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता कथा बन्द

(A) नाम उलटाउब

(B) पात्र हटाउब

(C) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता

(D) कथा बन्द

५३५. पात्र-विकासक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? नाम उलटाउब पात्र हटाउब स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता कथा बन्द

(A) नाम उलटाउब

(B) पात्र हटाउब

(C) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता

(D) कथा बन्द

५३६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे पात्र-विकास पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? पात्र हटाउब कथा बन्द नाम उलटाउब स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता

(A) पात्र हटाउब

(B) कथा बन्द

(C) नाम उलटाउब

(D) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता

५३७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ पात्र-विकासक सही व्याख्या की? कथा बन्द स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता नाम उलटाउब पात्र हटाउब

(A) कथा बन्द

(B) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता

(C) नाम उलटाउब

(D) पात्र हटाउब

५३८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे पात्र-विकास किएक उपयोगी अछि? स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता पात्र हटाउब कथा बन्द नाम उलटाउब

(A) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता

(B) पात्र हटाउब

(C) कथा बन्द

(D) नाम उलटाउब

५३९. पात्र-विकासक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? नाम उलटाउब स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता कथा बन्द पात्र हटाउब

(A) नाम उलटाउब

(B) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता

(C) कथा बन्द

(D) पात्र हटाउब

५४०. 'पात्र-विकास' विषयक सही समझ चिन्हू। कथा बन्द स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता नाम उलटाउब पात्र हटाउब

(A) कथा बन्द

(B) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता

(C) नाम उलटाउब

(D) पात्र हटाउब

५४१. संवादक भूमिका — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कागज भरब अर्थ नष्ट करब पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब केवल ध्वनि

(A) कागज भरब

(B) अर्थ नष्ट करब

(C) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब

(D) केवल ध्वनि

५४२. 'संवादक भूमिका' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। अर्थ नष्ट करब केवल ध्वनि पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब कागज भरब

(A) अर्थ नष्ट करब

(B) केवल ध्वनि

(C) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब

(D) कागज भरब

५४३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत संवादक भूमिका कोना बुझल जाइत अछि? पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब अर्थ नष्ट करब केवल ध्वनि कागज भरब

(A) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब

(B) अर्थ नष्ट करब

(C) केवल ध्वनि

(D) कागज भरब

५४४. परीक्षामे संवादक भूमिका पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब अर्थ नष्ट करब केवल ध्वनि कागज भरब

(A) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब

(B) अर्थ नष्ट करब

(C) केवल ध्वनि

(D) कागज भरब

५४५. संवादक भूमिकाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कागज भरब केवल ध्वनि अर्थ नष्ट करब पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब

(A) कागज भरब

(B) केवल ध्वनि

(C) अर्थ नष्ट करब

(D) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब

५४६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे संवादक भूमिका पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल ध्वनि कागज भरब पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब अर्थ नष्ट करब

(A) केवल ध्वनि

(B) कागज भरब

(C) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब

(D) अर्थ नष्ट करब

५४७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ संवादक भूमिकाक सही व्याख्या की? पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब अर्थ नष्ट करब कागज भरब केवल ध्वनि

(A) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब

(B) अर्थ नष्ट करब

(C) कागज भरब

(D) केवल ध्वनि

५४८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे संवादक भूमिका किएक उपयोगी अछि? कागज भरब अर्थ नष्ट करब केवल ध्वनि पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब

(A) कागज भरब

(B) अर्थ नष्ट करब

(C) केवल ध्वनि

(D) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब

५४९. संवादक भूमिकाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? अर्थ नष्ट करब केवल ध्वनि पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब कागज भरब

(A) अर्थ नष्ट करब

(B) केवल ध्वनि

(C) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब

(D) कागज भरब

५५०. 'संवादक भूमिका' विषयक सही समझ चिन्हू। कागज भरब पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब अर्थ नष्ट करब केवल ध्वनि

(A) कागज भरब

(B) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब

(C) अर्थ नष्ट करब

(D) केवल ध्वनि

५५१. गति आ विराम — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल दौड़ कथा-प्रवाहमे संतुलन प्रवाहहीनता केवल ठहराव

(A) केवल दौड़

(B) कथा-प्रवाहमे संतुलन

(C) प्रवाहहीनता

(D) केवल ठहराव

५५२. 'गति आ विराम' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। प्रवाहहीनता कथा-प्रवाहमे संतुलन केवल ठहराव केवल दौड़

(A) प्रवाहहीनता

(B) कथा-प्रवाहमे संतुलन

(C) केवल ठहराव

(D) केवल दौड़

५५३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत गति आ विराम कोना बुझल जाइत अछि? कथा-प्रवाहमे संतुलन केवल ठहराव प्रवाहहीनता केवल दौड़

(A) कथा-प्रवाहमे संतुलन

(B) केवल ठहराव

(C) प्रवाहहीनता

(D) केवल दौड़

५५४. परीक्षामे गति आ विराम पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल दौड़ प्रवाहहीनता कथा-प्रवाहमे संतुलन केवल ठहराव

(A) केवल दौड़

(B) प्रवाहहीनता

(C) कथा-प्रवाहमे संतुलन

(D) केवल ठहराव

५५५. गति आ विरामक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल दौड़ केवल ठहराव कथा-प्रवाहमे संतुलन प्रवाहहीनता

(A) केवल दौड़

(B) केवल ठहराव

(C) कथा-प्रवाहमे संतुलन

(D) प्रवाहहीनता

५५६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे गति आ विराम पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कथा-प्रवाहमे संतुलन प्रवाहहीनता केवल दौड़ केवल ठहराव

(A) कथा-प्रवाहमे संतुलन

(B) प्रवाहहीनता

(C) केवल दौड़

(D) केवल ठहराव

५५७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ गति आ विरामक सही व्याख्या की? केवल दौड़ कथा-प्रवाहमे संतुलन केवल ठहराव प्रवाहहीनता

(A) केवल दौड़

(B) कथा-प्रवाहमे संतुलन

(C) केवल ठहराव

(D) प्रवाहहीनता

५५८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे गति आ विराम किएक उपयोगी अछि? कथा-प्रवाहमे संतुलन केवल ठहराव प्रवाहहीनता केवल दौड़

(A) कथा-प्रवाहमे संतुलन

(B) केवल ठहराव

(C) प्रवाहहीनता

(D) केवल दौड़

५५९. गति आ विरामक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? कथा-प्रवाहमे संतुलन प्रवाहहीनता केवल दौड़ केवल ठहराव

(A) कथा-प्रवाहमे संतुलन

(B) प्रवाहहीनता

(C) केवल दौड़

(D) केवल ठहराव

५६०. 'गति आ विराम' विषयक सही समझ चिन्हू। कथा-प्रवाहमे संतुलन केवल ठहराव केवल दौड़ प्रवाहहीनता

(A) कथा-प्रवाहमे संतुलन

(B) केवल ठहराव

(C) केवल दौड़

(D) प्रवाहहीनता

५६१. संघर्षक गहराई — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? संघर्षक नकार कथा-विस्मृति विषय-त्याग बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

(A) संघर्षक नकार

(B) कथा-विस्मृति

(C) विषय-त्याग

(D) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

५६२. 'संघर्षक गहराई' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। संघर्षक नकार कथा-विस्मृति बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार विषय-त्याग

(A) संघर्षक नकार

(B) कथा-विस्मृति

(C) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

(D) विषय-त्याग

५६३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत संघर्षक गहराई कोना बुझल जाइत अछि? विषय-त्याग संघर्षक नकार कथा-विस्मृति बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

(A) विषय-त्याग

(B) संघर्षक नकार

(C) कथा-विस्मृति

(D) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

५६४. परीक्षामे संघर्षक गहराई पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? संघर्षक नकार बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार कथा-विस्मृति विषय-त्याग

(A) संघर्षक नकार

(B) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

(C) कथा-विस्मृति

(D) विषय-त्याग

५६५. संघर्षक गहराईक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कथा-विस्मृति बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार विषय-त्याग संघर्षक नकार

(A) कथा-विस्मृति

(B) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

(C) विषय-त्याग

(D) संघर्षक नकार

५६६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे संघर्षक गहराई पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? संघर्षक नकार विषय-त्याग कथा-विस्मृति बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

(A) संघर्षक नकार

(B) विषय-त्याग

(C) कथा-विस्मृति

(D) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

५६७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ संघर्षक गहराईक सही व्याख्या की? संघर्षक नकार विषय-त्याग कथा-विस्मृति बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

(A) संघर्षक नकार

(B) विषय-त्याग

(C) कथा-विस्मृति

(D) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

५६८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे संघर्षक गहराई किएक उपयोगी अछि? बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार कथा-विस्मृति विषय-त्याग संघर्षक नकार

(A) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

(B) कथा-विस्मृति

(C) विषय-त्याग

(D) संघर्षक नकार

५६९. संघर्षक गहराईक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार विषय-त्याग कथा-विस्मृति संघर्षक नकार

(A) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

(B) विषय-त्याग

(C) कथा-विस्मृति

(D) संघर्षक नकार

५७०. 'संघर्षक गहराई' विषयक सही समझ चिन्हू। कथा-विस्मृति विषय-त्याग संघर्षक नकार बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

(A) कथा-विस्मृति

(B) विषय-त्याग

(C) संघर्षक नकार

(D) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार

५७१. भावक तीव्रता — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? अलंकार-विरोध भावहीनता कथा-समापन प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार

(A) अलंकार-विरोध

(B) भावहीनता

(C) कथा-समापन

(D) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार

५७२. 'भावक तीव्रता' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार अलंकार-विरोध भावहीनता कथा-समापन

(A) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार

(B) अलंकार-विरोध

(C) भावहीनता

(D) कथा-समापन

५७३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत भावक तीव्रता कोना बुझल जाइत अछि? अलंकार-विरोध कथा-समापन भावहीनता प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार

(A) अलंकार-विरोध

(B) कथा-समापन

(C) भावहीनता

(D) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार

५७४. परीक्षामे भावक तीव्रता पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? भावहीनता प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार अलंकार-विरोध कथा-समापन

(A) भावहीनता

(B) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार

(C) अलंकार-विरोध

(D) कथा-समापन

५७५. भावक तीव्रताक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कथा-समापन प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार अलंकार-विरोध भावहीनता

(A) कथा-समापन

(B) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार

(C) अलंकार-विरोध

(D) भावहीनता

५७६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे भावक तीव्रता पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? अलंकार-विरोध प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार भावहीनता कथा-समापन

(A) अलंकार-विरोध

(B) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार

(C) भावहीनता

(D) कथा-समापन

५७७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ भावक तीव्रताक सही व्याख्या की? प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार अलंकार-विरोध भावहीनता कथा-समापन

(A) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार

(B) अलंकार-विरोध

(C) भावहीनता

(D) कथा-समापन

५७८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे भावक तीव्रता किएक उपयोगी अछि? प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार कथा-समापन अलंकार-विरोध भावहीनता

(A) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार

(B) कथा-समापन

(C) अलंकार-विरोध

(D) भावहीनता

५७९. भावक तीव्रताक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार कथा-समापन भावहीनता अलंकार-विरोध

(A) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार

(B) कथा-समापन

(C) भावहीनता

(D) अलंकार-विरोध

५८०. 'भावक तीव्रता' विषयक सही समझ चिन्हू। अलंकार-विरोध कथा-समापन भावहीनता प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार

(A) अलंकार-विरोध

(B) कथा-समापन

(C) भावहीनता

(D) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार

५८१. द्वितीय सर्गक कथ्य-सम्बन्ध — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? विधा बदलब आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब विषय छिपाब नाम हटाब

(A) विधा बदलब

(B) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब

(C) विषय छिपाब

(D) नाम हटाब

५८२. 'द्वितीय सर्गक कथ्य-सम्बन्ध' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। विषय छिपाब आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब नाम हटाब विधा बदलब

(A) विषय छिपाब

(B) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब

(C) नाम हटाब

(D) विधा बदलब

५८३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत द्वितीय सर्गक कथ्य-सम्बन्ध कोना बुझल जाइत अछि? विधा बदलब आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब नाम हटाब विषय छिपाब

(A) विधा बदलब

(B) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब

(C) नाम हटाब

(D) विषय छिपाब

५८४. परीक्षामे द्वितीय सर्गक कथ्य-सम्बन्ध पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? विधा बदलब विषय छिपाब आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब नाम हटाब

(A) विधा बदलब

(B) विषय छिपाब

(C) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब

(D) नाम हटाब

५८५. द्वितीय सर्गक कथ्य-सम्बन्धक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? विषय छिपाब विधा बदलब नाम हटाब आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब

(A) विषय छिपाब

(B) विधा बदलब

(C) नाम हटाब

(D) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब

५८६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे द्वितीय सर्गक कथ्य-सम्बन्ध पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? नाम हटाब विषय छिपाब आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब विधा बदलब

(A) नाम हटाब

(B) विषय छिपाब

(C) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब

(D) विधा बदलब

५८७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ द्वितीय सर्गक कथ्य-सम्बन्धक सही व्याख्या की? विषय छिपाब आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब विधा बदलब नाम हटाब

(A) विषय छिपाब

(B) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब

(C) विधा बदलब

(D) नाम हटाब

५८८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे द्वितीय सर्गक कथ्य-सम्बन्ध किएक उपयोगी अछि? विधा बदलब विषय छिपाब आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब नाम हटाब

(A) विधा बदलब

(B) विषय छिपाब

(C) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब

(D) नाम हटाब

५८९. द्वितीय सर्गक कथ्य-सम्बन्धक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब विषय छिपाब नाम हटाब विधा बदलब

(A) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब

(B) विषय छिपाब

(C) नाम हटाब

(D) विधा बदलब

५९०. 'द्वितीय सर्गक कथ्य-सम्बन्ध' विषयक सही समझ चिन्हू। नाम हटाब आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब विषय छिपाब विधा बदलब

(A) नाम हटाब

(B) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब

(C) विषय छिपाब

(D) विधा बदलब

५९१. द्वितीय सर्गक समीक्षा — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल अनुक्रम कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान केवल मुखपृष्ठ केवल प्रकाशन-वर्ष

(A) केवल अनुक्रम

(B) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान

(C) केवल मुखपृष्ठ

(D) केवल प्रकाशन-वर्ष

५९२. 'द्वितीय सर्गक समीक्षा' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल अनुक्रम केवल प्रकाशन-वर्ष कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान केवल मुखपृष्ठ

(A) केवल अनुक्रम

(B) केवल प्रकाशन-वर्ष

(C) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान

(D) केवल मुखपृष्ठ

५९३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत द्वितीय सर्गक समीक्षा कोना बुझल जाइत अछि? केवल प्रकाशन-वर्ष केवल अनुक्रम केवल मुखपृष्ठ कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान

(A) केवल प्रकाशन-वर्ष

(B) केवल अनुक्रम

(C) केवल मुखपृष्ठ

(D) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान

५९४. परीक्षामे द्वितीय सर्गक समीक्षा पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल अनुक्रम केवल मुखपृष्ठ कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान केवल प्रकाशन-वर्ष

(A) केवल अनुक्रम

(B) केवल मुखपृष्ठ

(C) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान

(D) केवल प्रकाशन-वर्ष

५९५. द्वितीय सर्गक समीक्षाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल अनुक्रम केवल प्रकाशन-वर्ष केवल मुखपृष्ठ कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान

(A) केवल अनुक्रम

(B) केवल प्रकाशन-वर्ष

(C) केवल मुखपृष्ठ

(D) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान

५९६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे द्वितीय सर्गक समीक्षा पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल मुखपृष्ठ केवल अनुक्रम केवल प्रकाशन-वर्ष कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान

(A) केवल मुखपृष्ठ

(B) केवल अनुक्रम

(C) केवल प्रकाशन-वर्ष

(D) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान

५९७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ द्वितीय सर्गक समीक्षाक सही व्याख्या की? केवल अनुक्रम केवल प्रकाशन-वर्ष कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान केवल मुखपृष्ठ

(A) केवल अनुक्रम

(B) केवल प्रकाशन-वर्ष

(C) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान

(D) केवल मुखपृष्ठ

५९८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे द्वितीय सर्गक समीक्षा किएक उपयोगी अछि? केवल प्रकाशन-वर्ष केवल अनुक्रम कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान केवल मुखपृष्ठ

(A) केवल प्रकाशन-वर्ष

(B) केवल अनुक्रम

(C) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान

(D) केवल मुखपृष्ठ

५९९. द्वितीय सर्गक समीक्षाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल अनुक्रम केवल प्रकाशन-वर्ष कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान केवल मुखपृष्ठ

(A) केवल अनुक्रम

(B) केवल प्रकाशन-वर्ष

(C) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान

(D) केवल मुखपृष्ठ

६००. 'द्वितीय सर्गक समीक्षा' विषयक सही समझ चिन्हू। केवल प्रकाशन-वर्ष केवल मुखपृष्ठ कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान केवल अनुक्रम

(A) केवल प्रकाशन-वर्ष

(B) केवल मुखपृष्ठ

(C) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान

(D) केवल अनुक्रम

६०१. दत्त-वतीक चरित्र-पठन — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल नाम-सूची गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि निरर्थक संकेत कथाविहीन अंक

(A) केवल नाम-सूची

(B) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि

(C) निरर्थक संकेत

(D) कथाविहीन अंक

६०२. 'दत्त-वतीक चरित्र-पठन' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि निरर्थक संकेत कथाविहीन अंक केवल नाम-सूची

(A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि

(B) निरर्थक संकेत

(C) कथाविहीन अंक

(D) केवल नाम-सूची

६०३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत दत्त-वतीक चरित्र-पठन कोना बुझल जाइत अछि? गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि कथाविहीन अंक केवल नाम-सूची निरर्थक संकेत

(A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि

(B) कथाविहीन अंक

(C) केवल नाम-सूची

(D) निरर्थक संकेत

६०४. परीक्षामे दत्त-वतीक चरित्र-पठन पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? निरर्थक संकेत गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि कथाविहीन अंक केवल नाम-सूची

(A) निरर्थक संकेत

(B) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि

(C) कथाविहीन अंक

(D) केवल नाम-सूची

६०५. दत्त-वतीक चरित्र-पठनक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि निरर्थक संकेत कथाविहीन अंक केवल नाम-सूची

(A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि

(B) निरर्थक संकेत

(C) कथाविहीन अंक

(D) केवल नाम-सूची

६०६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे दत्त-वतीक चरित्र-पठन पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? निरर्थक संकेत गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि कथाविहीन अंक केवल नाम-सूची

(A) निरर्थक संकेत

(B) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि

(C) कथाविहीन अंक

(D) केवल नाम-सूची

६०७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ दत्त-वतीक चरित्र-पठनक सही व्याख्या की? गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि केवल नाम-सूची निरर्थक संकेत कथाविहीन अंक

(A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि

(B) केवल नाम-सूची

(C) निरर्थक संकेत

(D) कथाविहीन अंक

६०८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे दत्त-वतीक चरित्र-पठन किएक उपयोगी अछि? गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि केवल नाम-सूची कथाविहीन अंक निरर्थक संकेत

(A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि

(B) केवल नाम-सूची

(C) कथाविहीन अंक

(D) निरर्थक संकेत

६०९. दत्त-वतीक चरित्र-पठनक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि कथाविहीन अंक निरर्थक संकेत केवल नाम-सूची

(A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि

(B) कथाविहीन अंक

(C) निरर्थक संकेत

(D) केवल नाम-सूची

६१०. ‘दत्त-वतीक चरित्र-पठन’ विषयक सही समझ चिन्हू। गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि निरर्थक संकेत कथाविहीन अंक केवल नाम-सूची

(A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि

(B) निरर्थक संकेत

(C) कथाविहीन अंक

(D) केवल नाम-सूची

६११. नारी-दृष्टिक महत्त्व — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? मात्र बाहरी रूप स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन स्त्री-स्वर हटाब समाज-विरोधी शोर

(A) मात्र बाहरी रूप

(B) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन

(C) स्त्री-स्वर हटाब

(D) समाज-विरोधी शोर

६१२. ‘नारी-दृष्टिक महत्त्व’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। स्त्री-स्वर हटाब स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन समाज-विरोधी शोर मात्र बाहरी रूप

(A) स्त्री-स्वर हटाब

(B) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन

(C) समाज-विरोधी शोर

(D) मात्र बाहरी रूप

६१३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत नारी-दृष्टिक महत्त्व कोना बुझल जाइत अछि? स्त्री-स्वर हटाब समाज-विरोधी शोर मात्र बाहरी रूप स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन

(A) स्त्री-स्वर हटाब

(B) समाज-विरोधी शोर

(C) मात्र बाहरी रूप

(D) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन

६१४. परीक्षामे नारी-दृष्टिक महत्त्व पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? स्त्री-स्वर हटाब मात्र बाहरी रूप स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन समाज-विरोधी शोर

(A) स्त्री-स्वर हटाब

(B) मात्र बाहरी रूप

(C) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन

(D) समाज-विरोधी शोर

६१५. नारी-दृष्टिक महत्त्वक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन समाज-विरोधी शोर स्त्री-स्वर हटाब मात्र बाहरी रूप

(A) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन

(B) समाज-विरोधी शोर

(C) स्त्री-स्वर हटाब

(D) मात्र बाहरी रूप

६१६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे नारी-दृष्टिक महत्त्व पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? स्त्री-स्वर हटाब मात्र बाहरी रूप स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन समाज-विरोधी शोर

(A) स्त्री-स्वर हटाब

(B) मात्र बाहरी रूप

(C) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन

(D) समाज-विरोधी शोर

६१७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ नारी-दृष्टिक महत्त्वक सही व्याख्या की? समाज-विरोधी शोर मात्र बाहरी रूप स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन स्त्री-स्वर हटाब

(A) समाज-विरोधी शोर

(B) मात्र बाहरी रूप

(C) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन

(D) स्त्री-स्वर हटाब

६१८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे नारी-दृष्टिक महत्त्व किएक उपयोगी अछि? मात्र बाहरी रूप समाज-विरोधी शोर स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन स्त्री-स्वर हटाब

(A) मात्र बाहरी रूप

(B) समाज-विरोधी शोर

(C) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन

(D) स्त्री-स्वर हटाब

६१९. नारी-दृष्टिक महत्त्वक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? स्त्री-स्वर हटाब स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन मात्र बाहरी रूप समाज-विरोधी शोर

(A) स्त्री-स्वर हटाब

(B) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन

(C) मात्र बाहरी रूप

(D) समाज-विरोधी शोर

६२०. 'नारी-दृष्टिक महत्त्व' विषयक सही समझ चिन्हू। स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन मात्र बाहरी रूप समाज-विरोधी शोर स्त्री-स्वर हटाब

(A) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन

(B) मात्र बाहरी रूप

(C) समाज-विरोधी शोर

(D) स्त्री-स्वर हटाब

६२१. समाजिक मर्यादा — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? मात्र वन-वर्णन समाजक अभाव पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध केवल गणना

(A) मात्र वन-वर्णन

(B) समाजक अभाव

(C) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध

(D) केवल गणना

६२२. 'समाजिक मर्यादा' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध केवल गणना मात्र वन-वर्णन समाजक अभाव

(A) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध

(B) केवल गणना

(C) मात्र वन-वर्णन

(D) समाजक अभाव

६२३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत समाजिक मर्यादा कोना बुझल जाइत अछि? पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध समाजक अभाव मात्र वन-वर्णन केवल गणना

(A) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध

(B) समाजक अभाव

(C) मात्र वन-वर्णन

(D) केवल गणना

६२४. परीक्षामे समाजिक मर्यादा पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? मात्र वन-वर्णन समाजक अभाव केवल गणना पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध

(A) मात्र वन-वर्णन

(B) समाजक अभाव

(C) केवल गणना

(D) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध

६२५. समाजिक मर्यादाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? समाजक अभाव मात्र वन-वर्णन केवल गणना पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध

(A) समाजक अभाव

(B) मात्र वन-वर्णन

(C) केवल गणना

(D) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध

६२६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे समाजिक मर्यादा पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? समाजक अभाव मात्र वन-वर्णन केवल गणना पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध

(A) समाजक अभाव

(B) मात्र वन-वर्णन

(C) केवल गणना

(D) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध

६२७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ समाजिक मर्यादाक सही व्याख्या की? समाजक अभाव पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध मात्र वन-वर्णन केवल गणना

(A) समाजक अभाव

(B) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध

(C) मात्र वन-वर्णन

(D) केवल गणना

६२८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे समाजिक मर्यादा किएक उपयोगी अछि? केवल गणना पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध मात्र वन-वर्णन समाजक अभाव

(A) केवल गणना

(B) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध

(C) मात्र वन-वर्णन

(D) समाजक अभाव

६२९. समाजिक मर्यादाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? मात्र वन-वर्णन पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध केवल गणना समाजक अभाव

(A) मात्र वन-वर्णन

(B) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध

(C) केवल गणना

(D) समाजक अभाव

६३०. 'समाजिक मर्यादा' विषयक सही समझ चिन्हू। पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध मात्र वन-वर्णन केवल गणना समाजक अभाव

(A) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध

(B) मात्र वन-वर्णन

(C) केवल गणना

(D) समाजक अभाव

६३१. परिवारिक-संस्कार — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? लिपि-सूची वस्तु-मूल्य भूगोलक नक्सा मात्र मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(A) लिपि-सूची

(B) वस्तु-मूल्य

(C) भूगोलक नक्सा मात्र

(D) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

६३२. 'परिवारिक-संस्कार' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। भूगोलक नक्सा मात्र मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वस्तु-मूल्य लिपि-सूची

(A) भूगोलक नक्सा मात्र

(B) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(C) वस्तु-मूल्य

(D) लिपि-सूची

६३३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत परिवारिक-संस्कार कोना बुझल जाइत अछि? लिपि-सूची मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वस्तु-मूल्य भूगोलक नक्सा मात्र

(A) लिपि-सूची

(B) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(C) वस्तु-मूल्य

(D) भूगोलक नक्सा मात्र

६३४. परीक्षामे परिवारिक-संस्कार पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? भूगोलक नक्सा मात्र वस्तु-मूल्य लिपि-सूची मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(A) भूगोलक नक्सा मात्र

(B) वस्तु-मूल्य

(C) लिपि-सूची

(D) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

६३५. परिवारिक-संस्कारक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? वस्तु-मूल्य लिपि-सूची मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भूगोलक नक्सा मात्र

(A) वस्तु-मूल्य

(B) लिपि-सूची

(C) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(D) भूगोलक नक्सा मात्र

६३६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे परिवारिक-संस्कार पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? लिपि-सूची वस्तु-मूल्य भूगोलक नक्सा मात्र मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(A) लिपि-सूची

(B) वस्तु-मूल्य

(C) भूगोलक नक्सा मात्र

(D) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

६३७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ परिवारिक-संस्कारक सही व्याख्या की? मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि लिपि-सूची वस्तु-मूल्य भूगोलक नक्सा मात्र

(A) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(B) लिपि-सूची

(C) वस्तु-मूल्य

(D) भूगोलक नक्सा मात्र

६३८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे परिवारिक-संस्कार किएक उपयोगी अछि? वस्तु-मूल्य भूगोलक नक्सा मात्र लिपि-सूची मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(A) वस्तु-मूल्य

(B) भूगोलक नक्सा मात्र

(C) लिपि-सूची

(D) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

६३९. परिवारिक-संस्कारक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? वस्तु-मूल्य मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भूगोलक नक्सा मात्र लिपि-सूची

(A) वस्तु-मूल्य

(B) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(C) भूगोलक नक्सा मात्र

(D) लिपि-सूची

६४०. ‘परिवारिक-संस्कार’ विषयक सही समझ चिन्हू। लिपि-सूची मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भूगोलक नक्सा मात्र वस्तु-मूल्य

(A) लिपि-सूची

(B) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(C) भूगोलक नक्सा मात्र

(D) वस्तु-मूल्य

६४१. आन्तरिक द्वन्द्व — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? पाठ-विरोध मनक अनुपस्थिति मात्र बाहरी रंग मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण

(A) पाठ-विरोध

(B) मनक अनुपस्थिति

(C) मात्र बाहरी रंग

(D) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण

६४२. ‘आन्तरिक द्वन्द्व’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। मनक अनुपस्थिति मात्र बाहरी रंग मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण पाठ-विरोध

(A) मनक अनुपस्थिति

(B) मात्र बाहरी रंग

(C) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण

(D) पाठ-विरोध

६४३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत आन्तरिक द्वन्द्व कोना बुझल जाइत अछि? मनक अनुपस्थिति पाठ-विरोध मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण मात्र बाहरी रंग

(A) मनक अनुपस्थिति

(B) पाठ-विरोध

(C) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण

(D) मात्र बाहरी रंग

६४४. परीक्षामे आन्तरिक द्वन्द्व पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? पाठ-विरोध मात्र बाहरी रंग मनक अनुपस्थिति मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण

(A) पाठ-विरोध

(B) मात्र बाहरी रंग

(C) मनक अनुपस्थिति

(D) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण

६४५. आन्तरिक द्वन्द्वक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? मात्र बाहरी रंग मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण पाठ-विरोध मनक अनुपस्थिति

(A) मात्र बाहरी रंग

(B) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण

(C) पाठ-विरोध

(D) मनक अनुपस्थिति

६४६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे आन्तरिक द्वन्द्व पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण मनक अनुपस्थिति पाठ-विरोध मात्र बाहरी रंग

(A) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण

(B) मनक अनुपस्थिति

(C) पाठ-विरोध

(D) मात्र बाहरी रंग

६४७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ आन्तरिक द्वन्द्वक सही व्याख्या की? मनक अनुपस्थिति मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण मात्र बाहरी रंग पाठ-विरोध

(A) मनक अनुपस्थिति

(B) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण

(C) मात्र बाहरी रंग

(D) पाठ-विरोध

६४८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे आन्तरिक द्वन्द्व किएक उपयोगी अछि? मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण मात्र बाहरी रंग पाठ-विरोध मनक अनुपस्थिति

(A) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण

(B) मात्र बाहरी रंग

(C) पाठ-विरोध

(D) मनक अनुपस्थिति

६४९. आन्तरिक द्वन्द्वक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? मनक अनुपस्थिति मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण पाठ-विरोध मात्र बाहरी रंग

(A) मनक अनुपस्थिति

(B) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण

(C) पाठ-विरोध

(D) मात्र बाहरी रंग

६५०. 'आन्तरिक द्वन्द्व' विषयक सही समझ चिन्हू। मनक अनुपस्थिति मात्र बाहरी रंग पाठ-विरोध मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण

(A) मनक अनुपस्थिति

(B) मात्र बाहरी रंग

(C) पाठ-विरोध

(D) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण

६५१. कर्तव्य-बोध — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? मूल्यहीनता मूल्यक प्रति निष्ठा इच्छाहीनता स्मृति-विरोध

(A) मूल्यहीनता

(B) मूल्यक प्रति निष्ठा

(C) इच्छाहीनता

(D) स्मृति-विरोध

६५२. 'कर्तव्य-बोध' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। स्मृति-विरोध इच्छाहीनता मूल्यहीनता मूल्यक प्रति निष्ठा

(A) स्मृति-विरोध

(B) इच्छाहीनता

(C) मूल्यहीनता

(D) मूल्यक प्रति निष्ठा

६५३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत कर्तव्य-बोध कोना बुझल जाइत अछि? मूल्यक प्रति निष्ठा मूल्यहीनता इच्छाहीनता स्मृति-विरोध

(A) मूल्यक प्रति निष्ठा

(B) मूल्यहीनता

(C) इच्छाहीनता

(D) स्मृति-विरोध

६५४. परीक्षामे कर्तव्य-बोध पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? स्मृति-विरोध मूल्यक प्रति निष्ठा मूल्यहीनता इच्छाहीनता

(A) स्मृति-विरोध

(B) मूल्यक प्रति निष्ठा

(C) मूल्यहीनता

(D) इच्छाहीनता

६५५. कर्तव्य-बोधक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? मूल्यक प्रति निष्ठा इच्छाहीनता मूल्यहीनता स्मृति-विरोध

(A) मूल्यक प्रति निष्ठा

(B) इच्छाहीनता

(C) मूल्यहीनता

(D) स्मृति-विरोध

६५६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे कर्तव्य-बोध पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? मूल्यहीनता स्मृति-विरोध मूल्यक प्रति निष्ठा इच्छाहीनता

(A) मूल्यहीनता

(B) स्मृति-विरोध

(C) मूल्यक प्रति निष्ठा

(D) इच्छाहीनता

६५७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ कर्तव्य-बोधक सही व्याख्या की? स्मृति-विरोध इच्छाहीनता मूल्यहीनता मूल्यक प्रति निष्ठा

(A) स्मृति-विरोध

(B) इच्छाहीनता

(C) मूल्यहीनता

(D) मूल्यक प्रति निष्ठा

६५८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे कर्तव्य-बोध किएक उपयोगी अछि? मूल्यक प्रति निष्ठा स्मृति-विरोध मूल्यहीनता इच्छाहीनता

(A) मूल्यक प्रति निष्ठा

(B) स्मृति-विरोध

(C) मूल्यहीनता

(D) इच्छाहीनता

६५९. कर्तव्य-बोधक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? इच्छाहीनता मूल्यहीनता स्मृति-विरोध मूल्यक प्रति निष्ठा

(A) इच्छाहीनता

(B) मूल्यहीनता

(C) स्मृति-विरोध

(D) मूल्यक प्रति निष्ठा

६६०. 'कर्तव्य-बोध' विषयक सही समझ चिन्हू। स्मृति-विरोध मूल्यहीनता मूल्यक प्रति निष्ठा इच्छाहीनता

(A) स्मृति-विरोध

(B) मूल्यहीनता

(C) मूल्यक प्रति निष्ठा

(D) इच्छाहीनता

६६१. स्वाभिमान — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? पूर्ण निष्क्रियता कथा-भंग नामहीनता चरित्रक आन्तरिक गरिमा

(A) पूर्ण निष्क्रियता

(B) कथा-भंग

(C) नामहीनता

(D) चरित्रक आन्तरिक गरिमा

६६२. 'स्वाभिमान' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। नामहीनता चरित्रक आन्तरिक गरिमा कथा-भंग पूर्ण निष्क्रियता

(A) नामहीनता

(B) चरित्रक आन्तरिक गरिमा

(C) कथा-भंग

(D) पूर्ण निष्क्रियता

६६३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत स्वाभिमान कोना बुझल जाइत अछि? नामहीनता पूर्ण निष्क्रियता कथा-भंग चरित्रक आन्तरिक गरिमा

(A) नामहीनता

(B) पूर्ण निष्क्रियता

(C) कथा-भंग

(D) चरित्रक आन्तरिक गरिमा

६६४. परीक्षामे स्वाभिमान पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? नामहीनता चरित्रक आन्तरिक गरिमा पूर्ण निष्क्रियता कथा-भंग

(A) नामहीनता

(B) चरित्रक आन्तरिक गरिमा

(C) पूर्ण निष्क्रियता

(D) कथा-भंग

६६५. स्वाभिमानक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? चरित्रक आन्तरिक गरिमा नामहीनता पूर्ण निष्क्रियता कथा-भंग

(A) चरित्रक आन्तरिक गरिमा

(B) नामहीनता

(C) पूर्ण निष्क्रियता

(D) कथा-भंग

६६६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे स्वाभिमान पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? चरित्रक आन्तरिक गरिमा कथा-भंग नामहीनता पूर्ण निष्क्रियता

(A) चरित्रक आन्तरिक गरिमा

(B) कथा-भंग

(C) नामहीनता

(D) पूर्ण निष्क्रियता

६६७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ स्वाभिमानक सही व्याख्या की? नामहीनता चरित्रक आन्तरिक गरिमा पूर्ण निष्क्रियता कथा-भंग

(A) नामहीनता

(B) चरित्रक आन्तरिक गरिमा

(C) पूर्ण निष्क्रियता

(D) कथा-भंग

६६८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे स्वाभिमान किएक उपयोगी अछि? पूर्ण निष्क्रियता कथा-भंग नामहीनता चरित्रक आन्तरिक गरिमा

(A) पूर्ण निष्क्रियता

(B) कथा-भंग

(C) नामहीनता

(D) चरित्रक आन्तरिक गरिमा

६६९. स्वाभिमानक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? पूर्ण निष्क्रियता चरित्रक आन्तरिक गरिमा कथा-भंग नामहीनता

(A) पूर्ण निष्क्रियता

(B) चरित्रक आन्तरिक गरिमा

(C) कथा-भंग

(D) नामहीनता

६७०. 'स्वाभिमान' विषयक सही समझ चिन्हू। कथा-भंग पूर्ण निष्क्रियता नामहीनता चरित्रक आन्तरिक गरिमा

(A) कथा-भंग

(B) पूर्ण निष्क्रियता

(C) नामहीनता

(D) चरित्रक आन्तरिक गरिमा

६७१. लोकसंस्कार — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? खाली पृष्ठ समाजक जीवित रीति आ मान्यता कोरा गणित यन्त्र-वर्णन

(A) खाली पृष्ठ

(B) समाजक जीवित रीति आ मान्यता

(C) कोरा गणित

(D) यन्त्र-वर्णन

६७२. ‘लोकसंस्कार’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। खाली पृष्ठ यन्त्र-वर्णन समाजक जीवित रीति आ मान्यता कोरा गणित

(A) खाली पृष्ठ

(B) यन्त्र-वर्णन

(C) समाजक जीवित रीति आ मान्यता

(D) कोरा गणित

६७३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत लोकसंस्कार कोना बुझल जाइत अछि? यन्त्र-वर्णन कोरा गणित खाली पृष्ठ समाजक जीवित रीति आ मान्यता

(A) यन्त्र-वर्णन

(B) कोरा गणित

(C) खाली पृष्ठ

(D) समाजक जीवित रीति आ मान्यता

६७४. परीक्षामे लोकसंस्कार पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? समाजक जीवित रीति आ मान्यता कोरा गणित यन्त्र-वर्णन खाली पृष्ठ

(A) समाजक जीवित रीति आ मान्यता

(B) कोरा गणित

(C) यन्त्र-वर्णन

(D) खाली पृष्ठ

६७५. लोकसंस्कारक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? समाजक जीवित रीति आ मान्यता कोरा गणित यन्त्र-वर्णन खाली पृष्ठ

(A) समाजक जीवित रीति आ मान्यता

(B) कोरा गणित

(C) यन्त्र-वर्णन

(D) खाली पृष्ठ

६७६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे लोकसंस्कार पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? समाजक जीवित रीति आ मान्यता यन्त्र-वर्णन खाली पृष्ठ कोरा गणित

(A) समाजक जीवित रीति आ मान्यता

(B) यन्त्र-वर्णन

(C) खाली पृष्ठ

(D) कोरा गणित

६७७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ लोकसंस्कारक सही व्याख्या की? समाजक जीवित रीति आ मान्यता यन्त्र-वर्णन कोरा गणित खाली पृष्ठ

(A) समाजक जीवित रीति आ मान्यता

(B) यन्त्र-वर्णन

(C) कोरा गणित

(D) खाली पृष्ठ

६७८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे लोकसंस्कार किएक उपयोगी अछि? कोरा गणित खाली पृष्ठ समाजक जीवित रीति आ मान्यता यन्त्र-वर्णन

(A) कोरा गणित

(B) खाली पृष्ठ

(C) समाजक जीवित रीति आ मान्यता

(D) यन्त्र-वर्णन

६७९. लोकसंस्कारक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? खाली पृष्ठ कोरा गणित यन्त्र-वर्णन समाजक जीवित रीति आ मान्यता

(A) खाली पृष्ठ

(B) कोरा गणित

(C) यन्त्र-वर्णन

(D) समाजक जीवित रीति आ मान्यता

६८०. ‘लोकसंस्कार’ विषयक सही समझ चिन्हू। खाली पृष्ठ कोरा गणित यन्त्र-वर्णन समाजक जीवित रीति आ मान्यता

(A) खाली पृष्ठ

(B) कोरा गणित

(C) यन्त्र-वर्णन

(D) समाजक जीवित रीति आ मान्यता

६८१. पात्र-सम्बन्ध — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल पृष्ठ-संख्या केवल कालक्रम केवल वर्णमाला संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता

(A) केवल पृष्ठ-संख्या

(B) केवल कालक्रम

(C) केवल वर्णमाला

(D) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता

६८२. ‘पात्र-सम्बन्ध’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता केवल पृष्ठ-संख्या केवल वर्णमाला केवल कालक्रम

(A) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) केवल वर्णमाला

(D) केवल कालक्रम

६८३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत पात्र-सम्बन्ध कोना बुझल जाइत अछि? संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता केवल कालक्रम केवल पृष्ठ-संख्या केवल वर्णमाला

(A) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता

(B) केवल कालक्रम

(C) केवल पृष्ठ-संख्या

(D) केवल वर्णमाला

६८४. परीक्षामे पात्र-सम्बन्ध पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता केवल कालक्रम केवल वर्णमाला केवल पृष्ठ-संख्या

(A) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता

(B) केवल कालक्रम

(C) केवल वर्णमाला

(D) केवल पृष्ठ-संख्या

६८५. पात्र-सम्बन्धक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता केवल कालक्रम केवल पृष्ठ-संख्या केवल वर्णमाला

(A) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता

(B) केवल कालक्रम

(C) केवल पृष्ठ-संख्या

(D) केवल वर्णमाला

६८६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे पात्र-सम्बन्ध पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल कालक्रम केवल पृष्ठ-संख्या संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता केवल वर्णमाला

(A) केवल कालक्रम

(B) केवल पृष्ठ-संख्या

(C) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता

(D) केवल वर्णमाला

६८७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ पात्र-सम्बन्धक सही व्याख्या की? केवल पृष्ठ-संख्या केवल कालक्रम संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता केवल वर्णमाला

(A) केवल पृष्ठ-संख्या

(B) केवल कालक्रम

(C) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता

(D) केवल वर्णमाला

६८८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे पात्र-सम्बन्ध किएक उपयोगी अछि? केवल पृष्ठ-संख्या संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता केवल कालक्रम केवल वर्णमाला

(A) केवल पृष्ठ-संख्या

(B) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता

(C) केवल कालक्रम

(D) केवल वर्णमाला

६८९. पात्र-सम्बन्धक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता केवल वर्णमाला केवल कालक्रम केवल पृष्ठ-संख्या

(A) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता

(B) केवल वर्णमाला

(C) केवल कालक्रम

(D) केवल पृष्ठ-संख्या

६९०. 'पात्र-सम्बन्ध' विषयक सही समझ चिन्हू। केवल पृष्ठ-संख्या केवल वर्णमाला संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता केवल कालक्रम

(A) केवल पृष्ठ-संख्या

(B) केवल वर्णमाला

(C) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता

(D) केवल कालक्रम

६९१. द्वितीय सर्गक सामाजिक पाठ — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन समाज हटाकऽ पढ़ब प्रसंग बदलि देब केवल शीर्षक रटब

(A) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन

(B) समाज हटाकऽ पढ़ब

(C) प्रसंग बदलि देब

(D) केवल शीर्षक रटब

६९२. 'द्वितीय सर्गक सामाजिक पाठ' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन प्रसंग बदलि देब केवल शीर्षक रटब समाज हटाकऽ पढ़ब

(A) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन

(B) प्रसंग बदलि देब

(C) केवल शीर्षक रटब

(D) समाज हटाकऽ पढ़ब

६९३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत द्वितीय सर्गक सामाजिक पाठ कोना बुझल जाइत अछि? प्रसंग बदलि देब चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन केवल शीर्षक रटब समाज हटाकऽ पढ़ब

(A) प्रसंग बदलि देब

(B) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन

(C) केवल शीर्षक रटब

(D) समाज हटाकऽ पढ़ब

६९४. परीक्षामे द्वितीय सर्गक सामाजिक पाठ पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल शीर्षक रटब चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन प्रसंग बदलि देब समाज हटाकऽ पढ़ब

(A) केवल शीर्षक रटब

(B) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन

(C) प्रसंग बदलि देब

(D) समाज हटाकऽ पढ़ब

६९५. द्वितीय सर्गक सामाजिक पाठक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन केवल शीर्षक रटब प्रसंग बदलि देब समाज हटाकऽ पढ़ब

(A) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन

(B) केवल शीर्षक रटब

(C) प्रसंग बदलि देब

(D) समाज हटाकऽ पढ़ब

६९६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे द्वितीय सर्गक सामाजिक पाठ पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल शीर्षक रटब चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन समाज हटाकऽ पढ़ब प्रसंग बदलि देब

(A) केवल शीर्षक रटब

(B) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन

(C) समाज हटाकऽ पढ़ब

(D) प्रसंग बदलि देब

६९७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ द्वितीय सर्गक सामाजिक पाठक सही व्याख्या की? केवल शीर्षक रटब समाज हटाकऽ पढ़ब प्रसंग बदलि देब चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन

(A) केवल शीर्षक रटब

(B) समाज हटाकऽ पढ़ब

(C) प्रसंग बदलि देब

(D) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन

६९८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे द्वितीय सर्गक सामाजिक पाठ किएक उपयोगी अछि? केवल शीर्षक रटब चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन समाज हटाकऽ पढ़ब प्रसंग बदलि देब

(A) केवल शीर्षक रटब

(B) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन

(C) समाज हटाकऽ पढ़ब

(D) प्रसंग बदलि देब

६९९. द्वितीय सर्गक सामाजिक पाठक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? समाज हटाकऽ पढ़ब प्रसंग बदलि देब केवल शीर्षक रटब चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन

(A) समाज हटाकऽ पढ़ब

(B) प्रसंग बदलि देब

(C) केवल शीर्षक रटब

(D) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन

७००. 'द्वितीय सर्गक सामाजिक पाठ' विषयक सही समझ चिन्हू। प्रसंग बदलि देब केवल शीर्षक रटब चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन समाज हटाकऽ पढ़ब

(A) प्रसंग बदलि देब

(B) केवल शीर्षक रटब

(C) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन

(D) समाज हटाकऽ पढ़ब

७०१. काव्य-भाषाक विशेषता — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? सूखा दफ्तर-पत्र गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा व्यापार-हिसाब असम्बद्ध आदेश

(A) सूखा दफ्तर-पत्र

(B) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा

(C) व्यापार-हिसाब

(D) असम्बद्ध आदेश

७०२. 'काव्य-भाषाक विशेषता' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा सूखा दफ्तर-पत्र असम्बद्ध आदेश व्यापार-हिसाब

(A) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा

(B) सूखा दफ्तर-पत्र

(C) असम्बद्ध आदेश

(D) व्यापार-हिसाब

७०३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत काव्य-भाषाक विशेषता कोना बुझल जाइत अछि? व्यापार-हिसाब गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा असम्बद्ध आदेश सूखा दफ्तर-पत्र

(A) व्यापार-हिसाब

(B) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा

(C) असम्बद्ध आदेश

(D) सूखा दफ्तर-पत्र

७०४. परीक्षामे काव्य-भाषाक विशेषता पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? सूखा दफ्तर-पत्र व्यापार-हिसाब असम्बद्ध आदेश गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा

(A) सूखा दफ्तर-पत्र

(B) व्यापार-हिसाब

(C) असम्बद्ध आदेश

(D) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा

७०५. काव्य-भाषाक विशेषताक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा व्यापार-हिसाब सूखा दफ्तर-पत्र असम्बद्ध आदेश

(A) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा

(B) व्यापार-हिसाब

(C) सूखा दफ्तर-पत्र

(D) असम्बद्ध आदेश

७०६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे काव्य-भाषाक विशेषता पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा असम्बद्ध आदेश व्यापार-हिसाब सूखा दफ्तर-पत्र

(A) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा

(B) असम्बद्ध आदेश

(C) व्यापार-हिसाब

(D) सूखा दफ्तर-पत्र

७०७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ काव्य-भाषाक विशेषताक सही व्याख्या की? असम्बद्ध आदेश व्यापार-हिसाब सूखा दफ्तर-पत्र गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा

(A) असम्बद्ध आदेश

(B) व्यापार-हिसाब

(C) सूखा दफ्तर-पत्र

(D) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा

७०८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे काव्य-भाषाक विशेषता किएक उपयोगी अछि? सूखा दफ्तर-पत्र असम्बद्ध आदेश गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा व्यापार-हिसाब

(A) सूखा दफ्तर-पत्र

(B) असम्बद्ध आदेश

(C) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा

(D) व्यापार-हिसाब

७०९. काव्य-भाषाक विशेषताक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? व्यापार-हिसाब असम्बद्ध आदेश सूखा दफ्तर-पत्र गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा

(A) व्यापार-हिसाब

(B) असम्बद्ध आदेश

(C) सूखा दफ्तर-पत्र

(D) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा

७१०. 'काव्य-भाषाक विशेषता' विषयक सही समझ चिन्हू। गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा व्यापार-हिसाब असम्बद्ध आदेश सूखा दफ्तर-पत्र

(A) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा

(B) व्यापार-हिसाब

(C) असम्बद्ध आदेश

(D) सूखा दफ्तर-पत्र

७११. तत्सम शब्दक उपयोग — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता अर्थ-नाश मात्र हँसी भाषा-विरोध

(A) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता

(B) अर्थ-नाश

(C) मात्र हँसी

(D) भाषा-विरोध

७१२. 'तत्सम शब्दक उपयोग' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। भाषा-विरोध शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता मात्र हँसी अर्थ-नाश

(A) भाषा-विरोध

(B) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता

(C) मात्र हँसी

(D) अर्थ-नाश

७१३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत तत्सम शब्दक उपयोग कोना बुझल जाइत अछि? शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता अर्थ-नाश भाषा-विरोध मात्र हँसी

(A) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता

(B) अर्थ-नाश

(C) भाषा-विरोध

(D) मात्र हँसी

७१४. परीक्षामे तत्सम शब्दक उपयोग पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? भाषा-विरोध अर्थ-नाश शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता मात्र हँसी

(A) भाषा-विरोध

(B) अर्थ-नाश

(C) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता

(D) मात्र हँसी

७१५. तत्सम शब्दक उपयोगक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता अर्थ-नाश मात्र हँसी भाषा-विरोध

(A) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता

(B) अर्थ-नाश

(C) मात्र हँसी

(D) भाषा-विरोध

७१६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे तत्सम शब्दक उपयोग पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? अर्थ-नाश मात्र हँसी भाषा-विरोध शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता

(A) अर्थ-नाश

(B) मात्र हँसी

(C) भाषा-विरोध

(D) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता

७१७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ तत्सम शब्दक उपयोगक सही व्याख्या की? शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता मात्र हँसी अर्थ-नाश भाषा-विरोध

(A) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता

(B) मात्र हँसी

(C) अर्थ-नाश

(D) भाषा-विरोध

७१८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे तत्सम शब्दक उपयोग किएक उपयोगी अछि? अर्थ-नाश मात्र हँसी शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता भाषा-विरोध

(A) अर्थ-नाश

(B) मात्र हँसी

(C) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता

(D) भाषा-विरोध

७१९. तत्सम शब्दक उपयोगक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता भाषा-विरोध अर्थ-नाश मात्र हँसी

(A) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता

(B) भाषा-विरोध

(C) अर्थ-नाश

(D) मात्र हँसी

७२०. ‘तत्सम शब्दक उपयोग’ विषयक सही समझ चिन्हू। भाषा-विरोध अर्थ-नाश मात्र हँसी शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता

(A) भाषा-विरोध

(B) अर्थ-नाश

(C) मात्र हँसी

(D) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता

७२१. तद्भव-देशज शब्द — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? लोक-जीवन आ सहजता केवल विदेशी संकेत लिपि-विनाश शब्द-विरोध

(A) लोक-जीवन आ सहजता

(B) केवल विदेशी संकेत

(C) लिपि-विनाश

(D) शब्द-विरोध

७२२. ‘तद्भव-देशज शब्द’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। लोक-जीवन आ सहजता लिपि-विनाश केवल विदेशी संकेत शब्द-विरोध

(A) लोक-जीवन आ सहजता

(B) लिपि-विनाश

(C) केवल विदेशी संकेत

(D) शब्द-विरोध

७२३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत तद्भव-देशज शब्द कोना बुझल जाइत अछि? लोक-जीवन आ सहजता केवल विदेशी संकेत शब्द-विरोध लिपि-विनाश

(A) लोक-जीवन आ सहजता

(B) केवल विदेशी संकेत

(C) शब्द-विरोध

(D) लिपि-विनाश

७२४. परीक्षामे तद्भव-देशज शब्द पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल विदेशी संकेत शब्द-विरोध लोक-जीवन आ सहजता लिपि-विनाश

(A) केवल विदेशी संकेत

(B) शब्द-विरोध

(C) लोक-जीवन आ सहजता

(D) लिपि-विनाश

७२५. तद्भव-देशज शब्दक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? लोक-जीवन आ सहजता लिपि-विनाश शब्द-विरोध केवल विदेशी संकेत

(A) लोक-जीवन आ सहजता

(B) लिपि-विनाश

(C) शब्द-विरोध

(D) केवल विदेशी संकेत

७२६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे तद्भव-देशज शब्द पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? शब्द-विरोध केवल विदेशी संकेत लिपि-विनाश लोक-जीवन आ सहजता

(A) शब्द-विरोध

(B) केवल विदेशी संकेत

(C) लिपि-विनाश

(D) लोक-जीवन आ सहजता

७२७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ तद्भव-देशज शब्दक सही व्याख्या की? शब्द-विरोध लिपि-विनाश लोक-जीवन आ सहजता केवल विदेशी संकेत

(A) शब्द-विरोध

(B) लिपि-विनाश

(C) लोक-जीवन आ सहजता

(D) केवल विदेशी संकेत

७२८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे तद्भव-देशज शब्द किएक उपयोगी अछि? लोक-जीवन आ सहजता लिपि-विनाश केवल विदेशी संकेत शब्द-विरोध

(A) लोक-जीवन आ सहजता

(B) लिपि-विनाश

(C) केवल विदेशी संकेत

(D) शब्द-विरोध

७२९. तद्भव-देशज शब्दक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? लोक-जीवन आ सहजता केवल विदेशी संकेत शब्द-विरोध लिपि-विनाश

(A) लोक-जीवन आ सहजता

(B) केवल विदेशी संकेत

(C) शब्द-विरोध

(D) लिपि-विनाश

७३०. 'तद्भव-देशज शब्द' विषयक सही समझ चिन्हू। लोक-जीवन आ सहजता शब्द-विरोध लिपि-विनाश केवल विदेशी संकेत

(A) लोक-जीवन आ सहजता

(B) शब्द-विरोध

(C) लिपि-विनाश

(D) केवल विदेशी संकेत

७३१. छन्दक भूमिका — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? लय, गति आ भावक अनुशासन अर्थ नष्ट करब कथा हटाब मात्र चित्र बनाब

(A) लय, गति आ भावक अनुशासन

(B) अर्थ नष्ट करब

(C) कथा हटाब

(D) मात्र चित्र बनाब

७३२. 'छन्दक भूमिका' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। लय, गति आ भावक अनुशासन अर्थ नष्ट करब कथा हटाब मात्र चित्र बनाब

(A) लय, गति आ भावक अनुशासन

(B) अर्थ नष्ट करब

(C) कथा हटाब

(D) मात्र चित्र बनाब

७३३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत छन्दक भूमिका कोना बुझल जाइत अछि? मात्र चित्र बनाब लय, गति आ भावक अनुशासन अर्थ नष्ट करब कथा हटाब

(A) मात्र चित्र बनाब

(B) लय, गति आ भावक अनुशासन

(C) अर्थ नष्ट करब

(D) कथा हटाब

७३४. परीक्षामे छन्दक भूमिका पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? लय, गति आ भावक अनुशासन कथा हटाब अर्थ नष्ट करब मात्र चित्र बनाब

(A) लय, गति आ भावक अनुशासन

(B) कथा हटाब

(C) अर्थ नष्ट करब

(D) मात्र चित्र बनाब

७३५. छन्दक भूमिकाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? लय, गति आ भावक अनुशासन अर्थ नष्ट करब मात्र चित्र बनाब कथा हटाब

(A) लय, गति आ भावक अनुशासन

(B) अर्थ नष्ट करब

(C) मात्र चित्र बनाब

(D) कथा हटाब

७३६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे छन्दक भूमिका पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? अर्थ नष्ट करब मात्र चित्र बनाब लय, गति आ भावक अनुशासन कथा हटाब

(A) अर्थ नष्ट करब

(B) मात्र चित्र बनाब

(C) लय, गति आ भावक अनुशासन

(D) कथा हटाब

७३७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ छन्दक भूमिकाक सही व्याख्या की? मात्र चित्र बनाब कथा हटाब लय, गति आ भावक अनुशासन अर्थ नष्ट करब

(A) मात्र चित्र बनाब

(B) कथा हटाब

(C) लय, गति आ भावक अनुशासन

(D) अर्थ नष्ट करब

७३८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे छन्दक भूमिका किएक उपयोगी अछि? लय, गति आ भावक अनुशासन मात्र चित्र बनाब कथा हटाब अर्थ नष्ट करब

(A) लय, गति आ भावक अनुशासन

(B) मात्र चित्र बनाब

(C) कथा हटाब

(D) अर्थ नष्ट करब

७३९. छन्दक भूमिकाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? लय, गति आ भावक अनुशासन अर्थ नष्ट करब कथा हटाब मात्र चित्र बनाब

(A) लय, गति आ भावक अनुशासन

(B) अर्थ नष्ट करब

(C) कथा हटाब

(D) मात्र चित्र बनाब

७४०. ‘छन्दक भूमिका’ विषयक सही समझ चिन्हू। अर्थ नष्ट करब मात्र चित्र बनाब कथा हटाब लय, गति आ भावक अनुशासन

(A) अर्थ नष्ट करब

(B) मात्र चित्र बनाब

(C) कथा हटाब

(D) लय, गति आ भावक अनुशासन

७४१. अनुप्रास — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? अर्थ-विपर्यय कथा-समाप्ति सूची-नाश ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार

(A) अर्थ-विपर्यय

(B) कथा-समाप्ति

(C) सूची-नाश

(D) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार

७४२. ‘अनुप्रास’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार कथा-समाप्ति अर्थ-विपर्यय सूची-नाश

(A) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार

(B) कथा-समाप्ति

(C) अर्थ-विपर्यय

(D) सूची-नाश

७४३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत अनुप्रास कोना बुझल जाइत अछि? कथा-समाप्ति ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार अर्थ-विपर्यय सूची-नाश

(A) कथा-समाप्ति

(B) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार

(C) अर्थ-विपर्यय

(D) सूची-नाश

७४४. परीक्षामे अनुप्रास पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार अर्थ-विपर्यय सूची-नाश कथा-समाप्ति

(A) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार

(B) अर्थ-विपर्यय

(C) सूची-नाश

(D) कथा-समाप्ति

७४५. अनुप्रासक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? अर्थ-विपर्यय कथा-समाप्ति सूची-नाश ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार

(A) अर्थ-विपर्यय

(B) कथा-समाप्ति

(C) सूची-नाश

(D) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार

७४६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे अनुप्रास पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? सूची-नाश कथा-समाप्ति ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार अर्थ-विपर्यय

(A) सूची-नाश

(B) कथा-समाप्ति

(C) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार

(D) अर्थ-विपर्यय

७४७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ अनुप्रासक सही व्याख्या की? अर्थ-विपर्यय कथा-समाप्ति ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार सूची-नाश

(A) अर्थ-विपर्यय

(B) कथा-समाप्ति

(C) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार

(D) सूची-नाश

७४८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे अनुप्रास किएक उपयोगी अछि? सूची-नाश अर्थ-विपर्यय ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार कथा-समाप्ति

(A) सूची-नाश

(B) अर्थ-विपर्यय

(C) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार

(D) कथा-समाप्ति

७४९. अनुप्रासक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार अर्थ-विपर्यय कथा-समाप्ति सूची-नाश

(A) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार

(B) अर्थ-विपर्यय

(C) कथा-समाप्ति

(D) सूची-नाश

७५०. 'अनुप्रास' विषयक सही समझ चिन्हू। अर्थ-विपर्यय ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार सूची-नाश कथा-समाप्ति

(A) अर्थ-विपर्यय

(B) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार

(C) सूची-नाश

(D) कथा-समाप्ति

७५१. उपमा — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? पृष्ठ गिनब काल बदलब एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब नाम हटाब

(A) पृष्ठ गिनब

(B) काल बदलब

(C) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब

(D) नाम हटाब

७५२. 'उपमा' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब पृष्ठ गिनब काल बदलब नाम हटाब

(A) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब

(B) पृष्ठ गिनब

(C) काल बदलब

(D) नाम हटाब

७५३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत उपमा कोना बुझल जाइत अछि? नाम हटाब काल बदलब एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब पृष्ठ गिनब

(A) नाम हटाब

(B) काल बदलब

(C) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब

(D) पृष्ठ गिनब

७५४. परीक्षामे उपमा पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? नाम हटाब एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब पृष्ठ गिनब काल बदलब

(A) नाम हटाब

(B) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब

(C) पृष्ठ गिनब

(D) काल बदलब

७५५. उपमाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? पृष्ठ गिनब नाम हटाब काल बदलब एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब

(A) पृष्ठ गिनब

(B) नाम हटाब

(C) काल बदलब

(D) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब

७५६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे उपमा पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? काल बदलब एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब नाम हटाब पृष्ठ गिनब

(A) काल बदलब

(B) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब

(C) नाम हटाब

(D) पृष्ठ गिनब

७५७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ उपमाक सही व्याख्या की? एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब पृष्ठ गिनब नाम हटाब काल बदलब

(A) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब

(B) पृष्ठ गिनब

(C) नाम हटाब

(D) काल बदलब

७५८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे उपमा किएक उपयोगी अछि? पृष्ठ गिनब एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब काल बदलब नाम हटाब

(A) पृष्ठ गिनब

(B) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब

(C) काल बदलब

(D) नाम हटाब

७५९. उपमाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? पृष्ठ गिनब नाम हटाब काल बदलब एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब

(A) पृष्ठ गिनब

(B) नाम हटाब

(C) काल बदलब

(D) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब

७६०. 'उपमा' विषयक सही समझ चिन्हू। नाम हटाब पृष्ठ गिनब एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब काल बदलब

(A) नाम हटाब

(B) पृष्ठ गिनब

(C) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब

(D) काल बदलब

७६१. रूपक — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? सिर्फ संख्या निरर्थक विराम उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता अप्रासंगिक वाक्य

(A) सिर्फ संख्या

(B) निरर्थक विराम

(C) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

(D) अप्रासंगिक वाक्य

७६२. 'रूपक' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। निरर्थक विराम सिर्फ संख्या अप्रासंगिक वाक्य उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

(A) निरर्थक विराम

(B) सिर्फ संख्या

(C) अप्रासंगिक वाक्य

(D) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

७६३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत रूपक कोना बुझल जाइत अछि? सिर्फ संख्या निरर्थक विराम अप्रासंगिक वाक्य उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

(A) सिर्फ संख्या

(B) निरर्थक विराम

(C) अप्रासंगिक वाक्य

(D) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

७६४. परीक्षामे रूपक पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? सिर्फ संख्या निरर्थक विराम अप्रासंगिक वाक्य उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

(A) सिर्फ संख्या

(B) निरर्थक विराम

(C) अप्रासंगिक वाक्य

(D) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

७६५. रूपकक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? अप्रासंगिक वाक्य उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता सिर्फ संख्या निरर्थक विराम

(A) अप्रासंगिक वाक्य

(B) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

(C) सिर्फ संख्या

(D) निरर्थक विराम

७६६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे रूपक पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता सिर्फ संख्या निरर्थक विराम अप्रासंगिक वाक्य

(A) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

(B) सिर्फ संख्या

(C) निरर्थक विराम

(D) अप्रासंगिक वाक्य

७६७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ रूपकक सही व्याख्या की? निरर्थक विराम सिर्फ संख्या अप्रासंगिक वाक्य उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

(A) निरर्थक विराम

(B) सिर्फ संख्या

(C) अप्रासंगिक वाक्य

(D) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

७६८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे रूपक किएक उपयोगी अछि? उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता निरर्थक विराम सिर्फ संख्या अप्रासंगिक वाक्य

(A) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

(B) निरर्थक विराम

(C) सिर्फ संख्या

(D) अप्रासंगिक वाक्य

७६९. रूपकक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? निरर्थक विराम अप्रासंगिक वाक्य उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता सिर्फ संख्या

(A) निरर्थक विराम

(B) अप्रासंगिक वाक्य

(C) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

(D) सिर्फ संख्या

७७०. 'रूपक' विषयक सही समझ चिन्हू। सिर्फ संख्या निरर्थक विराम अप्रासंगिक वाक्य उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

(A) सिर्फ संख्या

(B) निरर्थक विराम

(C) अप्रासंगिक वाक्य

(D) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता

७७१. वर्णन-शैली — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कथा-विस्मृति मात्र आदेश एकरेखीय सूची चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन

(A) कथा-विस्मृति

(B) मात्र आदेश

(C) एकरेखीय सूची

(D) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन

७७२. ‘वर्णन-शैली’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। मात्र आदेश एकरेखीय सूची कथा-विस्मृति चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन

(A) मात्र आदेश

(B) एकरेखीय सूची

(C) कथा-विस्मृति

(D) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन

७७३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत वर्णन-शैली कोना बुझल जाइत अछि? एकरेखीय सूची मात्र आदेश चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन कथा-विस्मृति

(A) एकरेखीय सूची

(B) मात्र आदेश

(C) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन

(D) कथा-विस्मृति

७७४. परीक्षामे वर्णन-शैली पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? मात्र आदेश एकरेखीय सूची चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन कथा-विस्मृति

(A) मात्र आदेश

(B) एकरेखीय सूची

(C) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन

(D) कथा-विस्मृति

७७५. वर्णन-शैलीक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कथा-विस्मृति चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन एकरेखीय सूची मात्र आदेश

(A) कथा-विस्मृति

(B) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन

(C) एकरेखीय सूची

(D) मात्र आदेश

७७६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे वर्णन-शैली पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कथा-विस्मृति मात्र आदेश चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन एकरेखीय सूची

(A) कथा-विस्मृति

(B) मात्र आदेश

(C) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन

(D) एकरेखीय सूची

७७७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ वर्णन-शैलीक सही व्याख्या की? चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन कथा-विस्मृति एकरेखीय सूची मात्र आदेश

(A) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन

(B) कथा-विस्मृति

(C) एकरेखीय सूची

(D) मात्र आदेश

७७८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे वर्णन-शैली किएक उपयोगी अछि? एकरेखीय सूची चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन मात्र आदेश कथा-विस्मृति

(A) एकरेखीय सूची

(B) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन

(C) मात्र आदेश

(D) कथा-विस्मृति

७७९. वर्णन-शैलीक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? मात्र आदेश चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन कथा-विस्मृति एकरेखीय सूची

(A) मात्र आदेश

(B) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन

(C) कथा-विस्मृति

(D) एकरेखीय सूची

७८०. 'वर्णन-शैली' विषयक सही समझ चिन्हू। एकरेखीय सूची कथा-विस्मृति चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन मात्र आदेश

(A) एकरेखीय सूची

(B) कथा-विस्मृति

(C) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन

(D) मात्र आदेश

७८१. संस्कृत-प्रभाव — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? मैथिली समाप्ति कथा-विरोध शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर भावहीनता

(A) मैथिली समाप्ति

(B) कथा-विरोध

(C) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर

(D) भावहीनता

७८२. 'संस्कृत-प्रभाव' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। भावहीनता शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर मैथिली समाप्ति कथा-विरोध

(A) भावहीनता

(B) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर

(C) मैथिली समाप्ति

(D) कथा-विरोध

७८३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत संस्कृत-प्रभाव कोना बुझल जाइत अछि? शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर मैथिली समाप्ति कथा-विरोध भावहीनता

(A) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर

(B) मैथिली समाप्ति

(C) कथा-विरोध

(D) भावहीनता

७८४. परीक्षामे संस्कृत-प्रभाव पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? कथा-विरोध शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर मैथिली समाप्ति भावहीनता

(A) कथा-विरोध

(B) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर

(C) मैथिली समाप्ति

(D) भावहीनता

७८५. संस्कृत-प्रभावक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर भावहीनता कथा-विरोध मैथिली समाप्ति

(A) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर

(B) भावहीनता

(C) कथा-विरोध

(D) मैथिली समाप्ति

७८६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे संस्कृत-प्रभाव पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर भावहीनता कथा-विरोध मैथिली समाप्ति

(A) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर

(B) भावहीनता

(C) कथा-विरोध

(D) मैथिली समाप्ति

७८७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ संस्कृत-प्रभावक सही व्याख्या की? भावहीनता मैथिली समाप्ति कथा-विरोध शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर

(A) भावहीनता

(B) मैथिली समाप्ति

(C) कथा-विरोध

(D) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर

७८८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे संस्कृत-प्रभाव किएक उपयोगी अछि? भावहीनता शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर मैथिली समाप्ति कथा-विरोध

(A) भावहीनता

(B) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर

(C) मैथिली समाप्ति

(D) कथा-विरोध

७८९. संस्कृत-प्रभावक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? भावहीनता मैथिली समाप्ति कथा-विरोध शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर

(A) भावहीनता

(B) मैथिली समाप्ति

(C) कथा-विरोध

(D) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर

७९०. 'संस्कृत-प्रभाव' विषयक सही समझ चिन्हू। शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर कथा-विरोध मैथिली समाप्ति भावहीनता

(A) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर

(B) कथा-विरोध

(C) मैथिली समाप्ति

(D) भावहीनता

७९१. भाषा-शैलीक परीक्षा-उत्तर — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? असम्बद्ध आलोचना केवल लेखकक नाम केवल पृष्ठ संख्या उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

(A) असम्बद्ध आलोचना

(B) केवल लेखकक नाम

(C) केवल पृष्ठ संख्या

(D) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

७९२. 'भाषा-शैलीक परीक्षा-उत्तर' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल पृष्ठ संख्या उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब असम्बद्ध आलोचना केवल लेखकक नाम

(A) केवल पृष्ठ संख्या

(B) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

(C) असम्बद्ध आलोचना

(D) केवल लेखकक नाम

७९३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत भाषा-शैलीक परीक्षा-उत्तर कोना बुझल जाइत अछि? केवल पृष्ठ संख्या उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब केवल लेखकक नाम असम्बद्ध आलोचना

(A) केवल पृष्ठ संख्या

(B) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

(C) केवल लेखकक नाम

(D) असम्बद्ध आलोचना

७९४. परीक्षामे भाषा-शैलीक परीक्षा-उत्तर पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? असम्बद्ध आलोचना केवल लेखकक नाम केवल पृष्ठ संख्या उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

(A) असम्बद्ध आलोचना

(B) केवल लेखकक नाम

(C) केवल पृष्ठ संख्या

(D) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

७९५. भाषा-शैलीक परीक्षा-उत्तरक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब केवल पृष्ठ संख्या केवल लेखकक नाम असम्बद्ध आलोचना

(A) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

(B) केवल पृष्ठ संख्या

(C) केवल लेखकक नाम

(D) असम्बद्ध आलोचना

७९६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे भाषा-शैलीक परीक्षा-उत्तर पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल लेखकक नाम असम्बद्ध आलोचना केवल पृष्ठ संख्या उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

(A) केवल लेखकक नाम

(B) असम्बद्ध आलोचना

(C) केवल पृष्ठ संख्या

(D) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

७९७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ भाषा-शैलीक परीक्षा-उत्तरक सही व्याख्या की? उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब असम्बद्ध आलोचना केवल पृष्ठ संख्या केवल लेखकक नाम

(A) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

(B) असम्बद्ध आलोचना

(C) केवल पृष्ठ संख्या

(D) केवल लेखकक नाम

७९८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे भाषा-शैलीक परीक्षा-उत्तर किएक उपयोगी अछि? केवल पृष्ठ संख्या केवल लेखकक नाम असम्बद्ध आलोचना उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

(A) केवल पृष्ठ संख्या

(B) केवल लेखकक नाम

(C) असम्बद्ध आलोचना

(D) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

७९९. भाषा-शैलीक परीक्षा-उत्तरक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल पृष्ठ संख्या केवल लेखकक नाम असम्बद्ध आलोचना उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

(A) केवल पृष्ठ संख्या

(B) केवल लेखकक नाम

(C) असम्बद्ध आलोचना

(D) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

८००. 'भाषा-शैलीक परीक्षा-उत्तर' विषयक सही समझ चिन्हू। असम्बद्ध आलोचना केवल पृष्ठ संख्या केवल लेखकक नाम उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

(A) असम्बद्ध आलोचना

(B) केवल पृष्ठ संख्या

(C) केवल लेखकक नाम

(D) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब

८०१. मिथिला-संस्कार — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? असम्बद्ध प्रदेश मात्र यांत्रिक संकेत जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल कथा-विहीन गणित

(A) असम्बद्ध प्रदेश

(B) मात्र यांत्रिक संकेत

(C) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

(D) कथा-विहीन गणित

८०२. 'मिथिला-संस्कार' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कथा-विहीन गणित मात्र यांत्रिक संकेत जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल असम्बद्ध प्रदेश

(A) कथा-विहीन गणित

(B) मात्र यांत्रिक संकेत

(C) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

(D) असम्बद्ध प्रदेश

८०३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत मिथिला-संस्कार कोना बुझल जाइत अछि? असम्बद्ध प्रदेश मात्र यांत्रिक संकेत कथा-विहीन गणित जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

(A) असम्बद्ध प्रदेश

(B) मात्र यांत्रिक संकेत

(C) कथा-विहीन गणित

(D) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

८०४. परीक्षामे मिथिला-संस्कार पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? कथा-विहीन गणित असम्बद्ध प्रदेश मात्र यांत्रिक संकेत जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

(A) कथा-विहीन गणित

(B) असम्बद्ध प्रदेश

(C) मात्र यांत्रिक संकेत

(D) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

८०५. मिथिला-संस्कारक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? मात्र यांत्रिक संकेत जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल असम्बद्ध प्रदेश कथा-विहीन गणित

(A) मात्र यांत्रिक संकेत

(B) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

(C) असम्बद्ध प्रदेश

(D) कथा-विहीन गणित

८०६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे मिथिला-संस्कार पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल मात्र यांत्रिक संकेत कथा-विहीन गणित असम्बद्ध प्रदेश

(A) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

(B) मात्र यांत्रिक संकेत

(C) कथा-विहीन गणित

(D) असम्बद्ध प्रदेश

८०७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ मिथिला-संस्कारक सही व्याख्या की? मात्र यांत्रिक संकेत कथा-विहीन गणित असम्बद्ध प्रदेश जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

(A) मात्र यांत्रिक संकेत

(B) कथा-विहीन गणित

(C) असम्बद्ध प्रदेश

(D) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

८०८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे मिथिला-संस्कार किएक उपयोगी अछि? असम्बद्ध प्रदेश जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल मात्र यांत्रिक संकेत कथा-विहीन गणित

(A) असम्बद्ध प्रदेश

(B) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

(C) मात्र यांत्रिक संकेत

(D) कथा-विहीन गणित

८०९. मिथिला-संस्कारक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? असम्बद्ध प्रदेश मात्र यांत्रिक संकेत कथा-विहीन गणित जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

(A) असम्बद्ध प्रदेश

(B) मात्र यांत्रिक संकेत

(C) कथा-विहीन गणित

(D) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

८१०. 'मिथिला-संस्कार' विषयक सही समझ चिन्हू। कथा-विहीन गणित मात्र यांत्रिक संकेत जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल असम्बद्ध प्रदेश

(A) कथा-विहीन गणित

(B) मात्र यांत्रिक संकेत

(C) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल

(D) असम्बद्ध प्रदेश

८११. धार्मिक चेतना — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? धर्म-विरोधी शोर आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध केवल व्यापार अर्थहीन गणना

(A) धर्म-विरोधी शोर

(B) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध

(C) केवल व्यापार

(D) अर्थहीन गणना

८१२. 'धार्मिक चेतना' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। केवल व्यापार धर्म-विरोधी शोर आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध अर्थहीन गणना

(A) केवल व्यापार

(B) धर्म-विरोधी शोर

(C) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध

(D) अर्थहीन गणना

८१३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत धार्मिक चेतना कोना बुझल जाइत अछि? आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध केवल व्यापार धर्म-विरोधी शोर अर्थहीन गणना

(A) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध

(B) केवल व्यापार

(C) धर्म-विरोधी शोर

(D) अर्थहीन गणना

८१४. परीक्षामे धार्मिक चेतना पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध अर्थहीन गणना धर्म-विरोधी शोर केवल व्यापार

(A) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध

(B) अर्थहीन गणना

(C) धर्म-विरोधी शोर

(D) केवल व्यापार

८१५. धार्मिक चेतनाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध धर्म-विरोधी शोर अर्थहीन गणना केवल व्यापार

(A) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध

(B) धर्म-विरोधी शोर

(C) अर्थहीन गणना

(D) केवल व्यापार

८१६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे धार्मिक चेतना पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल व्यापार आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध धर्म-विरोधी शोर अर्थहीन गणना

(A) केवल व्यापार

(B) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध

(C) धर्म-विरोधी शोर

(D) अर्थहीन गणना

८१७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ धार्मिक चेतनाक सही व्याख्या की? केवल व्यापार अर्थहीन गणना आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध धर्म-विरोधी शोर

(A) केवल व्यापार

(B) अर्थहीन गणना

(C) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध

(D) धर्म-विरोधी शोर

८१८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे धार्मिक चेतना किएक उपयोगी अछि? धर्म-विरोधी शोर केवल व्यापार अर्थहीन गणना आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध

(A) धर्म-विरोधी शोर

(B) केवल व्यापार

(C) अर्थहीन गणना

(D) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध

८१९. धार्मिक चेतनाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? धर्म-विरोधी शोर अर्थहीन गणना केवल व्यापार आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध

(A) धर्म-विरोधी शोर

(B) अर्थहीन गणना

(C) केवल व्यापार

(D) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध

८२०. 'धार्मिक चेतना' विषयक सही समझ चिन्हू। केवल व्यापार आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध धर्म-विरोधी शोर अर्थहीन गणना

(A) केवल व्यापार

(B) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध

(C) धर्म-विरोधी शोर

(D) अर्थहीन गणना

८२१. नैतिक संघर्ष — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? शब्दहीनता सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा मूल्यहीनता कथा-विस्मृति

(A) शब्दहीनता

(B) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा

(C) मूल्यहीनता

(D) कथा-विस्मृति

८२२. 'नैतिक संघर्ष' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा कथा-विस्मृति शब्दहीनता मूल्यहीनता

(A) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा

(B) कथा-विस्मृति

(C) शब्दहीनता

(D) मूल्यहीनता

८२३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत नैतिक संघर्ष कोना बुझल जाइत अछि? मूल्यहीनता कथा-विस्मृति सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा शब्दहीनता

(A) मूल्यहीनता

(B) कथा-विस्मृति

(C) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा

(D) शब्दहीनता

८२४. परीक्षामे नैतिक संघर्ष पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? मूल्यहीनता कथा-विस्मृति सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा शब्दहीनता

(A) मूल्यहीनता

(B) कथा-विस्मृति

(C) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा

(D) शब्दहीनता

८२५. नैतिक संघर्षक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा शब्दहीनता कथा-विस्मृति मूल्यहीनता

(A) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा

(B) शब्दहीनता

(C) कथा-विस्मृति

(D) मूल्यहीनता

८२६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे नैतिक संघर्ष पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कथा-विस्मृति सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा मूल्यहीनता शब्दहीनता

(A) कथा-विस्मृति

(B) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा

(C) मूल्यहीनता

(D) शब्दहीनता

८२७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ नैतिक संघर्षक सही व्याख्या की? मूल्यहीनता कथा-विस्मृति शब्दहीनता सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा

(A) मूल्यहीनता

(B) कथा-विस्मृति

(C) शब्दहीनता

(D) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा

८२८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे नैतिक संघर्ष किएक उपयोगी अछि? मूल्यहीनता सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा कथा-विस्मृति शब्दहीनता

(A) मूल्यहीनता

(B) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा

(C) कथा-विस्मृति

(D) शब्दहीनता

८२९. नैतिक संघर्षक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? कथा-विस्मृति सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा शब्दहीनता मूल्यहीनता

(A) कथा-विस्मृति

(B) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा

(C) शब्दहीनता

(D) मूल्यहीनता

८३०. 'नैतिक संघर्ष' विषयक सही समझ चिन्हू। कथा-विस्मृति मूल्यहीनता शब्दहीनता सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा

(A) कथा-विस्मृति

(B) मूल्यहीनता

(C) शब्दहीनता

(D) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा

८३१. मर्यादा — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? निरर्थक ध्वनि अराजकता मात्र व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण तालिका-लेखन

(A) निरर्थक ध्वनि

(B) अराजकता मात्र

(C) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण

(D) तालिका-लेखन

८३२. 'मर्यादा' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण तालिका-लेखन अराजकता मात्र निरर्थक ध्वनि

(A) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण

(B) तालिका-लेखन

(C) अराजकता मात्र

(D) निरर्थक ध्वनि

८३३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत मर्यादा कोना बुझल जाइत अछि? अराजकता मात्र तालिका-लेखन व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण निरर्थक ध्वनि

(A) अराजकता मात्र

(B) तालिका-लेखन

(C) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण

(D) निरर्थक ध्वनि

८३४. परीक्षामे मर्यादा पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? अराजकता मात्र व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण निरर्थक ध्वनि तालिका-लेखन

(A) अराजकता मात्र

(B) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण

(C) निरर्थक ध्वनि

(D) तालिका-लेखन

८३५. मर्यादाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? अराजकता मात्र तालिका-लेखन व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण निरर्थक ध्वनि

(A) अराजकता मात्र

(B) तालिका-लेखन

(C) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण

(D) निरर्थक ध्वनि

८३६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे मर्यादा पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? अराजकता मात्र तालिका-लेखन व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण निरर्थक ध्वनि

(A) अराजकता मात्र

(B) तालिका-लेखन

(C) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण

(D) निरर्थक ध्वनि

८३७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ मर्यादाक सही व्याख्या की? तालिका-लेखन अराजकता मात्र व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण निरर्थक ध्वनि

(A) तालिका-लेखन

(B) अराजकता मात्र

(C) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण

(D) निरर्थक ध्वनि

८३८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे मर्यादा किएक उपयोगी अछि? अराजकता मात्र व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण निरर्थक ध्वनि तालिका-लेखन

(A) अराजकता मात्र

(B) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण

(C) निरर्थक ध्वनि

(D) तालिका-लेखन

८३९. मर्यादाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? अराजकता मात्र व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण तालिका-लेखन निरर्थक ध्वनि

(A) अराजकता मात्र

(B) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण

(C) तालिका-लेखन

(D) निरर्थक ध्वनि

८४०. 'मर्यादा' विषयक सही समझ चिन्हू। तालिका-लेखन निरर्थक ध्वनि अराजकता मात्र व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण

(A) तालिका-लेखन

(B) निरर्थक ध्वनि

(C) अराजकता मात्र

(D) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण

८४१. आत्मबल — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? पूर्ण पलायन संकटमे चरित्रक स्थिरता अर्थहीन विराम प्रसंगहीनता

(A) पूर्ण पलायन

(B) संकटमे चरित्रक स्थिरता

(C) अर्थहीन विराम

(D) प्रसंगहीनता

८४२. 'आत्मबल' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। प्रसंगहीनता अर्थहीन विराम पूर्ण पलायन संकटमे चरित्रक स्थिरता

(A) प्रसंगहीनता

(B) अर्थहीन विराम

(C) पूर्ण पलायन

(D) संकटमे चरित्रक स्थिरता

८४३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत आत्मबल कोना बुझल जाइत अछि? संकटमे चरित्रक स्थिरता अर्थहीन विराम प्रसंगहीनता पूर्ण पलायन

(A) संकटमे चरित्रक स्थिरता

(B) अर्थहीन विराम

(C) प्रसंगहीनता

(D) पूर्ण पलायन

८४४. परीक्षामे आत्मबल पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? संकटमे चरित्रक स्थिरता पूर्ण पलायन अर्थहीन विराम प्रसंगहीनता

(A) संकटमे चरित्रक स्थिरता

(B) पूर्ण पलायन

(C) अर्थहीन विराम

(D) प्रसंगहीनता

८४५. आत्मबलक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? अर्थहीन विराम पूर्ण पलायन प्रसंगहीनता संकटमे चरित्रक स्थिरता

(A) अर्थहीन विराम

(B) पूर्ण पलायन

(C) प्रसंगहीनता

(D) संकटमे चरित्रक स्थिरता

८४६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे आत्मबल पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? प्रसंगहीनता अर्थहीन विराम पूर्ण पलायन संकटमे चरित्रक स्थिरता

(A) प्रसंगहीनता

(B) अर्थहीन विराम

(C) पूर्ण पलायन

(D) संकटमे चरित्रक स्थिरता

८४७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ आत्मबलक सही व्याख्या की? प्रसंगहीनता अर्थहीन विराम संकटमे चरित्रक स्थिरता पूर्ण पलायन

(A) प्रसंगहीनता

(B) अर्थहीन विराम

(C) संकटमे चरित्रक स्थिरता

(D) पूर्ण पलायन

८४८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे आत्मबल किएक उपयोगी अछि? अर्थहीन विराम संकटमे चरित्रक स्थिरता पूर्ण पलायन प्रसंगहीनता

(A) अर्थहीन विराम

(B) संकटमे चरित्रक स्थिरता

(C) पूर्ण पलायन

(D) प्रसंगहीनता

८४९. आत्मबलक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? प्रसंगहीनता संकटमे चरित्रक स्थिरता अर्थहीन विराम पूर्ण पलायन

(A) प्रसंगहीनता

(B) संकटमे चरित्रक स्थिरता

(C) अर्थहीन विराम

(D) पूर्ण पलायन

८५०. 'आत्मबल' विषयक सही समझ चिन्हू। प्रसंगहीनता पूर्ण पलायन संकटमे चरित्रक स्थिरता अर्थहीन विराम

(A) प्रसंगहीनता

(B) पूर्ण पलायन

(C) संकटमे चरित्रक स्थिरता

(D) अर्थहीन विराम

८५१. करुणा — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल व्यंग्य दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप भाव-शून्यता कथानक-नाश

(A) केवल व्यंग्य

(B) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप

(C) भाव-शून्यता

(D) कथानक-नाश

८५२. 'करुणा' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कथानक-नाश केवल व्यंग्य दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप भाव-शून्यता

(A) कथानक-नाश

(B) केवल व्यंग्य

(C) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप

(D) भाव-शून्यता

८५३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत करुणा कोना बुझल जाइत अछि? केवल व्यंग्य कथानक-नाश दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप भाव-शून्यता

(A) केवल व्यंग्य

(B) कथानक-नाश

(C) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप

(D) भाव-शून्यता

८५४. परीक्षामे करुणा पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? कथानक-नाश केवल व्यंग्य दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप भाव-शून्यता

(A) कथानक-नाश

(B) केवल व्यंग्य

(C) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप

(D) भाव-शून्यता

८५५. करुणाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कथानक-नाश केवल व्यंग्य दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप भाव-शून्यता

(A) कथानक-नाश

(B) केवल व्यंग्य

(C) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप

(D) भाव-शून्यता

८५६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे करुणा पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल व्यंग्य दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप कथानक-नाश भाव-शून्यता

(A) केवल व्यंग्य

(B) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप

(C) कथानक-नाश

(D) भाव-शून्यता

८५७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ करुणाक सही व्याख्या की? भाव-शून्यता केवल व्यंग्य कथानक-नाश दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप

(A) भाव-शून्यता

(B) केवल व्यंग्य

(C) कथानक-नाश

(D) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप

८५८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे करुणा किएक उपयोगी अछि? केवल व्यंग्य कथानक-नाश दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप भाव-शून्यता

(A) केवल व्यंग्य

(B) कथानक-नाश

(C) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप

(D) भाव-शून्यता

८५९. करुणाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? भाव-शून्यता कथानक-नाश दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप केवल व्यंग्य

(A) भाव-शून्यता

(B) कथानक-नाश

(C) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप

(D) केवल व्यंग्य

८६०. 'करुणा' विषयक सही समझ चिन्हू। भाव-शून्यता केवल व्यंग्य कथानक-नाश दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप

(A) भाव-शून्यता

(B) केवल व्यंग्य

(C) कथानक-नाश

(D) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप

८६१. परम्परा आ नवता — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? दुनू हटाउब परम्पराक सम्पूर्ण नकार शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना नवताक अभाव

(A) दुनू हटाउब

(B) परम्पराक सम्पूर्ण नकार

(C) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना

(D) नवताक अभाव

८६२. 'परम्परा आ नवता' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। दुनू हटाउब परम्पराक सम्पूर्ण नकार नवताक अभाव शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना

(A) दुनू हटाउब

(B) परम्पराक सम्पूर्ण नकार

(C) नवताक अभाव

(D) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना

८६३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत परम्परा आ नवता कोना बुझल जाइत अछि? नवताक अभाव परम्पराक सम्पूर्ण नकार शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना दुनू हटाउब

(A) नवताक अभाव

(B) परम्पराक सम्पूर्ण नकार

(C) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना

(D) दुनू हटाउब

८६४. परीक्षामे परम्परा आ नवता पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? दुनू हटाउब शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना नवताक अभाव परम्पराक सम्पूर्ण नकार

(A) दुनू हटाउब

(B) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना

(C) नवताक अभाव

(D) परम्पराक सम्पूर्ण नकार

८६५. परम्परा आ नवताक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? दुनू हटाउब परम्पराक सम्पूर्ण नकार शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना नवताक अभाव

(A) दुनू हटाउब

(B) परम्पराक सम्पूर्ण नकार

(C) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना

(D) नवताक अभाव

८६६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे परम्परा आ नवता पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? नवताक अभाव परम्पराक सम्पूर्ण नकार शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना दुनू हटाउब

(A) नवताक अभाव

(B) परम्पराक सम्पूर्ण नकार

(C) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना

(D) दुनू हटाउब

८६७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ परम्परा आ नवताक सही व्याख्या की? शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना दुनू हटाउब नवताक अभाव परम्पराक सम्पूर्ण नकार

(A) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना

(B) दुनू हटाउब

(C) नवताक अभाव

(D) परम्पराक सम्पूर्ण नकार

८६८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे परम्परा आ नवता किएक उपयोगी अछि? दुनू हटाउब परम्पराक सम्पूर्ण नकार नवताक अभाव शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना

(A) दुनू हटाउब

(B) परम्पराक सम्पूर्ण नकार

(C) नवताक अभाव

(D) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना

८६९. परम्परा आ नवताक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? दुनू हटाउब शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना परम्पराक सम्पूर्ण नकार नवताक अभाव

(A) दुनू हटाउब

(B) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना

(C) परम्पराक सम्पूर्ण नकार

(D) नवताक अभाव

८७०. ‘परम्परा आ नवता’ विषयक सही समझ चिन्हू। शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना नवताक अभाव परम्पराक सम्पूर्ण नकार दुनू हटाउब

(A) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना

(B) नवताक अभाव

(C) परम्पराक सम्पूर्ण नकार

(D) दुनू हटाउब

८७१. स्त्री-गरिमा — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल रूप-वर्णन स्त्री-स्वर मिटाउब असम्बद्ध गणना नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब

(A) केवल रूप-वर्णन

(B) स्त्री-स्वर मिटाउब

(C) असम्बद्ध गणना

(D) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब

८७२. ‘स्त्री-गरिमा’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। स्त्री-स्वर मिटाउब नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब केवल रूप-वर्णन असम्बद्ध गणना

(A) स्त्री-स्वर मिटाउब

(B) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब

(C) केवल रूप-वर्णन

(D) असम्बद्ध गणना

८७३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत स्त्री-गरिमा कोना बुझल जाइत अछि? केवल रूप-वर्णन नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब स्त्री-स्वर मिटाउब असम्बद्ध गणना

(A) केवल रूप-वर्णन

(B) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब

(C) स्त्री-स्वर मिटाउब

(D) असम्बद्ध गणना

८७४. परीक्षामे स्त्री-गरिमा पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब केवल रूप-वर्णन स्त्री-स्वर मिटाउब असम्बद्ध गणना

(A) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब

(B) केवल रूप-वर्णन

(C) स्त्री-स्वर मिटाउब

(D) असम्बद्ध गणना

८७५. स्त्री-गरिमाक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? स्त्री-स्वर मिटाउब केवल रूप-वर्णन असम्बद्ध गणना नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब

(A) स्त्री-स्वर मिटाउब

(B) केवल रूप-वर्णन

(C) असम्बद्ध गणना

(D) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब

८७६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे स्त्री-गरिमा पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल रूप-वर्णन नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब असम्बद्ध गणना स्त्री-स्वर मिटाउब

(A) केवल रूप-वर्णन

(B) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब

(C) असम्बद्ध गणना

(D) स्त्री-स्वर मिटाउब

८७७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ स्त्री-गरिमाक सही व्याख्या की? स्त्री-स्वर मिटाउब नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब केवल रूप-वर्णन असम्बद्ध गणना

(A) स्त्री-स्वर मिटाउब

(B) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब

(C) केवल रूप-वर्णन

(D) असम्बद्ध गणना

८७८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे स्त्री-गरिमा किएक उपयोगी अछि? स्त्री-स्वर मिटाउब नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब केवल रूप-वर्णन असम्बद्ध गणना

(A) स्त्री-स्वर मिटाउब

(B) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब

(C) केवल रूप-वर्णन

(D) असम्बद्ध गणना

८७९. स्त्री-गरिमाक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल रूप-वर्णन असम्बद्ध गणना नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब स्त्री-स्वर मिटाउब

(A) केवल रूप-वर्णन

(B) असम्बद्ध गणना

(C) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब

(D) स्त्री-स्वर मिटाउब

८८०. 'स्त्री-गरिमा' विषयक सही समझ चिन्हू। नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब केवल रूप-वर्णन स्त्री-स्वर मिटाउब असम्बद्ध गणना

(A) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब

(B) केवल रूप-वर्णन

(C) स्त्री-स्वर मिटाउब

(D) असम्बद्ध गणना

८८१. जीवन-दृष्टि — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल शब्दार्थ व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ मात्र चिह्न केवल नाम-सूची

(A) केवल शब्दार्थ

(B) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

(C) मात्र चिह्न

(D) केवल नाम-सूची

८८२. 'जीवन-दृष्टि' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। मात्र चिह्न केवल नाम-सूची केवल शब्दार्थ व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

(A) मात्र चिह्न

(B) केवल नाम-सूची

(C) केवल शब्दार्थ

(D) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

८८३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत जीवन-दृष्टि कोना बुझल जाइत अछि? व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ केवल शब्दार्थ मात्र चिह्न केवल नाम-सूची

(A) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

(B) केवल शब्दार्थ

(C) मात्र चिह्न

(D) केवल नाम-सूची

८८४. परीक्षामे जीवन-दृष्टि पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ मात्र चिह्न केवल नाम-सूची केवल शब्दार्थ

(A) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

(B) मात्र चिह्न

(C) केवल नाम-सूची

(D) केवल शब्दार्थ

८८५. जीवन-दृष्टिक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? मात्र चिह्न व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ केवल शब्दार्थ केवल नाम-सूची

(A) मात्र चिह्न

(B) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

(C) केवल शब्दार्थ

(D) केवल नाम-सूची

८८६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे जीवन-दृष्टि पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ मात्र चिह्न केवल शब्दार्थ केवल नाम-सूची

(A) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

(B) मात्र चिह्न

(C) केवल शब्दार्थ

(D) केवल नाम-सूची

८८७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ जीवन-दृष्टिक सही व्याख्या की? केवल नाम-सूची केवल शब्दार्थ मात्र चिह्न व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

(A) केवल नाम-सूची

(B) केवल शब्दार्थ

(C) मात्र चिह्न

(D) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

८८८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे जीवन-दृष्टि किएक उपयोगी अछि? व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ मात्र चिह्न केवल नाम-सूची केवल शब्दार्थ

(A) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

(B) मात्र चिह्न

(C) केवल नाम-सूची

(D) केवल शब्दार्थ

८८९. जीवन-दृष्टिक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? मात्र चिह्न केवल शब्दार्थ केवल नाम-सूची व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

(A) मात्र चिह्न

(B) केवल शब्दार्थ

(C) केवल नाम-सूची

(D) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

८९०. 'जीवन-दृष्टि' विषयक सही समझ चिन्हू। केवल नाम-सूची मात्र चिह्न केवल शब्दार्थ व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

(A) केवल नाम-सूची

(B) मात्र चिह्न

(C) केवल शब्दार्थ

(D) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ

८९१. सांस्कृतिक विवेचन — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? भाषा हटाब कथा छोड़ब शीर्षक बदलब कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

(A) भाषा हटाब

(B) कथा छोड़ब

(C) शीर्षक बदलब

(D) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

८९२. 'सांस्कृतिक विवेचन' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। भाषा हटाब कथा छोड़ब शीर्षक बदलब कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

(A) भाषा हटाब

(B) कथा छोड़ब

(C) शीर्षक बदलब

(D) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

८९३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत सांस्कृतिक विवेचन कोना बुझल जाइत अछि? कथा छोड़ब कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब शीर्षक बदलब भाषा हटाब

(A) कथा छोड़ब

(B) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

(C) शीर्षक बदलब

(D) भाषा हटाब

८९४. परीक्षामे सांस्कृतिक विवेचन पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? भाषा हटाब शीर्षक बदलब कथा छोड़ब कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

(A) भाषा हटाब

(B) शीर्षक बदलब

(C) कथा छोड़ब

(D) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

८९५. सांस्कृतिक विवेचनक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? भाषा हटाब कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब कथा छोड़ब शीर्षक बदलब

(A) भाषा हटाब

(B) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

(C) कथा छोड़ब

(D) शीर्षक बदलब

८९६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे सांस्कृतिक विवेचन पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब शीर्षक बदलब भाषा हटाब कथा छोड़ब

(A) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

(B) शीर्षक बदलब

(C) भाषा हटाब

(D) कथा छोड़ब

८९७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ सांस्कृतिक विवेचनक सही व्याख्या की? शीर्षक बदलब भाषा हटाब कथा छोड़ब कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

(A) शीर्षक बदलब

(B) भाषा हटाब

(C) कथा छोड़ब

(D) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

८९८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे सांस्कृतिक विवेचन किएक उपयोगी अछि? भाषा हटाब कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब शीर्षक बदलब कथा छोड़ब

(A) भाषा हटाब

(B) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

(C) शीर्षक बदलब

(D) कथा छोड़ब

८९९. सांस्कृतिक विवेचनक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? भाषा हटाब कथा छोड़ब कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब शीर्षक बदलब

(A) भाषा हटाब

(B) कथा छोड़ब

(C) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

(D) शीर्षक बदलब

९००. 'सांस्कृतिक विवेचन' विषयक सही समझ चिन्हू। कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब भाषा हटाब शीर्षक बदलब कथा छोड़ब

(A) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब

(B) भाषा हटाब

(C) शीर्षक बदलब

(D) कथा छोड़ब

९०१. वस्तु-कौशलक अर्थ — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? मुद्रणक स्याही कागजक मोटाइ पृष्ठक आकार कथ्यक कलात्मक विन्यास

(A) मुद्रणक स्याही

(B) कागजक मोटाइ

(C) पृष्ठक आकार

(D) कथ्यक कलात्मक विन्यास

९०२. 'वस्तु-कौशलक अर्थ' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कथ्यक कलात्मक विन्यास पृष्ठक आकार मुद्रणक स्याही कागजक मोटाइ

(A) कथ्यक कलात्मक विन्यास

(B) पृष्ठक आकार

(C) मुद्रणक स्याही

(D) कागजक मोटाइ

९०३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत वस्तु-कौशलक अर्थ कोना बुझल जाइत अछि? मुद्रणक स्याही कागजक मोटाइ कथ्यक कलात्मक विन्यास पृष्ठक आकार

(A) मुद्रणक स्याही

(B) कागजक मोटाइ

(C) कथ्यक कलात्मक विन्यास

(D) पृष्ठक आकार

९०४. परीक्षामे वस्तु-कौशलक अर्थ पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? कथ्यक कलात्मक विन्यास मुद्रणक स्याही पृष्ठक आकार कागजक मोटाइ

(A) कथ्यक कलात्मक विन्यास

(B) मुद्रणक स्याही

(C) पृष्ठक आकार

(D) कागजक मोटाइ

९०५. वस्तु-कौशलक अर्थक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कथ्यक कलात्मक विन्यास कागजक मोटाइ पृष्ठक आकार मुद्रणक स्याही

(A) कथ्यक कलात्मक विन्यास

(B) कागजक मोटाइ

(C) पृष्ठक आकार

(D) मुद्रणक स्याही

९०६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे वस्तु-कौशलक अर्थ पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कथ्यक कलात्मक विन्यास मुद्रणक स्याही कागजक मोटाइ पृष्ठक आकार

(A) कथ्यक कलात्मक विन्यास

(B) मुद्रणक स्याही

(C) कागजक मोटाइ

(D) पृष्ठक आकार

९०७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ वस्तु-कौशलक अर्थक सही व्याख्या की? कागजक मोटाइ पृष्ठक आकार कथ्यक कलात्मक विन्यास मुद्रणक स्याही

(A) कागजक मोटाइ

(B) पृष्ठक आकार

(C) कथ्यक कलात्मक विन्यास

(D) मुद्रणक स्याही

९०८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे वस्तु-कौशलक अर्थ किएक उपयोगी अछि? कथ्यक कलात्मक विन्यास कागजक मोटाइ पृष्ठक आकार मुद्रणक स्याही

(A) कथ्यक कलात्मक विन्यास

(B) कागजक मोटाइ

(C) पृष्ठक आकार

(D) मुद्रणक स्याही

९०९. वस्तु-कौशलक अर्थक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? पृष्ठक आकार मुद्रणक स्याही कथ्यक कलात्मक विन्यास कागजक मोटाइ

(A) पृष्ठक आकार

(B) मुद्रणक स्याही

(C) कथ्यक कलात्मक विन्यास

(D) कागजक मोटाइ

९१०. ‘वस्तु-कौशलक अर्थ’ विषयक सही समझ चिन्हू। मुद्रणक स्याही कागजक मोटाइ कथ्यक कलात्मक विन्यास पृष्ठक आकार

(A) मुद्रणक स्याही

(B) कागजक मोटाइ

(C) कथ्यक कलात्मक विन्यास

(D) पृष्ठक आकार

९११. प्रथम-द्वितीय सर्गक तुलनात्मक अध्ययन — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल एक सर्ग हटाब दुनूकेँ असम्बद्ध मानब कथ्य उलटब

(A) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल

(B) एक सर्ग हटाब

(C) दुनूकेँ असम्बद्ध मानब

(D) कथ्य उलटब

९१२. ‘प्रथम-द्वितीय सर्गक तुलनात्मक अध्ययन’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। दुनूकेँ असम्बद्ध मानब एक सर्ग हटाब कथ्य उलटब आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल

(A) दुनूकेँ असम्बद्ध मानब

(B) एक सर्ग हटाब

(C) कथ्य उलटब

(D) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल

९१३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत प्रथम-द्वितीय सर्गक तुलनात्मक अध्ययन कोना बुझल जाइत अछि? आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल कथ्य उलटब दुनूकेँ असम्बद्ध मानब एक सर्ग हटाब

(A) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल

(B) कथ्य उलटब

(C) दुनूकेँ असम्बद्ध मानब

(D) एक सर्ग हटाब

९१४. परीक्षामे प्रथम-द्वितीय सर्गक तुलनात्मक अध्ययन पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? कथ्य उलटब आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल एक सर्ग हटाब दुनूकेँ असम्बद्ध मानब

(A) कथ्य उलटब

(B) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल

(C) एक सर्ग हटाब

(D) दुनूकेँ असम्बद्ध मानब

९१५. प्रथम-द्वितीय सर्गक तुलनात्मक अध्ययनक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कथ्य उलटब एक सर्ग हटाब दुनूकेँ असम्बद्ध मानब आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल

(A) कथ्य उलटब

(B) एक सर्ग हटाब

(C) दुनूकेँ असम्बद्ध मानब

(D) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल

९१६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे प्रथम-द्वितीय सर्गक तुलनात्मक अध्ययन पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कथ्य उलटब एक सर्ग हटाब दुनूकेँ असम्बद्ध मानब आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल

(A) कथ्य उलटब

(B) एक सर्ग हटाब

(C) दुनूकेँ असम्बद्ध मानब

(D) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल

९१७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ प्रथम-द्वितीय सर्गक तुलनात्मक अध्ययनक सही व्याख्या की? दुनूकेँ असम्बद्ध मानब कथ्य उलटब आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल एक सर्ग हटाब

(A) दुनूकेँ असम्बद्ध मानब

(B) कथ्य उलटब

(C) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल

(D) एक सर्ग हटाब

९१८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे प्रथम-द्वितीय सर्गक तुलनात्मक अध्ययन किएक उपयोगी अछि? आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल कथ्य उलटब दुनूकेँ असम्बद्ध मानब एक सर्ग हटाब

(A) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल

(B) कथ्य उलटब

(C) दुनूकेँ असम्बद्ध मानब

(D) एक सर्ग हटाब

९१९. प्रथम-द्वितीय सर्गक तुलनात्मक अध्ययनक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल एक सर्ग हटाब दुनूकेँ असम्बद्ध मानब कथ्य उलटब

(A) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल

(B) एक सर्ग हटाब

(C) दुनूकेँ असम्बद्ध मानब

(D) कथ्य उलटब

९२०. ‘प्रथम-द्वितीय सर्गक तुलनात्मक अध्ययन’ विषयक सही समझ चिन्हू। एक सर्ग हटाब आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल कथ्य उलटब दुनूकेँ असम्बद्ध मानब

(A) एक सर्ग हटाब

(B) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल

(C) कथ्य उलटब

(D) दुनूकेँ असम्बद्ध मानब

९२१. परीक्षा-उत्तरक आरम्भ — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? नाम गलत लिखब विषय बदलब सीधा निष्कर्ष कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

(A) नाम गलत लिखब

(B) विषय बदलब

(C) सीधा निष्कर्ष

(D) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

९२२. ‘परीक्षा-उत्तरक आरम्भ’ सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। सीधा निष्कर्ष कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब विषय बदलब नाम गलत लिखब

(A) सीधा निष्कर्ष

(B) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

(C) विषय बदलब

(D) नाम गलत लिखब

९२३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत परीक्षा-उत्तरक आरम्भ कोना बुझल जाइत अछि? विषय बदलब सीधा निष्कर्ष नाम गलत लिखब कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

(A) विषय बदलब

(B) सीधा निष्कर्ष

(C) नाम गलत लिखब

(D) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

९२४. परीक्षामे परीक्षा-उत्तरक आरम्भ पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? सीधा निष्कर्ष विषय बदलब कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब नाम गलत लिखब

(A) सीधा निष्कर्ष

(B) विषय बदलब

(C) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

(D) नाम गलत लिखब

९२५. परीक्षा-उत्तरक आरम्भक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? नाम गलत लिखब सीधा निष्कर्ष कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब विषय बदलब

(A) नाम गलत लिखब

(B) सीधा निष्कर्ष

(C) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

(D) विषय बदलब

९२६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे परीक्षा-उत्तरक आरम्भ पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? विषय बदलब सीधा निष्कर्ष नाम गलत लिखब कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

(A) विषय बदलब

(B) सीधा निष्कर्ष

(C) नाम गलत लिखब

(D) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

९२७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ परीक्षा-उत्तरक आरम्भक सही व्याख्या की? कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब विषय बदलब नाम गलत लिखब सीधा निष्कर्ष

(A) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

(B) विषय बदलब

(C) नाम गलत लिखब

(D) सीधा निष्कर्ष

९२८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे परीक्षा-उत्तरक आरम्भ किएक उपयोगी अछि? विषय बदलब कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब सीधा निष्कर्ष नाम गलत लिखब

(A) विषय बदलब

(B) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

(C) सीधा निष्कर्ष

(D) नाम गलत लिखब

९२९. परीक्षा-उत्तरक आरम्भक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? सीधा निष्कर्ष कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब विषय बदलब नाम गलत लिखब

(A) सीधा निष्कर्ष

(B) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

(C) विषय बदलब

(D) नाम गलत लिखब

९३०. 'परीक्षा-उत्तरक आरम्भ' विषयक सही समझ चिन्हू। विषय बदलब सीधा निष्कर्ष नाम गलत लिखब कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

(A) विषय बदलब

(B) सीधा निष्कर्ष

(C) नाम गलत लिखब

(D) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब

९३१. आलोचनात्मक निष्कर्ष — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? असम्बद्ध उद्धरण केवल तारीख काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब केवल छपाई

(A) असम्बद्ध उद्धरण

(B) केवल तारीख

(C) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब

(D) केवल छपाई

९३२. 'आलोचनात्मक निष्कर्ष' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब केवल तारीख असम्बद्ध उद्धरण केवल छपाई

(A) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब

(B) केवल तारीख

(C) असम्बद्ध उद्धरण

(D) केवल छपाई

९३३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत आलोचनात्मक निष्कर्ष कोना बुझल जाइत अछि? केवल तारीख काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब केवल छपाई असम्बद्ध उद्धरण

(A) केवल तारीख

(B) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब

(C) केवल छपाई

(D) असम्बद्ध उद्धरण

९३४. परीक्षामे आलोचनात्मक निष्कर्ष पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? असम्बद्ध उद्धरण केवल छपाई केवल तारीख काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब

(A) असम्बद्ध उद्धरण

(B) केवल छपाई

(C) केवल तारीख

(D) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब

९३५. आलोचनात्मक निष्कर्षक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब केवल छपाई केवल तारीख असम्बद्ध उद्धरण

(A) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब

(B) केवल छपाई

(C) केवल तारीख

(D) असम्बद्ध उद्धरण

९३६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे आलोचनात्मक निष्कर्ष पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? असम्बद्ध उद्धरण केवल छपाई काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब केवल तारीख

(A) असम्बद्ध उद्धरण

(B) केवल छपाई

(C) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब

(D) केवल तारीख

९३७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ आलोचनात्मक निष्कर्षक सही व्याख्या की? केवल छपाई काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब असम्बद्ध उद्धरण केवल तारीख

(A) केवल छपाई

(B) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब

(C) असम्बद्ध उद्धरण

(D) केवल तारीख

९३८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे आलोचनात्मक निष्कर्ष किएक उपयोगी अछि? असम्बद्ध उद्धरण काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब केवल तारीख केवल छपाई

(A) असम्बद्ध उद्धरण

(B) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब

(C) केवल तारीख

(D) केवल छपाई

९३९. आलोचनात्मक निष्कर्षक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? असम्बद्ध उद्धरण केवल तारीख काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब केवल छपाई

(A) असम्बद्ध उद्धरण

(B) केवल तारीख

(C) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब

(D) केवल छपाई

९४०. 'आलोचनात्मक निष्कर्ष' विषयक सही समझ चिन्हू। काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब केवल छपाई असम्बद्ध उद्धरण केवल तारीख

(A) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब

(B) केवल छपाई

(C) असम्बद्ध उद्धरण

(D) केवल तारीख

९४१. गलत उत्तर-प्रवृत्ति — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? सर्ग-सीमा मानब भाषा-शैली देखब कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब पाठ-साक्ष्य देब

(A) सर्ग-सीमा मानब

(B) भाषा-शैली देखब

(C) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब

(D) पाठ-साक्ष्य देब

९४२. 'गलत उत्तर-प्रवृत्ति' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। पाठ-साक्ष्य देब भाषा-शैली देखब सर्ग-सीमा मानब कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब

(A) पाठ-साक्ष्य देब

(B) भाषा-शैली देखब

(C) सर्ग-सीमा मानब

(D) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब

९४३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत गलत उत्तर-प्रवृत्ति कोना बुझल जाइत अछि? कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब भाषा-शैली देखब सर्ग-सीमा मानब पाठ-साक्ष्य देब

(A) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब

(B) भाषा-शैली देखब

(C) सर्ग-सीमा मानब

(D) पाठ-साक्ष्य देब

९४४. परीक्षामे गलत उत्तर-प्रवृत्ति पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब पाठ-साक्ष्य देब सर्ग-सीमा मानब भाषा-शैली देखब

(A) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब

(B) पाठ-साक्ष्य देब

(C) सर्ग-सीमा मानब

(D) भाषा-शैली देखब

९४५. गलत उत्तर-प्रवृत्तिक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? भाषा-शैली देखब कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब पाठ-साक्ष्य देब सर्ग-सीमा मानब

(A) भाषा-शैली देखब

(B) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब

(C) पाठ-साक्ष्य देब

(D) सर्ग-सीमा मानब

९४६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे गलत उत्तर-प्रवृत्ति पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब सर्ग-सीमा मानब पाठ-साक्ष्य देब भाषा-शैली देखब

(A) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब

(B) सर्ग-सीमा मानब

(C) पाठ-साक्ष्य देब

(D) भाषा-शैली देखब

९४७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ गलत उत्तर-प्रवृत्तिक सही व्याख्या की? भाषा-शैली देखब पाठ-साक्ष्य देब सर्ग-सीमा मानब कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब

(A) भाषा-शैली देखब

(B) पाठ-साक्ष्य देब

(C) सर्ग-सीमा मानब

(D) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब

९४८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे गलत उत्तर-प्रवृत्ति किएक उपयोगी अछि? सर्ग-सीमा मानब कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब पाठ-साक्ष्य देब भाषा-शैली देखब

(A) सर्ग-सीमा मानब

(B) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब

(C) पाठ-साक्ष्य देब

(D) भाषा-शैली देखब

९४९. गलत उत्तर-प्रवृत्तिक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? भाषा-शैली देखब कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब सर्ग-सीमा मानब पाठ-साक्ष्य देब

(A) भाषा-शैली देखब

(B) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब

(C) सर्ग-सीमा मानब

(D) पाठ-साक्ष्य देब

९५०. 'गलत उत्तर-प्रवृत्ति' विषयक सही समझ चिन्हू। सर्ग-सीमा मानब पाठ-साक्ष्य देब कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब भाषा-शैली देखब

(A) सर्ग-सीमा मानब

(B) पाठ-साक्ष्य देब

(C) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब

(D) भाषा-शैली देखब

९५१. चरित्र-विश्लेषण — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित केवल पृष्ठ केवल वेश केवल नाम

(A) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित

(B) केवल पृष्ठ

(C) केवल वेश

(D) केवल नाम

९५२. 'चरित्र-विश्लेषण' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित केवल वेश केवल पृष्ठ केवल नाम

(A) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित

(B) केवल वेश

(C) केवल पृष्ठ

(D) केवल नाम

९५३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत चरित्र-विश्लेषण कोना बुझल जाइत अछि? केवल नाम केवल पृष्ठ केवल वेश कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित

(A) केवल नाम

(B) केवल पृष्ठ

(C) केवल वेश

(D) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित

९५४. परीक्षामे चरित्र-विश्लेषण पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? केवल नाम केवल पृष्ठ कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित केवल वेश

(A) केवल नाम

(B) केवल पृष्ठ

(C) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित

(D) केवल वेश

९५५. चरित्र-विश्लेषणक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल पृष्ठ केवल वेश कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित केवल नाम

(A) केवल पृष्ठ

(B) केवल वेश

(C) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित

(D) केवल नाम

९५६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे चरित्र-विश्लेषण पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल वेश केवल नाम केवल पृष्ठ कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित

(A) केवल वेश

(B) केवल नाम

(C) केवल पृष्ठ

(D) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित

९५७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ चरित्र-विश्लेषणक सही व्याख्या की? केवल वेश कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित केवल पृष्ठ केवल नाम

(A) केवल वेश

(B) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित

(C) केवल पृष्ठ

(D) केवल नाम

९५८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे चरित्र-विश्लेषण किएक उपयोगी अछि? केवल नाम कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित केवल वेश केवल पृष्ठ

(A) केवल नाम

(B) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित

(C) केवल वेश

(D) केवल पृष्ठ

९५९. चरित्र-विश्लेषणक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल पृष्ठ कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित केवल वेश केवल नाम

(A) केवल पृष्ठ

(B) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित

(C) केवल वेश

(D) केवल नाम

९६०. 'चरित्र-विश्लेषण' विषयक सही समझ चिन्हू। केवल नाम केवल पृष्ठ केवल वेश कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित

(A) केवल नाम

(B) केवल पृष्ठ

(C) केवल वेश

(D) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित

९६१. रस-विश्लेषण — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब कथा-बाहिर जाउब भाव हटाउब छन्द छोड़ब

(A) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब

(B) कथा-बाहिर जाउब

(C) भाव हटाउब

(D) छन्द छोड़ब

९६२. 'रस-विश्लेषण' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कथा-बाहिर जाउब भाव हटाउब छन्द छोड़ब भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब

(A) कथा-बाहिर जाउब

(B) भाव हटाउब

(C) छन्द छोड़ब

(D) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब

९६३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत रस-विश्लेषण कोना बुझल जाइत अछि? कथा-बाहिर जाउब छन्द छोड़ब भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब भाव हटाउब

(A) कथा-बाहिर जाउब

(B) छन्द छोड़ब

(C) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब

(D) भाव हटाउब

९६४. परीक्षामे रस-विश्लेषण पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब कथा-बाहिर जाउब भाव हटाउब छन्द छोड़ब

(A) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब

(B) कथा-बाहिर जाउब

(C) भाव हटाउब

(D) छन्द छोड़ब

९६५. रस-विश्लेषणक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? कथा-बाहिर जाउब भाव हटाउब भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब छन्द छोड़ब

(A) कथा-बाहिर जाउब

(B) भाव हटाउब

(C) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब

(D) छन्द छोड़ब

९६६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे रस-विश्लेषण पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? छन्द छोड़ब कथा-बाहिर जाउब भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब भाव हटाउब

(A) छन्द छोड़ब

(B) कथा-बाहिर जाउब

(C) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब

(D) भाव हटाउब

९६७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ रस-विश्लेषणक सही व्याख्या की? भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब कथा-बाहिर जाउब भाव हटाउब छन्द छोड़ब

(A) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब

(B) कथा-बाहिर जाउब

(C) भाव हटाउब

(D) छन्द छोड़ब

९६८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे रस-विश्लेषण किएक उपयोगी अछि? भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब छन्द छोड़ब कथा-बाहिर जाउब भाव हटाउब

(A) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब

(B) छन्द छोड़ब

(C) कथा-बाहिर जाउब

(D) भाव हटाउब

९६९. रस-विश्लेषणक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब भाव हटाउब छन्द छोड़ब कथा-बाहिर जाउब

(A) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब

(B) भाव हटाउब

(C) छन्द छोड़ब

(D) कथा-बाहिर जाउब

९७०. 'रस-विश्लेषण' विषयक सही समझ चिन्हू। कथा-बाहिर जाउब छन्द छोड़ब भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब भाव हटाउब

(A) कथा-बाहिर जाउब

(B) छन्द छोड़ब

(C) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब

(D) भाव हटाउब

९७१. भाषा-विश्लेषण — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन केवल जिलाक नाम केवल अनुक्रम केवल प्रकाशक

(A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन

(B) केवल जिलाक नाम

(C) केवल अनुक्रम

(D) केवल प्रकाशक

९७२. 'भाषा-विश्लेषण' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन केवल जिलाक नाम केवल प्रकाशक केवल अनुक्रम

(A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन

(B) केवल जिलाक नाम

(C) केवल प्रकाशक

(D) केवल अनुक्रम

९७३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत भाषा-विश्लेषण कोना बुझल जाइत अछि? शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन केवल अनुक्रम केवल प्रकाशक केवल जिलाक नाम

(A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन

(B) केवल अनुक्रम

(C) केवल प्रकाशक

(D) केवल जिलाक नाम

९७४. परीक्षामे भाषा-विश्लेषण पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन केवल जिलाक नाम केवल प्रकाशक केवल अनुक्रम

(A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन

(B) केवल जिलाक नाम

(C) केवल प्रकाशक

(D) केवल अनुक्रम

९७५. भाषा-विश्लेषणक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? केवल प्रकाशक केवल अनुक्रम शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन केवल जिलाक नाम

(A) केवल प्रकाशक

(B) केवल अनुक्रम

(C) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन

(D) केवल जिलाक नाम

९७६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे भाषा-विश्लेषण पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? केवल जिलाक नाम केवल अनुक्रम केवल प्रकाशक शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन

(A) केवल जिलाक नाम

(B) केवल अनुक्रम

(C) केवल प्रकाशक

(D) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन

९७७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ भाषा-विश्लेषणक सही व्याख्या की? शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन केवल अनुक्रम केवल जिलाक नाम केवल प्रकाशक

(A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन

(B) केवल अनुक्रम

(C) केवल जिलाक नाम

(D) केवल प्रकाशक

९७८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे भाषा-विश्लेषण किएक उपयोगी अछि? शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन केवल जिलाक नाम केवल प्रकाशक केवल अनुक्रम

(A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन

(B) केवल जिलाक नाम

(C) केवल प्रकाशक

(D) केवल अनुक्रम

९७९. भाषा-विश्लेषणक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? केवल जिलाक नाम शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन केवल प्रकाशक केवल अनुक्रम

(A) केवल जिलाक नाम

(B) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन

(C) केवल प्रकाशक

(D) केवल अनुक्रम

९८०. 'भाषा-विश्लेषण' विषयक सही समझ चिन्हू। शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन केवल जिलाक नाम केवल अनुक्रम केवल प्रकाशक

(A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन

(B) केवल जिलाक नाम

(C) केवल अनुक्रम

(D) केवल प्रकाशक

९८१. विधागत प्रश्न — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप नाटक-अंक समाचार-पत्रिका लघुकथा-संग्रह

(A) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप

(B) नाटक-अंक

(C) समाचार-पत्रिका

(D) लघुकथा-संग्रह

९८२. 'विधागत प्रश्न' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। लघुकथा-संग्रह समाचार-पत्रिका दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप नाटक-अंक

(A) लघुकथा-संग्रह

(B) समाचार-पत्रिका

(C) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप

(D) नाटक-अंक

९८३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत विधागत प्रश्न कोना बुझल जाइत अछि? दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप लघुकथा-संग्रह नाटक-अंक समाचार-पत्रिका

(A) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप

(B) लघुकथा-संग्रह

(C) नाटक-अंक

(D) समाचार-पत्रिका

९८४. परीक्षामे विधागत प्रश्न पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? समाचार-पत्रिका लघुकथा-संग्रह नाटक-अंक दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप

(A) समाचार-पत्रिका

(B) लघुकथा-संग्रह

(C) नाटक-अंक

(D) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप

९८५. विधागत प्रश्नक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप लघुकथा-संग्रह नाटक-अंक समाचार-पत्रिका

(A) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप

(B) लघुकथा-संग्रह

(C) नाटक-अंक

(D) समाचार-पत्रिका

९८६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे विधागत प्रश्न पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? नाटक-अंक समाचार-पत्रिका लघुकथा-संग्रह दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप

(A) नाटक-अंक

(B) समाचार-पत्रिका

(C) लघुकथा-संग्रह

(D) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप

९८७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ विधागत प्रश्नक सही व्याख्या की? नाटक-अंक लघुकथा-संग्रह दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप समाचार-पत्रिका

(A) नाटक-अंक

(B) लघुकथा-संग्रह

(C) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप

(D) समाचार-पत्रिका

९८८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे विधागत प्रश्न किएक उपयोगी अछि? दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप नाटक-अंक लघुकथा-संग्रह समाचार-पत्रिका

(A) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप

(B) नाटक-अंक

(C) लघुकथा-संग्रह

(D) समाचार-पत्रिका

९८९. विधागत प्रश्नक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप समाचार-पत्रिका लघुकथा-संग्रह नाटक-अंक

(A) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप

(B) समाचार-पत्रिका

(C) लघुकथा-संग्रह

(D) नाटक-अंक

९९०. 'विधागत प्रश्न' विषयक सही समझ चिन्हू। दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप समाचार-पत्रिका लघुकथा-संग्रह नाटक-अंक

(A) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप

(B) समाचार-पत्रिका

(C) लघुकथा-संग्रह

(D) नाटक-अंक

९९१. समग्र मूल्यांकन — एहि विषयमे सही उत्तर की अछि? केवल नाम याद राखब कृति असम्बद्ध अछि काव्य-पठन छोड़ब दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब

(A) केवल नाम याद राखब

(B) कृति असम्बद्ध अछि

(C) काव्य-पठन छोड़ब

(D) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब

९९२. 'समग्र मूल्यांकन' सँ सम्बन्धित उचित कथन चुनू। कृति असम्बद्ध अछि केवल नाम याद राखब काव्य-पठन छोड़ब दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब

(A) कृति असम्बद्ध अछि

(B) केवल नाम याद राखब

(C) काव्य-पठन छोड़ब

(D) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब

९९३. दत्त-वतीक प्रथम-द्वितीय सर्ग पढ़ैत समग्र मूल्यांकन कोना बुझल जाइत अछि? दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब कृति असम्बद्ध अछि केवल नाम याद राखब काव्य-पठन छोड़ब

(A) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब

(B) कृति असम्बद्ध अछि

(C) केवल नाम याद राखब

(D) काव्य-पठन छोड़ब

९९४. परीक्षामे समग्र मूल्यांकन पर पुछल गेल प्रश्नक सही उत्तर की होयत? दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब कृति असम्बद्ध अछि काव्य-पठन छोड़ब केवल नाम याद राखब

(A) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब

(B) कृति असम्बद्ध अछि

(C) काव्य-पठन छोड़ब

(D) केवल नाम याद राखब

९९५. समग्र मूल्यांकनक आलोचनात्मक महत्त्व की अछि? दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब कृति असम्बद्ध अछि काव्य-पठन छोड़ब केवल नाम याद राखब

(A) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब

(B) कृति असम्बद्ध अछि

(C) काव्य-पठन छोड़ब

(D) केवल नाम याद राखब

९९६. दत्त-वतीक सन्दर्भमे समग्र मूल्यांकन पर गलतफहमी हटाबय लेल कोन बात जरूरी अछि? कृति असम्बद्ध अछि दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब केवल नाम याद राखब काव्य-पठन छोड़ब

(A) कृति असम्बद्ध अछि

(B) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब

(C) केवल नाम याद राखब

(D) काव्य-पठन छोड़ब

९९७. काव्य-पठनक दृष्टिसँ समग्र मूल्यांकनक सही व्याख्या की? कृति असम्बद्ध अछि काव्य-पठन छोड़ब केवल नाम याद राखब दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब

(A) कृति असम्बद्ध अछि

(B) काव्य-पठन छोड़ब

(C) केवल नाम याद राखब

(D) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब

९९८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक अध्ययनमे समग्र मूल्यांकन किएक उपयोगी अछि? कृति असम्बद्ध अछि दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब काव्य-पठन छोड़ब केवल नाम याद राखब

(A) कृति असम्बद्ध अछि

(B) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब

(C) काव्य-पठन छोड़ब

(D) केवल नाम याद राखब

९९९. समग्र मूल्यांकनक आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्ष कोन अछि? कृति असम्बद्ध अछि काव्य-पठन छोड़ब दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब केवल नाम याद राखब

(A) कृति असम्बद्ध अछि

(B) काव्य-पठन छोड़ब

(C) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब

(D) केवल नाम याद राखब

१०००. 'समग्र मूल्यांकन' विषयक सही समझ चिन्हू। काव्य-पठन छोड़ब केवल नाम याद राखब दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब कृति असम्बद्ध अछि

(A) काव्य-पठन छोड़ब

(B) केवल नाम याद राखब

(C) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब

(D) कृति असम्बद्ध अछि

उत्तरमाला — अध्याय ३ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. **(D) दत्त-वती** — व्याख्या: एहि क्विजक केन्द्र सुरेन्द्र झा 'सुमन'क कृति दत्त-वती अछि।

२. **(B) दत्त-वती** — व्याख्या: एहि क्विजक केन्द्र सुरेन्द्र झा 'सुमन'क कृति दत्त-वती अछि।

३. **(B) दत्त-वती** — व्याख्या: एहि क्विजक केन्द्र सुरेन्द्र झा 'सुमन'क कृति दत्त-वती अछि।

४. **(B) दत्त-वती** — व्याख्या: एहि क्विजक केन्द्र सुरेन्द्र झा 'सुमन'क कृति दत्त-वती अछि।

५. **(A) दत्त-वती** — व्याख्या: एहि क्विजक केन्द्र सुरेन्द्र झा 'सुमन'क कृति दत्त-वती अछि।

६. **(A) दत्त-वती** — व्याख्या: एहि क्विजक केन्द्र सुरेन्द्र झा 'सुमन'क कृति दत्त-वती अछि।

७. **(B) दत्त-वती** — व्याख्या: एहि क्विजक केन्द्र सुरेन्द्र झा 'सुमन'क कृति दत्त-वती अछि।

८. **(C) दत्त-वती** — व्याख्या: एहि क्विजक केन्द्र सुरेन्द्र झा 'सुमन'क कृति दत्त-वती अछि।

९. **(C) दत्त-वती** — व्याख्या: एहि क्विजक केन्द्र सुरेन्द्र झा 'सुमन'क कृति दत्त-वती अछि।

१०. **(D) दत्त-वती** — व्याख्या: एहि क्विजक केन्द्र सुरेन्द्र झा 'सुमन'क कृति दत्त-वती अछि।

११. **(D) सुरेन्द्र झा 'सुमन'** — व्याख्या: दत्त-वती मैथिली कवि सुरेन्द्र झा 'सुमन'क महत्त्वपूर्ण काव्य-कृति रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

१२. **(D) सुरेन्द्र झा 'सुमन'** — व्याख्या: दत्त-वती मैथिली कवि सुरेन्द्र झा 'सुमन'क महत्त्वपूर्ण काव्य-कृति रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

१३. **(C) सुरेन्द्र झा 'सुमन'** — व्याख्या: दत्त-वती मैथिली कवि सुरेन्द्र झा 'सुमन'क महत्त्वपूर्ण काव्य-कृति रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

१४. **(D) सुरेन्द्र झा 'सुमन'** — व्याख्या: दत्त-वती मैथिली कवि सुरेन्द्र झा 'सुमन'क महत्त्वपूर्ण काव्य-कृति रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

१५. **(B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'** — व्याख्या: दत्त-वती मैथिली कवि सुरेन्द्र झा 'सुमन'क महत्त्वपूर्ण काव्य-कृति रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

१६. **(B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'** — व्याख्या: दत्त-वती मैथिली कवि सुरेन्द्र झा 'सुमन'क महत्त्वपूर्ण काव्य-कृति रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

१७. **(A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'** — व्याख्या: दत्त-वती मैथिली कवि सुरेन्द्र झा 'सुमन'क महत्त्वपूर्ण काव्य-कृति रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

१८. **(A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'** — व्याख्या: दत्त-वती मैथिली कवि सुरेन्द्र झा 'सुमन'क महत्त्वपूर्ण काव्य-कृति रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

१९. **(B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'** — व्याख्या: दत्त-वती मैथिली कवि सुरेन्द्र झा 'सुमन'क महत्त्वपूर्ण काव्य-कृति रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

२०. **(D) सुरेन्द्र झा 'सुमन'** — व्याख्या: दत्त-वती मैथिली कवि सुरेन्द्र झा 'सुमन'क महत्त्वपूर्ण काव्य-कृति रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

२१. **(D) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र** — व्याख्या: एहि अभ्यासमे केवल पहिल आ दोसर सर्गकेँ केन्द्रमे राखल गेल अछि।

२२. **(B) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र** — व्याख्या: एहि अभ्यासमे केवल पहिल आ दोसर सर्गकेँ केन्द्रमे राखल गेल अछि।

२३. **(A) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र** — व्याख्या: एहि अभ्यासमे केवल पहिल आ दोसर सर्गकेँ केन्द्रमे राखल गेल अछि।

२४. **(D) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र** — व्याख्या: एहि अभ्यासमे केवल पहिल आ दोसर सर्गकेँ केन्द्रमे राखल गेल अछि।

२५. **(C) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र** — व्याख्या: एहि अभ्यासमे केवल पहिल आ दोसर सर्गकेँ केन्द्रमे राखल गेल अछि।

२६. **(C) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र** — व्याख्या: एहि अभ्यासमे केवल पहिल आ दोसर सर्गकेँ केन्द्रमे राखल गेल अछि।

२७. **(A) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र** — व्याख्या: एहि अभ्यासमे केवल पहिल आ दोसर सर्गकेँ केन्द्रमे राखल गेल अछि।

२८. **(D) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र** — व्याख्या: एहि अभ्यासमे केवल पहिल आ दोसर सर्गकेँ केन्द्रमे राखल गेल अछि।

२९. (A) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र — व्याख्या: एहि अभ्यासमे केवल पहिल आ दोसर सर्गकेँ केन्द्रमे राखल गेल अछि।

३०. (C) प्रथम आ द्वितीय सर्ग मात्र — व्याख्या: एहि अभ्यासमे केवल पहिल आ दोसर सर्गकेँ केन्द्रमे राखल गेल अछि।

३१. (C) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य — व्याख्या: सर्ग-विभाजन, कथा-प्रवाह आ उच्च काव्य-भंगिमा एकरा महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्यक रूपमे बुझबैत अछि।

३२. (A) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य — व्याख्या: सर्ग-विभाजन, कथा-प्रवाह आ उच्च काव्य-भंगिमा एकरा महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्यक रूपमे बुझबैत अछि।

३३. (A) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य — व्याख्या: सर्ग-विभाजन, कथा-प्रवाह आ उच्च काव्य-भंगिमा एकरा महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्यक रूपमे बुझबैत अछि।

३४. (B) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य — व्याख्या: सर्ग-विभाजन, कथा-प्रवाह आ उच्च काव्य-भंगिमा एकरा महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्यक रूपमे बुझबैत अछि।

३५. (D) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य — व्याख्या: सर्ग-विभाजन, कथा-प्रवाह आ उच्च काव्य-भंगिमा एकरा महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्यक रूपमे बुझबैत अछि।

३६. (C) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य — व्याख्या: सर्ग-विभाजन, कथा-प्रवाह आ उच्च काव्य-भंगिमा एकरा महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्यक रूपमे बुझबैत अछि।

३७. (B) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य — व्याख्या: सर्ग-विभाजन, कथा-प्रवाह आ उच्च काव्य-भंगिमा एकरा महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्यक रूपमे बुझबैत अछि।

३८. (D) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य — व्याख्या: सर्ग-विभाजन, कथा-प्रवाह आ उच्च काव्य-भंगिमा एकरा महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्यक रूपमे बुझबैत अछि।

३९. (B) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य — व्याख्या: सर्ग-विभाजन, कथा-प्रवाह आ उच्च काव्य-भंगिमा एकरा महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्यक रूपमे बुझबैत अछि।

४०. (C) सर्गबद्ध महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्य — व्याख्या: सर्ग-विभाजन, कथा-प्रवाह आ उच्च काव्य-भंगिमा एकरा महाकाव्यात्मक प्रबन्ध-काव्यक रूपमे बुझबैत अछि।

४१. (A) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब — व्याख्या: प्रारम्भिक सर्ग कथाक बीज, वातावरण, पात्र-रेखा आ भाव-दिशा खोलैत अछि।

४२. (D) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब — व्याख्या: प्रारम्भिक सर्ग कथाक बीज, वातावरण, पात्र-रेखा आ भाव-दिशा खोलैत अछि।

४३. (D) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब — व्याख्या: प्रारम्भिक सर्ग कथाक बीज, वातावरण, पात्र-रेखा आ भाव-दिशा खोलैत अछि।

४४. (D) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब — व्याख्या: प्रारम्भिक सर्ग कथाक बीज, वातावरण, पात्र-रेखा आ भाव-दिशा खोलैत अछि।

४५. (C) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब — व्याख्या: प्रारम्भिक सर्ग कथाक बीज, वातावरण, पात्र-रेखा आ भाव-दिशा खोलैत अछि।

४६. (A) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब — व्याख्या: प्रारम्भिक सर्ग कथाक बीज, वातावरण, पात्र-रेखा आ भाव-दिशा खोलैत अछि।

४७. (C) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब — व्याख्या: प्रारम्भिक सर्ग कथाक बीज, वातावरण, पात्र-रेखा आ भाव-दिशा खोलैत अछि।

४८. (B) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब — व्याख्या: प्रारम्भिक सर्ग कथाक बीज, वातावरण, पात्र-रेखा आ भाव-दिशा खोलैत अछि।

४९. (B) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब — व्याख्या: प्रारम्भिक सर्ग कथाक बीज, वातावरण, पात्र-रेखा आ भाव-दिशा खोलैत अछि।

५०. (C) कथा-बीज, पात्र आ शैलीक आरम्भिक रूप बुझब — व्याख्या: प्रारम्भिक सर्ग कथाक बीज, वातावरण, पात्र-रेखा आ भाव-दिशा खोलैत अछि।

५१. (D) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि — व्याख्या: विदेह पोथी-सूचीमे दत्त-वतीक मूल पाठ आ दत्त-वतीक वस्तु-कौशलक उल्लेख पाठ-अध्ययन लेल उपयोगी संकेत दैत अछि।

५२. (D) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि — व्याख्या: विदेह पोथी-सूचीमे दत्त-वतीक मूल पाठ आ दत्त-वतीक वस्तु-कौशलक उल्लेख पाठ-अध्ययन लेल उपयोगी संकेत दैत अछि।

५३. (B) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि — व्याख्या: विदेह पोथी-सूचीमे दत्त-वतीक मूल पाठ आ दत्त-वतीक वस्तु-कौशलक उल्लेख पाठ-अध्ययन लेल उपयोगी संकेत दैत अछि।

५४. (B) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि — व्याख्या: विदेह पोथी-सूचीमे दत्त-वतीक मूल पाठ आ दत्त-वतीक वस्तु-कौशलक उल्लेख पाठ-अध्ययन लेल उपयोगी संकेत दैत अछि।

५५. (D) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि — व्याख्या: विदेह पोथी-सूचीमे दत्त-वतीक मूल पाठ आ दत्त-वतीक वस्तु-कौशलक उल्लेख पाठ-अध्ययन लेल उपयोगी संकेत दैत अछि।

५६. (C) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि — व्याख्या: विदेह पोथी-सूचीमे दत्त-वतीक मूल पाठ आ दत्त-वतीक वस्तु-कौशलक उल्लेख पाठ-अध्ययन लेल उपयोगी संकेत दैत अछि।

५७. (C) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि — व्याख्या: विदेह पोथी-सूचीमे दत्त-वतीक मूल पाठ आ दत्त-वतीक वस्तु-कौशलक उल्लेख पाठ-अध्ययन लेल उपयोगी संकेत दैत अछि।

५८. (C) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि — व्याख्या: विदेह पोथी-सूचीमे दत्त-वतीक मूल पाठ आ दत्त-वतीक वस्तु-कौशलक उल्लेख पाठ-अध्ययन लेल उपयोगी संकेत दैत अछि।

५९. (B) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि — व्याख्या: विदेह पोथी-सूचीमे दत्त-वतीक मूल पाठ आ दत्त-वतीक वस्तु-कौशलक उल्लेख पाठ-अध्ययन लेल उपयोगी संकेत दैत अछि।

६०. (D) मूल पाठ आ वस्तु-कौशलक आलोचनात्मक सामग्री उपलब्ध अछि — व्याख्या: विदेह पोथी-सूचीमे दत्त-वतीक मूल पाठ आ दत्त-वतीक वस्तु-कौशलक उल्लेख पाठ-अध्ययन लेल उपयोगी संकेत दैत अछि।

६१. (D) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब — व्याख्या: निर्धारित पाठमे रहि कथ्य, पात्र, भाषा आ रसक विवेचन करब उचित अछि।

६२. (A) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब — व्याख्या: निर्धारित पाठमे रहि कथ्य, पात्र, भाषा आ रसक विवेचन करब उचित अछि।

६३. (D) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब — व्याख्या: निर्धारित पाठमे रहि कथ्य, पात्र, भाषा आ रसक विवेचन करब उचित अछि।

६४. (B) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब — व्याख्या: निर्धारित पाठमे रहि कथ्य, पात्र, भाषा आ रसक विवेचन करब उचित अछि।

६५. (A) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब — व्याख्या: निर्धारित पाठमे रहि कथ्य, पात्र, भाषा आ रसक विवेचन करब उचित अछि।

६६. (C) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब — व्याख्या: निर्धारित पाठमे रहि कथ्य, पात्र, भाषा आ रसक विवेचन करब उचित अछि।

६७. (B) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब — व्याख्या: निर्धारित पाठमे रहि कथ्य, पात्र, भाषा आ रसक विवेचन करब उचित अछि।

६८. (D) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब — व्याख्या: निर्धारित पाठमे रहि कथ्य, पात्र, भाषा आ रसक विवेचन करब उचित अछि।

६९. (D) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब — व्याख्या: निर्धारित पाठमे रहि कथ्य, पात्र, भाषा आ रसक विवेचन करब उचित अछि।

७०. (B) प्रथम-द्वितीय सर्गक भीतर रहि उत्तर देब — व्याख्या: निर्धारित पाठमे रहि कथ्य, पात्र, भाषा आ रसक विवेचन करब उचित अछि।

७१. (B) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब — व्याख्या: शीर्षक काव्यक स्त्री-केन्द्र, कथा-सूत्र वा भाव-दिशा दिस संकेत कऽ सकैत अछि।

७२. (A) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब — व्याख्या: शीर्षक काव्यक स्त्री-केन्द्र, कथा-सूत्र वा भाव-दिशा दिस संकेत कऽ सकैत अछि।

७३. (B) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब — व्याख्या: शीर्षक काव्यक स्त्री-केन्द्र, कथा-सूत्र वा भाव-दिशा दिस संकेत कऽ सकैत अछि।

७४. (C) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब — व्याख्या: शीर्षक काव्यक स्त्री-केन्द्र, कथा-सूत्र वा भाव-दिशा दिस संकेत कऽ सकैत अछि।

७५. (B) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब — व्याख्या: शीर्षक काव्यक स्त्री-केन्द्र, कथा-सूत्र वा भाव-दिशा दिस संकेत कऽ सकैत अछि।

७६. (D) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब — व्याख्या: शीर्षक काव्यक स्त्री-केन्द्र, कथा-सूत्र वा भाव-दिशा दिस संकेत कऽ सकैत अछि।

७७. (A) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब — व्याख्या: शीर्षक काव्यक स्त्री-केन्द्र, कथा-सूत्र वा भाव-दिशा दिस संकेत कऽ सकैत अछि।

७८. (D) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब — व्याख्या: शीर्षक काव्यक स्त्री-केन्द्र, कथा-सूत्र वा भाव-दिशा दिस संकेत कऽ सकैत अछि।

७९. (D) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब — व्याख्या: शीर्षक काव्यक स्त्री-केन्द्र, कथा-सूत्र वा भाव-दिशा दिस संकेत कऽ सकैत अछि।

८०. (C) शीर्षक, नायिका-संकेत आ कथ्य-दिशा पर ध्यान देब — व्याख्या: शीर्षक काव्यक स्त्री-केन्द्र, कथा-सूत्र वा भाव-दिशा दिस संकेत कऽ सकैत अछि।

८१. (A) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प — व्याख्या: साहित्यिक अध्ययनमे विषय-वस्तु आ शिल्प दुनू पर एक संग ध्यान देल जाइत अछि।

८२. (C) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प — व्याख्या: साहित्यिक अध्ययनमे विषय-वस्तु आ शिल्प दुनू पर एक संग ध्यान देल जाइत अछि।

८३. (C) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प — व्याख्या: साहित्यिक अध्ययनमे विषय-वस्तु आ शिल्प दुनू पर एक संग ध्यान देल जाइत अछि।

८४. (A) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प — व्याख्या: साहित्यिक अध्ययनमे विषय-वस्तु आ शिल्प दुनू पर एक संग ध्यान देल जाइत अछि।

८५. (D) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प — व्याख्या: साहित्यिक अध्ययनमे विषय-वस्तु आ शिल्प दुनू पर एक संग ध्यान देल जाइत अछि।

८६. (D) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प — व्याख्या: साहित्यिक अध्ययनमे विषय-वस्तु आ शिल्प दुनू पर एक संग ध्यान देल जाइत अछि।

८७. (D) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प — व्याख्या: साहित्यिक अध्ययनमे विषय-वस्तु आ शिल्प दुनू पर एक संग ध्यान देल जाइत अछि।

८८. (C) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प — व्याख्या: साहित्यिक अध्ययनमे विषय-वस्तु आ शिल्प दुनू पर एक संग ध्यान देल जाइत अछि।

८९. (C) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प — व्याख्या: साहित्यिक अध्ययनमे विषय-वस्तु आ शिल्प दुनू पर एक संग ध्यान देल जाइत अछि।

९०. (C) कथ्य, पात्र, रस, भाषा आ शिल्प — व्याख्या: साहित्यिक अध्ययनमे विषय-वस्तु आ शिल्प दुनू पर एक संग ध्यान देल जाइत अछि।

९१. (B) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गक प्रश्नमे पाठ-साक्ष्य, प्रसंग आ व्यवस्थित विवेचन आवश्यक अछि।

९२. (B) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गक प्रश्नमे पाठ-साक्ष्य, प्रसंग आ व्यवस्थित विवेचन आवश्यक अछि।

९३. (B) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गक प्रश्नमे पाठ-साक्ष्य, प्रसंग आ व्यवस्थित विवेचन आवश्यक अछि।

९४. (A) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गक प्रश्नमे पाठ-साक्ष्य, प्रसंग आ व्यवस्थित विवेचन आवश्यक अछि।

९५. (B) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गक प्रश्नमे पाठ-साक्ष्य, प्रसंग आ व्यवस्थित विवेचन आवश्यक अछि।

९६. (D) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गक प्रश्नमे पाठ-साक्ष्य, प्रसंग आ व्यवस्थित विवेचन आवश्यक अछि।

९७. (A) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गक प्रश्नमे पाठ-साक्ष्य, प्रसंग आ व्यवस्थित विवेचन आवश्यक अछि।

९८. (B) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गक प्रश्नमे पाठ-साक्ष्य, प्रसंग आ व्यवस्थित विवेचन आवश्यक अछि।

९९. (B) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गक प्रश्नमे पाठ-साक्ष्य, प्रसंग आ व्यवस्थित विवेचन आवश्यक अछि।

१००. (A) अनुमानसँ बेसी पाठ-साक्ष्य पर भरोसा — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गक प्रश्नमे पाठ-साक्ष्य, प्रसंग आ व्यवस्थित विवेचन आवश्यक अछि।

१०१. (B) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान — व्याख्या: सुरेन्द्र झा 'सुमन' मैथिली काव्य, सम्पादन आ साहित्य-चिन्तनक प्रतिष्ठित नाम छथि।

१०२. (D) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान — व्याख्या: सुरेन्द्र झा 'सुमन' मैथिली काव्य, सम्पादन आ साहित्य-चिन्तनक प्रतिष्ठित नाम छथि।

१०३. (D) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान — व्याख्या: सुरेन्द्र झा 'सुमन' मैथिली काव्य, सम्पादन आ साहित्य-चिन्तनक प्रतिष्ठित नाम छथि।

१०४. (A) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान — व्याख्या: सुरेन्द्र झा 'सुमन' मैथिली काव्य, सम्पादन आ साहित्य-चिन्तनक प्रतिष्ठित नाम छथि।

१०५. (D) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान — व्याख्या: सुरेन्द्र झा 'सुमन' मैथिली काव्य, सम्पादन आ साहित्य-चिन्तनक प्रतिष्ठित नाम छथि।

१०६. (D) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान — व्याख्या: सुरेन्द्र झा 'सुमन' मैथिली काव्य, सम्पादन आ साहित्य-चिन्तनक प्रतिष्ठित नाम छथि।

१०७. (C) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान — व्याख्या: सुरेन्द्र झा 'सुमन' मैथिली काव्य, सम्पादन आ साहित्य-चिन्तनक प्रतिष्ठित नाम छथि।

१०८. (B) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान — व्याख्या: सुरेन्द्र झा 'सुमन' मैथिली काव्य, सम्पादन आ साहित्य-चिन्तनक प्रतिष्ठित नाम छथि।

१०९. (A) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान — व्याख्या: सुरेन्द्र झा 'सुमन' मैथिली काव्य, सम्पादन आ साहित्य-चिन्तनक प्रतिष्ठित नाम छथि।

११०. (D) मैथिली कवि, सम्पादक आ विद्वान — व्याख्या: सुरेन्द्र झा 'सुमन' मैथिली काव्य, सम्पादन आ साहित्य-चिन्तनक प्रतिष्ठित नाम छथि।

१११. (A) बल्लीपुर, समस्तीपुर — व्याख्या: उपलब्ध परिचयमे हुनक जन्म-गाम बल्लीपुर, जिला समस्तीपुर बताओल जाइत अछि।

११२. (A) बल्लीपुर, समस्तीपुर — व्याख्या: उपलब्ध परिचयमे हुनक जन्म-गाम बल्लीपुर, जिला समस्तीपुर बताओल जाइत अछि।

११३. (B) बल्लीपुर, समस्तीपुर — व्याख्या: उपलब्ध परिचयमे हुनक जन्म-गाम बल्लीपुर, जिला समस्तीपुर बताओल जाइत अछि।

११४. (C) बल्लीपुर, समस्तीपुर — व्याख्या: उपलब्ध परिचयमे हुनक जन्म-गाम बल्लीपुर, जिला समस्तीपुर बताओल जाइत अछि।

११५. (D) बल्लीपुर, समस्तीपुर — व्याख्या: उपलब्ध परिचयमे हुनक जन्म-गाम बल्लीपुर, जिला समस्तीपुर बताओल जाइत अछि।

११६. (B) बल्लीपुर, समस्तीपुर — व्याख्या: उपलब्ध परिचयमे हुनक जन्म-गाम बल्लीपुर, जिला समस्तीपुर बताओल जाइत अछि।

११७. (B) बल्लीपुर, समस्तीपुर — व्याख्या: उपलब्ध परिचयमे हुनक जन्म-गाम बल्लीपुर, जिला समस्तीपुर बताओल जाइत अछि।

११८. (D) बल्लीपुर, समस्तीपुर — व्याख्या: उपलब्ध परिचयमे हुनक जन्म-गाम बल्लीपुर, जिला समस्तीपुर बताओल जाइत अछि।

११९. (C) बल्लीपुर, समस्तीपुर — व्याख्या: उपलब्ध परिचयमे हुनक जन्म-गाम बल्लीपुर, जिला समस्तीपुर बताओल जाइत अछि।

१२०. (B) बल्लीपुर, समस्तीपुर — व्याख्या: उपलब्ध परिचयमे हुनक जन्म-गाम बल्लीपुर, जिला समस्तीपुर बताओल जाइत अछि।

१२१. (C) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार — व्याख्या: हुनक जीवन आ लेखन आधुनिक मैथिली साहित्यक विकाससँ जुड़ल अछि।

१२२. (B) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार — व्याख्या: हुनक जीवन आ लेखन आधुनिक मैथिली साहित्यक विकाससँ जुड़ल अछि।

१२३. (A) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार — व्याख्या: हुनक जीवन आ लेखन आधुनिक मैथिली साहित्यक विकाससँ जुड़ल अछि।

१२४. (D) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार — व्याख्या: हुनक जीवन आ लेखन आधुनिक मैथिली साहित्यक विकाससँ जुड़ल अछि।

१२५. (C) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार — व्याख्या: हुनक जीवन आ लेखन आधुनिक मैथिली साहित्यक विकाससँ जुड़ल अछि।

१२६. (A) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार — व्याख्या: हुनक जीवन आ लेखन आधुनिक मैथिली साहित्यक विकाससँ जुड़ल अछि।

१२७. (D) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार — व्याख्या: हुनक जीवन आ लेखन आधुनिक मैथिली साहित्यक विकाससँ जुड़ल अछि।

१२८. (B) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार — व्याख्या: हुनक जीवन आ लेखन आधुनिक मैथिली साहित्यक विकाससँ जुड़ल अछि।

१२९. (A) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार — व्याख्या: हुनक जीवन आ लेखन आधुनिक मैथिली साहित्यक विकाससँ जुड़ल अछि।

१३०. (A) बीसम शताब्दीमे सक्रिय मैथिली साहित्यकार — व्याख्या: हुनक जीवन आ लेखन आधुनिक मैथिली साहित्यक विकाससँ जुड़ल अछि।

१३१. (C) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना — व्याख्या: हुनक कविता मैथिली भावभूमि, शास्त्रीय संस्कार आ लयात्मक अभिव्यक्तिक मेल देखबैत अछि।

१३२. (A) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना — व्याख्या: हुनक कविता मैथिली भावभूमि, शास्त्रीय संस्कार आ लयात्मक अभिव्यक्तिक मेल देखबैत अछि।

१३३. (D) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना — व्याख्या: हुनक कविता मैथिली भावभूमि, शास्त्रीय संस्कार आ लयात्मक अभिव्यक्तिक मेल देखबैत अछि।

१३४. (A) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना — व्याख्या: हुनक कविता मैथिली भावभूमि, शास्त्रीय संस्कार आ लयात्मक अभिव्यक्तिक मेल देखबैत अछि।

१३५. (A) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना — व्याख्या: हुनक कविता मैथिली भावभूमि, शास्त्रीय संस्कार आ लयात्मक अभिव्यक्तिक मेल देखबैत अछि।

१३६. (D) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना — व्याख्या: हुनक कविता मैथिली भावभूमि, शास्त्रीय संस्कार आ लयात्मक अभिव्यक्तिक मेल देखबैत अछि।

१३७. (B) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना — व्याख्या: हुनक कविता मैथिली भावभूमि, शास्त्रीय संस्कार आ लयात्मक अभिव्यक्तिक मेल देखबैत अछि।

१३८. (B) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना — व्याख्या: हुनक कविता मैथिली भावभूमि, शास्त्रीय संस्कार आ लयात्मक अभिव्यक्तिक मेल देखबैत अछि।

१३९. (B) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना — व्याख्या: हुनक कविता मैथिली भावभूमि, शास्त्रीय संस्कार आ लयात्मक अभिव्यक्तिक मेल देखबैत अछि।

१४०. (A) गीतिमयता, संस्कृत-पाण्डित्य आ मैथिली संवेदना — व्याख्या: हुनक कविता मैथिली भावभूमि, शास्त्रीय संस्कार आ लयात्मक अभिव्यक्तिक मेल देखबैत अछि।

१४१. (A) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक मान्यता बुझबाक लेल पयस्विनी आ ओकर पुरस्कार-प्रसंग महत्त्वपूर्ण अछि।

१४२. (B) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक मान्यता बुझबाक लेल पयस्विनी आ ओकर पुरस्कार-प्रसंग महत्त्वपूर्ण अछि।

१४३. (C) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक मान्यता बुझबाक लेल पयस्विनी आ ओकर पुरस्कार-प्रसंग महत्त्वपूर्ण अछि।

१४४. (D) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक मान्यता बुझबाक लेल पयस्विनी आ ओकर पुरस्कार-प्रसंग महत्त्वपूर्ण अछि।

१४५. (C) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक मान्यता बुझबाक लेल पयस्विनी आ ओकर पुरस्कार-प्रसंग महत्त्वपूर्ण अछि।

१४६. (D) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक मान्यता बुझबाक लेल पयस्विनी आ ओकर पुरस्कार-प्रसंग महत्त्वपूर्ण अछि।

१४७. (C) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक मान्यता बुझबाक लेल पयस्विनी आ ओकर पुरस्कार-प्रसंग महत्त्वपूर्ण अछि।

१४८. (C) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक मान्यता बुझबाक लेल पयस्विनी आ ओकर पुरस्कार-प्रसंग महत्त्वपूर्ण अछि।

१४९. (C) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक मान्यता बुझबाक लेल पयस्विनी आ ओकर पुरस्कार-प्रसंग महत्त्वपूर्ण अछि।

१५०. (B) साहित्य अकादेमी पुरस्कारसँ सम्बद्ध काव्य-कृति — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक मान्यता बुझबाक लेल पयस्विनी आ ओकर पुरस्कार-प्रसंग महत्त्वपूर्ण अछि।

१५१. (B) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग — व्याख्या: सुमनक नाम मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादन-परम्परासँ सेहो जुड़ैत अछि।

१५२. (B) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग — व्याख्या: सुमनक नाम मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादन-परम्परासँ सेहो जुड़ैत अछि।

१५३. (D) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग — व्याख्या: सुमनक नाम मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादन-परम्परासँ सेहो जुड़ैत अछि।

१५४. (A) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग — व्याख्या: सुमनक नाम मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादन-परम्परासँ सेहो जुड़ैत अछि।

१५५. (D) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग — व्याख्या: सुमनक नाम मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादन-परम्परासँ सेहो जुड़ैत अछि।

१५६. (C) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग — व्याख्या: सुमनक नाम मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादन-परम्परासँ सेहो जुड़ैत अछि।

१५७. (A) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग — व्याख्या: सुमनक नाम मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादन-परम्परासँ सेहो जुड़ैत अछि।

१५८. (D) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग — व्याख्या: सुमनक नाम मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादन-परम्परासँ सेहो जुड़ैत अछि।

१५९. (D) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग — व्याख्या: सुमनक नाम मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादन-परम्परासँ सेहो जुड़ैत अछि।

१६०. (A) मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादनक प्रसंग — व्याख्या: सुमनक नाम मैथिली पत्रकारिता आ सम्पादन-परम्परासँ सेहो जुड़ैत अछि।

१६१. (A) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन — व्याख्या: सुमन अनेक विधामे सक्रिय रहलाह; एहि कारण हुनकर काव्य-दृष्टि व्यापक बनैत अछि।

१६२. (D) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन — व्याख्या: सुमन अनेक विधामे सक्रिय रहलाह; एहि कारण हुनकर काव्य-दृष्टि व्यापक बनैत अछि।

१६३. (C) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन — व्याख्या: सुमन अनेक विधामे सक्रिय रहलाह; एहि कारण हुनकर काव्य-दृष्टि व्यापक बनैत अछि।

१६४. (C) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन — व्याख्या: सुमन अनेक विधामे सक्रिय रहलाह; एहि कारण हुनकर काव्य-दृष्टि व्यापक बनैत अछि।

१६५. (C) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन — व्याख्या: सुमन अनेक विधामे सक्रिय रहलाह; एहि कारण हुनकर काव्य-दृष्टि व्यापक बनैत अछि।

१६६. (C) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन — व्याख्या: सुमन अनेक विधामे सक्रिय रहलाह; एहि कारण हुनकर काव्य-दृष्टि व्यापक बनैत अछि।

१६७. (C) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन — व्याख्या: सुमन अनेक विधामे सक्रिय रहलाह; एहि कारण हुनकर काव्य-दृष्टि व्यापक बनैत अछि।

१६८. (A) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन — व्याख्या: सुमन अनेक विधामे सक्रिय रहलाह; एहि कारण हुनकर काव्य-दृष्टि व्यापक बनैत अछि।

१६९. (A) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन — व्याख्या: सुमन अनेक विधामे सक्रिय रहलाह; एहि कारण हुनकर काव्य-दृष्टि व्यापक बनैत अछि।

१७०. (C) मौलिक कविता, समीक्षा, अनुवाद आ सम्पादन — व्याख्या: सुमन अनेक विधामे सक्रिय रहलाह; एहि कारण हुनकर काव्य-दृष्टि व्यापक बनैत अछि।

१७१. (A) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय — व्याख्या: हुनक आलोचनात्मक रुचि शास्त्रीय प्रभाव आ मैथिली काव्य-दृष्टिसँ सम्बन्धित अछि।

१७२. (D) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय — व्याख्या: हुनक आलोचनात्मक रुचि शास्त्रीय प्रभाव आ मैथिली काव्य-दृष्टिसँ सम्बन्धित अछि।

१७३. (A) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय — व्याख्या: हुनक आलोचनात्मक रुचि शास्त्रीय प्रभाव आ मैथिली काव्य-दृष्टिसँ सम्बन्धित अछि।

१७४. (C) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय — व्याख्या: हुनक आलोचनात्मक रुचि शास्त्रीय प्रभाव आ मैथिली काव्य-दृष्टिसँ सम्बन्धित अछि।

१७५. (D) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय — व्याख्या: हुनक आलोचनात्मक रुचि शास्त्रीय प्रभाव आ मैथिली काव्य-दृष्टिसँ सम्बन्धित अछि।

१७६. (D) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय — व्याख्या: हुनक आलोचनात्मक रुचि शास्त्रीय प्रभाव आ मैथिली काव्य-दृष्टिसँ सम्बन्धित अछि।

१७७. (D) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय — व्याख्या: हुनक आलोचनात्मक रुचि शास्त्रीय प्रभाव आ मैथिली काव्य-दृष्टिसँ सम्बन्धित अछि।

१७८. (B) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय — व्याख्या: हुनक आलोचनात्मक रुचि शास्त्रीय प्रभाव आ मैथिली काव्य-दृष्टिसँ सम्बन्धित अछि।

१७९. (A) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय — व्याख्या: हुनक आलोचनात्मक रुचि शास्त्रीय प्रभाव आ मैथिली काव्य-दृष्टिसँ सम्बन्धित अछि।

१८०. (C) मैथिली काव्य पर संस्कृतक प्रभाव जकाँ विषय — व्याख्या: हुनक आलोचनात्मक रुचि शास्त्रीय प्रभाव आ मैथिली काव्य-दृष्टिसँ सम्बन्धित अछि।

१८१. (B) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना — व्याख्या: लेखकक शास्त्रीय अध्ययन आ मैथिली संस्कार काव्यक भाषा आ भावमे परिलक्षित होइत अछि।

१८२. (A) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना — व्याख्या: लेखकक शास्त्रीय अध्ययन आ मैथिली संस्कार काव्यक भाषा आ भावमे परिलक्षित होइत अछि।

१८३. (D) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना — व्याख्या: लेखकक शास्त्रीय अध्ययन आ मैथिली संस्कार काव्यक भाषा आ भावमे परिलक्षित होइत अछि।

१८४. (A) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना — व्याख्या: लेखकक शास्त्रीय अध्ययन आ मैथिली संस्कार काव्यक भाषा आ भावमे परिलक्षित होइत अछि।

१८५. (C) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना — व्याख्या: लेखकक शास्त्रीय अध्ययन आ मैथिली संस्कार काव्यक भाषा आ भावमे परिलक्षित होइत अछि।

१८६. (C) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना — व्याख्या: लेखकक शास्त्रीय अध्ययन आ मैथिली संस्कार काव्यक भाषा आ भावमे परिलक्षित होइत अछि।

१८७. (A) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना — व्याख्या: लेखकक शास्त्रीय अध्ययन आ मैथिली संस्कार काव्यक भाषा आ भावमे परिलक्षित होइत अछि।

१८८. (C) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना — व्याख्या: लेखकक शास्त्रीय अध्ययन आ मैथिली संस्कार काव्यक भाषा आ भावमे परिलक्षित होइत अछि।

१८९. (B) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना — व्याख्या: लेखकक शास्त्रीय अध्ययन आ मैथिली संस्कार काव्यक भाषा आ भावमे परिलक्षित होइत अछि।

१९०. (D) शास्त्रीयता आ लोक-मिथिला संवेदना — व्याख्या: लेखकक शास्त्रीय अध्ययन आ मैथिली संस्कार काव्यक भाषा आ भावमे परिलक्षित होइत अछि।

१९१. (A) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब — व्याख्या: लेखक-संदर्भक उत्तरमे नामक संग युग, विधा आ काव्य-स्वरूप लिखब नीक होइत अछि।

१९२. (A) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब — व्याख्या: लेखक-संदर्भक उत्तरमे नामक संग युग, विधा आ काव्य-स्वरूप लिखब नीक होइत अछि।

१९३. (A) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब — व्याख्या: लेखक-संदर्भक उत्तरमे नामक संग युग, विधा आ काव्य-स्वरूप लिखब नीक होइत अछि।

१९४. (B) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब — व्याख्या: लेखक-संदर्भक उत्तरमे नामक संग युग, विधा आ काव्य-स्वरूप लिखब नीक होइत अछि।

१९५. (A) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब — व्याख्या: लेखक-संदर्भक उत्तरमे नामक संग युग, विधा आ काव्य-स्वरूप लिखब नीक होइत अछि।

१९६. (D) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब — व्याख्या: लेखक-संदर्भक उत्तरमे नामक संग युग, विधा आ काव्य-स्वरूप लिखब नीक होइत अछि।

१९७. (C) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब — व्याख्या: लेखक-संदर्भक उत्तरमे नामक संग युग, विधा आ काव्य-स्वरूप लिखब नीक होइत अछि।

१९८. (B) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब — व्याख्या: लेखक-संदर्भक उत्तरमे नामक संग युग, विधा आ काव्य-स्वरूप लिखब नीक होइत अछि।

१९९. (C) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब — व्याख्या: लेखक-संदर्भक उत्तरमे नामक संग युग, विधा आ काव्य-स्वरूप लिखब नीक होइत अछि।

२००. (D) नाम, युग, विधा आ साहित्यिक योगदान जोड़ब — व्याख्या: लेखक-संदर्भक उत्तरमे नामक संग युग, विधा आ काव्य-स्वरूप लिखब नीक होइत अछि।

२०१. (D) कथा कैं क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य — व्याख्या: सर्ग काव्यक कथात्मक आ भावात्मक प्रवाहकेँ क्रमसँ व्यवस्थित करैत अछि।

२०२. (A) कथा कैं क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य — व्याख्या: सर्ग काव्यक कथात्मक आ भावात्मक प्रवाहकेँ क्रमसँ व्यवस्थित करैत अछि।

२०३. (B) कथा कैं क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य — व्याख्या: सर्ग काव्यक कथात्मक आ भावात्मक प्रवाहकेँ क्रमसँ व्यवस्थित करैत अछि।

२०४. (A) कथा कैं क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य — व्याख्या: सर्ग काव्यक कथात्मक आ भावात्मक प्रवाहकेँ क्रमसँ व्यवस्थित करैत अछि।

२०५. (D) कथा कैं क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य — व्याख्या: सर्ग काव्यक कथात्मक आ भावात्मक प्रवाहकेँ क्रमसँ व्यवस्थित करैत अछि।

२०६. (D) कथा कैं क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य — व्याख्या: सर्ग काव्यक कथात्मक आ भावात्मक प्रवाहकेँ क्रमसँ व्यवस्थित करैत अछि।

२०७. (A) कथा कैं क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य — व्याख्या: सर्ग काव्यक कथात्मक आ भावात्मक प्रवाहकेँ क्रमसँ व्यवस्थित करैत अछि।

२०८. (D) कथा कैं क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य — व्याख्या: सर्ग काव्यक कथात्मक आ भावात्मक प्रवाहकेँ क्रमसँ व्यवस्थित करैत अछि।

२०९. (A) कथा कैं क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य — व्याख्या: सर्ग काव्यक कथात्मक आ भावात्मक प्रवाहकेँ क्रमसँ व्यवस्थित करैत अछि।

२१०. (C) कथा कैं क्रमबद्ध खण्डमे बाँटल काव्य — व्याख्या: सर्ग काव्यक कथात्मक आ भावात्मक प्रवाहकेँ क्रमसँ व्यवस्थित करैत अछि।

२११. (B) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्यमे प्रसंग, घटना, पात्र आ भावक क्रमिक विकास महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२१२. (C) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्यमे प्रसंग, घटना, पात्र आ भावक क्रमिक विकास महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२१३. (A) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्यमे प्रसंग, घटना, पात्र आ भावक क्रमिक विकास महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२१४. (C) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्यमे प्रसंग, घटना, पात्र आ भावक क्रमिक विकास महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२१५. (B) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्यमे प्रसंग, घटना, पात्र आ भावक क्रमिक विकास महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२१६. (B) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्यमे प्रसंग, घटना, पात्र आ भावक क्रमिक विकास महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२१७. (D) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्यमे प्रसंग, घटना, पात्र आ भावक क्रमिक विकास महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२१८. (C) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्यमे प्रसंग, घटना, पात्र आ भावक क्रमिक विकास महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२१९. (B) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्यमे प्रसंग, घटना, पात्र आ भावक क्रमिक विकास महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२२०. (A) कथा-प्रवाह आ चरित्र-विकास — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्यमे प्रसंग, घटना, पात्र आ भावक क्रमिक विकास महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२२१. (B) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि, मूल्य आ व्यापक सांस्कृतिक अर्थ जुड़ल रहैत अछि।

२२२. (A) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि, मूल्य आ व्यापक सांस्कृतिक अर्थ जुड़ल रहैत अछि।

२२३. (C) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि, मूल्य आ व्यापक सांस्कृतिक अर्थ जुड़ल रहैत अछि।

२२४. (C) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि, मूल्य आ व्यापक सांस्कृतिक अर्थ जुड़ल रहैत अछि।

२२५. (B) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि, मूल्य आ व्यापक सांस्कृतिक अर्थ जुड़ल रहैत अछि।

२२६. (D) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि, मूल्य आ व्यापक सांस्कृतिक अर्थ जुड़ल रहैत अछि।

२२७. (B) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि, मूल्य आ व्यापक सांस्कृतिक अर्थ जुड़ल रहैत अछि।

२२८. (D) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि, मूल्य आ व्यापक सांस्कृतिक अर्थ जुड़ल रहैत अछि।

२२९. (A) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि, मूल्य आ व्यापक सांस्कृतिक अर्थ जुड़ल रहैत अछि।

२३०. (C) उदात्त कथ्य आ व्यापक सांस्कृतिक दृष्टि — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि, मूल्य आ व्यापक सांस्कृतिक अर्थ जुड़ल रहैत अछि।

२३१. (A) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान — व्याख्या: शीर्षक स्त्री-केन्द्रित कथा, आदर्श वा जीवन-संघर्षक संकेत दऽ सकैत अछि।

२३२. (D) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान — व्याख्या: शीर्षक स्त्री-केन्द्रित कथा, आदर्श वा जीवन-संघर्षक संकेत दऽ सकैत अछि।

२३३. (B) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान — व्याख्या: शीर्षक स्त्री-केन्द्रित कथा, आदर्श वा जीवन-संघर्षक संकेत दऽ सकैत अछि।

२३४. (B) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान — व्याख्या: शीर्षक स्त्री-केन्द्रित कथा, आदर्श वा जीवन-संघर्षक संकेत दऽ सकैत अछि।

२३५. (B) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान — व्याख्या: शीर्षक स्त्री-केन्द्रित कथा, आदर्श वा जीवन-संघर्षक संकेत दऽ सकैत अछि।

२३६. (D) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान — व्याख्या: शीर्षक स्त्री-केन्द्रित कथा, आदर्श वा जीवन-संघर्षक संकेत दऽ सकैत अछि।

२३७. (C) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान — व्याख्या: शीर्षक स्त्री-केन्द्रित कथा, आदर्श वा जीवन-संघर्षक संकेत दऽ सकैत अछि।

२३८. (B) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान — व्याख्या: शीर्षक स्त्री-केन्द्रित कथा, आदर्श वा जीवन-संघर्षक संकेत दऽ सकैत अछि।

२३९. (A) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान — व्याख्या: शीर्षक स्त्री-केन्द्रित कथा, आदर्श वा जीवन-संघर्षक संकेत दऽ सकैत अछि।

२४०. (C) दत्त-वती नामक स्त्री-पात्र वा स्त्री-स्वर दिस ध्यान — व्याख्या: शीर्षक स्त्री-केन्द्रित कथा, आदर्श वा जीवन-संघर्षक संकेत दऽ सकैत अछि।

२४१. (B) आगूक घटनाक आधार राखब — व्याख्या: प्रथम सर्गसँ काव्यक मूल तनाव, भावभूमि आ पात्र-दिशा स्पष्ट होय लगैत अछि।

२४२. (D) आगूक घटनाक आधार राखब — व्याख्या: प्रथम सर्गसँ काव्यक मूल तनाव, भावभूमि आ पात्र-दिशा स्पष्ट होय लगैत अछि।

२४३. (A) आगूक घटनाक आधार राखब — व्याख्या: प्रथम सर्गसँ काव्यक मूल तनाव, भावभूमि आ पात्र-दिशा स्पष्ट होय लगैत अछि।

२४४. (B) आगूक घटनाक आधार राखब — व्याख्या: प्रथम सर्गसँ काव्यक मूल तनाव, भावभूमि आ पात्र-दिशा स्पष्ट होय लगैत अछि।

२४५. (C) आगूक घटनाक आधार राखब — व्याख्या: प्रथम सर्गसँ काव्यक मूल तनाव, भावभूमि आ पात्र-दिशा स्पष्ट होय लगैत अछि।

२४६. (B) आगूक घटनाक आधार राखब — व्याख्या: प्रथम सर्गसँ काव्यक मूल तनाव, भावभूमि आ पात्र-दिशा स्पष्ट होय लगैत अछि।

२४७. (A) आगूक घटनाक आधार राखब — व्याख्या: प्रथम सर्गसँ काव्यक मूल तनाव, भावभूमि आ पात्र-दिशा स्पष्ट होय लगैत अछि।

२४८. (C) आगूक घटनाक आधार राखब — व्याख्या: प्रथम सर्गसँ काव्यक मूल तनाव, भावभूमि आ पात्र-दिशा स्पष्ट होय लगैत अछि।

२४९. (D) आगूक घटनाक आधार राखब — व्याख्या: प्रथम सर्गसँ काव्यक मूल तनाव, भावभूमि आ पात्र-दिशा स्पष्ट होय लगैत अछि।

२५०. (C) आगूक घटनाक आधार राखब — व्याख्या: प्रथम सर्गसँ काव्यक मूल तनाव, भावभूमि आ पात्र-दिशा स्पष्ट होय लगैत अछि।

२५१. (D) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यक सुगमता लेल सर्गसभक बीच विषयगत आ भावात्मक सूत्र होइत अछि।

२५२. (B) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यक सुगमता लेल सर्गसभक बीच विषयगत आ भावात्मक सूत्र होइत अछि।

२५३. (C) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यक सुगमता लेल सर्गसभक बीच विषयगत आ भावात्मक सूत्र होइत अछि।

२५४. (D) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यक सुगमता लेल सर्गसभक बीच विषयगत आ भावात्मक सूत्र होइत अछि।

२५५. (A) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यक सुगमता लेल सर्गसभक बीच विषयगत आ भावात्मक सूत्र होइत अछि।

२५६. (D) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यक सुगमता लेल सर्गसभक बीच विषयगत आ भावात्मक सूत्र होइत अछि।

२५७. (A) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यक सुगमता लेल सर्गसभक बीच विषयगत आ भावात्मक सूत्र होइत अछि।

२५८. (C) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यक सुगमता लेल सर्गसभक बीच विषयगत आ भावात्मक सूत्र होइत अछि।

२५९. (D) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यक सुगमता लेल सर्गसभक बीच विषयगत आ भावात्मक सूत्र होइत अछि।

२६०. (D) एक सर्गसँ दोसर सर्गक कथा-सम्बन्ध — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यक सुगमता लेल सर्गसभक बीच विषयगत आ भावात्मक सूत्र होइत अछि।

२६१. (B) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण — व्याख्या: काव्यमे पात्रक स्वभाव, निर्णय, मूल्य आ भावक चित्रण अधिक महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२६२. (A) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण — व्याख्या: काव्यमे पात्रक स्वभाव, निर्णय, मूल्य आ भावक चित्रण अधिक महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२६३. (A) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण — व्याख्या: काव्यमे पात्रक स्वभाव, निर्णय, मूल्य आ भावक चित्रण अधिक महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२६४. (C) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण — व्याख्या: काव्यमे पात्रक स्वभाव, निर्णय, मूल्य आ भावक चित्रण अधिक महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२६५. (D) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण — व्याख्या: काव्यमे पात्रक स्वभाव, निर्णय, मूल्य आ भावक चित्रण अधिक महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२६६. (B) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण — व्याख्या: काव्यमे पात्रक स्वभाव, निर्णय, मूल्य आ भावक चित्रण अधिक महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२६७. (C) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण — व्याख्या: काव्यमे पात्रक स्वभाव, निर्णय, मूल्य आ भावक चित्रण अधिक महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२६८. (A) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण — व्याख्या: काव्यमे पात्रक स्वभाव, निर्णय, मूल्य आ भावक चित्रण अधिक महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२६९. (C) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण — व्याख्या: काव्यमे पात्रक स्वभाव, निर्णय, मूल्य आ भावक चित्रण अधिक महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२७०. (D) बाह्य रूपसँ अधिक स्वभाव आ कर्मक चित्रण — व्याख्या: काव्यमे पात्रक स्वभाव, निर्णय, मूल्य आ भावक चित्रण अधिक महत्त्वपूर्ण होइत अछि।

२७१. (D) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव — व्याख्या: काव्यक वातावरण पाठककेँ कथाक भावलोकमे प्रवेश करबैत अछि।

२७२. (A) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव — व्याख्या: काव्यक वातावरण पाठककेँ कथाक भावलोकमे प्रवेश करबैत अछि।

२७३. (C) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव — व्याख्या: काव्यक वातावरण पाठककेँ कथाक भावलोकमे प्रवेश करबैत अछि।

२७४. (D) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव — व्याख्या: काव्यक वातावरण पाठककेँ कथाक भावलोकमे प्रवेश करबैत अछि।

२७५. (B) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव — व्याख्या: काव्यक वातावरण पाठककेँ कथाक भावलोकमे प्रवेश करबैत अछि।

२७६. (B) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव — व्याख्या: काव्यक वातावरण पाठककेँ कथाक भावलोकमे प्रवेश करबैत अछि।

२७७. (C) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव — व्याख्या: काव्यक वातावरण पाठककेँ कथाक भावलोकमे प्रवेश करबैत अछि।

२७८. (C) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव — व्याख्या: काव्यक वातावरण पाठककेँ कथाक भावलोकमे प्रवेश करबैत अछि।

२७९. (A) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव — व्याख्या: काव्यक वातावरण पाठककेँ कथाक भावलोकमे प्रवेश करबैत अछि।

२८०. (A) स्थान, काल, प्रकृति आ भावक सम्मिलित प्रभाव — व्याख्या: काव्यक वातावरण पाठककेँ कथाक भावलोकमे प्रवेश करबैत अछि।

२८१. (D) भावक कलात्मक विस्तार — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्य पाठमे रस पाठकक सौन्दर्य-बोधकेँ सक्रिय करैत अछि।

२८२. (D) भावक कलात्मक विस्तार — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्य पाठमे रस पाठकक सौन्दर्य-बोधकेँ सक्रिय करैत अछि।

२८३. (B) भावक कलात्मक विस्तार — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्य पाठमे रस पाठकक सौन्दर्य-बोधकेँ सक्रिय करैत अछि।

२८४. (C) भावक कलात्मक विस्तार — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्य पाठमे रस पाठकक सौन्दर्य-बोधकेँ सक्रिय करैत अछि।

२८५. (D) भावक कलात्मक विस्तार — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्य पाठमे रस पाठकक सौन्दर्य-बोधकेँ सक्रिय करैत अछि।

२८६. (D) भावक कलात्मक विस्तार — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्य पाठमे रस पाठकक सौन्दर्य-बोधकेँ सक्रिय करैत अछि।

२८७. (B) भावक कलात्मक विस्तार — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्य पाठमे रस पाठकक सौन्दर्य-बोधकेँ सक्रिय करैत अछि।

२८८. (D) भावक कलात्मक विस्तार — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्य पाठमे रस पाठकक सौन्दर्य-बोधकेँ सक्रिय करैत अछि।

२८९. (B) भावक कलात्मक विस्तार — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्य पाठमे रस पाठकक सौन्दर्य-बोधकेँ सक्रिय करैत अछि।

२९०. (B) भावक कलात्मक विस्तार — व्याख्या: प्रबन्ध-काव्य पाठमे रस पाठकक सौन्दर्य-बोधकेँ सक्रिय करैत अछि।

२९१. (A) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ काव्य पढ़ैत समय कथा, पात्र, रस, भाषा आ छन्दक समन्वित अध्ययन चाही।

२९२. (C) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ काव्य पढ़ैत समय कथा, पात्र, रस, भाषा आ छन्दक समन्वित अध्ययन चाही।

२९३. (C) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ काव्य पढ़ैत समय कथा, पात्र, रस, भाषा आ छन्दक समन्वित अध्ययन चाही।

२९४. (A) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ काव्य पढ़ैत समय कथा, पात्र, रस, भाषा आ छन्दक समन्वित अध्ययन चाही।

२९५. (D) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ काव्य पढ़ैत समय कथा, पात्र, रस, भाषा आ छन्दक समन्वित अध्ययन चाही।

२९६. (C) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ काव्य पढ़ैत समय कथा, पात्र, रस, भाषा आ छन्दक समन्वित अध्ययन चाही।

२९७. (C) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ काव्य पढ़ैत समय कथा, पात्र, रस, भाषा आ छन्दक समन्वित अध्ययन चाही।

२९८. (B) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ काव्य पढ़ैत समय कथा, पात्र, रस, भाषा आ छन्दक समन्वित अध्ययन चाही।

२९९. (A) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ काव्य पढ़ैत समय कथा, पात्र, रस, भाषा आ छन्दक समन्वित अध्ययन चाही।

३००. (D) कथ्य आ शिल्प दुनूकेँ जोड़ि पढ़ब — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ काव्य पढ़ैत समय कथा, पात्र, रस, भाषा आ छन्दक समन्वित अध्ययन चाही।

३०१. (B) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब — व्याख्या: पहिल सर्ग पाठककेँ विषय, भावभूमि आ प्रारम्भिक कथासूत्रसँ परिचित करबैत अछि।

३०२. (A) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब — व्याख्या: पहिल सर्ग पाठककेँ विषय, भावभूमि आ प्रारम्भिक कथासूत्रसँ परिचित करबैत अछि।

३०३. (A) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब — व्याख्या: पहिल सर्ग पाठककेँ विषय, भावभूमि आ प्रारम्भिक कथासूत्रसँ परिचित करबैत अछि।

३०४. (D) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब — व्याख्या: पहिल सर्ग पाठककेँ विषय, भावभूमि आ प्रारम्भिक कथासूत्रसँ परिचित करबैत अछि।

३०५. (B) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब — व्याख्या: पहिल सर्ग पाठककेँ विषय, भावभूमि आ प्रारम्भिक कथासूत्रसँ परिचित करबैत अछि।

३०६. (C) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब — व्याख्या: पहिल सर्ग पाठककेँ विषय, भावभूमि आ प्रारम्भिक कथासूत्रसँ परिचित करबैत अछि।

३०७. (C) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब — व्याख्या: पहिल सर्ग पाठककेँ विषय, भावभूमि आ प्रारम्भिक कथासूत्रसँ परिचित करबैत अछि।

३०८. (C) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब — व्याख्या: पहिल सर्ग पाठककेँ विषय, भावभूमि आ प्रारम्भिक कथासूत्रसँ परिचित करबैत अछि।

३०९. (B) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब — व्याख्या: पहिल सर्ग पाठककेँ विषय, भावभूमि आ प्रारम्भिक कथासूत्रसँ परिचित करबैत अछि।

३१०. (C) काव्यक आरम्भिक संसार खोलब — व्याख्या: पहिल सर्ग पाठककेँ विषय, भावभूमि आ प्रारम्भिक कथासूत्रसँ परिचित करबैत अछि।

३११. (D) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति — व्याख्या: वातावरण काव्यक भाव-दिशा बनबैत अछि आ पाठकमे अपेक्षा जगबैत अछि।

३१२. (A) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति — व्याख्या: वातावरण काव्यक भाव-दिशा बनबैत अछि आ पाठकमे अपेक्षा जगबैत अछि।

३१३. (D) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति — व्याख्या: वातावरण काव्यक भाव-दिशा बनबैत अछि आ पाठकमे अपेक्षा जगबैत अछि।

३१४. (B) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति — व्याख्या: वातावरण काव्यक भाव-दिशा बनबैत अछि आ पाठकमे अपेक्षा जगबैत अछि।

३१५. (C) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति — व्याख्या: वातावरण काव्यक भाव-दिशा बनबैत अछि आ पाठकमे अपेक्षा जगबैत अछि।

३१६. (A) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति — व्याख्या: वातावरण काव्यक भाव-दिशा बनबैत अछि आ पाठकमे अपेक्षा जगबैत अछि।

३१७. (C) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति — व्याख्या: वातावरण काव्यक भाव-दिशा बनबैत अछि आ पाठकमे अपेक्षा जगबैत अछि।

३१८. (C) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति — व्याख्या: वातावरण काव्यक भाव-दिशा बनबैत अछि आ पाठकमे अपेक्षा जगबैत अछि।

३१९. (D) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति — व्याख्या: वातावरण काव्यक भाव-दिशा बनबैत अछि आ पाठकमे अपेक्षा जगबैत अछि।

३२०. (B) कथा-भाव अनुरूप दृश्य आ मनःस्थिति — व्याख्या: वातावरण काव्यक भाव-दिशा बनबैत अछि आ पाठकमे अपेक्षा जगबैत अछि।

३२१. (C) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन — व्याख्या: प्रथम सर्गमे प्रमुख पात्रक मूल्य, प्रवृत्ति वा स्थिति संकेतित भऽ सकैत अछि।

३२२. (C) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन — व्याख्या: प्रथम सर्गमे प्रमुख पात्रक मूल्य, प्रवृत्ति वा स्थिति संकेतित भऽ सकैत अछि।

३२३. (D) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन — व्याख्या: प्रथम सर्गमे प्रमुख पात्रक मूल्य, प्रवृत्ति वा स्थिति संकेतित भऽ सकैत अछि।

३२४. (D) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन — व्याख्या: प्रथम सर्गमे प्रमुख पात्रक मूल्य, प्रवृत्ति वा स्थिति संकेतित भऽ सकैत अछि।

३२५. (B) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन — व्याख्या: प्रथम सर्गमे प्रमुख पात्रक मूल्य, प्रवृत्ति वा स्थिति संकेतित भऽ सकैत अछि।

३२६. (A) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन — व्याख्या: प्रथम सर्गमे प्रमुख पात्रक मूल्य, प्रवृत्ति वा स्थिति संकेतित भऽ सकैत अछि।

३२७. (C) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन — व्याख्या: प्रथम सर्गमे प्रमुख पात्रक मूल्य, प्रवृत्ति वा स्थिति संकेतित भऽ सकैत अछि।

३२८. (A) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन — व्याख्या: प्रथम सर्गमे प्रमुख पात्रक मूल्य, प्रवृत्ति वा स्थिति संकेतित भऽ सकैत अछि।

३२९. (C) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन — व्याख्या: प्रथम सर्गमे प्रमुख पात्रक मूल्य, प्रवृत्ति वा स्थिति संकेतित भऽ सकैत अछि।

३३०. (D) चरित्रक आरम्भिक रेखांकन — व्याख्या: प्रथम सर्गमे प्रमुख पात्रक मूल्य, प्रवृत्ति वा स्थिति संकेतित भऽ सकैत अछि।

३३१. (A) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यमे आरम्भहि मे आगूक संघर्षक बीज रोपल जाइत अछि।

३३२. (C) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यमे आरम्भहि मे आगूक संघर्षक बीज रोपल जाइत अछि।

३३३. (C) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यमे आरम्भहि मे आगूक संघर्षक बीज रोपल जाइत अछि।

३३४. (D) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यमे आरम्भहि मे आगूक संघर्षक बीज रोपल जाइत अछि।

३३५. (A) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यमे आरम्भहि मे आगूक संघर्षक बीज रोपल जाइत अछि।

३३६. (A) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यमे आरम्भहि मे आगूक संघर्षक बीज रोपल जाइत अछि।

३३७. (B) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यमे आरम्भहि मे आगूक संघर्षक बीज रोपल जाइत अछि।

३३८. (C) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यमे आरम्भहि मे आगूक संघर्षक बीज रोपल जाइत अछि।

३३९. (B) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यमे आरम्भहि मे आगूक संघर्षक बीज रोपल जाइत अछि।

३४०. (C) आगूक तनावक प्रारम्भिक संकेत — व्याख्या: प्रबन्धकाव्यमे आरम्भहि मे आगूक संघर्षक बीज रोपल जाइत अछि।

३४१. (B) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन — व्याख्या: प्रस्तावना पात्र आ घटना बुझबाक पूर्वभूमि बनबैत अछि।

३४२. (C) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन — व्याख्या: प्रस्तावना पात्र आ घटना बुझबाक पूर्वभूमि बनबैत अछि।

३४३. (D) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन — व्याख्या: प्रस्तावना पात्र आ घटना बुझबाक पूर्वभूमि बनबैत अछि।

३४४. (C) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन — व्याख्या: प्रस्तावना पात्र आ घटना बुझबाक पूर्वभूमि बनबैत अछि।

३४५. (C) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन — व्याख्या: प्रस्तावना पात्र आ घटना बुझबाक पूर्वभूमि बनबैत अछि।

३४६. (D) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन — व्याख्या: प्रस्तावना पात्र आ घटना बुझबाक पूर्वभूमि बनबैत अछि।

३४७. (B) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन — व्याख्या: प्रस्तावना पात्र आ घटना बुझबाक पूर्वभूमि बनबैत अछि।

३४८. (D) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन — व्याख्या: प्रस्तावना पात्र आ घटना बुझबाक पूर्वभूमि बनबैत अछि।

३४९. (C) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन — व्याख्या: प्रस्तावना पात्र आ घटना बुझबाक पूर्वभूमि बनबैत अछि।

३५०. (B) विषयक पृष्ठभूमि देबाक साधन — व्याख्या: प्रस्तावना पात्र आ घटना बुझबाक पूर्वभूमि बनबैत अछि।

३५१. (C) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत — व्याख्या: नायिका वा शीर्षक-चरित्रक आरम्भिक छवि काव्यक भावकेंद्र बनि सकैत अछि।

३५२. (A) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत — व्याख्या: नायिका वा शीर्षक-चरित्रक आरम्भिक छवि काव्यक भावकेंद्र बनि सकैत अछि।

३५३. (C) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत — व्याख्या: नायिका वा शीर्षक-चरित्रक आरम्भिक छवि काव्यक भावकेंद्र बनि सकैत अछि।

३५४. (C) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत — व्याख्या: नायिका वा शीर्षक-चरित्रक आरम्भिक छवि काव्यक भावकेंद्र बनि सकैत अछि।

३५५. (B) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत — व्याख्या: नायिका वा शीर्षक-चरित्रक आरम्भिक छवि काव्यक भावकेंद्र बनि सकैत अछि।

३५६. (B) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत — व्याख्या: नायिका वा शीर्षक-चरित्रक आरम्भिक छवि काव्यक भावकेंद्र बनि सकैत अछि।

३५७. (D) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत — व्याख्या: नायिका वा शीर्षक-चरित्रक आरम्भिक छवि काव्यक भावकेंद्र बनि सकैत अछि।

३५८. (D) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत — व्याख्या: नायिका वा शीर्षक-चरित्रक आरम्भिक छवि काव्यक भावकेंद्र बनि सकैत अछि।

३५९. (B) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत — व्याख्या: नायिका वा शीर्षक-चरित्रक आरम्भिक छवि काव्यक भावकेंद्र बनि सकैत अछि।

३६०. (A) गरिमा, संवेदना आ व्यक्तित्वक संकेत — व्याख्या: नायिका वा शीर्षक-चरित्रक आरम्भिक छवि काव्यक भावकेंद्र बनि सकैत अछि।

३६१. (C) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता — व्याख्या: पहिल सर्गमे भाषा पाठककेँ काव्यक लय, ऊँचाई आ भाव-संसारमे प्रवेश दैत अछि।

३६२. (A) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता — व्याख्या: पहिल सर्गमे भाषा पाठककेँ काव्यक लय, ऊँचाई आ भाव-संसारमे प्रवेश दैत अछि।

३६३. (A) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता — व्याख्या: पहिल सर्गमे भाषा पाठककेँ काव्यक लय, ऊँचाई आ भाव-संसारमे प्रवेश दैत अछि।

३६४. (A) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता — व्याख्या: पहिल सर्गमे भाषा पाठककेँ काव्यक लय, ऊँचाई आ भाव-संसारमे प्रवेश दैत अछि।

३६५. (A) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता — व्याख्या: पहिल सर्गमे भाषा पाठककेँ काव्यक लय, ऊँचाई आ भाव-संसारमे प्रवेश दैत अछि।

३६६. (B) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता — व्याख्या: पहिल सर्गमे भाषा पाठककेँ काव्यक लय, ऊँचाई आ भाव-संसारमे प्रवेश दैत अछि।

३६७. (A) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता — व्याख्या: पहिल सर्गमे भाषा पाठककेँ काव्यक लय, ऊँचाई आ भाव-संसारमे प्रवेश दैत अछि।

३६८. (D) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता — व्याख्या: पहिल सर्गमे भाषा पाठककेँ काव्यक लय, ऊँचाई आ भाव-संसारमे प्रवेश दैत अछि।

३६९. (C) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता — व्याख्या: पहिल सर्गमे भाषा पाठककेँ काव्यक लय, ऊँचाई आ भाव-संसारमे प्रवेश दैत अछि।

३७०. (A) आरम्भिक गांभीर्य आ काव्यात्मकता — व्याख्या: पहिल सर्गमे भाषा पाठककेँ काव्यक लय, ऊँचाई आ भाव-संसारमे प्रवेश दैत अछि।

३७१. (A) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब — व्याख्या: प्रकृति-वर्णन काव्यक मनःस्थिति आ भावक विस्तारक साधन होइत अछि।

३७२. (B) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब — व्याख्या: प्रकृति-वर्णन काव्यक मन:स्थिति आ भावक विस्तारक साधन होइत अछि।

३७३. (B) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब — व्याख्या: प्रकृति-वर्णन काव्यक मन:स्थिति आ भावक विस्तारक साधन होइत अछि।

३७४. (C) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब — व्याख्या: प्रकृति-वर्णन काव्यक मन:स्थिति आ भावक विस्तारक साधन होइत अछि।

३७५. (D) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब — व्याख्या: प्रकृति-वर्णन काव्यक मन:स्थिति आ भावक विस्तारक साधन होइत अछि।

३७६. (A) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब — व्याख्या: प्रकृति-वर्णन काव्यक मन:स्थिति आ भावक विस्तारक साधन होइत अछि।

३७७. (D) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब — व्याख्या: प्रकृति-वर्णन काव्यक मन:स्थिति आ भावक विस्तारक साधन होइत अछि।

३७८. (B) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब — व्याख्या: प्रकृति-वर्णन काव्यक मन:स्थिति आ भावक विस्तारक साधन होइत अछि।

३७९. (C) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब — व्याख्या: प्रकृति-वर्णन काव्यक मन:स्थिति आ भावक विस्तारक साधन होइत अछि।

३८०. (B) भावानुकूल दृश्य-बिम्ब — व्याख्या: प्रकृति-वर्णन काव्यक मन:स्थिति आ भावक विस्तारक साधन होइत अछि।

३८१. (C) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति — व्याख्या: महाकाव्यात्मक आरम्भ प्राय: क्रमिक आ सौन्दर्यपूर्ण ढंगसँ खुलैत अछि।

३८२. (D) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति — व्याख्या: महाकाव्यात्मक आरम्भ प्राय: क्रमिक आ सौन्दर्यपूर्ण ढंगसँ खुलैत अछि।

३८३. (C) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति — व्याख्या: महाकाव्यात्मक आरम्भ प्राय: क्रमिक आ सौन्दर्यपूर्ण ढंगसँ खुलैत अछि।

३८४. (C) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति — व्याख्या: महाकाव्यात्मक आरम्भ प्राय: क्रमिक आ सौन्दर्यपूर्ण ढंगसँ खुलैत अछि।

३८५. (C) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति — व्याख्या: महाकाव्यात्मक आरम्भ प्राय: क्रमिक आ सौन्दर्यपूर्ण ढंगसँ खुलैत अछि।

३८६. (C) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति — व्याख्या: महाकाव्यात्मक आरम्भ प्राय: क्रमिक आ सौन्दर्यपूर्ण ढंगसँ खुलैत अछि।

३८७. (D) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति — व्याख्या: महाकाव्यात्मक आरम्भ प्राय: क्रमिक आ सौन्दर्यपूर्ण ढंगसँ खुलैत अछि।

३८८. (D) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति — व्याख्या: महाकाव्यात्मक आरम्भ प्राय: क्रमिक आ सौन्दर्यपूर्ण ढंगसँ खुलैत अछि।

३८९. (B) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति — व्याख्या: महाकाव्यात्मक आरम्भ प्राय: क्रमिक आ सौन्दर्यपूर्ण ढंगसँ खुलैत अछि।

३९०. (D) पाठककेँ कथा-लोकमे क्रमसँ लऽ जेबाक रीति — व्याख्या: महाकाव्यात्मक आरम्भ प्राय: क्रमिक आ सौन्दर्यपूर्ण ढंगसँ खुलैत अछि।

३९१. (B) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित — व्याख्या: समीक्षा करत समय प्रथम सर्गक कथात्मक आ भावात्मक भूमिका पर ध्यान देब चाही।

३९२. (B) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित — व्याख्या: समीक्षा करत समय प्रथम सर्गक कथात्मक आ भावात्मक भूमिका पर ध्यान देब चाही।

३९३. (D) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित — व्याख्या: समीक्षा करत समय प्रथम सर्गक कथात्मक आ भावात्मक भूमिका पर ध्यान देब चाही।

३९४. (C) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित — व्याख्या: समीक्षा करत समय प्रथम सर्गक कथात्मक आ भावात्मक भूमिका पर ध्यान देब चाही।

३९५. (C) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित — व्याख्या: समीक्षा करत समय प्रथम सर्गक कथात्मक आ भावात्मक भूमिका पर ध्यान देब चाही।

३९६. (D) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित — व्याख्या: समीक्षा करत समय प्रथम सर्गक कथात्मक आ भावात्मक भूमिका पर ध्यान देब चाही।

३९७. (A) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित — व्याख्या: समीक्षा करत समय प्रथम सर्गक कथात्मक आ भावात्मक भूमिका पर ध्यान देब चाही।

३९८. (D) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित — व्याख्या: समीक्षा करत समय प्रथम सर्गक कथात्मक आ भावात्मक भूमिका पर ध्यान देब चाही।

३९९. (C) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित — व्याख्या: समीक्षा करत समय प्रथम सर्गक कथात्मक आ भावात्मक भूमिका पर ध्यान देब चाही।

४००. (B) कथा-बीज, वातावरण आ पात्र-संकेत पर केन्द्रित — व्याख्या: समीक्षा करत समय प्रथम सर्गक कथात्मक आ भावात्मक भूमिका पर ध्यान देब चाही।

४०१. (A) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब — व्याख्या: काव्यक आरम्भमे रस पाठककेँ पात्र आ प्रसंगसँ जोड़ैत अछि।

४०२. (A) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब — व्याख्या: काव्यक आरम्भमे रस पाठककेँ पात्र आ प्रसंगसँ जोड़ैत अछि।

४०३. (C) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब — व्याख्या: काव्यक आरम्भमे रस पाठककेँ पात्र आ प्रसंगसँ जोड़ैत अछि।

४०४. (A) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब — व्याख्या: काव्यक आरम्भमे रस पाठककेँ पात्र आ प्रसंगसँ जोड़ैत अछि।

४०५. (C) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब — व्याख्या: काव्यक आरम्भमे रस पाठककेँ पात्र आ प्रसंगसँ जोड़ैत अछि।

४०६. (B) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब — व्याख्या: काव्यक आरम्भमे रस पाठककेँ पात्र आ प्रसंगसँ जोड़ैत अछि।

४०७. (C) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब — व्याख्या: काव्यक आरम्भमे रस पाठककेँ पात्र आ प्रसंगसँ जोड़ैत अछि।

४०८. (B) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब — व्याख्या: काव्यक आरम्भमे रस पाठककेँ पात्र आ प्रसंगसँ जोड़ैत अछि।

४०९. (A) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब — व्याख्या: काव्यक आरम्भमे रस पाठककेँ पात्र आ प्रसंगसँ जोड़ैत अछि।

४१०. (C) भावकेँ कलात्मक रस-रूप देब — व्याख्या: काव्यक आरम्भमे रस पाठककेँ पात्र आ प्रसंगसँ जोड़ैत अछि।

४११. (D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब — व्याख्या: बिम्ब पाठकक मनमे दृश्य आ अनुभूतिक संगठित रूप उभारैत अछि।

४१२. (D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब — व्याख्या: बिम्ब पाठकक मनमे दृश्य आ अनुभूतिक संगठित रूप उभारैत अछि।

४१३. (D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब — व्याख्या: बिम्ब पाठकक मनमे दृश्य आ अनुभूतिक संगठित रूप उभारैत अछि।

४१४. (A) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब — व्याख्या: बिम्ब पाठकक मनमे दृश्य आ अनुभूतिक संगठित रूप उभारैत अछि।

४१५. (B) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब — व्याख्या: बिम्ब पाठकक मनमे दृश्य आ अनुभूतिक संगठित रूप उभारैत अछि।

४१६. (D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब — व्याख्या: बिम्ब पाठकक मनमे दृश्य आ अनुभूतिक संगठित रूप उभारैत अछि।

४१७. (D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब — व्याख्या: बिम्ब पाठकक मनमे दृश्य आ अनुभूतिक संगठित रूप उभारैत अछि।

४१८. (D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब — व्याख्या: बिम्ब पाठकक मनमे दृश्य आ अनुभूतिक संगठित रूप उभारैत अछि।

४१९. (D) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब — व्याख्या: बिम्ब पाठकक मनमे दृश्य आ अनुभूतिक संगठित रूप उभारैत अछि।

४२०. (A) दृश्यात्मकता आ भाव-संकेत बनाब — व्याख्या: बिम्ब पाठकक मनमे दृश्य आ अनुभूतिक संगठित रूप उभारैत अछि।

४२१. (A) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब — व्याख्या: अलंकार भावक सूक्ष्मता आ प्रभावकेँ बढ़बैत अछि।

४२२. (B) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब — व्याख्या: अलंकार भावक सूक्ष्मता आ प्रभावकेँ बढ़बैत अछि।

४२३. (D) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब — व्याख्या: अलंकार भावक सूक्ष्मता आ प्रभावकेँ बढ़बैत अछि।

४२४. (A) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब — व्याख्या: अलंकार भावक सूक्ष्मता आ प्रभावकेँ बढ़बैत अछि।

४२५. (D) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब — व्याख्या: अलंकार भावक सूक्ष्मता आ प्रभावकेँ बढ़बैत अछि।

४२६. (C) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब — व्याख्या: अलंकार भावक सूक्ष्मता आ प्रभावकेँ बढ़बैत अछि।

४२७. (B) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब — व्याख्या: अलंकार भावक सूक्ष्मता आ प्रभावकेँ बढ़बैत अछि।

४२८. (B) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब — व्याख्या: अलंकार भावक सूक्ष्मता आ प्रभावकेँ बढ़बैत अछि।

४२९. (B) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब — व्याख्या: अलंकार भावक सूक्ष्मता आ प्रभावकेँ बढ़बैत अछि।

४३०. (D) भावकेँ मूर्त आ सौन्दर्यपूर्ण बनाब — व्याख्या: अलंकार भावक सूक्ष्मता आ प्रभावकेँ बढ़बैत अछि।

४३१. (C) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति — व्याख्या: प्रथम सर्गमे करुण वा मृदु भावक संकेत पात्रक आन्तरिक स्थिति बुझबैत अछि।

४३२. (C) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति — व्याख्या: प्रथम सर्गमे करुण वा मृदु भावक संकेत पात्रक आन्तरिक स्थिति बुझबैत अछि।

४३३. (A) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति — व्याख्या: प्रथम सर्गमे करुण वा मृदु भावक संकेत पात्रक आन्तरिक स्थिति बुझबैत अछि।

४३४. (D) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति — व्याख्या: प्रथम सर्गमे करुण वा मृदु भावक संकेत पात्रक आन्तरिक स्थिति बुझबैत अछि।

४३५. (D) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति — व्याख्या: प्रथम सर्गमे करुण वा मृदु भावक संकेत पात्रक आन्तरिक स्थिति बुझबैत अछि।

४३६. (D) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति — व्याख्या: प्रथम सर्गमे करुण वा मृदु भावक संकेत पात्रक आन्तरिक स्थिति बुझबैत अछि।

४३७. (A) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति — व्याख्या: प्रथम सर्गमे करुण वा मृदु भावक संकेत पात्रक आन्तरिक स्थिति बुझबैत अछि।

४३८. (A) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति — व्याख्या: प्रथम सर्गमे करुण वा मृदु भावक संकेत पात्रक आन्तरिक स्थिति बुझबैत अछि।

४३९. (B) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति — व्याख्या: प्रथम सर्गमे करुण वा मृदु भावक संकेत पात्रक आन्तरिक स्थिति बुझबैत अछि।

४४०. (A) पीड़ा वा संवेदनाक कलात्मक उपस्थिति — व्याख्या: प्रथम सर्गमे करुण वा मृदु भावक संकेत पात्रक आन्तरिक स्थिति बुझबैत अछि।

४४१. (D) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप — व्याख्या: काव्य-परम्परामे शृंगार भाव मर्यादा, सौन्दर्य आ सूक्ष्म अनुभूतिक संग आबैत अछि।

४४२. (B) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप — व्याख्या: काव्य-परम्परामे शृंगार भाव मर्यादा, सौन्दर्य आ सूक्ष्म अनुभूतिक संग आबैत अछि।

४४३. (A) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप — व्याख्या: काव्य-परम्परामे शृंगार भाव मर्यादा, सौन्दर्य आ सूक्ष्म अनुभूतिक संग आबैत अछि।

४४४. (D) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप — व्याख्या: काव्य-परम्परामे शृंगार भाव मर्यादा, सौन्दर्य आ सूक्ष्म अनुभूतिक संग आबैत अछि।

४४५. (D) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप — व्याख्या: काव्य-परम्परामे शृंगार भाव मर्यादा, सौन्दर्य आ सूक्ष्म अनुभूतिक संग आबैत अछि।

४४६. (B) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप — व्याख्या: काव्य-परम्परामे शृंगार भाव मर्यादा, सौन्दर्य आ सूक्ष्म अनुभूतिक संग आबैत अछि।

४४७. (C) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप — व्याख्या: काव्य-परम्परामे शृंगार भाव मर्यादा, सौन्दर्य आ सूक्ष्म अनुभूतिक संग आबैत अछि।

४४८. (B) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप — व्याख्या: काव्य-परम्परामे शृंगार भाव मर्यादा, सौन्दर्य आ सूक्ष्म अनुभूतिक संग आबैत अछि।

४४९. (D) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप — व्याख्या: काव्य-परम्परामे शृंगार भाव मर्यादा, सौन्दर्य आ सूक्ष्म अनुभूतिक संग आबैत अछि।

४५०. (B) मर्यादित प्रेम, सौन्दर्य वा आकर्षणक काव्यात्मक रूप — व्याख्या: काव्य-परम्परामे शृंगार भाव मर्यादा, सौन्दर्य आ सूक्ष्म अनुभूतिक संग आबैत अछि।

४५१. (A) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे वीर-भाव केवल युद्ध नहि, आत्मबल आ मूल्य-निष्ठा सेहो होइत अछि।

४५२. (B) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे वीर-भाव केवल युद्ध नहि, आत्मबल आ मूल्य-निष्ठा सेहो होइत अछि।

४५३. (B) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे वीर-भाव केवल युद्ध नहि, आत्मबल आ मूल्य-निष्ठा सेहो होइत अछि।

४५४. (A) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे वीर-भाव केवल युद्ध नहि, आत्मबल आ मूल्य-निष्ठा सेहो होइत अछि।

४५५. (C) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे वीर-भाव केवल युद्ध नहि, आत्मबल आ मूल्य-निष्ठा सेहो होइत अछि।

४५६. (C) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे वीर-भाव केवल युद्ध नहि, आत्मबल आ मूल्य-निष्ठा सेहो होइत अछि।

४५७. (B) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे वीर-भाव केवल युद्ध नहि, आत्मबल आ मूल्य-निष्ठा सेहो होइत अछि।

४५८. (C) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे वीर-भाव केवल युद्ध नहि, आत्मबल आ मूल्य-निष्ठा सेहो होइत अछि।

४५९. (D) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे वीर-भाव केवल युद्ध नहि, आत्मबल आ मूल्य-निष्ठा सेहो होइत अछि।

४६०. (C) आत्मबल, निर्णय आ धैर्यक भाव — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे वीर-भाव केवल युद्ध नहि, आत्मबल आ मूल्य-निष्ठा सेहो होइत अछि।

४६१. (A) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति — व्याख्या: सुमनक काव्यात्मकता बुझबाक लेल शब्द-संगीत आ लय पर ध्यान आवश्यक अछि।

४६२. (C) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति — व्याख्या: सुमनक काव्यात्मकता बुझबाक लेल शब्द-संगीत आ लय पर ध्यान आवश्यक अछि।

४६३. (C) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति — व्याख्या: सुमनक काव्यात्मकता बुझबाक लेल शब्द-संगीत आ लय पर ध्यान आवश्यक अछि।

४६४. (D) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति — व्याख्या: सुमनक काव्यात्मकता बुझबाक लेल शब्द-संगीत आ लय पर ध्यान आवश्यक अछि।

४६५. (C) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति — व्याख्या: सुमनक काव्यात्मकता बुझबाक लेल शब्द-संगीत आ लय पर ध्यान आवश्यक अछि।

४६६. (D) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति — व्याख्या: सुमनक काव्यात्मकता बुझबाक लेल शब्द-संगीत आ लय पर ध्यान आवश्यक अछि।

४६७. (C) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति — व्याख्या: सुमनक काव्यात्मकता बुझबाक लेल शब्द-संगीत आ लय पर ध्यान आवश्यक अछि।

४६८. (D) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति — व्याख्या: सुमनक काव्यात्मकता बुझबाक लेल शब्द-संगीत आ लय पर ध्यान आवश्यक अछि।

४६९. (D) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति — व्याख्या: सुमनक काव्यात्मकता बुझबाक लेल शब्द-संगीत आ लय पर ध्यान आवश्यक अछि।

४७०. (B) लय, अनुप्रास आ शब्द-गति — व्याख्या: सुमनक काव्यात्मकता बुझबाक लेल शब्द-संगीत आ लय पर ध्यान आवश्यक अछि।

४७१. (B) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई — व्याख्या: प्रथम सर्गमे भाव धीरे-धीरे गाढ़ होइत काव्यक मुख्य दिशा बनबैत अछि।

४७२. (A) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई — व्याख्या: प्रथम सर्गमे भाव धीरे-धीरे गाढ़ होइत काव्यक मुख्य दिशा बनबैत अछि।

४७३. (A) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई — व्याख्या: प्रथम सर्गमे भाव धीरे-धीरे गाढ़ होइत काव्यक मुख्य दिशा बनबैत अछि।

४७४. (B) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई — व्याख्या: प्रथम सर्गमे भाव धीरे-धीरे गाढ़ होइत काव्यक मुख्य दिशा बनबैत अछि।

४७५. (A) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई — व्याख्या: प्रथम सर्गमे भाव धीरे-धीरे गाढ़ होइत काव्यक मुख्य दिशा बनबैत अछि।

४७६. (B) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई — व्याख्या: प्रथम सर्गमे भाव धीरे-धीरे गाढ़ होइत काव्यक मुख्य दिशा बनबैत अछि।

४७७. (C) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई — व्याख्या: प्रथम सर्गमे भाव धीरे-धीरे गाढ़ होइत काव्यक मुख्य दिशा बनबैत अछि।

४७८. (D) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई — व्याख्या: प्रथम सर्गमे भाव धीरे-धीरे गाढ़ होइत काव्यक मुख्य दिशा बनबैत अछि।

४७९. (C) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई — व्याख्या: प्रथम सर्गमे भाव धीरे-धीरे गाढ़ होइत काव्यक मुख्य दिशा बनबैत अछि।

४८०. (D) आरम्भसँ उत्कंठा धरि क्रमिक गहराई — व्याख्या: प्रथम सर्गमे भाव धीरे-धीरे गाढ़ होइत काव्यक मुख्य दिशा बनबैत अछि।

४८१. (A) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल — व्याख्या: उत्तम काव्य-वर्णनमे बाहरक दृश्य आ भीतरक अनुभूति एक-दोसरकेँ उजागर करैत अछि।

४८२. (B) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल — व्याख्या: उत्तम काव्य-वर्णनमे बाहरक दृश्य आ भीतरक अनुभूति एक-दोसरकेँ उजागर करैत अछि।

४८३. (A) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल — व्याख्या: उत्तम काव्य-वर्णनमे बाहरक दृश्य आ भीतरक अनुभूति एक-दोसरकेँ उजागर करैत अछि।

४८४. (B) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल — व्याख्या: उत्तम काव्य-वर्णनमे बाहरक दृश्य आ भीतरक अनुभूति एक-दोसरकेँ उजागर करैत अछि।

४८५. (A) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल — व्याख्या: उत्तम काव्य-वर्णनमे बाहरक दृश्य आ भीतरक अनुभूति एक-दोसरकेँ उजागर करैत अछि।

४८६. (D) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल — व्याख्या: उत्तम काव्य-वर्णनमे बाहरक दृश्य आ भीतरक अनुभूति एक-दोसरकेँ उजागर करैत अछि।

४८७. (B) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल — व्याख्या: उत्तम काव्य-वर्णनमे बाहरक दृश्य आ भीतरक अनुभूति एक-दोसरकेँ उजागर करैत अछि।

४८८. (C) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल — व्याख्या: उत्तम काव्य-वर्णनमे बाहरक दृश्य आ भीतरक अनुभूति एक-दोसरकेँ उजागर करैत अछि।

४८९. (A) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल — व्याख्या: उत्तम काव्य-वर्णनमे बाहरक दृश्य आ भीतरक अनुभूति एक-दोसरकेँ उजागर करैत अछि।

४९०. (A) बाह्य दृश्यक भीतरक भावसँ मेल — व्याख्या: उत्तम काव्य-वर्णनमे बाहरक दृश्य आ भीतरक अनुभूति एक-दोसरकेँ उजागर करैत अछि।

४९१. (A) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन — व्याख्या: भाव-विश्लेषणमे पाठककेँ काव्यक सौन्दर्य-योजना आ अनुभूति-गति देखबाक चाही।

४९२. (D) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन — व्याख्या: भाव-विश्लेषणमे पाठककेँ काव्यक सौन्दर्य-योजना आ अनुभूति-गति देखबाक चाही।

४९३. (C) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन — व्याख्या: भाव-विश्लेषणमे पाठककेँ काव्यक सौन्दर्य-योजना आ अनुभूति-गति देखबाक चाही।

४९४. (C) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन — व्याख्या: भाव-विश्लेषणमे पाठककेँ काव्यक सौन्दर्य-योजना आ अनुभूति-गति देखबाक चाही।

४९५. (C) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन — व्याख्या: भाव-विश्लेषणमे पाठककेँ काव्यक सौन्दर्य-योजना आ अनुभूति-गति देखबाक चाही।

४९६. (A) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन — व्याख्या: भाव-विश्लेषणमे पाठककेँ काव्यक सौन्दर्य-योजना आ अनुभूति-गति देखबाक चाही।

४९७. (D) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन — व्याख्या: भाव-विश्लेषणमे पाठककेँ काव्यक सौन्दर्य-योजना आ अनुभूति-गति देखबाक चाही।

४९८. **(D) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन** — व्याख्या: भाव-विश्लेषणमे पाठककेँ काव्यक सौन्दर्य-योजना आ अनुभूति-गति देखबाक चाही।

४९९. **(D) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन** — व्याख्या: भाव-विश्लेषणमे पाठककेँ काव्यक सौन्दर्य-योजना आ अनुभूति-गति देखबाक चाही।

५००. **(A) रस, बिम्ब, लय आ पात्र-भावक संयुक्त अध्ययन** — व्याख्या: भाव-विश्लेषणमे पाठककेँ काव्यक सौन्दर्य-योजना आ अनुभूति-गति देखबाक चाही।

५०१. **(C) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब** — व्याख्या: दोसर सर्ग आरम्भिक संकेतकेँ कथा, भाव आ पात्र-विकासमे बदलैत अछि।

५०२. **(B) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब** — व्याख्या: दोसर सर्ग आरम्भिक संकेतकेँ कथा, भाव आ पात्र-विकासमे बदलैत अछि।

५०३. **(D) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब** — व्याख्या: दोसर सर्ग आरम्भिक संकेतकेँ कथा, भाव आ पात्र-विकासमे बदलैत अछि।

५०४. **(A) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब** — व्याख्या: दोसर सर्ग आरम्भिक संकेतकेँ कथा, भाव आ पात्र-विकासमे बदलैत अछि।

५०५. **(C) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब** — व्याख्या: दोसर सर्ग आरम्भिक संकेतकेँ कथा, भाव आ पात्र-विकासमे बदलैत अछि।

५०६. **(B) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब** — व्याख्या: दोसर सर्ग आरम्भिक संकेतकेँ कथा, भाव आ पात्र-विकासमे बदलैत अछि।

५०७. **(C) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब** — व्याख्या: दोसर सर्ग आरम्भिक संकेतकेँ कथा, भाव आ पात्र-विकासमे बदलैत अछि।

५०८. **(A) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब** — व्याख्या: दोसर सर्ग आरम्भिक संकेतकेँ कथा, भाव आ पात्र-विकासमे बदलैत अछि।

५०९. **(C) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब** — व्याख्या: दोसर सर्ग आरम्भिक संकेतकेँ कथा, भाव आ पात्र-विकासमे बदलैत अछि।

५१०. **(C) प्रथम सर्गक बीजकेँ आगू बढ़ाब** — व्याख्या: दोसर सर्ग आरम्भिक संकेतकेँ कथा, भाव आ पात्र-विकासमे बदलैत अछि।

५११. **(C) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास** — व्याख्या: प्रथम आ द्वितीय सर्गक सम्बन्ध कथाक प्रवाहकेँ बोधगम्य बनबैत अछि।

५१२. **(B) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास** — व्याख्या: प्रथम आ द्वितीय सर्गक सम्बन्ध कथाक प्रवाहकेँ बोधगम्य बनबैत अछि।

५१३. **(C) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास** — व्याख्या: प्रथम आ द्वितीय सर्गक सम्बन्ध कथाक प्रवाहकेँ बोधगम्य बनबैत अछि।

५१४. **(A) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास** — व्याख्या: प्रथम आ द्वितीय सर्गक सम्बन्ध कथाक प्रवाहकेँ बोधगम्य बनबैत अछि।

५१५. **(A) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास** — व्याख्या: प्रथम आ द्वितीय सर्गक सम्बन्ध कथाक प्रवाहकेँ बोधगम्य बनबैत अछि।

५१६. **(C) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास** — व्याख्या: प्रथम आ द्वितीय सर्गक सम्बन्ध कथाक प्रवाहकेँ बोधगम्य बनबैत अछि।

५१७. **(A) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास** — व्याख्या: प्रथम आ द्वितीय सर्गक सम्बन्ध कथाक प्रवाहकेँ बोधगम्य बनबैत अछि।

५१८. **(A) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास** — व्याख्या: प्रथम आ द्वितीय सर्गक सम्बन्ध कथाक प्रवाहकेँ बोधगम्य बनबैत अछि।

५१९. **(B) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास** — व्याख्या: प्रथम आ द्वितीय सर्गक सम्बन्ध कथाक प्रवाहकेँ बोधगम्य बनबैत अछि।

५२०. **(D) पूर्व प्रसंगसँ जुड़ल विकास** — व्याख्या: प्रथम आ द्वितीय सर्गक सम्बन्ध कथाक प्रवाहकेँ बोधगम्य बनबैत अछि।

५२१. **(A) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण** — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे घटना-विस्तार पाठककेँ कथाक मुख्य तनाव दिस लऽ जाइत अछि।

५२२. **(B) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण** — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे घटना-विस्तार पाठककेँ कथाक मुख्य तनाव दिस लऽ जाइत अछि।

५२३. **(B) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण** — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे घटना-विस्तार पाठककेँ कथाक मुख्य तनाव दिस लऽ जाइत अछि।

५२४. **(A) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण** — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे घटना-विस्तार पाठककेँ कथाक मुख्य तनाव दिस लऽ जाइत अछि।

५२५. **(B) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण** — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे घटना-विस्तार पाठककेँ कथाक मुख्य तनाव दिस लऽ जाइत अछि।

५२६. **(A) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण** — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे घटना-विस्तार पाठककेँ कथाक मुख्य तनाव दिस लऽ जाइत अछि।

५२७. **(D) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण** — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे घटना-विस्तार पाठककेँ कथाक मुख्य तनाव दिस लऽ जाइत अछि।

५२८. **(B) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण** — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे घटना-विस्तार पाठककेँ कथाक मुख्य तनाव दिस लऽ जाइत अछि।

५२९. **(D) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण** — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे घटना-विस्तार पाठककेँ कथाक मुख्य तनाव दिस लऽ जाइत अछि।

५३०. **(A) कथा-गति आ परिस्थिति-निर्माण** — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे घटना-विस्तार पाठककेँ कथाक मुख्य तनाव दिस लऽ जाइत अछि।

५३१. **(C) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता** — व्याख्या: आगूक सर्गमे पात्रक भीतरी आ बाहरी रूप बेसी स्पष्ट होइत अछि।

५३२. **(B) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता** — व्याख्या: आगूक सर्गमे पात्रक भीतरी आ बाहरी रूप बेसी स्पष्ट होइत अछि।

५३३. **(D) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता** — व्याख्या: आगूक सर्गमे पात्रक भीतरी आ बाहरी रूप बेसी स्पष्ट होइत अछि।

५३४. (C) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता — व्याख्या: आगूक सर्गमे पात्रक भीतरी आ बाहरी रूप बेसी स्पष्ट होइत अछि।

५३५. (C) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता — व्याख्या: आगूक सर्गमे पात्रक भीतरी आ बाहरी रूप बेसी स्पष्ट होइत अछि।

५३६. (D) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता — व्याख्या: आगूक सर्गमे पात्रक भीतरी आ बाहरी रूप बेसी स्पष्ट होइत अछि।

५३७. (B) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता — व्याख्या: आगूक सर्गमे पात्रक भीतरी आ बाहरी रूप बेसी स्पष्ट होइत अछि।

५३८. (A) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता — व्याख्या: आगूक सर्गमे पात्रक भीतरी आ बाहरी रूप बेसी स्पष्ट होइत अछि।

५३९. (B) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता — व्याख्या: आगूक सर्गमे पात्रक भीतरी आ बाहरी रूप बेसी स्पष्ट होइत अछि।

५४०. (B) स्वभाव, निर्णय आ सम्बन्धक स्पष्टता — व्याख्या: आगूक सर्गमे पात्रक भीतरी आ बाहरी रूप बेसी स्पष्ट होइत अछि।

५४१. (C) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब — व्याख्या: संवाद प्रबन्धकाव्यकेँ नाटकीयता आ जीवन्तता दैत अछि।

५४२. (C) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब — व्याख्या: संवाद प्रबन्धकाव्यकेँ नाटकीयता आ जीवन्तता दैत अछि।

५४३. (A) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब — व्याख्या: संवाद प्रबन्धकाव्यकेँ नाटकीयता आ जीवन्तता दैत अछि।

५४४. (A) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब — व्याख्या: संवाद प्रबन्धकाव्यकेँ नाटकीयता आ जीवन्तता दैत अछि।

५४५. (D) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब — व्याख्या: संवाद प्रबन्धकाव्यकेँ नाटकीयता आ जीवन्तता दैत अछि।

५४६. (C) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब — व्याख्या: संवाद प्रबन्धकाव्यकेँ नाटकीयता आ जीवन्तता दैत अछि।

५४७. (A) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब — व्याख्या: संवाद प्रबन्धकाव्यकेँ नाटकीयता आ जीवन्तता दैत अछि।

५४८. (D) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब — व्याख्या: संवाद प्रबन्धकाव्यकेँ नाटकीयता आ जीवन्तता दैत अछि।

५४९. (C) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब — व्याख्या: संवाद प्रबन्धकाव्यकेँ नाटकीयता आ जीवन्तता दैत अछि।

५५०. (B) पात्र-भाव आ संघर्ष स्पष्ट करब — व्याख्या: संवाद प्रबन्धकाव्यकेँ नाटकीयता आ जीवन्तता दैत अछि।

५५१. (B) कथा-प्रवाहमे संतुलन — व्याख्या: द्वितीय सर्गक गति घटना आ वर्णनक संतुलनसँ बनैत अछि।

५५२. (B) कथा-प्रवाहमे संतुलन — व्याख्या: द्वितीय सर्गक गति घटना आ वर्णनक संतुलनसँ बनैत अछि।

५५३. (A) कथा-प्रवाहमे संतुलन — व्याख्या: द्वितीय सर्गक गति घटना आ वर्णनक संतुलनसँ बनैत अछि।

५५४. (C) कथा-प्रवाहमे संतुलन — व्याख्या: द्वितीय सर्गक गति घटना आ वर्णनक संतुलनसँ बनैत अछि।

५५५. (C) कथा-प्रवाहमे संतुलन — व्याख्या: द्वितीय सर्गक गति घटना आ वर्णनक संतुलनसँ बनैत अछि।

५५६. (A) कथा-प्रवाहमे संतुलन — व्याख्या: द्वितीय सर्गक गति घटना आ वर्णनक संतुलनसँ बनैत अछि।

५५७. (B) कथा-प्रवाहमे संतुलन — व्याख्या: द्वितीय सर्गक गति घटना आ वर्णनक संतुलनसँ बनैत अछि।

५५८. (A) कथा-प्रवाहमे संतुलन — व्याख्या: द्वितीय सर्गक गति घटना आ वर्णनक संतुलनसँ बनैत अछि।

५५९. (A) कथा-प्रवाहमे संतुलन — व्याख्या: द्वितीय सर्गक गति घटना आ वर्णनक संतुलनसँ बनैत अछि।

५६०. (A) कथा-प्रवाहमे संतुलन — व्याख्या: द्वितीय सर्गक गति घटना आ वर्णनक संतुलनसँ बनैत अछि।

५६१. (D) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे संघर्ष पात्रकेँ जाँचैत आ कथाकेँ अर्थ दैत अछि।

५६२. (C) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे संघर्ष पात्रकेँ जाँचैत आ कथाकेँ अर्थ दैत अछि।

५६३. (D) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे संघर्ष पात्रकेँ जाँचैत आ कथाकेँ अर्थ दैत अछि।

५६४. (B) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे संघर्ष पात्रकेँ जाँचैत आ कथाकेँ अर्थ दैत अछि।

५६५. (B) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे संघर्ष पात्रकेँ जाँचैत आ कथाकेँ अर्थ दैत अछि।

५६६. (D) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे संघर्ष पात्रकेँ जाँचैत आ कथाकेँ अर्थ दैत अछि।

५६७. (D) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे संघर्ष पात्रकेँ जाँचैत आ कथाकेँ अर्थ दैत अछि।

५६८. (A) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे संघर्ष पात्रकेँ जाँचैत आ कथाकेँ अर्थ दैत अछि।

५६९. (A) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे संघर्ष पात्रकेँ जाँचैत आ कथाकेँ अर्थ दैत अछि।

५७०. (D) बाहरी घटना आ भीतरी द्वन्द्वक विस्तार — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे संघर्ष पात्रकेँ जाँचैत आ कथाकेँ अर्थ दैत अछि।

५७१. (D) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे पाठक भावक गहराई आ पात्रक स्थिति बेसी नजदीकसँ देखैत अछि।

५७२. (A) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे पाठक भावक गहराई आ पात्रक स्थिति बेसी नजदीकसँ देखैत अछि।

५७३. (D) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे पाठक भावक गहराई आ पात्रक स्थिति बेसी नजदीकसँ देखैत अछि।

५७४. (B) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे पाठक भावक गहराई आ पात्रक स्थिति बेसी नजदीकसँ देखैत अछि।

५७५. (B) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे पाठक भावक गहराई आ पात्रक स्थिति बेसी नजदीकसँ देखैत अछि।

५७६. (B) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे पाठक भावक गहराई आ पात्रक स्थिति बेसी नजदीकसँ देखैत अछि।

५७७. (A) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे पाठक भावक गहराई आ पात्रक स्थिति बेसी नजदीकसँ देखैत अछि।

५७८. (A) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे पाठक भावक गहराई आ पात्रक स्थिति बेसी नजदीकसँ देखैत अछि।

५७९. (A) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे पाठक भावक गहराई आ पात्रक स्थिति बेसी नजदीकसँ देखैत अछि।

५८०. (D) प्रथम संकेतसँ अधिक अनुभूति-विस्तार — व्याख्या: द्वितीय सर्गमे पाठक भावक गहराई आ पात्रक स्थिति बेसी नजदीकसँ देखैत अछि।

५८१. (B) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब — व्याख्या: दोसर सर्ग पहिल भागकेँ विस्तार देलाक संग आगूक सम्भावना बनबैत अछि।

५८२. (B) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब — व्याख्या: दोसर सर्ग पहिल भागकेँ विस्तार देलाक संग आगूक सम्भावना बनबैत अछि।

५८३. (B) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब — व्याख्या: दोसर सर्ग पहिल भागकेँ विस्तार देलाक संग आगूक सम्भावना बनबैत अछि।

५८४. (C) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब — व्याख्या: दोसर सर्ग पहिल भागकेँ विस्तार देलाक संग आगूक सम्भावना बनबैत अछि।

५८५. (D) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब — व्याख्या: दोसर सर्ग पहिल भागकेँ विस्तार देलाक संग आगूक सम्भावना बनबैत अछि।

५८६. (C) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब — व्याख्या: दोसर सर्ग पहिल भागकेँ विस्तार देलाक संग आगूक सम्भावना बनबैत अछि।

५८७. (B) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब — व्याख्या: दोसर सर्ग पहिल भागकेँ विस्तार देलाक संग आगूक सम्भावना बनबैत अछि।

५८८. (C) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब — व्याख्या: दोसर सर्ग पहिल भागकेँ विस्तार देलाक संग आगूक सम्भावना बनबैत अछि।

५८९. (A) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब — व्याख्या: दोसर सर्ग पहिल भागकेँ विस्तार देलाक संग आगूक सम्भावना बनबैत अछि।

५९०. (B) आरम्भिक संसारसँ आगूक काव्य-योजना जोड़ब — व्याख्या: दोसर सर्ग पहिल भागकेँ विस्तार देलाक संग आगूक सम्भावना बनबैत अछि।

५९१. (B) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान — व्याख्या: द्वितीय सर्ग पर उत्तरमे कथा-प्रवाह आ भावात्मक विकासक विवेचन जरूरी अछि।

५९२. (C) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान — व्याख्या: द्वितीय सर्ग पर उत्तरमे कथा-प्रवाह आ भावात्मक विकासक विवेचन जरूरी अछि।

५९३. (D) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान — व्याख्या: द्वितीय सर्ग पर उत्तरमे कथा-प्रवाह आ भावात्मक विकासक विवेचन जरूरी अछि।

५९४. (C) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान — व्याख्या: द्वितीय सर्ग पर उत्तरमे कथा-प्रवाह आ भावात्मक विकासक विवेचन जरूरी अछि।

५९५. (D) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान — व्याख्या: द्वितीय सर्ग पर उत्तरमे कथा-प्रवाह आ भावात्मक विकासक विवेचन जरूरी अछि।

५९६. (D) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान — व्याख्या: द्वितीय सर्ग पर उत्तरमे कथा-प्रवाह आ भावात्मक विकासक विवेचन जरूरी अछि।

५९७. (C) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान — व्याख्या: द्वितीय सर्ग पर उत्तरमे कथा-प्रवाह आ भावात्मक विकासक विवेचन जरूरी अछि।

५९८. (C) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान — व्याख्या: द्वितीय सर्ग पर उत्तरमे कथा-प्रवाह आ भावात्मक विकासक विवेचन जरूरी अछि।

५९९. (C) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान — व्याख्या: द्वितीय सर्ग पर उत्तरमे कथा-प्रवाह आ भावात्मक विकासक विवेचन जरूरी अछि।

६००. (C) कथा-विकास, पात्र-संघर्ष आ भावगति पर ध्यान — व्याख्या: द्वितीय सर्ग पर उत्तरमे कथा-प्रवाह आ भावात्मक विकासक विवेचन जरूरी अछि।

६०१. (B) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि — व्याख्या: शीर्षक-पात्रकेँ स्त्री-गरिमा आ संवेदनात्मक शक्तिक आधार पर पढ़ल जा सकैत अछि।

६०२. (A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि — व्याख्या: शीर्षक-पात्रकेँ स्त्री-गरिमा आ संवेदनात्मक शक्तिक आधार पर पढ़ल जा सकैत अछि।

६०३. (A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि — व्याख्या: शीर्षक-पात्रकेँ स्त्री-गरिमा आ संवेदनात्मक शक्तिक आधार पर पढ़ल जा सकैत अछि।

६०४. (B) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि — व्याख्या: शीर्षक-पात्रकेँ स्त्री-गरिमा आ संवेदनात्मक शक्तिक आधार पर पढ़ल जा सकैत अछि।

६०५. (A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि — व्याख्या: शीर्षक-पात्रकेँ स्त्री-गरिमा आ संवेदनात्मक शक्तिक आधार पर पढ़ल जा सकैत अछि।

६०६. (B) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि — व्याख्या: शीर्षक-पात्रकेँ स्त्री-गरिमा आ संवेदनात्मक शक्तिक आधार पर पढ़ल जा सकैत अछि।

६०७. (A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि — व्याख्या: शीर्षक-पात्रकेँ स्त्री-गरिमा आ संवेदनात्मक शक्तिक आधार पर पढ़ल जा सकैत अछि।

६०८. (A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि — व्याख्या: शीर्षक-पात्रकेँ स्त्री-गरिमा आ संवेदनात्मक शक्तिक आधार पर पढ़ल जा सकैत अछि।

६०९. (A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि — व्याख्या: शीर्षक-पात्रकेँ स्त्री-गरिमा आ संवेदनात्मक शक्तिक आधार पर पढ़ल जा सकैत अछि।

६१०. (A) गरिमा, संवेदना आ आत्मबलक दृष्टि — व्याख्या: शीर्षक-पात्रकेँ स्त्री-गरिमा आ संवेदनात्मक शक्तिक आधार पर पढ़ल जा सकैत अछि।

६११. (B) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ शीर्षक स्त्री-पात्रक गरिमा, पीड़ा वा संकल्प पर ध्यान खींचैत अछि।

६१२. (B) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ शीर्षक स्त्री-पात्रक गरिमा, पीड़ा वा संकल्प पर ध्यान खींचैत अछि।

६१३. (D) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ शीर्षक स्त्री-पात्रक गरिमा, पीड़ा वा संकल्प पर ध्यान खींचैत अछि।

६१४. (C) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ शीर्षक स्त्री-पात्रक गरिमा, पीड़ा वा संकल्प पर ध्यान खींचैत अछि।

६१५. (A) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ शीर्षक स्त्री-पात्रक गरिमा, पीड़ा वा संकल्प पर ध्यान खींचैत अछि।

६१६. (C) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ शीर्षक स्त्री-पात्रक गरिमा, पीड़ा वा संकल्प पर ध्यान खींचैत अछि।

६१७. (C) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ शीर्षक स्त्री-पात्रक गरिमा, पीड़ा वा संकल्प पर ध्यान खींचैत अछि।

६१८. (C) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ शीर्षक स्त्री-पात्रक गरिमा, पीड़ा वा संकल्प पर ध्यान खींचैत अछि।

६१९. (B) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ शीर्षक स्त्री-पात्रक गरिमा, पीड़ा वा संकल्प पर ध्यान खींचैत अछि।

६२०. (A) स्त्री-अनुभव आ सामाजिक मर्यादाक विवेचन — व्याख्या: दत्त-वती जकाँ शीर्षक स्त्री-पात्रक गरिमा, पीड़ा वा संकल्प पर ध्यान खींचैत अछि।

६२१. (C) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध — व्याख्या: काव्यमे व्यक्ति आ समाजक सम्बन्ध कथ्यकेँ अर्थपूर्ण बनबैत अछि।

६२२. (A) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध — व्याख्या: काव्यमे व्यक्ति आ समाजक सम्बन्ध कथ्यकेँ अर्थपूर्ण बनबैत अछि।

६२३. (A) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध — व्याख्या: काव्यमे व्यक्ति आ समाजक सम्बन्ध कथ्यकेँ अर्थपूर्ण बनबैत अछि।

६२४. (D) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध — व्याख्या: काव्यमे व्यक्ति आ समाजक सम्बन्ध कथ्यकेँ अर्थपूर्ण बनबैत अछि।

६२५. (D) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध — व्याख्या: काव्यमे व्यक्ति आ समाजक सम्बन्ध कथ्यकेँ अर्थपूर्ण बनबैत अछि।

६२६. (D) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध — व्याख्या: काव्यमे व्यक्ति आ समाजक सम्बन्ध कथ्यकेँ अर्थपूर्ण बनबैत अछि।

६२७. (B) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध — व्याख्या: काव्यमे व्यक्ति आ समाजक सम्बन्ध कथ्यकेँ अर्थपूर्ण बनबैत अछि।

६२८. (B) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध — व्याख्या: काव्यमे व्यक्ति आ समाजक सम्बन्ध कथ्यकेँ अर्थपूर्ण बनबैत अछि।

६२९. (B) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध — व्याख्या: काव्यमे व्यक्ति आ समाजक सम्बन्ध कथ्यकेँ अर्थपूर्ण बनबैत अछि।

६३०. (A) पात्रक निर्णय आ समाजक अपेक्षा बीच सम्बन्ध — व्याख्या: काव्यमे व्यक्ति आ समाजक सम्बन्ध कथ्यकेँ अर्थपूर्ण बनबैत अछि।

६३१. (D) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गमे संस्कार आ सम्बन्ध पात्रक व्यवहार बुझबाक आधार बनि सकैत अछि।

६३२. (B) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गमे संस्कार आ सम्बन्ध पात्रक व्यवहार बुझबाक आधार बनि सकैत अछि।

६३३. (B) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गमे संस्कार आ सम्बन्ध पात्रक व्यवहार बुझबाक आधार बनि सकैत अछि।

६३४. (D) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गमे संस्कार आ सम्बन्ध पात्रक व्यवहार बुझबाक आधार बनि सकैत अछि।

६३५. (C) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गमे संस्कार आ सम्बन्ध पात्रक व्यवहार बुझबाक आधार बनि सकैत अछि।

६३६. (D) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गमे संस्कार आ सम्बन्ध पात्रक व्यवहार बुझबाक आधार बनि सकैत अछि।

६३७. (A) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गमे संस्कार आ सम्बन्ध पात्रक व्यवहार बुझबाक आधार बनि सकैत अछि।

६३८. (D) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गमे संस्कार आ सम्बन्ध पात्रक व्यवहार बुझबाक आधार बनि सकैत अछि।

६३९. (B) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गमे संस्कार आ सम्बन्ध पात्रक व्यवहार बुझबाक आधार बनि सकैत अछि।

६४०. (B) मानवीय सम्बन्धक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — व्याख्या: प्रथम-द्वितीय सर्गमे संस्कार आ सम्बन्ध पात्रक व्यवहार बुझबाक आधार बनि सकैत अछि।

६४१. (D) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण — व्याख्या: चरित्रक गहराई ओकर आन्तरिक संघर्ष आ आत्म-संवादसँ बनैत अछि।

६४२. **(C) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण** — व्याख्या: चरित्रक गहराई ओकर आन्तरिक संघर्ष आ आत्म-संवादसँ बनैत अछि।

६४३. **(C) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण** — व्याख्या: चरित्रक गहराई ओकर आन्तरिक संघर्ष आ आत्म-संवादसँ बनैत अछि।

६४४. **(D) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण** — व्याख्या: चरित्रक गहराई ओकर आन्तरिक संघर्ष आ आत्म-संवादसँ बनैत अछि।

६४५. **(B) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण** — व्याख्या: चरित्रक गहराई ओकर आन्तरिक संघर्ष आ आत्म-संवादसँ बनैत अछि।

६४६. **(A) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण** — व्याख्या: चरित्रक गहराई ओकर आन्तरिक संघर्ष आ आत्म-संवादसँ बनैत अछि।

६४७. **(B) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण** — व्याख्या: चरित्रक गहराई ओकर आन्तरिक संघर्ष आ आत्म-संवादसँ बनैत अछि।

६४८. **(A) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण** — व्याख्या: चरित्रक गहराई ओकर आन्तरिक संघर्ष आ आत्म-संवादसँ बनैत अछि।

६४९. **(B) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण** — व्याख्या: चरित्रक गहराई ओकर आन्तरिक संघर्ष आ आत्म-संवादसँ बनैत अछि।

६५०. **(D) मनक संघर्ष आ निर्णयक क्षण** — व्याख्या: चरित्रक गहराई ओकर आन्तरिक संघर्ष आ आत्म-संवादसँ बनैत अछि।

६५१. **(B) मूल्यक प्रति निष्ठा** — व्याख्या: महाकाव्यात्मक पात्र प्राय: निजी भाव आ सामाजिक कर्तव्य बीच संतुलन खोजैत अछि।

६५२. **(D) मूल्यक प्रति निष्ठा** — व्याख्या: महाकाव्यात्मक पात्र प्राय: निजी भाव आ सामाजिक कर्तव्य बीच संतुलन खोजैत अछि।

६५३. **(A) मूल्यक प्रति निष्ठा** — व्याख्या: महाकाव्यात्मक पात्र प्राय: निजी भाव आ सामाजिक कर्तव्य बीच संतुलन खोजैत अछि।

६५४. **(B) मूल्यक प्रति निष्ठा** — व्याख्या: महाकाव्यात्मक पात्र प्राय: निजी भाव आ सामाजिक कर्तव्य बीच संतुलन खोजैत अछि।

६५५. **(A) मूल्यक प्रति निष्ठा** — व्याख्या: महाकाव्यात्मक पात्र प्राय: निजी भाव आ सामाजिक कर्तव्य बीच संतुलन खोजैत अछि।

६५६. **(C) मूल्यक प्रति निष्ठा** — व्याख्या: महाकाव्यात्मक पात्र प्राय: निजी भाव आ सामाजिक कर्तव्य बीच संतुलन खोजैत अछि।

६५७. **(D) मूल्यक प्रति निष्ठा** — व्याख्या: महाकाव्यात्मक पात्र प्राय: निजी भाव आ सामाजिक कर्तव्य बीच संतुलन खोजैत अछि।

६५८. **(A) मूल्यक प्रति निष्ठा** — व्याख्या: महाकाव्यात्मक पात्र प्राय: निजी भाव आ सामाजिक कर्तव्य बीच संतुलन खोजैत अछि।

६५९. **(D) मूल्यक प्रति निष्ठा** — व्याख्या: महाकाव्यात्मक पात्र प्राय: निजी भाव आ सामाजिक कर्तव्य बीच संतुलन खोजैत अछि।

६६०. **(C) मूल्यक प्रति निष्ठा** — व्याख्या: महाकाव्यात्मक पात्र प्राय: निजी भाव आ सामाजिक कर्तव्य बीच संतुलन खोजैत अछि।

६६१. **(D) चरित्रक आन्तरिक गरिमा** — व्याख्या: नारी-पात्रक स्वाभिमान काव्यक नैतिक शक्ति बढ़बैत अछि।

६६२. **(B) चरित्रक आन्तरिक गरिमा** — व्याख्या: नारी-पात्रक स्वाभिमान काव्यक नैतिक शक्ति बढ़बैत अछि।

६६३. **(D) चरित्रक आन्तरिक गरिमा** — व्याख्या: नारी-पात्रक स्वाभिमान काव्यक नैतिक शक्ति बढ़बैत अछि।

६६४. **(B) चरित्रक आन्तरिक गरिमा** — व्याख्या: नारी-पात्रक स्वाभिमान काव्यक नैतिक शक्ति बढ़बैत अछि।

६६५. **(A) चरित्रक आन्तरिक गरिमा** — व्याख्या: नारी-पात्रक स्वाभिमान काव्यक नैतिक शक्ति बढ़बैत अछि।

६६६. **(A) चरित्रक आन्तरिक गरिमा** — व्याख्या: नारी-पात्रक स्वाभिमान काव्यक नैतिक शक्ति बढ़बैत अछि।

६६७. **(B) चरित्रक आन्तरिक गरिमा** — व्याख्या: नारी-पात्रक स्वाभिमान काव्यक नैतिक शक्ति बढ़बैत अछि।

६६८. **(D) चरित्रक आन्तरिक गरिमा** — व्याख्या: नारी-पात्रक स्वाभिमान काव्यक नैतिक शक्ति बढ़बैत अछि।

६६९. **(B) चरित्रक आन्तरिक गरिमा** — व्याख्या: नारी-पात्रक स्वाभिमान काव्यक नैतिक शक्ति बढ़बैत अछि।

६७०. **(D) चरित्रक आन्तरिक गरिमा** — व्याख्या: नारी-पात्रक स्वाभिमान काव्यक नैतिक शक्ति बढ़बैत अछि।

६७१. **(B) समाजक जीवित रीति आ मान्यता** — व्याख्या: मिथिला-आधारित काव्य-पठनमे लोकसंस्कार आ सामाजिक रीतिक समझ महत्त्वपूर्ण अछि।

६७२. **(C) समाजक जीवित रीति आ मान्यता** — व्याख्या: मिथिला-आधारित काव्य-पठनमे लोकसंस्कार आ सामाजिक रीतिक समझ महत्त्वपूर्ण अछि।

६७३. **(D) समाजक जीवित रीति आ मान्यता** — व्याख्या: मिथिला-आधारित काव्य-पठनमे लोकसंस्कार आ सामाजिक रीतिक समझ महत्त्वपूर्ण अछि।

६७४. **(A) समाजक जीवित रीति आ मान्यता** — व्याख्या: मिथिला-आधारित काव्य-पठनमे लोकसंस्कार आ सामाजिक रीतिक समझ महत्त्वपूर्ण अछि।

६७५. **(A) समाजक जीवित रीति आ मान्यता** — व्याख्या: मिथिला-आधारित काव्य-पठनमे लोकसंस्कार आ सामाजिक रीतिक समझ महत्त्वपूर्ण अछि।

६७६. **(A) समाजक जीवित रीति आ मान्यता** — व्याख्या: मिथिला-आधारित काव्य-पठनमे लोकसंस्कार आ सामाजिक रीतिक समझ महत्त्वपूर्ण अछि।

६७७. **(A) समाजक जीवित रीति आ मान्यता** — व्याख्या: मिथिला-आधारित काव्य-पठनमे लोकसंस्कार आ सामाजिक रीतिक समझ महत्त्वपूर्ण अछि।

६७८. (C) समाजक जीवित रीति आ मान्यता — व्याख्या: मिथिला-आधारित काव्य-पठनमे लोकसंस्कार आ सामाजिक रीतिक समझ महत्त्वपूर्ण अछि।

६७९. (D) समाजक जीवित रीति आ मान्यता — व्याख्या: मिथिला-आधारित काव्य-पठनमे लोकसंस्कार आ सामाजिक रीतिक समझ महत्त्वपूर्ण अछि।

६८०. (D) समाजक जीवित रीति आ मान्यता — व्याख्या: मिथिला-आधारित काव्य-पठनमे लोकसंस्कार आ सामाजिक रीतिक समझ महत्त्वपूर्ण अछि।

६८१. (D) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता — व्याख्या: कथात्मक काव्यमे सम्बन्ध पात्रक असली परीक्षा बनैत अछि।

६८२. (A) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता — व्याख्या: कथात्मक काव्यमे सम्बन्ध पात्रक असली परीक्षा बनैत अछि।

६८३. (A) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता — व्याख्या: कथात्मक काव्यमे सम्बन्ध पात्रक असली परीक्षा बनैत अछि।

६८४. (A) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता — व्याख्या: कथात्मक काव्यमे सम्बन्ध पात्रक असली परीक्षा बनैत अछि।

६८५. (A) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता — व्याख्या: कथात्मक काव्यमे सम्बन्ध पात्रक असली परीक्षा बनैत अछि।

६८६. (C) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता — व्याख्या: कथात्मक काव्यमे सम्बन्ध पात्रक असली परीक्षा बनैत अछि।

६८७. (C) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता — व्याख्या: कथात्मक काव्यमे सम्बन्ध पात्रक असली परीक्षा बनैत अछि।

६८८. (B) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता — व्याख्या: कथात्मक काव्यमे सम्बन्ध पात्रक असली परीक्षा बनैत अछि।

६८९. (A) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता — व्याख्या: कथात्मक काव्यमे सम्बन्ध पात्रक असली परीक्षा बनैत अछि।

६९०. (C) संवाद, व्यवहार आ भावना द्वारा निर्मित नाता — व्याख्या: कथात्मक काव्यमे सम्बन्ध पात्रक असली परीक्षा बनैत अछि।

६९१. (A) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गसभ समाज आ व्यक्ति दुनूक अर्थ उभारि सकैत अछि।

६९२. (A) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गसभ समाज आ व्यक्ति दुनूक अर्थ उभारि सकैत अछि।

६९३. (B) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गसभ समाज आ व्यक्ति दुनूक अर्थ उभारि सकैत अछि।

६९४. (B) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गसभ समाज आ व्यक्ति दुनूक अर्थ उभारि सकैत अछि।

६९५. (A) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गसभ समाज आ व्यक्ति दुनूक अर्थ उभारि सकैत अछि।

६९६. (B) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गसभ समाज आ व्यक्ति दुनूक अर्थ उभारि सकैत अछि।

६९७. (D) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गसभ समाज आ व्यक्ति दुनूक अर्थ उभारि सकैत अछि।

६९८. (B) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गसभ समाज आ व्यक्ति दुनूक अर्थ उभारि सकैत अछि।

६९९. (D) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गसभ समाज आ व्यक्ति दुनूक अर्थ उभारि सकैत अछि।

७००. (C) चरित्र, मर्यादा, संस्कार आ संघर्षक संयुक्त विवेचन — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गसभ समाज आ व्यक्ति दुनूक अर्थ उभारि सकैत अछि।

७०१. (B) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा — व्याख्या: दत्त-वतीक अध्ययनमे भाषा-सौन्दर्य आ मैथिली अभिव्यक्ति पर ध्यान आवश्यक अछि।

७०२. (A) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा — व्याख्या: दत्त-वतीक अध्ययनमे भाषा-सौन्दर्य आ मैथिली अभिव्यक्ति पर ध्यान आवश्यक अछि।

७०३. (B) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा — व्याख्या: दत्त-वतीक अध्ययनमे भाषा-सौन्दर्य आ मैथिली अभिव्यक्ति पर ध्यान आवश्यक अछि।

७०४. (D) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा — व्याख्या: दत्त-वतीक अध्ययनमे भाषा-सौन्दर्य आ मैथिली अभिव्यक्ति पर ध्यान आवश्यक अछि।

७०५. (A) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा — व्याख्या: दत्त-वतीक अध्ययनमे भाषा-सौन्दर्य आ मैथिली अभिव्यक्ति पर ध्यान आवश्यक अछि।

७०६. (A) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा — व्याख्या: दत्त-वतीक अध्ययनमे भाषा-सौन्दर्य आ मैथिली अभिव्यक्ति पर ध्यान आवश्यक अछि।

७०७. (D) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा — व्याख्या: दत्त-वतीक अध्ययनमे भाषा-सौन्दर्य आ मैथिली अभिव्यक्ति पर ध्यान आवश्यक अछि।

७०८. (C) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा — व्याख्या: दत्त-वतीक अध्ययनमे भाषा-सौन्दर्य आ मैथिली अभिव्यक्ति पर ध्यान आवश्यक अछि।

७०९. (D) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा — व्याख्या: दत्त-वतीक अध्ययनमे भाषा-सौन्दर्य आ मैथिली अभिव्यक्ति पर ध्यान आवश्यक अछि।

७१०. (A) गम्भीर, लयात्मक आ मैथिली-संस्कारयुक्त भाषा — व्याख्या: दत्त-वतीक अध्ययनमे भाषा-सौन्दर्य आ मैथिली अभिव्यक्ति पर ध्यान आवश्यक अछि।

७११. (A) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता — व्याख्या: सुमनक काव्य-संस्कारमे संस्कृत-प्रभाव भाषाक गरिमा बढ़ा सकैत अछि।

७१२. (B) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता — व्याख्या: सुमनक काव्य-संस्कारमे संस्कृत-प्रभाव भाषाक गरिमा बढ़ा सकैत अछि।

७१३. (A) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता — व्याख्या: सुमनक काव्य-संस्कारमे संस्कृत-प्रभाव भाषाक गरिमा बढ़ा सकैत अछि।

७१४. (C) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता — व्याख्या: सुमनक काव्य-संस्कारमे संस्कृत-प्रभाव भाषाक गरिमा बढ़ा सकैत अछि।

७१५. (A) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता — व्याख्या: सुमनक काव्य-संस्कारमे संस्कृत-प्रभाव भाषाक गरिमा बढ़ा सकैत अछि।

७१६. (D) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता — व्याख्या: सुमनक काव्य-संस्कारमे संस्कृत-प्रभाव भाषाक गरिमा बढ़ा सकैत अछि।

७१७. (A) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता — व्याख्या: सुमनक काव्य-संस्कारमे संस्कृत-प्रभाव भाषाक गरिमा बढ़ा सकैत अछि।

७१८. (C) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता — व्याख्या: सुमनक काव्य-संस्कारमे संस्कृत-प्रभाव भाषाक गरिमा बढ़ा सकैत अछि।

७१९. (A) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता — व्याख्या: सुमनक काव्य-संस्कारमे संस्कृत-प्रभाव भाषाक गरिमा बढ़ा सकैत अछि।

७२०. (D) शास्त्रीय गम्भीरता आ अर्थ-सूक्ष्मता — व्याख्या: सुमनक काव्य-संस्कारमे संस्कृत-प्रभाव भाषाक गरिमा बढ़ा सकैत अछि।

७२१. (A) लोक-जीवन आ सहजता — व्याख्या: मैथिली काव्यक शक्ति शास्त्रीयता आ लोक-भाषिक सहजता दुनूमे रहैत अछि।

७२२. (A) लोक-जीवन आ सहजता — व्याख्या: मैथिली काव्यक शक्ति शास्त्रीयता आ लोक-भाषिक सहजता दुनूमे रहैत अछि।

७२३. (A) लोक-जीवन आ सहजता — व्याख्या: मैथिली काव्यक शक्ति शास्त्रीयता आ लोक-भाषिक सहजता दुनूमे रहैत अछि।

७२४. (C) लोक-जीवन आ सहजता — व्याख्या: मैथिली काव्यक शक्ति शास्त्रीयता आ लोक-भाषिक सहजता दुनूमे रहैत अछि।

७२५. (A) लोक-जीवन आ सहजता — व्याख्या: मैथिली काव्यक शक्ति शास्त्रीयता आ लोक-भाषिक सहजता दुनूमे रहैत अछि।

७२६. (D) लोक-जीवन आ सहजता — व्याख्या: मैथिली काव्यक शक्ति शास्त्रीयता आ लोक-भाषिक सहजता दुनूमे रहैत अछि।

७२७. (C) लोक-जीवन आ सहजता — व्याख्या: मैथिली काव्यक शक्ति शास्त्रीयता आ लोक-भाषिक सहजता दुनूमे रहैत अछि।

७२८. (A) लोक-जीवन आ सहजता — व्याख्या: मैथिली काव्यक शक्ति शास्त्रीयता आ लोक-भाषिक सहजता दुनूमे रहैत अछि।

७२९. (A) लोक-जीवन आ सहजता — व्याख्या: मैथिली काव्यक शक्ति शास्त्रीयता आ लोक-भाषिक सहजता दुनूमे रहैत अछि।

७३०. (A) लोक-जीवन आ सहजता — व्याख्या: मैथिली काव्यक शक्ति शास्त्रीयता आ लोक-भाषिक सहजता दुनूमे रहैत अछि।

७३१. (A) लय, गति आ भावक अनुशासन — व्याख्या: छन्दबद्ध रचनामे मात्रिक वा वर्णिक अनुशासन भावक प्रवाहकेँ सँभालैत अछि।

७३२. (A) लय, गति आ भावक अनुशासन — व्याख्या: छन्दबद्ध रचनामे मात्रिक वा वर्णिक अनुशासन भावक प्रवाहकेँ सँभालैत अछि।

७३३. (B) लय, गति आ भावक अनुशासन — व्याख्या: छन्दबद्ध रचनामे मात्रिक वा वर्णिक अनुशासन भावक प्रवाहकेँ सँभालैत अछि।

७३४. (A) लय, गति आ भावक अनुशासन — व्याख्या: छन्दबद्ध रचनामे मात्रिक वा वर्णिक अनुशासन भावक प्रवाहकेँ सँभालैत अछि।

७३५. (A) लय, गति आ भावक अनुशासन — व्याख्या: छन्दबद्ध रचनामे मात्रिक वा वर्णिक अनुशासन भावक प्रवाहकेँ सँभालैत अछि।

७३६. (C) लय, गति आ भावक अनुशासन — व्याख्या: छन्दबद्ध रचनामे मात्रिक वा वर्णिक अनुशासन भावक प्रवाहकेँ सँभालैत अछि।

७३७. (C) लय, गति आ भावक अनुशासन — व्याख्या: छन्दबद्ध रचनामे मात्रिक वा वर्णिक अनुशासन भावक प्रवाहकेँ सँभालैत अछि।

७३८. (A) लय, गति आ भावक अनुशासन — व्याख्या: छन्दबद्ध रचनामे मात्रिक वा वर्णिक अनुशासन भावक प्रवाहकेँ सँभालैत अछि।

७३९. (A) लय, गति आ भावक अनुशासन — व्याख्या: छन्दबद्ध रचनामे मात्रिक वा वर्णिक अनुशासन भावक प्रवाहकेँ सँभालैत अछि।

७४०. (D) लय, गति आ भावक अनुशासन — व्याख्या: छन्दबद्ध रचनामे मात्रिक वा वर्णिक अनुशासन भावक प्रवाहकेँ सँभालैत अछि।

७४१. (D) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार — व्याख्या: एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्ति काव्यक श्रवण-माधुर्य बढ़बैत अछि।

७४२. (A) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार — व्याख्या: एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्ति काव्यक श्रवण-माधुर्य बढ़बैत अछि।

७४३. (B) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार — व्याख्या: एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्ति काव्यक श्रवण-माधुर्य बढ़बैत अछि।

७४४. (A) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार — व्याख्या: एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्ति काव्यक श्रवण-माधुर्य बढ़बैत अछि।

७४५. (D) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार — व्याख्या: एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्ति काव्यक श्रवण-माधुर्य बढ़बैत अछि।

७४६. (C) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार — व्याख्या: एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्ति काव्यक श्रवण-माधुर्य बढ़बैत अछि।

७४७. (C) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार — व्याख्या: एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्ति काव्यक श्रवण-माधुर्य बढ़बैत अछि।

७४८. (C) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार — व्याख्या: एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्ति काव्यक श्रवण-माधुर्य बढ़बैत अछि।

७४९. (A) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार — व्याख्या: एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्ति काव्यक श्रवण-माधुर्य बढ़बैत अछि।

७५०. (B) ध्वनि-सौन्दर्यक अलंकार — व्याख्या: एकरूप ध्वनि-पुनरावृत्ति काव्यक श्रवण-माधुर्य बढ़बैत अछि।

७५१. (C) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब — व्याख्या: उपमा पाठककेँ भाव वा दृश्य सहज रूपेँ बुझबामे सहायक होइत अछि।

७५२. (A) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब — व्याख्या: उपमा पाठककेँ भाव वा दृश्य सहज रूपेँ बुझबामे सहायक होइत अछि।

७५३. (C) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब — व्याख्या: उपमा पाठककेँ भाव वा दृश्य सहज रूपेँ बुझबामे सहायक होइत अछि।

७५४. (B) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब — व्याख्या: उपमा पाठककेँ भाव वा दृश्य सहज रूपेँ बुझबामे सहायक होइत अछि।

७५५. (D) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब — व्याख्या: उपमा पाठककेँ भाव वा दृश्य सहज रूपेँ बुझबामे सहायक होइत अछि।

७५६. (B) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब — व्याख्या: उपमा पाठककेँ भाव वा दृश्य सहज रूपेँ बुझबामे सहायक होइत अछि।

७५७. (A) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब — व्याख्या: उपमा पाठककेँ भाव वा दृश्य सहज रूपेँ बुझबामे सहायक होइत अछि।

७५८. (B) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब — व्याख्या: उपमा पाठककेँ भाव वा दृश्य सहज रूपेँ बुझबामे सहायक होइत अछि।

७५९. (D) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब — व्याख्या: उपमा पाठककेँ भाव वा दृश्य सहज रूपेँ बुझबामे सहायक होइत अछि।

७६०. (C) एक वस्तुकेँ दोसर सँ तुलना करब — व्याख्या: उपमा पाठककेँ भाव वा दृश्य सहज रूपेँ बुझबामे सहायक होइत अछि।

७६१. (C) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता — व्याख्या: रूपक काव्यक अर्थ-घनत्व आ सौन्दर्य बढ़बैत अछि।

७६२. (D) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता — व्याख्या: रूपक काव्यक अर्थ-घनत्व आ सौन्दर्य बढ़बैत अछि।

७६३. (D) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता — व्याख्या: रूपक काव्यक अर्थ-घनत्व आ सौन्दर्य बढ़बैत अछि।

७६४. (D) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता — व्याख्या: रूपक काव्यक अर्थ-घनत्व आ सौन्दर्य बढ़बैत अछि।

७६५. (B) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता — व्याख्या: रूपक काव्यक अर्थ-घनत्व आ सौन्दर्य बढ़बैत अछि।

७६६. (A) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता — व्याख्या: रूपक काव्यक अर्थ-घनत्व आ सौन्दर्य बढ़बैत अछि।

७६७. (D) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता — व्याख्या: रूपक काव्यक अर्थ-घनत्व आ सौन्दर्य बढ़बैत अछि।

७६८. (A) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता — व्याख्या: रूपक काव्यक अर्थ-घनत्व आ सौन्दर्य बढ़बैत अछि।

७६९. (C) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता — व्याख्या: रूपक काव्यक अर्थ-घनत्व आ सौन्दर्य बढ़बैत अछि।

७७०. (D) उपमेय-उपमानक गाढ़ एकात्मता — व्याख्या: रूपक काव्यक अर्थ-घनत्व आ सौन्दर्य बढ़बैत अछि।

७७१. (D) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन — व्याख्या: दत्त-वती पढ़ैत समय वर्णन कतेक कथाकेँ आगू बढ़बैत अछि, ई देखब जरूरी अछि।

७७२. (D) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन — व्याख्या: दत्त-वती पढ़ैत समय वर्णन कतेक कथाकेँ आगू बढ़बैत अछि, ई देखब जरूरी अछि।

७७३. (C) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन — व्याख्या: दत्त-वती पढ़ैत समय वर्णन कतेक कथाकेँ आगू बढ़बैत अछि, ई देखब जरूरी अछि।

७७४. (C) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन — व्याख्या: दत्त-वती पढ़ैत समय वर्णन कतेक कथाकेँ आगू बढ़बैत अछि, ई देखब जरूरी अछि।

७७५. (B) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन — व्याख्या: दत्त-वती पढ़ैत समय वर्णन कतेक कथाकेँ आगू बढ़बैत अछि, ई देखब जरूरी अछि।

७७६. (C) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन — व्याख्या: दत्त-वती पढ़ैत समय वर्णन कतेक कथाकेँ आगू बढ़बैत अछि, ई देखब जरूरी अछि।

७७७. (A) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन — व्याख्या: दत्त-वती पढ़ैत समय वर्णन कतेक कथाकेँ आगू बढ़बैत अछि, ई देखब जरूरी अछि।

७७८. (B) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन — व्याख्या: दत्त-वती पढ़ैत समय वर्णन कतेक कथाकेँ आगू बढ़बैत अछि, ई देखब जरूरी अछि।

७७९. (B) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन — व्याख्या: दत्त-वती पढ़ैत समय वर्णन कतेक कथाकेँ आगू बढ़बैत अछि, ई देखब जरूरी अछि।

७८०. (C) चित्रात्मक, भावात्मक आ कथात्मक संतुलन — व्याख्या: दत्त-वती पढ़ैत समय वर्णन कतेक कथाकेँ आगू बढ़बैत अछि, ई देखब जरूरी अछि।

७८१. (C) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक संस्कारमे संस्कृतक प्रभाव मैथिली अभिव्यक्तिसँ मिलि कऽ अबैत अछि।

७८२. (B) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक संस्कारमे संस्कृतक प्रभाव मैथिली अभिव्यक्तिसँ मिलि कऽ अबैत अछि।

७८३. (A) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक संस्कारमे संस्कृतक प्रभाव मैथिली अभिव्यक्तिसँ मिलि कऽ अबैत अछि।

७८४. (B) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक संस्कारमे संस्कृतक प्रभाव मैथिली अभिव्यक्तिसँ मिलि कऽ अबैत अछि।

७८५. (A) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक संस्कारमे संस्कृतक प्रभाव मैथिली अभिव्यक्तिसँ मिलि कऽ अबैत अछि।

७८६. (A) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक संस्कारमे संस्कृतक प्रभाव मैथिली अभिव्यक्तिसँ मिलि कऽ अबैत अछि।

७८७. (D) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक संस्कारमे संस्कृतक प्रभाव मैथिली अभिव्यक्तिसँ मिलि कऽ अबैत अछि।

७८८. (B) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक संस्कारमे संस्कृतक प्रभाव मैथिली अभिव्यक्तिसँ मिलि कऽ अबैत अछि।

७८९. (D) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक संस्कारमे संस्कृतक प्रभाव मैथिली अभिव्यक्तिसँ मिलि कऽ अबैत अछि।

७९०. (A) शब्द, छन्द, अलंकार आ काव्य-दृष्टि पर असर — व्याख्या: सुमनक साहित्यिक संस्कारमे संस्कृतक प्रभाव मैथिली अभिव्यक्तिसँ मिलि कऽ अबैत अछि।

७९१. (D) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब — व्याख्या: भाषा-शैली पर उत्तरमे ठोस साहित्यिक बिन्दु आ पाठ-संकेत जरूरी अछि।

७९२. (B) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब — व्याख्या: भाषा-शैली पर उत्तरमे ठोस साहित्यिक बिन्दु आ पाठ-संकेत जरूरी अछि।

७९३. (B) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब — व्याख्या: भाषा-शैली पर उत्तरमे ठोस साहित्यिक बिन्दु आ पाठ-संकेत जरूरी अछि।

७९४. (D) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब — व्याख्या: भाषा-शैली पर उत्तरमे ठोस साहित्यिक बिन्दु आ पाठ-संकेत जरूरी अछि।

७९५. (A) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब — व्याख्या: भाषा-शैली पर उत्तरमे ठोस साहित्यिक बिन्दु आ पाठ-संकेत जरूरी अछि।

७९६. (D) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब — व्याख्या: भाषा-शैली पर उत्तरमे ठोस साहित्यिक बिन्दु आ पाठ-संकेत जरूरी अछि।

७९७. (A) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब — व्याख्या: भाषा-शैली पर उत्तरमे ठोस साहित्यिक बिन्दु आ पाठ-संकेत जरूरी अछि।

७९८. (D) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब — व्याख्या: भाषा-शैली पर उत्तरमे ठोस साहित्यिक बिन्दु आ पाठ-संकेत जरूरी अछि।

७९९. (D) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब — व्याख्या: भाषा-शैली पर उत्तरमे ठोस साहित्यिक बिन्दु आ पाठ-संकेत जरूरी अछि।

८००. (D) उदाहरणसहित लय, शब्द, अलंकार आ भाव बताब — व्याख्या: भाषा-शैली पर उत्तरमे ठोस साहित्यिक बिन्दु आ पाठ-संकेत जरूरी अछि।

८०१. (C) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल — व्याख्या: काव्यक सांस्कृतिक अर्थ मिथिला समाजक स्मृति आ मूल्यसँ जुड़ि सकैत अछि।

८०२. (C) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल — व्याख्या: काव्यक सांस्कृतिक अर्थ मिथिला समाजक स्मृति आ मूल्यसँ जुड़ि सकैत अछि।

८०३. (D) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल — व्याख्या: काव्यक सांस्कृतिक अर्थ मिथिला समाजक स्मृति आ मूल्यसँ जुड़ि सकैत अछि।

८०४. (D) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल — व्याख्या: काव्यक सांस्कृतिक अर्थ मिथिला समाजक स्मृति आ मूल्यसँ जुड़ि सकैत अछि।

८०५. (B) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल — व्याख्या: काव्यक सांस्कृतिक अर्थ मिथिला समाजक स्मृति आ मूल्यसँ जुड़ि सकैत अछि।

८०६. (A) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल — व्याख्या: काव्यक सांस्कृतिक अर्थ मिथिला समाजक स्मृति आ मूल्यसँ जुड़ि सकैत अछि।

८०७. (D) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल — व्याख्या: काव्यक सांस्कृतिक अर्थ मिथिला समाजक स्मृति आ मूल्यसँ जुड़ि सकैत अछि।

८०८. (B) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल — व्याख्या: काव्यक सांस्कृतिक अर्थ मिथिला समाजक स्मृति आ मूल्यसँ जुड़ि सकैत अछि।

८०९. (D) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल — व्याख्या: काव्यक सांस्कृतिक अर्थ मिथिला समाजक स्मृति आ मूल्यसँ जुड़ि सकैत अछि।

८१०. (C) जीवन-मूल्य, भाषा आ लोक-स्मृतिक धरातल — व्याख्या: काव्यक सांस्कृतिक अर्थ मिथिला समाजक स्मृति आ मूल्यसँ जुड़ि सकैत अछि।

८११. (B) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध — व्याख्या: काव्यक धार्मिक चेतना आस्था आ नैतिकता दुनू रूपमे देखल जा सकैत अछि।

८१२. (C) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध — व्याख्या: काव्यक धार्मिक चेतना आस्था आ नैतिकता दुनू रूपमे देखल जा सकैत अछि।

८१३. (A) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध — व्याख्या: काव्यक धार्मिक चेतना आस्था आ नैतिकता दुनू रूपमे देखल जा सकैत अछि।

८१४. (A) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध — व्याख्या: काव्यक धार्मिक चेतना आस्था आ नैतिकता दुनू रूपमे देखल जा सकैत अछि।

८१५. (A) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध — व्याख्या: काव्यक धार्मिक चेतना आस्था आ नैतिकता दुनू रूपमे देखल जा सकैत अछि।

८१६. (B) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध — व्याख्या: काव्यक धार्मिक चेतना आस्था आ नैतिकता दुनू रूपमे देखल जा सकैत अछि।

८१७. (C) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध — व्याख्या: काव्यक धार्मिक चेतना आस्था आ नैतिकता दुनू रूपमे देखल जा सकैत अछि।

८१८. (D) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध — व्याख्या: काव्यक धार्मिक चेतना आस्था आ नैतिकता दुनू रूपमे देखल जा सकैत अछि।

८१९. (D) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध — व्याख्या: काव्यक धार्मिक चेतना आस्था आ नैतिकता दुनू रूपमे देखल जा सकैत अछि।

८२०. (B) आस्था, मर्यादा आ नैतिक बोध — व्याख्या: काव्यक धार्मिक चेतना आस्था आ नैतिकता दुनू रूपमे देखल जा सकैत अछि।

८२१. (B) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे पात्रक निर्णय ओकर नैतिक धरातल प्रकट करैत अछि।

८२२. (A) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे पात्रक निर्णय ओकर नैतिक धरातल प्रकट करैत अछि।

८२३. (C) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे पात्रक निर्णय ओकर नैतिक धरातल प्रकट करैत अछि।

८२४. (C) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे पात्रक निर्णय ओकर नैतिक धरातल प्रकट करैत अछि।

८२५. (A) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे पात्रक निर्णय ओकर नैतिक धरातल प्रकट करैत अछि।

८२६. (B) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे पात्रक निर्णय ओकर नैतिक धरातल प्रकट करैत अछि।

८२७. (D) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे पात्रक निर्णय ओकर नैतिक धरातल प्रकट करैत अछि।

८२८. (B) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे पात्रक निर्णय ओकर नैतिक धरातल प्रकट करैत अछि।

८२९. (B) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे पात्रक निर्णय ओकर नैतिक धरातल प्रकट करैत अछि।

८३०. (D) सही-असहीक बीच पात्रक परीक्षा — व्याख्या: महाकाव्यात्मक कथामे पात्रक निर्णय ओकर नैतिक धरातल प्रकट करैत अछि।

८३१. (C) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण — व्याख्या: मर्यादा काव्यक चरित्र-निर्माण आ सामाजिक अर्थक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

८३२. (A) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण — व्याख्या: मर्यादा काव्यक चरित्र-निर्माण आ सामाजिक अर्थक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

८३३. (C) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण — व्याख्या: मर्यादा काव्यक चरित्र-निर्माण आ सामाजिक अर्थक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

८३४. (B) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण — व्याख्या: मर्यादा काव्यक चरित्र-निर्माण आ सामाजिक अर्थक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

८३५. (C) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण — व्याख्या: मर्यादा काव्यक चरित्र-निर्माण आ सामाजिक अर्थक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

८३६. (C) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण — व्याख्या: मर्यादा काव्यक चरित्र-निर्माण आ सामाजिक अर्थक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

८३७. (C) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण — व्याख्या: मर्यादा काव्यक चरित्र-निर्माण आ सामाजिक अर्थक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

८३८. (B) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण — व्याख्या: मर्यादा काव्यक चरित्र-निर्माण आ सामाजिक अर्थक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

८३९. (B) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण — व्याख्या: मर्यादा काव्यक चरित्र-निर्माण आ सामाजिक अर्थक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

८४०. (D) व्यक्ति, परिवार आ समाजक संतुलित आचरण — व्याख्या: मर्यादा काव्यक चरित्र-निर्माण आ सामाजिक अर्थक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

८४१. (B) संकटमे चरित्रक स्थिरता — व्याख्या: दत्त-वतीक पाठमे आत्मबल स्त्री-गरिमा आ मानवीय मूल्यक रूपमे पढ़ल जा सकैत अछि।

८४२. (D) संकटमे चरित्रक स्थिरता — व्याख्या: दत्त-वतीक पाठमे आत्मबल स्त्री-गरिमा आ मानवीय मूल्यक रूपमे पढ़ल जा सकैत अछि।

८४३. (A) संकटमे चरित्रक स्थिरता — व्याख्या: दत्त-वतीक पाठमे आत्मबल स्त्री-गरिमा आ मानवीय मूल्यक रूपमे पढ़ल जा सकैत अछि।

८४४. (A) संकटमे चरित्रक स्थिरता — व्याख्या: दत्त-वतीक पाठमे आत्मबल स्त्री-गरिमा आ मानवीय मूल्यक रूपमे पढ़ल जा सकैत अछि।

८४५. (D) संकटमे चरित्रक स्थिरता — व्याख्या: दत्त-वतीक पाठमे आत्मबल स्त्री-गरिमा आ मानवीय मूल्यक रूपमे पढ़ल जा सकैत अछि।

८४६. (D) संकटमे चरित्रक स्थिरता — व्याख्या: दत्त-वतीक पाठमे आत्मबल स्त्री-गरिमा आ मानवीय मूल्यक रूपमे पढ़ल जा सकैत अछि।

८४७. (C) संकटमे चरित्रक स्थिरता — व्याख्या: दत्त-वतीक पाठमे आत्मबल स्त्री-गरिमा आ मानवीय मूल्यक रूपमे पढ़ल जा सकैत अछि।

८४८. (B) संकटमे चरित्रक स्थिरता — व्याख्या: दत्त-वतीक पाठमे आत्मबल स्त्री-गरिमा आ मानवीय मूल्यक रूपमे पढ़ल जा सकैत अछि।

८४९. (B) संकटमे चरित्रक स्थिरता — व्याख्या: दत्त-वतीक पाठमे आत्मबल स्त्री-गरिमा आ मानवीय मूल्यक रूपमे पढ़ल जा सकैत अछि।

८५०. (C) संकटमे चरित्रक स्थिरता — व्याख्या: दत्त-वतीक पाठमे आत्मबल स्त्री-गरिमा आ मानवीय मूल्यक रूपमे पढ़ल जा सकैत अछि।

८५१. (B) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप — व्याख्या: करुणा पात्रक पीड़ा कैँ मर्यादित, गम्भीर आ संवेदनशील बनबैत अछि।

८५२. (C) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप — व्याख्या: करुणा पात्रक पीड़ा कैँ मर्यादित, गम्भीर आ संवेदनशील बनबैत अछि।

८५३. (C) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप — व्याख्या: करुणा पात्रक पीड़ा कैँ मर्यादित, गम्भीर आ संवेदनशील बनबैत अछि।

८५४. (C) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप — व्याख्या: करुणा पात्रक पीड़ा कैँ मर्यादित, गम्भीर आ संवेदनशील बनबैत अछि।

८५५. (C) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप — व्याख्या: करुणा पात्रक पीड़ा कैँ मर्यादित, गम्भीर आ संवेदनशील बनबैत अछि।

८५६. (B) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप — व्याख्या: करुणा पात्रक पीड़ा कैँ मर्यादित, गम्भीर आ संवेदनशील बनबैत अछि।

८५७. (D) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप — व्याख्या: करुणा पात्रक पीड़ा कैँ मर्यादित, गम्भीर आ संवेदनशील बनबैत अछि।

८५८. (C) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप — व्याख्या: करुणा पात्रक पीड़ा कैँ मर्यादित, गम्भीर आ संवेदनशील बनबैत अछि।

८५९. (C) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप — व्याख्या: करुणा पात्रक पीड़ा कैँ मर्यादित, गम्भीर आ संवेदनशील बनबैत अछि।

८६०. (D) दुखक मानवीय आ कलात्मक रूप — व्याख्या: करुणा पात्रक पीड़ा कैँ मर्यादित, गम्भीर आ संवेदनशील बनबैत अछि।

८६१. (C) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना — व्याख्या: आधुनिक काव्य-पठनमे परम्परागत काव्यरूप आ नवीन भाव-दृष्टि दुनू देखल जाइत अछि।

८६२. (D) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना — व्याख्या: आधुनिक काव्य-पठनमे परम्परागत काव्यरूप आ नवीन भाव-दृष्टि दुनू देखल जाइत अछि।

८६३. (C) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना — व्याख्या: आधुनिक काव्य-पठनमे परम्परागत काव्यरूप आ नवीन भाव-दृष्टि दुनू देखल जाइत अछि।

८६४. (B) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना — व्याख्या: आधुनिक काव्य-पठनमे परम्परागत काव्यरूप आ नवीन भाव-दृष्टि दुनू देखल जाइत अछि।

८६५. (C) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना — व्याख्या: आधुनिक काव्य-पठनमे परम्परागत काव्यरूप आ नवीन भाव-दृष्टि दुनू देखल जाइत अछि।

८६६. (C) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना — व्याख्या: आधुनिक काव्य-पठनमे परम्परागत काव्यरूप आ नवीन भाव-दृष्टि दुनू देखल जाइत अछि।

८६७. (A) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना — व्याख्या: आधुनिक काव्य-पठनमे परम्परागत काव्यरूप आ नवीन भाव-दृष्टि दुनू देखल जाइत अछि।

८६८. (D) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना — व्याख्या: आधुनिक काव्य-पठनमे परम्परागत काव्यरूप आ नवीन भाव-दृष्टि दुनू देखल जाइत अछि।

८६९. (B) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना — व्याख्या: आधुनिक काव्य-पठनमे परम्परागत काव्यरूप आ नवीन भाव-दृष्टि दुनू देखल जाइत अछि।

८७०. (A) शास्त्रीय ढाँचा भीतर नवीन संवेदना — व्याख्या: आधुनिक काव्य-पठनमे परम्परागत काव्यरूप आ नवीन भाव-दृष्टि दुनू देखल जाइत अछि।

८७१. (D) नारीकैँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब — व्याख्या: शीर्षक आ कथ्य पाठककेँ नारी-पात्रक संवेदना आ गरिमा दिस लऽ जाइत अछि।

८७२. (B) नारीकैँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब — व्याख्या: शीर्षक आ कथ्य पाठककेँ नारी-पात्रक संवेदना आ गरिमा दिस लऽ जाइत अछि।

८७३. (B) नारीकैँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब — व्याख्या: शीर्षक आ कथ्य पाठककेँ नारी-पात्रक संवेदना आ गरिमा दिस लऽ जाइत अछि।

८७४. (A) नारीकैँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब — व्याख्या: शीर्षक आ कथ्य पाठककेँ नारी-पात्रक संवेदना आ गरिमा दिस लऽ जाइत अछि।

८७५. (D) नारीकैँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब — व्याख्या: शीर्षक आ कथ्य पाठककेँ नारी-पात्रक संवेदना आ गरिमा दिस लऽ जाइत अछि।

८७६. (B) नारीकैँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब — व्याख्या: शीर्षक आ कथ्य पाठककेँ नारी-पात्रक संवेदना आ गरिमा दिस लऽ जाइत अछि।

८७७. (B) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब — व्याख्या: शीर्षक आ कथ्य पाठककेँ नारी-पात्रक संवेदना आ गरिमा दिस लऽ जाइत अछि।

८७८. (B) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब — व्याख्या: शीर्षक आ कथ्य पाठककेँ नारी-पात्रक संवेदना आ गरिमा दिस लऽ जाइत अछि।

८७९. (C) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब — व्याख्या: शीर्षक आ कथ्य पाठककेँ नारी-पात्रक संवेदना आ गरिमा दिस लऽ जाइत अछि।

८८०. (A) नारीकेँ मात्र वस्तु नहि, मानवीय चेतना रूपेँ देखब — व्याख्या: शीर्षक आ कथ्य पाठककेँ नारी-पात्रक संवेदना आ गरिमा दिस लऽ जाइत अछि।

८८१. (B) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि कथाक आन्तरिक ऊर्जा होइत अछि।

८८२. (D) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि कथाक आन्तरिक ऊर्जा होइत अछि।

८८३. (A) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि कथाक आन्तरिक ऊर्जा होइत अछि।

८८४. (A) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि कथाक आन्तरिक ऊर्जा होइत अछि।

८८५. (B) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि कथाक आन्तरिक ऊर्जा होइत अछि।

८८६. (A) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि कथाक आन्तरिक ऊर्जा होइत अछि।

८८७. (D) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि कथाक आन्तरिक ऊर्जा होइत अछि।

८८८. (A) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि कथाक आन्तरिक ऊर्जा होइत अछि।

८८९. (D) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि कथाक आन्तरिक ऊर्जा होइत अछि।

८९०. (D) व्यक्ति, समाज, आ मूल्यक व्यापक समझ — व्याख्या: महाकाव्यात्मक रचनामे जीवन-दृष्टि कथाक आन्तरिक ऊर्जा होइत अछि।

८९१. (D) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गमे सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आ नैतिक भावक अध्ययन महत्त्वपूर्ण अछि।

८९२. (D) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गमे सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आ नैतिक भावक अध्ययन महत्त्वपूर्ण अछि।

८९३. (B) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गमे सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आ नैतिक भावक अध्ययन महत्त्वपूर्ण अछि।

८९४. (D) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गमे सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आ नैतिक भावक अध्ययन महत्त्वपूर्ण अछि।

८९५. (B) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गमे सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आ नैतिक भावक अध्ययन महत्त्वपूर्ण अछि।

८९६. (A) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गमे सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आ नैतिक भावक अध्ययन महत्त्वपूर्ण अछि।

८९७. (D) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गमे सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आ नैतिक भावक अध्ययन महत्त्वपूर्ण अछि।

८९८. (B) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गमे सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आ नैतिक भावक अध्ययन महत्त्वपूर्ण अछि।

८९९. (C) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गमे सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आ नैतिक भावक अध्ययन महत्त्वपूर्ण अछि।

९००. (A) कथ्यक भीतर समाज, मूल्य, संस्कार आ भावना खोजब — व्याख्या: दत्त-वतीक आरम्भिक सर्गमे सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आ नैतिक भावक अध्ययन महत्त्वपूर्ण अछि।

९०१. (D) कथ्यक कलात्मक विन्यास — व्याख्या: वस्तु-कौशलमे कथावस्तु केना सजल, खुलल आ विकसित भेल अछि—ई देखल जाइत अछि।

९०२. (A) कथ्यक कलात्मक विन्यास — व्याख्या: वस्तु-कौशलमे कथावस्तु केना सजल, खुलल आ विकसित भेल अछि—ई देखल जाइत अछि।

९०३. (C) कथ्यक कलात्मक विन्यास — व्याख्या: वस्तु-कौशलमे कथावस्तु केना सजल, खुलल आ विकसित भेल अछि—ई देखल जाइत अछि।

९०४. (A) कथ्यक कलात्मक विन्यास — व्याख्या: वस्तु-कौशलमे कथावस्तु केना सजल, खुलल आ विकसित भेल अछि—ई देखल जाइत अछि।

९०५. (A) कथ्यक कलात्मक विन्यास — व्याख्या: वस्तु-कौशलमे कथावस्तु केना सजल, खुलल आ विकसित भेल अछि—ई देखल जाइत अछि।

९०६. (A) कथ्यक कलात्मक विन्यास — व्याख्या: वस्तु-कौशलमे कथावस्तु केना सजल, खुलल आ विकसित भेल अछि—ई देखल जाइत अछि।

९०७. (C) कथ्यक कलात्मक विन्यास — व्याख्या: वस्तु-कौशलमे कथावस्तु केना सजल, खुलल आ विकसित भेल अछि—ई देखल जाइत अछि।

९०८. (A) कथ्यक कलात्मक विन्यास — व्याख्या: वस्तु-कौशलमे कथावस्तु केना सजल, खुलल आ विकसित भेल अछि—ई देखल जाइत अछि।

९०९. (C) कथ्यक कलात्मक विन्यास — व्याख्या: वस्तु-कौशलमे कथावस्तु केना सजल, खुलल आ विकसित भेल अछि—ई देखल जाइत अछि।

९१०. (C) कथ्यक कलात्मक विन्यास — व्याख्या: वस्तु-कौशलमे कथावस्तु केना सजल, खुलल आ विकसित भेल अछि—ई देखल जाइत अछि।

९११. (A) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल — व्याख्या: तुलनात्मक उत्तरमे पहिल सर्गक संकेत आ दोसर सर्गक विस्तार जोड़ल जाइत अछि।

९१२. (D) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल — व्याख्या: तुलनात्मक उत्तरमे पहिल सर्गक संकेत आ दोसर सर्गक विस्तार जोड़ल जाइत अछि।

९१३. (A) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल — व्याख्या: तुलनात्मक उत्तरमे पहिल सर्गक संकेत आ दोसर सर्गक विस्तार जोड़ल जाइत अछि।

९१४. (B) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल — व्याख्या: तुलनात्मक उत्तरमे पहिल सर्गक संकेत आ दोसर सर्गक विस्तार जोड़ल जाइत अछि।

९१५. (D) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल — व्याख्या: तुलनात्मक उत्तरमे पहिल सर्गक संकेत आ दोसर सर्गक विस्तार जोड़ल जाइत अछि।

९१६. (D) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल — व्याख्या: तुलनात्मक उत्तरमे पहिल सर्गक संकेत आ दोसर सर्गक विस्तार जोड़ल जाइत अछि।

९१७. (C) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल — व्याख्या: तुलनात्मक उत्तरमे पहिल सर्गक संकेत आ दोसर सर्गक विस्तार जोड़ल जाइत अछि।

९१८. (A) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल — व्याख्या: तुलनात्मक उत्तरमे पहिल सर्गक संकेत आ दोसर सर्गक विस्तार जोड़ल जाइत अछि।

९१९. (A) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल — व्याख्या: तुलनात्मक उत्तरमे पहिल सर्गक संकेत आ दोसर सर्गक विस्तार जोड़ल जाइत अछि।

९२०. (B) आरम्भिक बीज आ आगूक विकासक मेल — व्याख्या: तुलनात्मक उत्तरमे पहिल सर्गक संकेत आ दोसर सर्गक विस्तार जोड़ल जाइत अछि।

९२१. (D) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब — व्याख्या: संगठित उत्तरक पहिल भागमे परिचय स्पष्ट होयब जरूरी अछि।

९२२. (B) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब — व्याख्या: संगठित उत्तरक पहिल भागमे परिचय स्पष्ट होयब जरूरी अछि।

९२३. (D) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब — व्याख्या: संगठित उत्तरक पहिल भागमे परिचय स्पष्ट होयब जरूरी अछि।

९२४. (C) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब — व्याख्या: संगठित उत्तरक पहिल भागमे परिचय स्पष्ट होयब जरूरी अछि।

९२५. (C) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब — व्याख्या: संगठित उत्तरक पहिल भागमे परिचय स्पष्ट होयब जरूरी अछि।

९२६. (D) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब — व्याख्या: संगठित उत्तरक पहिल भागमे परिचय स्पष्ट होयब जरूरी अछि।

९२७. (A) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब — व्याख्या: संगठित उत्तरक पहिल भागमे परिचय स्पष्ट होयब जरूरी अछि।

९२८. (B) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब — व्याख्या: संगठित उत्तरक पहिल भागमे परिचय स्पष्ट होयब जरूरी अछि।

९२९. (B) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब — व्याख्या: संगठित उत्तरक पहिल भागमे परिचय स्पष्ट होयब जरूरी अछि।

९३०. (D) कृति, कवि, पाठ-सीमा आ विधा बताब — व्याख्या: संगठित उत्तरक पहिल भागमे परिचय स्पष्ट होयब जरूरी अछि।

९३१. (C) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब — व्याख्या: निष्कर्षमे काव्यक सम्पूर्ण प्रभावकेँ संक्षेपमे देखाएब चाही।

९३२. (A) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब — व्याख्या: निष्कर्षमे काव्यक सम्पूर्ण प्रभावकेँ संक्षेपमे देखाएब चाही।

९३३. (B) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब — व्याख्या: निष्कर्षमे काव्यक सम्पूर्ण प्रभावकेँ संक्षेपमे देखाएब चाही।

९३४. (D) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब — व्याख्या: निष्कर्षमे काव्यक सम्पूर्ण प्रभावकेँ संक्षेपमे देखाएब चाही।

९३५. (A) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब — व्याख्या: निष्कर्षमे काव्यक सम्पूर्ण प्रभावकेँ संक्षेपमे देखाएब चाही।

९३६. (C) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब — व्याख्या: निष्कर्षमे काव्यक सम्पूर्ण प्रभावकेँ संक्षेपमे देखाएब चाही।

९३७. (B) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब — व्याख्या: निष्कर्षमे काव्यक सम्पूर्ण प्रभावकेँ संक्षेपमे देखाएब चाही।

९३८. (B) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब — व्याख्या: निष्कर्षमे काव्यक सम्पूर्ण प्रभावकेँ संक्षेपमे देखाएब चाही।

९३९. (C) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब — व्याख्या: निष्कर्षमे काव्यक सम्पूर्ण प्रभावकेँ संक्षेपमे देखाएब चाही।

९४०. (A) काव्यक कथ्य, चरित्र, भाषा आ सांस्कृतिक महत्त्व जोड़ब — व्याख्या: निष्कर्षमे काव्यक सम्पूर्ण प्रभावकेँ संक्षेपमे देखाएब चाही।

९४१. (C) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब — व्याख्या: दत्त-वती पर उत्तरमे सर्ग-सीमा आ पाठक विशेषता निबाहब आवश्यक अछि।

९४२. (D) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब — व्याख्या: दत्त-वती पर उत्तरमे सर्ग-सीमा आ पाठक विशेषता निबाहब आवश्यक अछि।

९४३. (A) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब — व्याख्या: दत्त-वती पर उत्तरमे सर्ग-सीमा आ पाठक विशेषता निबाहब आवश्यक अछि।

९४४. (A) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब — व्याख्या: दत्त-वती पर उत्तरमे सर्ग-सीमा आ पाठक विशेषता निबाहब आवश्यक अछि।

९४५. (B) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब — व्याख्या: दत्त-वती पर उत्तरमे सर्ग-सीमा आ पाठक विशेषता निबाहब आवश्यक अछि।

९४६. (A) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब — व्याख्या: दत्त-वती पर उत्तरमे सर्ग-सीमा आ पाठक विशेषता निबाहब आवश्यक अछि।

९४७. (D) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब — व्याख्या: दत्त-वती पर उत्तरमे सर्ग-सीमा आ पाठक विशेषता निबाहब आवश्यक अछि।

९४८. (B) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब — व्याख्या: दत्त-वती पर उत्तरमे सर्ग-सीमा आ पाठक विशेषता निबाहब आवश्यक अछि।

९४९. (B) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब — व्याख्या: दत्त-वती पर उत्तरमे सर्ग-सीमा आ पाठक विशेषता निबाहब आवश्यक अछि।

९५०. (C) कथा जाने बिना सामान्य बात लिखब — व्याख्या: दत्त-वती पर उत्तरमे सर्ग-सीमा आ पाठक विशेषता निबाहब आवश्यक अछि।

९५१. (A) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित — व्याख्या: चरित्रक विश्लेषण ओकर व्यवहार, भाव आ निर्णयक आधार पर होइत अछि।

९५२. (A) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित — व्याख्या: चरित्रक विश्लेषण ओकर व्यवहार, भाव आ निर्णयक आधार पर होइत अछि।

९५३. (D) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित — व्याख्या: चरित्रक विश्लेषण ओकर व्यवहार, भाव आ निर्णयक आधार पर होइत अछि।

९५४. (C) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित — व्याख्या: चरित्रक विश्लेषण ओकर व्यवहार, भाव आ निर्णयक आधार पर होइत अछि।

९५५. (C) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित — व्याख्या: चरित्रक विश्लेषण ओकर व्यवहार, भाव आ निर्णयक आधार पर होइत अछि।

९५६. (D) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित — व्याख्या: चरित्रक विश्लेषण ओकर व्यवहार, भाव आ निर्णयक आधार पर होइत अछि।

९५७. (B) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित — व्याख्या: चरित्रक विश्लेषण ओकर व्यवहार, भाव आ निर्णयक आधार पर होइत अछि।

९५८. (B) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित — व्याख्या: चरित्रक विश्लेषण ओकर व्यवहार, भाव आ निर्णयक आधार पर होइत अछि।

९५९. (B) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित — व्याख्या: चरित्रक विश्लेषण ओकर व्यवहार, भाव आ निर्णयक आधार पर होइत अछि।

९६०. (D) कर्म, संवाद, मनोदशा आ मूल्य पर आधारित — व्याख्या: चरित्रक विश्लेषण ओकर व्यवहार, भाव आ निर्णयक आधार पर होइत अछि।

९६१. (A) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब — व्याख्या: रस-विवेचनमे प्रसंग, पात्र आ भाषिक प्रभावक सम्बन्ध बुझब जरूरी अछि।

९६२. (D) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब — व्याख्या: रस-विवेचनमे प्रसंग, पात्र आ भाषिक प्रभावक सम्बन्ध बुझब जरूरी अछि।

९६३. (C) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब — व्याख्या: रस-विवेचनमे प्रसंग, पात्र आ भाषिक प्रभावक सम्बन्ध बुझब जरूरी अछि।

९६४. (A) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब — व्याख्या: रस-विवेचनमे प्रसंग, पात्र आ भाषिक प्रभावक सम्बन्ध बुझब जरूरी अछि।

९६५. (C) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब — व्याख्या: रस-विवेचनमे प्रसंग, पात्र आ भाषिक प्रभावक सम्बन्ध बुझब जरूरी अछि।

९६६. (C) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब — व्याख्या: रस-विवेचनमे प्रसंग, पात्र आ भाषिक प्रभावक सम्बन्ध बुझब जरूरी अछि।

९६७. (A) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब — व्याख्या: रस-विवेचनमे प्रसंग, पात्र आ भाषिक प्रभावक सम्बन्ध बुझब जरूरी अछि।

९६८. (A) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब — व्याख्या: रस-विवेचनमे प्रसंग, पात्र आ भाषिक प्रभावक सम्बन्ध बुझब जरूरी अछि।

९६९. (A) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब — व्याख्या: रस-विवेचनमे प्रसंग, पात्र आ भाषिक प्रभावक सम्बन्ध बुझब जरूरी अछि।

९७०. (C) भावक परिपक्व कलात्मक प्रभाव देखब — व्याख्या: रस-विवेचनमे प्रसंग, पात्र आ भाषिक प्रभावक सम्बन्ध बुझब जरूरी अछि।

९७१. (A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन — व्याख्या: भाषा पर प्रश्नक उत्तरमे काव्यभाषाक ठोस गुण स्पष्ट करब चाही।

९७२. (A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन — व्याख्या: भाषा पर प्रश्नक उत्तरमे काव्यभाषाक ठोस गुण स्पष्ट करब चाही।

९७३. (A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन — व्याख्या: भाषा पर प्रश्नक उत्तरमे काव्यभाषाक ठोस गुण स्पष्ट करब चाही।

९७४. (A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन — व्याख्या: भाषा पर प्रश्नक उत्तरमे काव्यभाषाक ठोस गुण स्पष्ट करब चाही।

९७५. (C) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन — व्याख्या: भाषा पर प्रश्नक उत्तरमे काव्यभाषाक ठोस गुण स्पष्ट करब चाही।

९७६. (D) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन — व्याख्या: भाषा पर प्रश्नक उत्तरमे काव्यभाषाक ठोस गुण स्पष्ट करब चाही।

९७७. (A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन — व्याख्या: भाषा पर प्रश्नक उत्तरमे काव्यभाषाक ठोस गुण स्पष्ट करब चाही।

९७८. (A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन — व्याख्या: भाषा पर प्रश्नक उत्तरमे काव्यभाषाक ठोस गुण स्पष्ट करब चाही।

९७९. (B) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन — व्याख्या: भाषा पर प्रश्नक उत्तरमे काव्यभाषाक ठोस गुण स्पष्ट करब चाही।

९८०. (A) शब्द-चयन, लय, अलंकार आ वाक्य-गठन — व्याख्या: भाषा पर प्रश्नक उत्तरमे काव्यभाषाक ठोस गुण स्पष्ट करब चाही।

९८१. (A) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप — व्याख्या: विधागत उत्तरमे सर्गबद्ध कथा, काव्य-भंगिमा आ चरित्र-विकासक उल्लेख करब उचित अछि।

९८२. (C) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप — व्याख्या: विधागत उत्तरमे सर्गबद्ध कथा, काव्य-भंगिमा आ चरित्र-विकासक उल्लेख करब उचित अछि।

९८३. (A) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप — व्याख्या: विधागत उत्तरमे सर्गबद्ध कथा, काव्य-भंगिमा आ चरित्र-विकासक उल्लेख करब उचित अछि।

९८४. (D) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप — व्याख्या: विधागत उत्तरमे सर्गबद्ध कथा, काव्य-भंगिमा आ चरित्र-विकासक उल्लेख करब उचित अछि।

९८५. (A) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप — व्याख्या: विधागत उत्तरमे सर्गबद्ध कथा, काव्य-भंगिमा आ चरित्र-विकासक उल्लेख करब उचित अछि।

९८६. (D) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप — व्याख्या: विधागत उत्तरमे सर्गबद्ध कथा, काव्य-भंगिमा आ चरित्र-विकासक उल्लेख करब उचित अछि।

९८७. (C) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप — व्याख्या: विधागत उत्तरमे सर्गबद्ध कथा, काव्य-भंगिमा आ चरित्र-विकासक उल्लेख करब उचित अछि।

९८८. (A) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप — व्याख्या: विधागत उत्तरमे सर्गबद्ध कथा, काव्य-भंगिमा आ चरित्र-विकासक उल्लेख करब उचित अछि।

९८९. (A) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप — व्याख्या: विधागत उत्तरमे सर्गबद्ध कथा, काव्य-भंगिमा आ चरित्र-विकासक उल्लेख करब उचित अछि।

९९०. (A) दत्त-वतीक महाकाव्यात्मक/प्रबन्धात्मक स्वरूप — व्याख्या: विधागत उत्तरमे सर्गबद्ध कथा, काव्य-भंगिमा आ चरित्र-विकासक उल्लेख करब उचित अछि।

९९१. (D) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब — व्याख्या: समग्र मूल्यांकनमे लेखक, विधा, कथ्य, भाषा, स्त्री-दृष्टि आ सांस्कृतिक अर्थ जोड़ल जाइत अछि।

९९२. (D) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब — व्याख्या: समग्र मूल्यांकनमे लेखक, विधा, कथ्य, भाषा, स्त्री-दृष्टि आ सांस्कृतिक अर्थ जोड़ल जाइत अछि।

९९३. (A) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब — व्याख्या: समग्र मूल्यांकनमे लेखक, विधा, कथ्य, भाषा, स्त्री-दृष्टि आ सांस्कृतिक अर्थ जोड़ल जाइत अछि।

९९४. (A) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब — व्याख्या: समग्र मूल्यांकनमे लेखक, विधा, कथ्य, भाषा, स्त्री-दृष्टि आ सांस्कृतिक अर्थ जोड़ल जाइत अछि।

९९५. (A) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब — व्याख्या: समग्र मूल्यांकनमे लेखक, विधा, कथ्य, भाषा, स्त्री-दृष्टि आ सांस्कृतिक अर्थ जोड़ल जाइत अछि।

९९६. (B) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब — व्याख्या: समग्र मूल्यांकनमे लेखक, विधा, कथ्य, भाषा, स्त्री-दृष्टि आ सांस्कृतिक अर्थ जोड़ल जाइत अछि।

९९७. (D) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब — व्याख्या: समग्र मूल्यांकनमे लेखक, विधा, कथ्य, भाषा, स्त्री-दृष्टि आ सांस्कृतिक अर्थ जोड़ल जाइत अछि।

९९८. (B) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब — व्याख्या: समग्र मूल्यांकनमे लेखक, विधा, कथ्य, भाषा, स्त्री-दृष्टि आ सांस्कृतिक अर्थ जोड़ल जाइत अछि।

९९९. (C) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब — व्याख्या: समग्र मूल्यांकनमे लेखक, विधा, कथ्य, भाषा, स्त्री-दृष्टि आ सांस्कृतिक अर्थ जोड़ल जाइत अछि।

१०००. (C) दत्त-वतीकेँ आधुनिक मैथिली काव्य-परम्परामे महत्त्वपूर्ण रूपेँ पढ़ब — व्याख्या: समग्र मूल्यांकनमे लेखक, विधा, कथ्य, भाषा, स्त्री-दृष्टि आ सांस्कृतिक अर्थ जोड़ल जाइत अछि।